# ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण

## आदि गौड़ ऋषीश्वर ब्राह्मण पत्रिका

| | | | |
|---|---|---|---|
| ब्राह्मण - आदि गौड़ | वेद - यजुर्वेद [शुक्ल] | गंगा - गोदावरी | माला - रुद्राक्ष |
| उपाधि - ऋषीश्वर | उपवेद - धनुर्वेद | देवता - शिवजी | शिखा - दाहिनी |
| ऋषि - वशिष्ठ जी | शाखा - माध्यंदिन | कुलदेवी - सरस्वती | पाद - दाहिना |
| खेरा - नाशिक | सूत्र - कात्यायन | तिलक - त्रिपुण्ड | वृक्ष - पीपल |

### गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं। भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परामात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं,
परमात्मा का वह तेज हमारी बुद्धि को सद्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें।

### संकल्प पत्र

मैं संकल्प लेता हूँ कि ब्राह्मण धर्म का अनुसरण करते हुए प्रातः काल स्नान कर, अपने मस्तक पर इष्ट देव का तिलक धारण अवश्य करूँगा। अपनी रूचि अनुसार, अष्टगंध, रोली, चंदन अथवा गंगा जल से तिलक अवश्य लगाऊंगा। साथ ही अपने सम्पर्क में आने वाले सभी बंधुओं को तिलक लगाने के लिए प्रेरित करूंगा।

(संकल्प करें और तिलक धारण किया फोटो पत्रिका के ग्रुप पर भेज दें)

विप्र श्रेष्ठ नाम........................................................स्थान......................................

सहयोग राशि : 200/-

वर्ष 2023

**प्रकाशक : ऋषीश्वर ब्राह्मण संस्कृति मंच**

कार्यालय : 134, बरूआ नगर, भिण्ड (मध्यप्रदेश)

मोबा: 8770468036 (पत्रिका संयोजक : देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट)

# विषय सूची

**देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट**

संयोजक ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण

सप्रेम नमस्कार

पत्रिका प्रकाशन में बहुत से बंधुओं का योगदान है उन सभी का सहृदय आभार व्यक्त करता हूं।आज के समय में वही समाज अग्रणी माना जाता है जिसमें सामाजिक जानकारियां तकनीकी ढंग से लोगों के पास पहुंच रही होती हैं।वह ढंग चाहें पत्रिका के द्वारा हो या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के द्वारा हो।

पत्रिका प्रकाशन की प्रेरणा इस विचार से आई थी कि ऐसी कोई सुविधा शुरू हो जिससे सरल ढंग से अधिकतम सामाजिक जानकारी लोगों को उपलब्ध हो जाए। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम को अपनाने में समाज अभी समय लेगा, इसलिए पत्रिका प्रकाशन एक विश्वसनीय माध्यम लगा।प्रत्येक उम्र के लोग पत्रिका का पाठन कर सकते हैं।

समाज का जो ऐतिहासिक परिचय उपलब्ध हो रहा है वह दुर्लभ हैं, क्योंकि उन्हें संग्रहीत करना काफी कठिन होता है। हमारे कुछ बुजुर्गगण ऐसे हैं जिनके पास ये जानकारियां हैं और उन्हें संग्रहीत ना किया जाए तो वे उनके साथ ही चलीं जाएंगी। पत्रिका छपने के पहले काफी लोगों से संपर्क किया गया है जिससे इतिहास निकल कर आ सके। दुर्लभ ऐतिहासिक लेखों का संकलन निश्चित ही गर्व की अनुभूति प्रदान करेगा।इस संकलन में श्री रमेश उपाध्याय जी (चंदहरा वाले) का बहुमूल्य योगदान रहा है।

पत्रिका में परिवार फोटो होने के कारण एक नया प्रयोग है और समीक्षा से ही पत्रिका की उपयोगिता सामने आ सकेगी। 300 परिवारों एवं कुछ प्रतिभाओं के परिचय समाहित हैं। पत्रिका में बहुत से फोटो सहित सम्पूर्ण परिवार परिचय मिल जाना निश्चित ही रुचिकर रहेगा।प्रतिभाशाली बच्चों के परिचय, अन्य प्रतिभाओं को प्रेरणा प्रदान करेंगे। ये परिचय सामाजिक ज्ञान को बढ़ाने में निश्चित रूप से सहायक हो सकते हैं।समाज में परिचय का दायरा बढ़ना समय की मांग है।

**आचार्य राजेश शास्त्री**

श्रीमद् भागवत कथा वाचक, ग्राम फूप, जिला–भिण्ड

प्रिय ऋषीश्वर बंधुओं

ऋषीश्वर परिवारिक परिचय पत्रिका "ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण का प्रकाशन समय की मांग है क्योंकि आज परिचय के दायरे बहुत सिमट गए हैं। कारण यह कि आज के समय में व्यक्ति रोजगार और व्यवसाय के लिए ग्रामीण क्षेत्र से दूर शहरों में निवास कर रहा है। कई शहरों में समाज के गिने चुने परिवार हैं या अन्य किसी की मौजूदगी की जानकारी नहीं है तो ऐसे में सामाजिक संपर्क का अभाव रहता है। वैवाहिक सम्बन्धों की दृष्टि से देखा जाए तो जरूरतमंद व्यक्तियों के पास विवाह योग्य लड़के और लड़कियों और उनकी परिवारिक पृष्ठभूमि की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती है। फलस्वरूप अपने लड़के एवं लड़की के योग्य घर ढूढने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आज समाज में कई लड़के जिनकी उम्र 30 या 30 के पार हो चुकी है कुंवारे घूम रहे है क्योंकि उनके बारे में स्पष्ट बायोडेटा उनके परिवार की जानकारी समाज के पास उपलब्ध नहीं है, ऐसे में पत्रिका एक बेहतर प्लेटफार्म सिद्ध हो सकती है। इसके साथ ही पत्रिका में समाज की ऐतिहासिक जानकारियों का भी समावेश किया जा रहा है। जिससे सभी को समाज के गौरवशाली इतिहास का पता चलेगा और ज्ञान में वृद्धि होगी।

पत्रिका के संयोजन का कार्य श्री देवेन्द्र दीक्षित द्वारा किया गया है उनका कार्य सराहनीय है। पत्रिका समय की मांग है, सामाजिक जानकारियों का आदान प्रदान करने में उपयोगी सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है। यह आगे भी प्रकाशित होती रहे यह जरूरी है। पत्रिका के सभी सहयोगकर्ताओं को धन्यवाद और शुभकामनाएं।

---

सत्यमेव जयति नानृतं<br>
सत्येन पन्था विततो देवयानः।<br>
येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा<br>
यत्र तत् सत्यस्य परमं निधानम्॥<br>
–मुण्डोपनिषद्

अर्थात् सत्य ही विजयी होता है, झूठ नहीं , क्योंकि वह देवयान नामक मार्ग सत्य से परिपूर्ण है, जिससे पूर्णकाम ऋषि लोग वहाँ गमन करते हैं जहाँ वह सत्य स्वरूप परब्रह्म का उत्कृष्ट धाम है।

## इंजी. श्री संजीव शर्मा

सीनियर इंजीनियर नोएडा, ग्राम विन्डवा, जिला-मुरैना

सभी को नमस्कार

ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण पत्रिका के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई। यह उन सभी परिवारों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी, जो अपनी नौकरी या व्यवसाय के कारण समाज बाहुल्य क्षेत्र से दूर रहते है। कई बार ऐसा होता है कि उसी शहर में अपने समाज के लोग निवास कर रहे होते हैं लेकिन हमें जानकारी नहीं होती है। यदि जानकारी हो जाए तो परिचय विस्तार किया जा सकता है। इस पत्रिका में 300 परिवारों की डिटेल आई है, इसी प्रकार आगे भी परिवारों की विस्तृत जानकारियाँ आती रहें तो समाज को बड़ा योगदान मिलेगा। इससे समाज में परिचय का दायरा बढ़ेगा। पत्रिका से समाज में एक दूसरे से जान पहचान तो बढ़ेगी ही, साथ में यह शादी संबंधों को जोड़ने में भी सहायता देगी।

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से हमें सामाजिक चिंतन का पता चल सकेगा। ऐतिहासिक जानकारियों से हमारे ज्ञान में वृद्धि होगी और गौरव का भाव जागेगा। इसलिए इस पत्रिका के प्रकाशन से निःसंदेह एक अच्छा संदेश समाज में जाएगा। मेरा निजी तौर पर यह मानना है कि पत्रिका का कोई विकल्प नहीं है। इसको पढ़ने से जो सुखद अहसास होता है वह स्क्रीन पर पढ़ने से नहीं मिलता है। वर्तमान में पत्रिकाओं का चलन कम हुआ है लेकिन इसके चाहने वाले आज भी बहुत लोग हैं। विशेषकर सामाजिक जानकारियों के लिए तो पत्रिका प्रकाशित होते रहना चाहिए। आज के आधुनिक युग में डिजीटल प्लेटफॉर्म, मेट्रीमोनियल बेवसाइट जैसी आधुनिक तकनीक का सहयोग लेना भी आवश्यक है। अभी समाज में इस ओर ध्यान आकर्षित नहीं हुआ है जो अत्यन्त आवश्यक है, यह सुविधा भी समाज में उपलब्ध है। साथ में सामूहिक परिचय सम्मेलन की स्वीकार्यता भी आवश्यक है। शादी संबंधों के लिये परिचय सम्मेलन के बिना काम चलना सम्भव नहीं है। एक जगह ऐसी सुविधा मिल जाये जहाँ वरवधू चयन सुगमता से हो सकें। इस तरह के प्लेटफार्म की आवश्यकता है।

## श्री पवन शर्मा

प्रधानाध्यापक, रूधावली वाले, जिला-मुरैना

जय श्री राम जय ऋषीश्वर

हम सभी की रूचि इस में होती है कि समाज की विस्तृत ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त हो। अपनी संस्कृति और धर्म में रूचि बनाए रखने के लिये प्रत्येक ऋषीश्वर बंधु जानना चाहता है कि हमारे पूर्वज कौन थे, कहां से आए, क्या गौरवशाली इतिहास रहा। पूर्व में भी कुछ गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा पुस्तकें लिखी गई हैं। हमने उनको भी पढ़ा है और अपने पूर्वजों से भी काफी कुछ सुना है। इन सभी जानकारियों का संकलन "ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण" पत्रिका में पिरोया जा रहा है। इस पुस्तक को गढ़ने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति का किसी न किसी प्रकार से सहयोग रहा है उन सभी समाज प्रेमियों को मेरा सादर प्रणाम है। उन्होनें अपने अथक प्रयासों से हमको एक बहुमूल्य ग्रंथ उपलब्ध कराया है। वे सभी इस ग्रंथ के शिल्पकार हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए उदाहरण हैं, पथ प्रदर्शक हैं। पत्रिका प्रकाशन का कार्य इसके संयोजक श्री देवेन्द्र दीक्षित हाल निवास भिण्ड के प्रयासों से किया जा रहा है, उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ।

इस पुस्तक में फोटो सहित परिवार परिचय और महत्वपूर्ण लेखों का संकलन देखने को मिलेगा। अन्य ऋषीश्वर ग्रन्थों की तरह यह पुस्तक भी समाज के लिए उपयोगी साबित होगी, और विभिन्न लाभ प्राप्त होंगे। इस पुस्तक या ग्रंथ के माध्यम से हमें समाज के विषय में अनगिनत लाभदायक जानकारियां प्राप्त होने जा रही हैं। यह पुस्तक हमारे समाज के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। मैं एक बार पुनः "ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण के संयोजन में संलग्न सभी बंधुओं को प्रणाम करता हूँ।

---

पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥
-बृहदारण्यक उपनिषद्

अर्थात् वह (पारमार्थिक सत्य) पूर्ण है, यह (जागतिक सत्य) भी पूर्ण है क्योंकि उस पूर्ण से ही यह पूर्ण उत्पन्न हुआ है, इसलिए उस पूर्ण में से इस पूर्ण को निकाल लेने पर भी पूर्ण ही शेष रहता है।

# परदेश से अपनों के नाम एक संदेश

## इंजी.धर्मेन्द्र शर्मा

पुत्र: श्री मुरारी लाल शर्मा (बाबरीपुरा वाले)
मूल निवास गाँधी कॉलोनी, मुरैना
हाल निवास: डैलस, टैक्सास, (यू.एस.ए.)


सभी समाजप्रेमी बंधुओं को प्रणाम !!

आज के वैश्वीकरण के दौर में बहुत कम लोग ही इतने भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें अपने ही गृह नगर या प्रदेश में जीवन यापन करने का अवसर प्राप्त हो पाता है। ज्यादातर युवाओं को या तो कॉलेज की पढ़ाई या फिर नौकरी के चलते शहर और प्रदेश से बाहर जाना पड़ता है। कई बार तो देश भी छोड़ना पड़ता है।

अब इसे मजबूरी कह लो या अवसर कि मुझे भी लगभग 24 वर्ष पहले अपना घर परिवार छोड़कर स्कूली शिक्षा के लिए 500 किमी दूर रीवा जाना पड़ा था। तब मेरी उम्र 10 वर्ष थी। इतनी कम उम्र में घरवालों से दूर हॉस्टल में रहना अपने आप में ही एक परीक्षा थी जिसे मैनें और मेरे माता-पिता ने अच्छे भविष्य की आकांक्षा में चुना था।

स्कूली शिक्षा के पूर्ण होने पर सेना में अफसर बनने की जो उम्मीद थी वह पूरी ना हो सकी और हम भी इंजीनियर बनने के लिए भोपाल आ गये। इंजीनियरिंग पूरी होने के बाद कैंपस सिलेक्शन से, नौकरी तो मिल गई पर फिर से शहर बदलना पड़ा। इस बार पड़ाव था देश के राजधानी क्षेत्र में आने वाला शहर नोएडा।

नोएडा में पहली बार अपने करीबी रिश्तेदारों के अलावा समाज के अन्य लोगों से मिलने का मौका मिला, जिसका श्रेय श्री फूलसिंह शर्मा भाईसाहब को जाता है। उन्होनें वर्ष 2013 में एक कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में रह रहे समाज के लोगों से मिलने का अवसर मिला था। उसके पहले तक जीवन में सिर्फ स्वयं और परिवार के हित हेतु प्रयासरत थे। पहली बार यह विचार आया कि हमें जो अवसर मिला वह बाकी लोगों को कैसे प्राप्त हो। समाज के लोगों को मैं अपने जीवन के संक्षिप्त अनुभवों से कैसे लाभान्वित कर सकता हूँ ?

इसी बीच शादी हो गई और प्राथमिकताएं बदल गयी। समय के साथ परिवार में वृद्धि हुई और एक नन्हे बालक ने हमारे घर जन्म लिया। जीवन अपनी गति से चल रहा था। 2017 में कंपनी की ओर से अमरीका जाने का अवसर मिल गया और हम परिवार समेत अमरीका (USA) के टेक्सस प्रांत के डैलस (Dallas) आ गये।

इसी बीच व्हाट्सऐप के माध्यम से समाज के कुछ समूहों में जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। शुरूआत में प्रयास था कि समाज के जितने भी लोग भिण्ड-मुरैना-ग्वालियर से बाहर रह रहे हैं उनको एक मंच पर लाया जाये।

मुझसे जितना हो सका में समाज की चर्चा में जुड़ पाया 2020 मार्च में कोरोना की दस्तक के बाद जो एकजुटता देखने को मिली वह बहुत प्रेरणादायक रहा।

हमने प्रयास किए कि समाज में विधवा पुर्नविवाह की शुरूआत की जाये। मुझे यह जानकर बहुत हर्ष हुआ कि पिछले वर्ष हमें इसमें सफलता मिली और समाज में एक नयी रीति का आरंभ हुआ है, जिससे हमारी बहनों को जीवन में फिर से उम्मीद बंधी है। ऐसा ही एक और प्रयास महिला स्वावलंबन का है जो समय समय पर आयोजन कर सिलाई मशीन वितरण किया जा रहा है। मुझे खुशी है कि परोक्ष माध्यम से ही परंतु समाज के कार्यक्रमों में जुड़ने का अवसर मुझे मिलता रहा है।

विदेश में रहकर एक बात जो मुझे समझ आयी है वह यह कि व्यक्ति का अपनी जड़ो से जुड़े रहना बहुत जरूरी है वरना वह सागर में तैरते हुए तिनके के सामान हो जाता है, जिसकी अपनी कोई पहचान नहीं रह जाती है। समय के साथ यह ज्ञान भी हुआ कि माता-पिता के लिए बच्चों की खुशी और भलाई से बढ़कर कोई और चीज नहीं होती है। कभी कभार हमसे समझने में भूल हो जाती है।

अंत में मैं अपने अनुभवों के आधार पर अपने युवा साथियों और बड़ो से यही कहना चाहूँगा कि पढ़ाई और नौकरी के लिए शादी को अत्यधिक ना टालें और 25 वर्ष तक विवाह कर लें। बहुत ज्यादा अच्छी नौकरी या बहुत अच्छे रिश्ते के इंतजार में जीवन अकेले व्यतीत ना करें। जीवन की उपलब्धियों का असली आनंद अपने परिवार के साथ उन पलों को जीने में हैं।

एक और बात जो में अपने अनुभव से आप लोगो से साझा करना चाहूँगा वह है सीमित परिवार को लेकर। नयी पीढ़ी में जहां लोग अपनी जिंदगी को जीने को ज्यादा महत्व दे रहे हैं वहाँ परिवार सिमटते जा रहे हैं। आजकल हम दो हमारे दो नहीं बल्कि हम दो हमारा एक हो गया। चाहे लड़का हो या लड़की इस बात की कोई परवाह नहीं करते है। इसके चलते आने वाले समय में कई रिश्ते बचेंगे ही नहीं। भाई, बहन, मौसी, चाचा, मामा, बुआ आदि सिर्फ कहानियों में ही रह जाएँगे। परिवार ही आपके सुख-दुख का साथी है। बड़े लोग कह गये हैं कि जीवन में हर चीज कभी भी पायी जा सकती है। सिर्फ संतान का सुख ही एक ऐसी चीज है जो एक उम्र के बाद नहीं हो सकता है। इसी लिये केरियर, घूमना, महँगाई सब होता रहेगा परन्तु अपने पितृ ऋण से विमुख नहीं हुआ जा सकता है। समय पर शादी और फिर संतान सुख की ओर ध्यान देना भी जरूरी है। कुछ माह पहले ही हमारे परिवार में दूसरें पुत्र का आगमन हुआ है खुशियाँ भी दुगुनी हो गयी हैं।

---

लोकमान्य तिलक ने कहा है कि, 'मैं नरक में भी उत्तम पुस्तकों का स्वागत करूंगा क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ ये रहेंगी वहां अपने आप ही स्वर्ग बन जाएगा।' अच्छी पुस्तकों के अध्ययन के समय मनुष्य की गति एक सूक्ष्म विचार लोक में होने लगती है। यह ध्यान की अवस्था आनन्ददायी होती है तथा उच्च विचारों व भावलोक का सानिध्य, स्वर्ग जैसी अनुभूति प्रदान करता है। कई व्यक्ति सद्ग्रंथों का अध्ययन करते समय दिव्य भाव भूमि या समाधि अवस्था में प्रवेश कर जाते हैं व चेतना के उच्च स्तरों से तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। कई रहस्यपूर्ण तथ्यों की खोज भी उच्च चेतना के संपर्क में आने से हो जाती है। साथ ही व्यक्ति की बुद्धि बहुआयामी हो जाती है।

# वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ब्राह्मण समाज

**सत्यनारायण चतुर्वेदी**

शिक्षक माध्यमिक विद्यालय, कॉटनजीन, भिण्ड
अकोड़ा, जिला-भिण्ड


ब्राह्मण वर्ग ने त्याग, तपस्या, बुद्धिबल एवं उच्च आदर्शों के सहारे हर युग में कीर्तिमान स्थापित किये हैं। और इन गुणों के कारण समाज में श्रेष्ठता स्थापित की है। आज भी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ब्राह्मण वर्ग अन्य वर्गों की अपेक्षा कहीं अधिक सेवा दे रहा है तथा राष्ट्र की उन्नति व उसे परम वैभव की ओर ले जाने के लिए प्राण प्रण से जुटा है। स्वतंत्रता आन्दोलन हो, युद्धकाल हो या शान्ति काल ब्राह्मण समुदाय ने राष्ट्र की सर्वोपरि सेवा की है। स्वतंत्रता के बाद ब्राह्मण वर्ग को सम्पन्न मानकर सभी प्रकार की शासकीय सहायताओं या सुविधाओं से वंचित रखा गया है, जबकि ब्राह्मण समुदाय में भी एक बहुत बड़ा वर्ग है जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। आरक्षण से ब्राह्मण वर्ग के बच्चों को, आगे बढ़ने के अवसर निरंतर कम होते गये हैं, इसके बाद भी ब्राह्मण वर्ग ने धैर्यपूर्वक समाज के अन्य वर्गों की उन्नति को दृष्टिगत रखते हुए आरक्षण व्यवस्था को स्वीकार किया है। परन्तु पिछले कुछ वर्षों से देश में ब्राह्मण वर्ग के प्रति घृणा एवं विद्रोह के बीज बोये जा रहे है।

ब्राह्मणों के त्याग, समर्पण और बलिदानों को भुलाकर एक ऐसी गलत धारणा गढ़ी जा रही है जैसे यह वर्ग शोषक और गरीबों के प्रति अत्याचारी रहा है। समाज में ऐसी धारणा व ब्राह्मण वर्ग के प्रति वर्ग विशेष में घृणा भरने का कार्य स्वतंत्रता के बाद कम्यूनिस्टों का रहा है, जिसे राजनैतिक संरक्षण भी प्राप्त रहा है। कम्युनिस्ट वर्ग ने समाज में ब्राह्मण की ऐसी छवि बनाने का प्रयास किया जो धार्मिक कर्मकांड एवं पाखण्ड में लिप्त रहता है, जो दयालु न होकर क्रोधी, अंहकारी व धन का लालची है, जो दिन रात मूर्तियों के सामने बैठा रहता है एवं दिन में कई बार स्नान करता है क्योंकि उसे किसी शूद्र ने छू लिया है। जवकि वास्तविकता यह है कि ब्राह्मण वर्ग में बहुसंख्यक व्यक्ति मजदूरी, कृषि अथवा व्यवसाय या नौकरी करके अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

इस सबके बाद भी ब्राह्मण वर्ग सहिष्णुता के साथ अपने अन्दर किसी भी प्रकार की कमियों या बुराईयों के प्रति आत्म मंथन करता रहा है।

पुरूष सूक्त में चतुर्वर्ण की तुलना परमात्मा के अंगो से की गई है।...

ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।
ऊरूतदस्य यद्वैश्यः पद्भ्यां शूद्रोऽजायत्॥

अर्थात् ब्राह्मण परम पुरूष परमात्मा का मुख है, क्षत्रिय बाहु है, उदर वैश्य है एवं पाद शूद्र है। जिस प्रकार शरीर में मस्तिष्क प्रधान है उसी प्रकार समाज में ब्राह्मण की विद्वता प्रधान है। शास्त्रों में ब्राह्मण शब्द में विद्वान या ज्ञानवान अर्थ ही ग्रहण किया गया है। यहाँ अन्य वर्गों की उपेक्षा नहीं है बल्कि शरीर के माध्यम से एकता प्रदर्शित की गई है ब्राह्मण ऐसा व्यक्तित्व है जो समाज से न्यूनतम लेता है और समाज को अधिकतम देता है अर्थात् त्याग पूर्ण जीवन। वर्ण व्यवस्था में प्रत्येक वर्ण महत्वपूर्ण है।

जन्मना जायते शूद्रः संस्कारत् द्विज उच्यते।
वेदाध्यायी भवेद् विप्र, ब्रह्म जानाति ब्राह्मणः॥

अर्थात् जन्म लेने वाले प्रत्येक प्राणी शूद्र है। शिक्षा एवं संस्कार प्राप्त करने के पश्चात ही वह द्विज बनता है। शिक्षा और संस्कारों का महत्व तो सर्वाविदित ही है।....

भारतीय दर्शन में शब्दों के मात्र व्यवहारिक अर्थ ही नहीं हैं बल्कि उसके आधिदैविक एवं आध्यात्मिक अर्थ भी हैं। सनातन धर्म ग्रंथों में ब्राह्मण और ब्राह्मणत्व पर सूक्ष्म एवं गहन चिंतन किया गया है। वर्ण-आश्रम व्यवस्था में ब्राह्मण एक जाति है जिसके समाज में कुछ निश्चित कार्य हैं।

ब्राह्मण के स्वाभाविक कर्म इस प्रकार बताए हैं-
शमो दमस्तपः शौच क्षान्तिरार्जवमेव च।
ज्ञान विज्ञानमास्तिक्यं ब्रह्मकर्म स्वभावजम्॥

अर्थात् अन्तःकरण का निग्रह करना, इन्द्रियों का दमन करना, धर्म पालन के लिए कष्ट सहना, बाहर-भीतर की शुद्धि रखना, दूसरों के अपराधों को क्षमा करना, जीवन में सरलता, वेद-शास्त्रों एवं ईश्वर में श्रृद्धा रखना, वेद शास्त्रों का अध्ययन-अध्यापन और परमात्म तत्व का अनुभव करना।

वर्तमान समय में ब्राह्मण वर्ग निश्चित ही अपने निर्दिष्ट स्वाभाविक कर्मों से च्युत हुआ है इस कारण ब्राह्मण वर्ग का पतन हुआ है। अतः यदि ब्राह्मण वर्ग को अपना खोया गौरव प्राप्त करना है तो सनातन धर्म के, स्वयं भगवान के वचनों के अनुसार जीवन को बनाना होगा। वर्तमान समय में व्यवहारिक कार्यों में परिवर्तन हो सकती हैं परन्तु उनके सन्निहित मूलतत्व अपरिवर्तित ही रहेगें।

ब्राह्मणत्व की पुनर्स्थापना के लिए कुछ ठोस उपाय जो किये जाने चाहिए : 1. हमें अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कृत भाषा की शिक्षा अवश्य देना चाहिए जिससे वे स्वयं अपने शास्त्रों को समझ सकें।

2. हमें अपनी वर्णव्यवस्था को तुरंत ठीक करना होगा अन्यथा शत्रु हमारी इस कमजोरी का लाभ लेने के लिए तत्पर बैठे हैं। ऊँच-नीच व जातिगत भेदभाव को शीघ्र अतिशीघ्र समाप्त करने की आवश्यकता है।

3. प्रचलित गलत सामाजिक बुराईयों को दूर करना तथा समाज में जन जागृति हेतु प्रबुद्ध वर्ग को आगे आना आवश्यक है।

4. संकीर्ण मानसिकता को त्याग कर सोच को व्यापक बनाना एवं बच्चों में आत्म गौरव बढ़ाना।

5. कुछ छोटे-छोटे उपाय जो ब्राह्मणत्व को जगाने में बहुत उपयोगी हो सकते हैं जैसे-घर में अच्छा साहित्य होना, घर में गीता, रामायण आदि का पठन-पाठन होना, एक साथ सपरिवार भोजन करना, नित्य पूजा, संध्या होना, तिलक लगाना, बच्चों को उपयोगी मंत्रों का अभ्यास करवाना, घर में महापुरूषों के चित्र लगाना, त्यौहार उत्साह से मनाना एवं त्यौहारों का बच्चों को महत्व बताना आदि।

# ब्राह्मणों के शुभ प्रतीक

**जगदम्बा प्रसाद शर्मा**
रिटा. पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी
पशुपालन विभाग मध्यप्रदेश
ग्राम : बिरधनपुरा, हाल : भिण्ड

ब्राम्हण के मस्तक पर तिलक, सिर पर चोटी (शिखा), यज्ञोपवीत, गले में कंठी माला और मुख में भगवान का नाम या मंत्र अवश्य होना चाहिए।

ऋषिश्वर ब्राह्मण शुक्ल यजुर्वेदी ब्राह्मण है इनके देवता शिवजी है, तिलक त्रिपुण्ड हैं। त्रिपुण्ड में तीन रेखाएं होती हैं जिनमें एक महादेव , एक विष्णु, और एक ब्रह्माजी की होती है। लाल रोली की गोल बिंदी शक्ति की होती है। तीनों देवता सतोगुण रजोगुण और तमोगुण का प्रतिनिधत्व करते हैं। सनातनी हिन्दू त्रिपुंड को प्रारंभ से ही लगाते आए हैं। वैसे जो व्यक्ति जिस देवता को इष्ट मानता है उसे अपने देव का तिलक लगाना चाहिए। त्रिपुंड महामृत्यंजय मंत्र बोलकर लगाने का विधान है। शिव महापुराण के अनुसार त्रिपुंड धारण करने वाले व्यक्ति से यमदूत भी डरते है।

तिलक धारण करने का वैज्ञानिक आधार यह है इससे आज्ञा चक्र जाग्रत होता है जिससे मस्तिष्क की एकाग्रता में वृद्धि होती है और आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ता है। ब्राह्मण का मस्तक सूना नहीं रहना चाहिए। प्रातःकाल स्नान करके अगरबत्ती जलाना और तिलक लगाना ब्राह्मण को अवश्य करना चाहिए कुछ लोगों को वाहर लगाकर जाने मे संकोच होता है उन्हें सलाह है कि प्रातःकाल घर पर तो अवश्य लगा लिया करें या गंगा जल से ही तिलक लगा लिया करें। लेकिन इसकी शुरूआत अवश्य करें और संकोच दूर करें। तिलक सिंदूर, भस्म, मिट्टी और गंगाजल किसी से भी धारण किया जा सकता है। तिलक लगाते समय इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

कान्ति लक्ष्मीं धृतिं सौख्यं सौभाग्यमतुलम् बलम्।
ददातु चंदनं नित्यं सततं धारयाम्हम् ।।

तिलक के लिये अनामिका उंगली अधिक उपयुक्त होती है। यह सबसे छोटी उंगली के बगल वाली उंगली होती है ... चंदन और रोली का तिलक सर्वाधिक प्रचलित है। तिलक गोल रख सकते है। यदि लंबा रखना है तो नीचे से ऊपर की ओर तिलक ले जाना चाहिए .....

तिलक के बारे में विस्तृत जानकारी इसलिये दी गई है क्योंकि यह प्रत्येक व्यक्ति सरलता से कर सकता है। यदि यथा संभव ब्राह्मण संस्कारों को अपनाया जायेगा तो इसका लाभ भी अवश्य महसूस होगा, इसलिये इन बातों पर ध्यान अवश्य दें।

शिखा यानी चोटी रखना केवल धार्मिक चिन्ह भर नहीं हैं बल्कि इसके माध्यम से देवीय ऊर्जा का संचार सुगम होता है यह इसका वैज्ञानिक आधार है। चोटी, यज्ञोपवीत जिनसे बन सके तो अवश्य धारण करें लेकिन घर में हवन कराना और कलावा बंधवाना समय समय पर अवश्य करना चाहिए। यज्ञ करना ब्राह्मण के संस्कार हैं इसे कभी त्यागना नहीं चाहिए। ब्राह्मण को सोलह संस्कार भी अवश्य कराना चाहिए। प्रतिदिन न्यूनतम 5 मिनट का समय ईश्वर आराधना के लिये अवश्य दें। हम पूजा अर्चना भले ही नहीं कर पा रहे हों लेकिन प्रातः स्नान करके अगरबत्ती अवश्य लगाना चाहिए।

संस्कृत दैव भाषा है और हमारी पुरातन धरोहर है। वेद उपनिषद, मंत्र स्त्रोत आदि इसी भाषा में है, संस्कृत से ही सभी भाषाएं जन्मी हैं लेकिन हमने इसे भुला दिया है। अंग्रेजी भाषा सीखना अच्छी बात है पर ब्राह्मण को संस्कृत भी अवश्य सीखना चाहिए। बालकों को कम से कम 10 श्लोक और एक स्त्रोत अवश्य याद कराना चाहिए। हमें कुछ धर्मग्रंथो का अध्ययन भी अवश्य होना चाहिए एवं अपने वेद शाखा सूत्र और देवता कुलदेवी का ज्ञान भी होना चाहिए। हमारा वेद शुक्ल यजुर्वेद, उपवेद धनुर्वेद, शाखा मांध्यदिन, सूत्र कात्यायन, ऋषि वशिष्ठ जी देवता शिवजी, कुलदेवी सरस्वती, खेरा नाशिक और गंगा गोदावरी हैं और हम आदि गौड ब्राह्मण हैं। इसे स्मरण रखेंगें तो गौरव अनुभव करेगें।

वर्तमान में ब्राह्मण का अनावश्यक विरोध करने की एक प्रथा सी बन गई है इसके लिये सभी ब्राह्मण को आपस में मिल जुल कर रहना चाहिए।

सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।
देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते ।।

अर्थात – हम सब एक साथ चलें, एक साथ बोलें, हमारे मन एक हों। प्राचीन समय में देवताओं का ऐसा आचरण रहा इसी कारण वे वंदनीय हैं। जैसे दिव्य शक्तियाँ से संपन्न सूर्य–चन्द्र आदि देव परस्पर अविरोध भाव से प्रेम से, अपने कार्यों को करते है वैसे ही ब्राह्मण भी समष्टि भावना से प्रेरित होकर एक साथ कार्यों में प्रवृत हों।

---

संसार में शक्तिशाली मनुष्य का ही सम्मान होता है, शक्तिहीनता दुख ही देती है। शक्ति का महत्व इससे भी प्रकट होता है कि देवी देवता भी अस्त्र शस्त्र धारण किए हुए बताए गए हैं, जो शक्ति के प्रतीक हैं।।भगवान श्रीराम धनुषवाण , हनुमान जी गदा, भगवान कृष्ण सुदर्शन चक्र और भगवान परशुराम फरसा की शक्ति को धारण करते रहें हैं। लेकिन केवल दैहिक बाहुबली होना ही शक्तिवान होना नहीं है,बल्कि शक्ति के विभिन्न स्वरूप होते हैं। ज्ञानबल भी श्रेष्ठ बल है।ब्राह्मणों की शक्ति उनका ज्ञानबल या ब्राह्मणत्व ही है।ब्राह्मणत्व से संपन्न होना भी शक्तिवान होना है। प्राचीन समय में हमारे पूर्वज ऋषि मुनि भी दैवीय शक्तियों के स्वामी थे। तप, संयम व साधना के द्वारा सब कुछ पाने में समर्थ थे। एक श्रेष्ठ जीवन शैली उन्होंने अपनाई थी। उनके जीवन में दीनता का अभाव कभी भी नहीं रहा क्योंकि उन्होंने ब्राह्मणत्व की शक्ति का समुचित विकास किया था।हमारे पूर्वज साधना करके दैवीय शक्तियों से संपन्न हुए थे।आज भी आवश्यकता इस बात की है हम अपने पूर्वजों की चिंतन परंपरा तथा जीवन शैली को अपने जीवन में उतारें तथा सामर्थ्यवान बनें। आज हम अपनी शक्ति को भूले हुये हैं।

ब्राह्मण समाज को चाहिए कि वे शास्त्रोक्त जीवन जिएं। ईश्वर की कृपा को प्राप्त करते हुये आध्यात्मिक शक्ति सम्पन्न हों तथा अपना जीविकोपार्जन श्रेष्ठ ढंग से करते हुये सदमार्ग पर चलें।

प्रत्येक परिवार में एक साधना कक्ष अवश्य हो जिसमें घर के बड़े-छोटे, बहु-बेटियां कुछ समय प्रभु की आराधना में लगाएं। बच्चों को अच्छे संस्कार देने का प्रयास किया जावे तथा उन्हें हिन्दू संस्कृति की महान परम्पराओं का बोध कराया जाता रहे। ऐसे बच्चे ही भविष्य में परिवार व समाज को सही उन्नति दे सकेंगे। साधना का मार्ग ही ब्राम्हण का सच्चा मार्ग है इसी से वह शक्तिवान होकर सम्माननीय बनेगा।

# नर्मदे हर
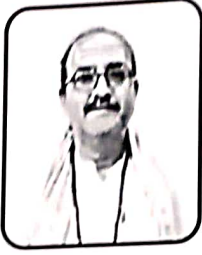
कैलाश नारायण शर्मा
Ex.Chief Pharmacy Officer
ग्राम बिधनपुरा, जिला-भिण्ड


सर्वतीर्थेषु यत्पुण्यं सर्वयज्ञेषु यत्फलम्।
सर्ववेदेषु यज्ज्ञानं तत्सर्वं नर्मदातटे।।

सम्पूर्ण तीर्थों में स्नानादिसे होने वाला पुण्य तथा समस्त यज्ञों के हो चुकने पर जो फल एवं समग्र वेद अध्ययन करने पर जो ज्ञान मिलता है वह सब नर्मदा जी के तट पर विद्यमान है। अर्थात रेवा तट पर निवास करने से भोग और मोक्ष दोनों सुलभ हो जाते है

नर्मदे त्वं महाभागा सर्वपापहरी भव।
त्वदप्सु याः शिलाः सर्वाः शिवकल्पाः भवन्तु ताः।।

हे नर्मदे ! तुम बड़ी भाग्यशालिनी हो। तुम संसार के समस्त पापों को हरण करने वाली होंओगी। तुम्हारे जल में स्थित सब पाषाण शिव तुल्य होंगे अर्थात शिव मानकर पूजे जाएँगे।

## माँ नर्मदा का महत्व

पुराणों में वर्णित रेवा तटवर्ती अनेक तीर्थ ज्योतिलिंग उपलिंग ओंकारेश्वर ममलेश्वर शूलपाणीश्वर-गरूड़ेश्वर, हंसेश्वर, विमलेश्वर, महेश्वर, सिद्धनाथ, रिद्धनाथ, बद्रिकाश्रम, व्यास, अनुसूया क्षेत्र आदि आज भी प्रसिद्ध है। नर्मदा के सभी कंकर शिव शंकर हैं यह प्रमाणित लोकोक्ति तो निस्संदेह नर्मदा को सर्वत्र शिवमय होना सिद्ध कर रही है। भारत के प्रायः सभी पीठों में इनके बाणलिंगो को प्रतिष्ठित किया जाना प्रत्यक्ष प्रमाण है। अमरकंटक से रेवा सागर संगम तक असंख्य तीर्थों का उल्लेख पुराणों में है। विधि, हरि, हर, सूर, सूर्य, चन्द्र, इंद्र, वरूण, कुबेर, स्कंद, सनत कुमार, नारद, नचिकेत, विशिष्ट, व्यास, कश्यप, गौतम, भारद्वाज, भृगु, याज्ञवल्क्य, मार्कंडेय, पुरूरवा, हिरण्यरेता आदि अगणित देवर्षि और महर्षि जन ने रेवा का सेवन किया और दीर्घकाल तक तपस्या करते हुए उन्होंनें यह अनुभव किया कि रेवा तीरे तपः कुर्यात मरणं जाह्नवि तटे, । अतः कहने की आवश्यकता नहीं कि तप से होने वाली सभी सिद्धियाँ यहां सहज ही प्राप्त हो जा जाती है। नर्मदा के सिद्ध तो प्रसिद्ध ही हैं। इसी सिद्धि दायिनी माँ रेवा की पवित्र भूमि में भगवत्पाद श्री आदि शंकराचार्य जी ने सद्गुरु श्री गोविन्दपाद आचार्य जी की प्राप्ति की थी। मंडन मिश्र और सरस्वती के साथ आचार्य श्री के प्रसिद्ध शास्त्रार्थ की पावन भूमि माहिष्मती नगरी भी इस तट पर विराजमान है, जिसे महेश्वर कहते हैं। पर्यटनशील और विरागवान् जनों के भी चित्त को सहज आकृष्ट करने वाला नर्मदा नैसर्गिक सौंदर्य भी बड़े महत्व की वस्तु है। कपिलधारा, धुआंधार, भेड़ाघाट, धारातीर्थ आदि जल प्रपातों की झांकी झांकने के लिए अगणित यात्रीगण बड़ी उत्कंठा से भ्रमण करते है और अपने चर्म चक्षुओं को सफल करते हुए अमित पुण्य का संचय करते हैं। सुरम्य शैल अमरकंटक की शोभन वनस्थली जो कि नर्मदा जी के उद्गम का पावनतम प्रदेश है। सर्वाधिक तीर्थों का जहां वर्णन ही नहीं दृष्टिगोचर भी है उसे देखकर किसे दिव्यानंदन की प्राप्ति ना होगी ? कवि कुल कमल दिवाकर कालिदास की यही जन्मभूमि है। मेघदूत में उन्होंनें इसे आम्रकूट नाम से वर्णन किया है। सोनभद्र का उद्गम भी यहीं से हुआ। प्राचीन मठ मंदिर आज भी यहां विद्यमान है। नर्मदा जी को गंगा से भी पवित्र माना गया है कहा है कि गंगा भी खुद को पवित्र करने इनकी शरण में आती हैं। नर्मदा जी ही एकमात्र ऐसी नदी हैं जिनका रेवा नाम से पुराण है, अन्य किसी नदी का नहीं है।

गंगा कनखले पुण्या कुरूक्षेत्रे सरस्वती।
ग्रामें वा यदि वारण्ये पुण्या सर्वत्र नर्मदा।।

स्कन्द पुराण में बताया गया है कि कनखल क्षेत्र में गंगा पवित्र है और कुरूक्षेत्र में सरस्वती, लेकिन नर्मदा सर्वत्र पवित्र है।

त्रिभिः सारस्वतं पुण्यं सप्ताहेन तु यामुनम्।
सद्यः पुनाति गाङ्गेयं दर्शनादेव नर्मदा।।

यमुना का जल एक सप्ताह में, सरस्वती का तीन दिन में, गंगा जल उसी दिन और नर्मदा का जल उसी क्षण पवित्र कर देता है।

## नर्मदा परिक्रमा में नर्मदा मैया का अनुभव

माँ नर्मदा विश्व के अकेली ऐसी नदी है जिसकी विधिवत परिक्रमा की जाती है। प्रतिदिन नर्मदा का दर्शन करते हुए उसे सदैव अपनी दाहिनी ओर रखते हुए, उसे पार किए बिना दोनों तटों की पदयात्रा को नर्मदा प्रदक्षिणा या परिक्रमा कहा जाता है। यह परिक्रमा अमरकंटक या ओंकारेश्वर से प्रारम्भ करके नदी के किनारे-किनारे चलते हुए दोनों तटों की पूरी यात्रा के बाद वहीं पर पूरी की जाती है जहाँ से प्रारम्भ की गई थी।

मैनें 24/01/2016 में माँ नर्मदा परिक्रमा शुरू की थी। जब मणिनागेश्वर शिव मंदिर भरूच गुजरात में दर्शन पूजन किया। उसके पूर्व मेरी पत्नी ने कहा यहां मणिधारी नाग के दर्शन हो जाते हैं। वापिसी के समय मणिधारी नाग ने सामने आकर दर्शन दिए। मेरी पत्नी को नाव समुद्र पार करने में डर लगता है रत्नासागर पहुंच कर हनुमान जी से प्रार्थना की, कि मुझे नाव में डर न लगे, हनुमान जी ने प्रेरणा दी कि डर नहीं लगेगा। सुबह 4:00 बजे नाव में एक माई नाँव में बीच में खड़ी हुई उन्होंनें और हमने नर्मदा मैया के भजन गाए, कब समुद्र पार हो गया, पता नहीं चला। भरूच जिलें में उत्तर तट पर गुप्तेश्वर महादेव में से नर्मदा जल टपकता है, यह भी आश्चर्यजनक है। ओम्कारेश्वर के पास कैलाश कुटी आश्रम नाव घाट खेड़ी स्वामी श्री दुर्गानंद गिरी जी महाराज परम विरक्त रूपया को हाथ नहीं लगाते है, उनका दर्शन लाभ मिला। यह भी नर्मदा मैया की कृपा है कि नर्मदा परिक्रमा वासियों को प्रतिदिन भोजन सुलभ हो जाता है।..अटूट रोड़ खंडवा जिला में हमारे भाई साहब का नर्मदा कावेश्वर धाम नाम से आश्रम है, जिसमें नर्मदा परिक्रमा वासियों के भोजन व ठहरने की उत्तम व्यवस्था है।। नर्मदे हर।।

# सामाजिक समारोह-कुछ विसंगतियां

डॉ. खेमराज शर्मा
मेडीकल ऑफिसर
निरामय नर्सिंग होम, भिण्ड
ग्राम भगवासा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

विगत वर्षों में शादी समारोह व अन्य कार्यक्रमों में कुछ ऐसे बदलाव भी आएं हैं जो हमारी ब्राह्मण संस्कृति के अनुकूल नहीं हैं लेकिन देखा देखी उन्हें अपना रहें हैं। पहला बदलाव आया है, शादी तेरहवीं हो या अन्य कार्यक्रम, पंगत को विशाल रूप देना, आज शान का प्रतीक बनता जा रहा है। जो चुनाव लड़ना चाहते हैं वे ऐसा करते हों ऐसा भी नहीं है, अब हर कोई राजनीति से जुड़ रहा है तो अपना प्रभाव दिखाने के लिए यही तरीका सही लगता है। वैसे भी पुराने समय से गाँव में धुंआ बंद करने करने और आस-पास के गांवों की न्यौत का चलन पहले से ही है।और इन भोजों की सच्चाई यह है कि भोज देने वाला 70% खाने वालों को नहीं जानता है। साथ ही खाने वालों को भी खिलाने वाले से और उसकी व्यवस्था से कोई सरोकार नहीं होता है। टेबल की भोजन व्यवस्था तो और भी खराब होती है, लोग झूठी पत्तल के सामने बैठ जाते हैं। सफाई होने तक का इंतजार नहीं करते है। एक व्यवस्था के साथ लोग भोजन करते थे वह रीति अब नहीं रही, बल्कि एक कुरीति पनप गई है जिसमें बदलाव जरूरी है। लोग बुफे सिस्टम में बहुत ज्यादा भोजन रख लेते हैं और कुछ खाकर बाकी फेंक देते हैं। आज कल शादियों में तरह तरह की मिठाईयां, सब्जियां व चाट के स्टॉल लगवाने की प्रतियोगिता शुरू हो गई है इससे खाना बर्बाद होता देखा गया है कि कुछ लोग प्लेट में एक बार में ही सब सब्जियां व मिठाईयां भर लेते है बाद में भरी हुई प्लेटों का खाना फेंक देते हैं जिससे खाने की बरबादी होती हैं।

दूसरा बदलाव लगुन सिस्टम में आया है। पहले लगुन लेकर परिवार और खास रिश्तेदार ही चलते थे और लड़के वाले छोटा सा प्रोगाम कर लेते थे। अब लड़की वाले लगुन लेकर नहीं बल्कि बारात लेकर जाते हैं और दूल्हे की कीमत, कपड़े, पहरावनी, मेवा मिष्ठान, मोटरसाइकिल-कार, पूरे गाजे बाजे के साथ दे आते हैं ।.....गाजे-बाजे इसलिए कहा कि हर्ष फायर करने के लिए बंदूकें, समाज–गैर समाज के 200-250 लोग, फोर व्हीलरों का काफिला, कोई बता नहीं सकता है कि लगुन है या बारात! उनका स्वागत भी बारातियों की तरह होता है, तरह–तरह के व्यंजन और आखिरी में गिफ्ट ! अब इसके बाद, लड़के वाले पीछे तो रहेंगें नहीं। नहले पे दहला न हुआ तो मजा किरकिरा हुआ! ऐसे में लड़के वाले भी बेतहाशा खर्च करके अपनी शान कायम रखते हैं। कभी लगुन में कभी बारात में समाज का लाखों रूपया पानी की तरह बह जाता है।

तीसरा है शादी जैसे पवित्र संस्कार को मजाक बनाना जिसमें लोग मंत्रोच्चारण, हवन और देवी देवताओं के आव्हान पर ध्यान नहीं देते हैं बल्कि इनसे दूरी बनाते जा रहें है। शादी के पहले प्री वेडिंग शूटिंग और वरमाला पर दुल्हन के डांस जैसे कार्यक्रम जो शादी के पहले नहीं होने चाहिए उन पर ध्यान दिया जा रहा है।

शोर शराबा का बढ़ना जिसमें हर्ष फायर, डीजे की कान फाडू आवाज और डांस, बैंड में शराब पीकर फूहड़ डांस, नोटों की गड्डियां उड़ाना, और गाने को लेकर बदतमीजी और मारपीट पर उतर आना ये बहुत होने लगा है।

इन बातों पर अवश्य ही ध्यान ही दिया जाना चाहिए। इसके लिए बुजुर्गों और युवाओं सभी को आगे आना चाहिए। दूसरों की नकल करके हम उन जैसे न बनें और अपने संस्कारों को न भूलें। ब्राह्मण की गरिमा को बनाए रखना हमारा धर्म है।

## महर्षि वशिष्ठ

ज्ञान,योग, तप,त्याग,वैराग्य, धैर्य और क्षमा की मूर्ति वशिष्ठ जी से सभी परिचित हैं। सप्तऋषियों में प्रमुख महर्षि वशिष्ठ को ऋषियों के ऋषि और महर्षियों के महर्षि कहा गया है। आकाश में चमकते हुए सप्त ऋषि तारों में उन्हें स्थान प्राप्त है साथ ही उनकी धर्म पत्नी अरुंधती को भी सप्त ऋषियों के साथ स्थान प्राप्त है। वशिष्ठ जी ऋग्वेद के सातवें मण्डल के दृष्टा ऋषि हैं और योग वशिष्ठ उनकी अद्वितीय कृति है। इसके अतिरिक्त वशिष्ठ संहिता, वशिष्ठ कल्प, वशिष्ठ शिक्षा, वशिष्ठ तंत्र, वशिष्ठ पुराण, वशिष्ठ स्मृति, वशिष्ठ श्राद्ध कल्प जैसे बहुमूल्य ग्रंथ उन्होंने प्रदत किए हैं

वशिष्ठ जी की गौ भक्ति और गौ सेवा सभी के लिए आदर्श रही है। कामधेनु गौ की पुत्री नंदिनी उनके आश्रम में सदा प्रतिष्ठित रही।अनंत शक्ति संपन्न नंदिनी के आशीर्वाद से उन्हें सभी दुर्लभ पदार्थ सुलभ रहते थे। नंदिनी गौ की दिव्यता से मोहित होकर विश्वामित्र ने वशिष्ठ जी से नंदिनी गौ को देने के लिए कहा तो वशिष्ठ जी ने इंकार कर दिया। इन्कार करने पर विश्वामित्र बलात नंदिनी को ले जाने लगे तभी नंदिनी गौ ने अपार सेना उत्पन्न कर दी और विश्वामित्र को सेना सहित परास्त कर दिया। विश्वामित्र को ब्राह्म बल की श्रेष्ठता का अनुभव हुआ और वे ब्राह्म बल की प्राप्ति के लिए तप करने चले गए।
विश्वामित्र ने वशिष्ठ जी के सौ पुत्रों का संहार कर दिया था इस पर भी वशिष्ठ जी ने विश्वामित्र का कोई अनिष्ट नहीं किया था ,उन्होंने क्षमा का भाव बनाए रखा।

वशिष्ठ जी सूर्यवंश के कुलगुरु के रूप में भी जाने जाते हैं और रामायण में उनका वर्णन कई जगह आता है।जब ब्रह्मा जी ने वशिष्ठ जी से सूर्यवंश का पुरोहित बनने के लिए कहा था तो उन्होंने पुरोहित कर्म करने से इंकार कर दिया था लेकिन ब्रह्मा जी के यह समझाने पर कि इस वंश में भगवान स्वयं अवतार लेंगे तो वशिष्ठ जी पुरोहित बनने के लिए तैयार हो गए।उन्होंने अपने बल से सूर्यवंश की हमेशा रक्षा की थी।

पुराणों के अनुसार वशिष्ठ जी ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हैं तथा वेदों में उन्हें मित्रावरुण का पुत्र बताया गया है।महर्षि वशिष्ठ की प्रत्येक काल में उपस्थिति के संदर्भ में पौराणिक साहित्य के अध्येताओं का एक मत यह भी है कि ब्रह्मा के पुत्र वशिष्ठ के नाम पर आगे चलकर उनके वंशज भी वशिष्ठ कहलाए। इस तरह 'वशिष्ठ' केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पद बन गया और विभिन्न युगों में अनेक प्रसिद्ध वशिष्ठ हुए। सर्वप्रथम हुए वशिष्ठ की दो पत्नियां थीं। एक ऋषि कर्दम की कन्या अरुंधती और दूसरी प्रजापति दक्ष की कन्या ऊर्जा। शक्ति,पाराशर,वेद व्यास और शुकदेव ये सभी वशिष्ठ जी की वंश परम्परा में समादृत हैं।

# उपाध्याय गोत्र-एक दृष्टि

**रमेश उपाध्याय**
रिटा. प्रधानाध्यापक
ग्राम चंदहारा, जिला-भिण्ड

ऋषीश्वर ब्राह्मणों में उपाध्याय गोत्र के बंधू विभिन्न स्थानों पर बसे हुए हैं। वास्तव में उपाध्याय एक पद है और इनके गोत्र ऋषि, महर्षि उद्दालक जी हैं। सभी उपाध्यायों का मूल स्थान धौलपुर में कवई था, जहां से सभी उपाध्याय भिन्न-भिन्न जगहों पर विस्तारित हो गए। भिण्ड क्षेत्र में जितने भी उपाध्याय हैं वे मटघैना और भगवासी से निकले हुए हैं। हमारा परिवार भिण्ड जिले के मटघैना से निकलकर गांव बड़ागर और फिर सिमार गांव में बसा था उसके बाद पूर्वज वर्ष 1963 में चन्दहारा गांव में आकर बस गए थे।

ऋषीश्वर समाज का एक गौरवशाली स्थान भिण्ड जिले का उदन्नखेरा है, यहाँ लोग दूर दूर से मुंडन कराने आते हैं। यहां उपाध्याय गोत्र के पूर्वज गाजी उपाध्याय ने धर्म और अस्मिता के लिए धर्मयुद्ध कर बलिदान दिया था। वे योध्दा थे और उनकी स्वयं की सैनिक टुकड़ी थी। उन्होनें काफी युद्ध किये थे। लेकिन वह बाद में साधु हो गये थे और उदन्नखेड़ा आकर तपस्या करने लगे थे। साधु हो जाने के बाद भी उन्होनें धर्मयुद्ध किया था जिसमें वे वीरगति को प्राप्त हो गये थे। इसलिये उन्हें गाजी उपाध्याय कहा जाता है। गाजी का अर्थ धर्म योद्धा होता है। और उस बलिदान के श्रद्धांजलि स्वरूप यह प्रथा भी शुरू हुई कि नये जन्मे बच्चे का मुण्डन संस्कार उदन्नखेरा गांव में उसी बलिदान स्थान पर होते हैं लोग कहीं भी रह रहे हों लेकिन मुंडन कराने उदन्नखेरा ही आते हैं।

प्राचीन काल से ही उपाध्याय एक पद रहा है जो गुरूकुल में वेद शास्त्रों का अध्ययन कराते थे। उपाध्याय गोत्र के बंधुओं ने वैदिक काल से लेकर मध्यकाल के प्रारंभ तक वैदिक शिक्षा का कार्य निरंतर किया था। लेकिन मध्यकाल और ब्रिटिश काल में गुरूकुल व्यवस्था पर हुए कुठाराघात की वजह से वैदिक शिक्षा अनवरत जारी नहीं रह सकी और उपाध्याय ब्राह्मणों को विदेशी साजिशों और हमलों का शिकार होना पड़ा। मध्यकाल में बड़ी संख्या में उपाध्यायों को मौत के घाट उतारा गया और गुरूकुल नष्ट कर दिए। ब्रिटिश काल में भी इन पर अत्याचार हुए और अतंतः अंग्रेजो ने इंडियन एजूकेशन एक्ट 1858 लाकर गुरूकुल बंद कर दिये एवं उपाध्याय पद की मान्यताएं समाप्त कर दीं। उपाध्याय वर्ग का इतिहास बड़ा संघर्षमय रहा है।

ऋषि उद्दालक भारतवर्ष में उपनिषद काल के तत्वदर्शी चिंतनशील मूर्धन्य विद्वानों में गिने जाते है। गौतम गोत्रीय अरूणि ऋषि इनके पिता थे, इसीलिए इनको आरूणि के नाम से भी जाना जाता है। महाभारत में जिन धौम्य ऋषि के द्वारा युधिष्ठिर और द्रोपदी का विवाह संस्कार कराया था वहीं धौम्य ऋषि इनके गुरू थे। उद्दालक ऋषि का आश्रम हिमालय के पूर्व में स्थित था, जिसे कलापग्राम कहते हैं। इनका एक आश्रम उत्तर प्रदेश के गोंडा जिला के ग्राम तिर्रे मनोरमा में भी बताया गया है जहाँ मनोरमा या मनवर नदी का उदगम स्थल हैं। मनवर को सरस्वती नदी का स्वरूप माना जाता है। यहीं पर महर्षि उद्दालक का आश्रम था जहा उन्होंने तप किया था। पास ही मखौड़ा स्थान है जहां श्रृंगी ऋषि ने राजा दशरथ के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ कराया था, इस यज्ञ के लिए ही मनोरमा नदी का अवतरण भी कराया गया था।

महर्षि उद्दालक के पुत्र श्वेतकेतु जो एक तत्वज्ञानी आचार्य थे, जिनका उल्लेख शतपथ ब्राह्मण, छान्दोग्य, बृहदारण्यक आदि उपनिषदों में मिलता है। ऋषि अष्टावक्र जो उद्दालक ऋषि के नाती थे, वे उनकी पुत्री सुजाता और कहोड़ ऋषि के पुत्र थे। अष्टावक्र विदेहराज जनक के गुरु थे।

महर्षि उद्दालक की कथा इस प्रकार है कि द्वापर युग में एक महान ऋषि हुआ करते थे, जिनका नाम महर्षि आयोदधौम्य था, महर्षि धौम्य को ब्रह्मज्ञान था और वह अपने शिष्यों को भी इसका ज्ञान देते थे, महर्षि धौम्य जिस शिष्य पर प्रसन्न हो जाते थे, उसको अपने स्पर्श मात्र से शक्तिपात कर देते थे, उनके शिष्यों में तीन शिष्य प्रधान हुआ करते थे, जिसमें एक पांचाल देश का आरूणि भी शामिल था। आरूणि महर्षि धौम्य का सबसे परम शिष्य था, वह अपने गुरु की हर बात मानता और उसकी पालना करता था। एक बार वर्षा काल समाप्त होने और शरद ऋतु के आगमन का समय था, उस दिन आसमान में काले बादल छा गए थे, महर्षि ने वर्षा का अनुमान जताते हुए अपने परम शिष्य आरूणि को आश्रम के एक खेत की मेड़ बांधने के लिए भेजा, गुरु की आज्ञा पर आरूणि खेत में चला गया और मेड़ बांधने लगा, उसी समय तेज वर्षा होने लगी और वह मेड़ बॉधने में लगा रहा, परन्तु, काफी प्रयत्न के बाद भी वह मेड़ बांधने में सफल नहीं हो पाया, जिसके बाद वह टूटी मेड़ वाली जगह खुद ही लेट गया। जिससे पानी तो रूक गया लेकिन उसका जीवन संकट में आ गया। ठंड और बारिश के कारण आरूणि अचेत हो गया, लेकिन अपनी जगह से नहीं हिला। जब पूरी रात आरूणि वापस नहीं लौटा तो महर्षि धौम्य को चिंता सताने लगी, वह पूरी रात सो नहीं सके। सुबह उन्होनें अन्य शिष्यों से आरूणि के बारे में पूछा तथा इसके बाद गुरुजी अपने शिष्यों के साथ खेत में पहुंचे, महर्षि धौम्य ने देखा कि आरूणि मेड़ के पास अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। अन्य शिष्यों की मदद से वे आरूणि को आश्रम लेकर आए और उपचार किया। जिसके बाद आरूणि सकुशल हो गया, यह देखकर महर्षि धौम्य के आंखो में आंसू आ गए, इसके बाद उन्होनें आरूणि को वरदान दिया कि उसका नाम उद्दालक होगा और उसे समस्त वेद व धर्मशास्त्र का ज्ञान स्वतः हो जायेगा। इसके बाद आरूणि ब्रम्हर्षि बन गए और संसार में विख्यात हुए।

आजकल विद्यालयों में विज्ञान के विद्यार्थियों से प्रयोग कराने के लिए जिन प्रयोगशालाओं का प्रयोग किया जाता है वास्तव में शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के प्रायोगिक संस्कार की स्थापना करने वाले सबसे पहले वैज्ञानिक ऋषि उद्दालक या आरूणि ही थे। आरूणि के अध्यात्म विचारों का विस्तृत वर्णन छांदोग्य तथा बृहदारण्यक उपनिषदों में मिलता है। वे उपनिषद युग के श्रेष्ठ तत्ववेत्ताओं में मूर्धन्य चिंतक थे। तत्वज्ञान के विषय में आरूणि के सिद्धांत को हम प्रत्ययवादी अद्वैत का नाम दे सकते हैं, क्योंकि इनकी दृष्टि में अद्वैत ही एकमात्र सत् तथा तथ्य है। आरूणि का शंखनाद है 'तत्वमसि' वाक्य यथा मूल तत्व सत् रूप है, असत् नहीं, क्योंकि असत् से किसी भी प्रकार की उत्पत्ति नहीं हो सकती है।

# महिला सशक्तिकरण मेरी दृष्टि में

**श्रीमती सुनील शर्मा**
नायब तहसीलदार, ग्वालियर (म.प्र.)
(पत्नी श्री हरीशंकर शर्मा, भगवासा)

ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण पत्रिका की ओर से मुझे "महिला सशक्तिकरण' पर अपने विचार और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके लिए सर्वप्रथम मैं पत्रिका प्रकाशन ग्रुप को धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। और पत्रिका के माध्यम से मैं आप सब के साथ उपने विचार और अनुभव साझा कर रही हूँ।

महिला सशक्तिकरण के बारे में जानने से पहले हमें यह समझ लेना चाहिए कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अर्थ क्या है। सशक्तिकरण से तात्पर्य किसी महिला की उस क्षमता से है जिससे उसमें यह योग्यता आ जाती है कि वह अपने परिवार के निर्णयों में सहभागी बन सके, जीवन व परिवार से जुड़े निर्णय स्वयं ले सके अथवा उसमें सहभागिता निभा सके, साथ ही परिवार एवं समाज में एक स्वाभिमान पूर्वक जीवन जी सके।

चूँकि मैं एक महिला हूं और महिलाओं के बारे में जानती हूँ कि वे गृहस्थ धर्म के पालन में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देती हैं। लेकिन आज की नारी इससे अधिक योगदान देना चाहती है, और अपने परिवार के सर्वांगीण विकास में सहभागी बनना चाहती हैं। महिलाओं में निर्णय लेने की क्षमता का विकास तभी संभव है जब हम इसकी शुरूआत बचपन से ही अपने घर से करें क्यों कि एक बेहतर शिक्षा की शुरूआत घर से ही संभव है। यदि माता पिता अपने पुत्र की ही भांति पुत्री को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर विकल्प चुनने का अवसर दें तो निश्चित ही एक महिला के शिक्षित होने से एक अच्छे परिवार के साथ-साथ एक अच्छे, समाज की नींव रखी जा सकती है। चूंकि एक महिला दो परिवारों के बीच की धुरी होती है इसलिए एक महिला के सुशिक्षित एवं सशक्त होने से दो परिवारों का विकास होता है।

मैं अपनी बात करूँ तो मेरी दादी एवं माता-पिता ने हम सभी भाई बहनों की शिक्षा के लिए अथक प्रयास किए। जिससे हम सभी भाई-बहन अपने मन मुताबिक शिक्षा प्राप्त कर सकें। मैं रसायन शास्त्र में एमएससी हूँ। एमएससी फाइनल ईयर के एग्जाम खत्म होने के पांचवे दिन मेरा विवाह हो गया, लेकिन विवाह के पश्चात् मेरे ससुर जी, सासु माँ एवं मेरे जीवन साथी को जब यह ज्ञात हुआ कि मैं शिक्षा के साथ-साथ प्रशासनिक क्षेत्र में भी कदम बढ़ाना चाहती हूँ तो उनका भरपूर सहयोग ओर प्रेरणा मिली। और इस सब का परिणाम आज आपके समक्ष है कि वर्तमान में मैं नायब तहसीलदार पद पर कार्यरत हूँ। मैं एक जिम्मेदार गृहिणी का किरदार निभाते हुए एक प्रशासनिक पद के कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हूँ। मेरा बेटा आई.आई.टी. दिल्ली में बी.टेक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है। यह सब मेरे दोनों परिवारों की देन है।

वर्तमान परिवेश में प्रायः यह देखने में आ रहा है कि हमारी बेटियों की सोच यह है कि जब तक वह पढ़ लिखकर आत्मनिर्भर नहीं हो जाती तब तक वैवाहिक बंधन में नहीं बंधेगी। क्योंकि विवाह के बाद यह सब सम्भव नहीं है। ऐसी सोच को मैं सिरे से नकारती हूँ क्योंकि शिक्षा किसी उम्र या बंधन की मोहताज नहीं है बस आपके अन्तर्मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा जीवित रहना चाहिए।

मेरा बेटियों से अनुरोध है कि खूब पढ़े लिखें और सभी से करबद्ध निवेदन है कि आप अपने परिवार में बेटियों एवं बहुओं को शिक्षा के बेहतर विकल्प चुनने का अवसर दें। जिससे वे शिक्षित होकर एवं सशक्त बनकर एक अच्छे परिवार के साथ एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण कर सके।

भारतीय संस्कृति में क्या खूब कहा गया है 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमन्ते तत्र देवता' अर्थात जहाँ नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है, वहाँ देवताओं का वास होता है। इस प्रतिष्ठा व सम्मान से पूजित नारी का यह ध्यान रखना होगा कि कहीं हम सशक्तिकरण का गलत अर्थ अर्थात् अभिमान से अभिभूत हो, अपने मूल उद्देश्य परिवार एवं समाज निर्माण की राह से तो विचलित नहीं हो रहे? शक्तिस्वरूपा नारी के पास क्षमा भी है, पीड़ा के साथ धैर्यता भी है, सृजन के साथ संहारक क्षमता भी है तथा माता के साथ सम्पूर्ण नाता भी है। तभी तो कहा गया है–

नारी तुम मात्र जग में महान हो, सृष्टि के विकास की पहचान हो
तुम ही आदि अंत की विधान, तुम ही ईश्वर का बड़ा वरदान हो।

अतः महिला सशक्तिकरण से अभिप्राय यह कतई नहीं है कि हम उच्छृंखल हो जाएं ओर अपनी मर्यादा और संस्कारों को भूल जाएं। हमे तो ईश्वर ने ही कोमल हृदया एवं ममतामयी बनाया है, ये हमारे मूलभूत गुण हैं। हमें तो अपने इन्हीं गुणों के साथ सुशिक्षित होकर सशक्त बनकर अपने परिवार एवं समाज में महती भूमिका निभानी है। यदि हमारा समाज अपनी बेटियों और बहुओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत रहेगा, तो निश्चित ही एक दिन ऐसा आएगा जब हमारी बेटियाँ और हमारी बहुएँ एक अच्छे परिवार, अच्छे समाज के साथ-साथ एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगी। अंत में नारी के प्रति इन पंक्तियों के साथ शुभ संदेश

'तू शक्ति है, तू भक्ति है, अभिव्यक्ति है।
अनुरक्ति है, आसक्ति है, शिव शक्ति है ।।
'तू विरक्ति का विग्रह जगजीवन की शक्ति है।
'नारी तू जग में महान, माँ दुर्गा की शक्ति है ।।

---

## विचारणीय तथ्य

महात्मा गांधी के अनुसार 'अच्छी पुस्तकें पास होने पर हमें भले मित्रों की कमी नहीं खटकती।' जीवन में अच्छी पुस्तकों को संग्रह अवश्य करना चाहिये जिससे परिवार में स्वाध्याय की परंपरा सदा बनी रहे। जिन परिवारो में ज्ञानार्जन का क्रम पीढ़ियों से चलता आ रहा है, वहीं पर ऋषि, देवतुल्य महात्मा व विद्वान पुरूष बनते हैं। जहाँ उत्तम पुस्तकें होती हैं वहां मानो मूक, किन्तु ज्ञान के साक्षात देवता निवास करते हैं। जो व्यक्ति अपने आने वाली पीढ़ी के लिये उत्तम पुस्तकों का संग्रह तथा अध्ययन परंपरा छोड़ जाते हैं, वे धन्य हैं तथा देवतुल्य हैं।

# परिचय – श्री हरिशंकर शर्मा

## हरीशंकर शर्मा

रिटा. सीनियर लेक्चरर
शिक्षा विभाग राजस्थान
ग्राम गढ़ी बैरू जिला हाथरस
हाल निवास ग्वालियर


मैं धौलपुर (राजस्थान) में डाइट संस्था में सीनियर लेक्चरर के पद से वर्ष 2009 में सेवा निवृत हुआ था। उसके बाद से ग्वालियर में बैंक कॉलोनी में निवास कर रहा हूं। मेरा गोत्र गौतम है। जिला हाथरस में ग्राम गढ़ी बैरु मेरा पैतृक गांव है। दिवंगत पूज्य पिताजी एवं चाचा जी से मुझे जो जानकारी मिली थी, उसके अनुसार हमारे पूर्वज सन् 1857 के आसपास गांव चंदहारा (जिला भिण्ड) से मथुरा वृंदावन की ओर प्रस्थान कर गए थे। उस समय चूहों की वजह से प्लेग महामारी फैल गई थी। 1857 की क्रांति का असर भी सभी जगह फैल रहा था। वृन्दावन में रहकार हमारे परदादा स्व. श्री देवीराम वेदाध्ययन तथा शास्त्रों का अनुशीलन करते थे, उनका काफी सम्मान था। जाट समुदाय के लोग उनका विशेष सम्मान करते थे। उन्हीं में से कुछ प्रतिष्ठित लोगों ने हमारे परिवारों के निवास के लिए एक स्थान चुना, जो छत्ता का टीला कहलाता था, और जमीनें भी दी थी, यह स्थान हमारे गाँव गढ़ी बैरु (जो वर्तमान में है) से आधा किलोमीटर दूर था। लेकिन यहाँ एक जाट समुदाय की महिला के सती हो जाने पर वह स्थान छोड़कर सभी लोग गढ़ी बैरु, गढ़ी हरिया, गढ़ उमराव व नगला जगराम में आ गए। कुछ लोग वृन्दावन में शास्त्रों का अध्ययन करने लगे थे। खेती 200 बीघा से अधिक थी और अंग्रेजों ने माल गुजारी वसूल करने का कार्य भी दिया था। लेकिन पूर्वजों को अध्ययनशीलता अधिक पंसद थी। इसलिए बाद में आधी जमीनें जाटों को ही वापस कर दीं थीं।

गढ़ी बैरु में 3 परिवार थे और गढ़ी हरिया में 2 परिवार थे। उनमें से कुछ लोग वर्तमान में मुरैना में निवास कर रहे हैं। गढ़ उमराव में पंडित कोक सिंह एवं पंडित नत्थीलाल के दो परिवार थे। पंडित कोकसिंह के पुत्र हरीशंकर अलीगढ़ में बस गए हैं। इन्होंने सेना में सर्विस की है। नगला जगराम में 3 परिवार थे। इनमें श्री चंद पचौरी और पंडित टीकाराम दो भाई अभी हैं। जलालपुर एवं रामगढ़ी वालों से नगला जगराम वालों की रिश्तेदारी है। रामगढ़ी में श्री चन्द्र जी के बड़े सुपुत्र भगवान सिंह की ससुराल है। हमारे बाबा चार भाई थे पं. कल्याण जी, पं. सालिगराम जी, श्री चतुर्भुज शर्मा एवं श्री कन्हैया जी। पं. कल्याण जी और पं. सालिगराम जी प्रधानाध्यापक रहे थे। श्री चतुर्भुज जी नैनी जेल में आरक्षक पद पर कार्यरत थे लेकिन वहाँ से स्वास्थ्य खराब होने की दशा में घर आ गए थे और बाद में नागा महात्मा हो गये थे, उनका सन्यासी नाम था महंत किशन दास। विवाह भी हुआ था लेकिन पत्नी शुरु में ही चल बसी थी। वे नागा संप्रदाय के सन्यासी हो गए थे और मुरैना जिले के तीन स्थानों परीक्षित पुरा, रूपहाटी और कुम्हरपुरा में महंत भी रहे थे। चौथे बाबा श्री कन्हैया जी कृपक थे।

मेरे पिताजी स्व. श्री लक्ष्मीनारायण जी तीन भाई थे, पिताजी बिसावर इंटर कालेज में लेक्चरर थे और सामाजिक जागृति के लिए निरंतर प्रयास करते रहते थे। वर्ष 1954 में धौलपुर में समाज का एक बड़ा सम्मेलन हुआ था। उसमें उनका अथक प्रयास था। मेरे चाचा स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद जी हिंदी व चित्रकला के लेक्चरर थे और इंटर कॉलेज पटलोनी (मथुरा) में प्रभारी प्राचार्य रहे थे। इनके चार लड़के हैं, सबसे बड़े नीरज शर्मा डायमंड कंपनी, राजकोट में हैं। श्यामसुंदर शर्मा रीजनल मैनेजर बजाज ऑटो, प्रेमनारायण शर्मा स्टेट हेड फाइनेंस कंपनी और डॉ. भुवनेश शर्मा असि. प्रोफेसर सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी पूना में है। इनके भी निवास ग्वालियर में ही हैं। एक और चाचा स्व. श्री जगदीश प्रसाद जी कृषक थे। हम दो भाई हैं, मैं डाइट संस्था धौलपुर से सीनियर लेक्चरर पद से सेवा निवृत्त होकर ग्वालियर निवास कर रहा हूं। मेरे भाई बृजमोहन बिसावर कॉलेज में एलडीसी पद पर कार्यरत हैं। और गांव में ही निवास करते हैं। मेरा पुत्र आलोक Alembic मेडिसिन कंपनी में बड़ौदा में जूनियर सांइटिस्ट हैं।

मेरे गांव में दो परिवार हैं एक परिवार गिरीश भारद्वाज का है जो लोलकी से गया था उनके चार लड़के हैं एक पुलिस इंस्पेक्टर, एक सेना में है, एक कोचिंग संस्थान में और एक पुलिस में हैं। गिरीश के दो भाई हैं एक सुरेश जो अविवाहित हैं। और दूसरे महेश भारद्वाज जो कृषक हैं और उनका एक लड़का पुलिस में है दूसरा अभी स्कूली शिक्षा में है। एक परिवार मूंगाराम जी का है जो सिकरौदा से गया था उनके दो लड़के रामशंकर हेल्थ ऑफीसर और एक आदिराम जो प्राइवेट स्कूल में शिक्षक है। नगला जगराम में जो लोग हैं वे पचौरी गोत्र के हैं।

## ब्रह्मवादिनी सुलभा

राजा जनक के राज्य में ब्रह्मवादिनी सुलभा निवास करती थीं। उन्होंने शास्त्रार्थ में राजा जनक को भी पराजित कर दिया था। उन्होंने सुन रखा था कि जनक को अपने ज्ञान का अहंकार हो गया है और वे अपना परिचय देते हुए, समय-समय पर आत्मश्लाघा व्यक्त करते हैं और विनम्रता का ध्यान नहीं रखते। सुलभा जब उनके दरबार में पहुंची तो परिचय पूछे जाने पर वे मौन रहीं और राजा से ही अपना परिचय देने को कहा। राजा जनक ने स्वभाव अनुसार अपने परिचय में आत्मश्लाघा का परिचय दिया। बाद में जनक ने सुलभा से अपना परिचय देने को कहा- सुलभा कहतीं हैं

साहं तस्मिन कुले जाता, भर्तायत सतमद विधे
विनीता मोक्ष मार्गेषु, चरक्येकां मुनि व्रतम।'

अर्थ- हे राजन, मैं ऐसे कुल में पैदा हुई जहाँ मुझे मेरे समान योग्यता का वर ही इस धरती पर उपलब्ध न हुआ। अतः विनम्र भाव से मोक्ष के मार्ग पर एकाकिनी ही मुनि व्रत का अनुसरण कर रही हूँ।

उसके पश्चात सुलभा ने जनक से शास्त्रार्थ किया।

हे राजन, आपकी अत्यंत कीर्ति सुनकर मैं यहाँ आयी और विचारों की भ्रान्ति दूर कर योग्य मार्ग दिखलाने में यहाँ आयी हूँ। मैं भले के लिये कहती हूँ कि स्वपक्ष-समर्थन तथा परपक्ष-खण्डन की प्रवृत्ति बतलाती है कि अभी स्वपक्षमें आग्रह है। जहाँ एक ही आत्मतत्त्व है, वहाँ स्व और पर कहाँ ? कहाँ पक्ष और कहाँ विपक्षी ? तुम उसी आत्मतत्त्वमें स्थित होकर इस आग्रह से उपरत हो जाओ।' महाभारत शान्तिपर्व में जनक - सुलभा संवाद दिया गया है। सुलभा ने वाणी के आठ गुणों और आठ दोषों का वर्णन करते हुए, जनक को उपदेश दिया था। जनक ने सुलभा के उपदेशों को आत्मसात किया और वाणी के दोषों को दूर किया था।

# शिक्षा और संस्कार-जीवन के आधार

**श्रीमती दिव्या शर्मा**
मीडिया कॉर्डिनेटर
राष्ट्रीय सेविका समिति, दिल्ली
(पत्नी इंजी श्री कौशल शर्मा)

यह सत्य है कि बच्चों के संस्कार उसके खुद के जीवन के लिए ही नहीं बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए दिशा और दशा तय करते हैं। माता-पिता ही बच्चे के प्रथम गुरू हैं उनकी दी हुई शिक्षा और संस्कार ही बच्चे का व्यक्तित्व बनाते हैं। बच्चों में ज्यादातर संस्कार उनके माता-पिता से आते हैं लेकिन इन्हें विकसित करने में माता-पिता के साथ-साथ बुजुर्गों की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। एकल परिवार वाले माता-पिता को आज के समय में अधिक ध्यान रखना पड़ता है क्योंकि संयुक्त परिवार में दादा-दादी और अन्य लोग भी बच्चों का ध्यान रखते थे।

वर्तमान में शिक्षा केवल धन कमाने की योग्यता तक सीमित हो गई है और मानवीय मूल्यों का पतन हुआ है। यह किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। माता-पिता के लिये बच्चों की पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ उनके साथियों की संगत, खेलकूद, परिवार के प्रति जिम्मेदारी, पूजा-उपासना, साफ-सफाई की आदत जैसी हर छोटी बड़ी चीज पर ध्यान देना आवश्यक होता है। इस उम्र में जो भी आदतें और संस्कार बन जाते हैं वे जीवन भर साथ रहते हैं। बढ़ती उम्र में बच्चे को पढ़ाई, कैरियर और सफलता की चिंता होने लगती है। इस समय बच्चे को मार्गदर्शन की जरूरत होती है। वे पढ़ाई में एकाग्र हो सकें इसके लिए नियमित दिनचर्या, पौष्टिक आहार और खेलकूद के साथ-साथ योग, आसन, मंत्रोच्चारण और उपासना के बारे में भी बताना चाहियें। जिनसे वे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ सांस्कृतिक रूप से भी जागरूक बने रहे। बच्चों को अपनी सनातन संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के बारे में भी बताना चाहिए और घर में हवन पूजन जैसे कार्यक्रमों में शामिल होने की आदत सिखानी चाहिये। ऐसी क्रियाएं बच्चों का व्यक्तित्व निखारने में और ऊर्जावान बने रहने में सहायक होती हैं। साथ ही हिन्दी अंग्रेजी के साथ संस्कृत भाषा सीखने के लिए बच्चों को प्रेरित करना चाहिए, कम से कम 10 श्लोक प्रत्येक बच्चे को याद होना चाहिए। और जब भी समय मिले तो धर्मग्रन्थों को पढ़ने या उनकी बातों को अवश्य सुनाना चाहिये।

यह भी जरूरी है कि बच्चों के मन में दया, प्रेम और सहयोग की भावना विकसित हो। बच्चों को समय-समय पर बड़े बुजुर्गों की सहायता करने के लिए प्रेरित करना चाहिये। उन्हें अपने दादा-दादी, चाचा-चाची व अन्य परिवार के लोगों से सम्पर्क में आने का अवसर देना चाहिए। बच्चों को नैतिकता का मतलब समझाना भी आवश्यक है, नैतिकता मतलब यह कि अपने जीवन को किस प्रकार से सुव्यवस्थित कर सके कि वह अपने सम्पर्क में आने वालों के प्रति एक अच्छा व्यवहार कर सके। प्रकृति के सानिध्य में भी बच्चों को अवश्य ले जाना चाहिए। पेड़ पौधों का सानिध्य और वृक्षारोपण जैसे कार्य बच्चों को सकारात्मक सोच देते है।

बच्चों को बोलने की कला भी सिखानी चाहिए। विचार कितने भी अच्छे क्यों न हों उन्हें बोलकर ही सामने वाले पर असर डाला जा सकता है। इसलिए किसी से भी बात करते वक्त अच्छे शब्दों का उच्चारण करना आना चाहिए। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए माता-पिता को भी यह ध्यान रखना अत्यन्त आवश्यक है कि घर का माहौल सकारात्मक हो, बच्चों के साथ मित्रता का माहौल बनाकर रखें। प्रयार करें कि बच्चे कोई भी बात छिपाएं नहीं। घर में माता-पिता बच्चों के सामने किसी भी प्रकार का लड़ाई झगड़ा या वाद विवाद ना करें, क्योंकि इसका भी असर बच्चों के मानसिक विकास पर पड़ता है। और माता-पिता के सबसे जरूरी है एक ऐसी समय सारणी तैयार करना, जिसमें बच्चों के अध्ययन, खेलकूद, व्यायाम, ध्यान, योग, पूजा, आसन, पौष्टिक आहार सभी चीजों का समावेश उनकी उम्र के अनुसार हो। लेकिन इसके साथ ही यह ध्यान भी रखना चाहिए कि माता-पिता द्वारा उन पर इच्छाएं थोपीं न जाएं, बच्चों का स्वाभाविक विकास हो और उनकी प्रतिभा निखर जाए।

## विचारणीय तथ्य

- अनन्त कोटि ब्रह्माण्ड नायक परम परमात्मा की सृष्टि का सर्वोच्च सौन्दर्य बालक ही है।
- बाल देह जाग्रत देवताओं का मंदिर है जहाँ तैंतीस देवताओं के साथ परमात्मा का अमृत अंश विराजता है। जिस देश, समाज या जाति के बालकों का पोषण तथा शिक्षण विधिवत नहीं किया जाता वह देश, समाज या जाति ऊँचा नहीं उठ सकता।
- माँ बनने के पहले प्रत्येक नारी को, देश के भावी कर्णधारों के पालन पोषण का शास्त्रोक्त ज्ञान होना चाहिये।
- गर्भकाल में नारी को प्रसन्नचित, संयमित तथा सत्संग में रहना चाहिये, इसका शिशु पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।
- छोटे बच्चों के सामने उनके अभिभावकों को झूठ नहीं बोलना चाहिये, गंदी गाली नहीं देना चाहिये तथा नशा नहीं करना चाहिये।
- बच्चों में अनुकरण की प्रवृत्ति होती है इसलिये उनके सामने वाणी, स्वभाव तथा आचार का संयम रखा जाना चाहिये।
- बच्चों को राष्ट्रभक्ति, वीर, रस, ईश्वर भक्ति तथा चरित्र निर्माण की बातचीत तथा कहानियां सुनानी चाहिये।
- बालकों का शिक्षण इस प्रकार हो कि उनमें सदाचार, भक्ति, विनम्रता, सहनशीलता व साहस का समावेश हो।

# परिचय – श्री परमानंद शर्मा

## परमानंद शर्मा

रिटा.प्रशासनिक अधिकारी (केन्द्रीय सेवा)
ग्राम बावरीपुरा, जिला-मुरैना
हाल न्यू दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर


मैं ग्राम बावरी पुरा जिला मुरैना का निवासी हूं और मेरा गोत्र बढ़ेले है ,हम तीन भाई हैं।बड़े भाई आदरणीय रामकुमार शर्मा जी एनटीपीसी में जनरल मैनेजर से रिटायर्ड होकर नोएडा निवास कर रहे हैं।उनके एक पुत्र है जो एनटीपीसी में ही जीएम है। मेरे दो पुत्र हैं बड़ा चेतन मोजरबियर पॉवर प्रोजेक्ट, अनूपपुर में एजीएम है और छोटा संदीप सिस्को कंपनी में सीनियर मैनेजर है। मैं ग्वालियर निवास करता हूं।मुझसे छोटे भाई महेश शर्मा हैं वे भी मेरे साथ होटल मैनेजमेंट में सेवारत रहे थे अब रिटायर्ड हो गए हैं और ग्वालियर निवास करते हैं।उनके दो पुत्र हैं एक सीनियर इंजीनियर करलोन कंपनी मालनपुर में है और दूसरा सहायक प्रबंधक (वित्त) दैनिक भास्कर कार्यालय,ग्वालियर में है।

मेरी माध्यमिक शिक्षा गांव में ही हुई और आगे की पढ़ाई के लिये वर्ष 1964 में भाई साहब के पास ग्वालियर आ गया और बीए द्वितीय तक ग्वालियर ही पढ़ा था ।उसी समय 1964 में भाई साहब का चयन महालेखाकार ग्वालियर में हुआ था। वर्ष 1969-70 में उनकी पोस्टिंग बी.एच.ई.एल.भोपाल में स्थानीय ऑडिट में हुई। तब मैं भी भोपाल चला गया और वहां से एम.ए. तक की पढ़ाई की।इसी बीच सन् 1971 में मध्यप्रदेश शासन में द्वितीय श्रेणी लिपिकों की भर्ती हुई और उस लिस्ट में मेरा चयन हो गया। मुझे आई.टी.आई. भोपाल में आंवटित किया गया। वर्ष 1972 में सेवा में आते ही समाज सेवा का भाव मुझमें भी जागृत हुआ। उसी समय बी.एच.ई.एल. नवयुवक मनोरंजन क्लब का गठन हुआ और मुझे साहित्य सचिव के पद पर मनोनीत किया गया। और साथ-साथ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी में मनोनीत किया गया। मैंने आई.टी.आई. कर्मचारियों की समस्या को लेकर विधानसभा पर पर धरना भी दिया था।

वर्ष 1975 में आई.टी.आई. ग्वालियर में स्थानान्तरण हुआ था। सामाजिक रुचि के चलते मेरे पास जो भी अपने बन्धु एवं युवा वर्ग कुछ भी कार्य लेकर आते थे उसे बड़े उत्साह से करता था।वर्ष 1978 में मेरा स्थानान्तरण भिण्ड आई.टी.आई. में हो गया था। वहां भी समाज के लिए मेरे द्वारा जो सहयोग बनता उसे अवश्य करता था। वर्ष 1979 में जब महिला आईटीआई ग्वालियर में स्थापित हुई तो मेरी पोस्टिंग वहां हो गई। सन् 1986 में केन्द्र शासन ने फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट स्थापित की, जिसमें प्रतिनियुक्ति पर मेरा संस्था के लिये चयन हो गया। इस संस्था को भारत सरकार द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेन्ट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एवं न्यूट्रीशियन में अपग्रेड किया और उसी में मेरी पोस्टिंग भी हो गई।मैंने देखा कि जॉब ओरियन्टेड कोर्स उक्त संस्था में चलाये जायेंगे तब मैने अपने समाज के कई बालक-बालिकाओं को प्रवेश के लिये प्रोत्साहित किया। हमारे समाज के लिये यह नयी टेक्नोलॉजी थी इसलिए एक-दो बालकों ने ही एडमिशन लिया और जॉब भी उन्हें मिली। मेरे संस्थान में डिग्री कोर्स के साथ कम्प्यूटर विषय के लिये लेक्चर की आवश्यकता थी। अतः संस्थान ने भर्ती हेतु आवेदन मंगाए और साक्षात्कार के समय सूची मेरे पास आयी तो उसमें एक ऋषीश्वर नाम भी था। तदोपरान्त मैनें उन्हें तुरन्त बुलाया और जो भी मदद हो सकती थी वह की थी। मैं जहां भी रहा समाज के लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता था।

ग्वालियर में उस समय एक संगठन अखिल भारतीय ऋषीश्वर ब्राह्मण संघ नाम से श्री केदारनाथ चतुर्वेदी की अध्यक्षता में चल रहा था। श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा, खांद का पुरा वाले समिति के सचिव थे,कुछ समय बाद उनका देहांत हो गया था। एक पत्रिका निकालने का हम लोगों ने प्लान बनाया था लेकिन अर्थाभाव के कारण छोटी पत्रिका ऋषि चिंतन वर्ष 1981 में प्रकाशित की थी। उसमें मेरा भी सहयोग रहा था। वर्ष 1994-95 में अखिल भारतीय ऋशीश्वर ब्राह्मण सेवा संघ में श्री रमेश शर्मा चंदहारा वाले अध्यक्ष मनोनीत किये गये और श्री नरेन्द्र शर्मा सचिव थे ,मैं उसमें कोषाध्यक्ष था। हमने भू-खण्ड के लिये बहुत प्रयास किये किन्तु सफलता प्राप्त नहीं हुई क्योंकि समिति को विधिवत चलाने के लिये चुनाव की प्रक्रिया पूरी करना थी। चुनाव के लिये आम सभा भी की गयी लेकिन आपत्तियों के चलते अध्यक्ष पद हेतु विवाद हो गया।उसके बाद हम लोगों ने स्वंय की धनराशि से एक बड़ी पत्रिका का 2002 में प्रकाशन किया था। जिसमें विभिन्न स्थानों से परिवार परिचय दिए गए थे।उसके बाद काफी समय तक काम नहीं चल सका था।

वर्ष 2013 में एक संगठन ऋषीश्वर ब्राह्मण समिति ग्वालियर रजिस्टर्ड हुई। इसमें श्री शिवदयाल जी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया था और मुख्य भूमिका श्री जवाहर लाल शर्मा और श्री जगमोहन दीक्षित फूप ने निभाई थी। बाद में किसी कारणवश श्री शिवदयाल चतुर्वेदी ने कार्यभार छोड़ने की इच्छा जाहिर की तो श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया एवं मुझे सलाहकार मनोनीत किया। उनके समय में समाज की छात्र छात्राओं के लिये प्रतिभा सम्मान समारोह किया गया जिसे समाज में काफी सराहा गया। इस प्रतिभा सम्मान समारोह में बड़े भ्राताश्री ने सी.बी.एस.ई. के 10वीं और 12वीं के तीन तीन छात्रों को नगद राशि पुरुस्कार भी प्रदान किए थे।यह कार्यक्रम 4 वर्ष तक नियमित चला लेकिन कोरोना के समय बंद हो गया।

उसके बाद समाज के कुछ सदस्यों ने विचार किया कि भूखंड क्रय करने के लिए कुछ करना चाहिए। इस पर अमल करते हुए वर्ष 2018 में एक ट्रस्ट रजिस्टर्ड किया गया एवं श्री अशोक भारद्वाज उसके अध्यक्ष मनोनीत हुये जिसमें मैं उपाध्यक्ष हूँ। वर्तमान में ट्रस्ट के द्वारा समाज के लिये भू-खण्ड क्रय कर लिया गया है, शीघ्र ही वहां निर्माण कार्य शुरू होना है।

ग्वालियर हमेशा से समाज का बड़ा केंद्र रहा है लेकिन यहां सामाजिक संगठन निरंतर प्रगतिशील नहीं रह सके हैं यह चिंता का विषय है। अभी बहुत कुछ किया जाना आवश्यक है।

## परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह-आज की जरूरत


**अनिल शर्मा**
वरिष्ठ पत्रकार, राज एक्सप्रेस
ग्राम सिरमौर का पुरा, जिला-मुरैना
वर्तमान निवास, ग्वालियर


ऋषीश्वर ब्राह्मण समाज आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के परचम लहरा रहा है । समाज के बच्चे, शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। आई.आई.टी. एवं नीट सहित तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में हमारे समाज के होनहार बच्चों ने सफलता की नई इबारत लिखी है । व्यवसाय के क्षेत्र में भी ऋषीश्वर समाज के युवाओं ने कदम बढ़ा दिए हैं, लेकिन इसे विचित्र विडम्बना ही कहेंगे कि समाज के भीतर कुंवारे लड़को की एक लम्बी कतार हो गई है। एक ओर जहां उच्च शिक्षित हाई पैकेज वाला वर्ग समाज से दूर जा रहा है। वहीं सरकारी और ठीक ठाक नौकरी वाले लड़कों की डिमांड ऊंची है । सामान्य नौकरी अथवा व्यवसाय करने वाले युवाओं के समक्ष विवाह का संकट खड़ा हो रहा है वे लड़की वालों की निगाह में नहीं है। नौकरी और शहर में मकान वाले लड़कों की केवल पूछ है। इससे समाज का संतुलन काफी हद तक गड़बड़ा गया है । यह कहें कि आज यह समाज की सबसे बड़ी समस्या के रूप ले रहा है, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन इस समस्या को कम करने में योगदान दे सकते हैं । अन्य समाजों में तो परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन वर्षों से हो रहे हैं, लेकिन इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि बौद्धिक रूप से अधिक समृद्ध होने के बाद भी इस मुहिम की हम शुरूआत नहीं कर सके हैं । अत्यंत उच्च स्तर पर सफलता अर्जित करने वाले युवकों को लगता है कि उनके योग्य जीवन साथी समाज में नहीं है। परिचय सम्मेलन से परिचय बढ़ेगा तो बाहर जाने वाले युवा समाज से जीवन साथी खोज लेंगे। सरकारी नौकरी या अच्छे पैकेज वालों के यहां शादी संबंधों की कतार लग जाती हैं, लेकिन उनके भाव ऊंचे हैं । सामान्य युवकों की जानकारी का अभाव होने की वजह से ऐसे युवकों का विवाह का इंतजार लंबा होता चला जाता है, यही वजह है कि समाज में 35 वर्ष से भी अधिक उम्र के अविवाहित युवकों की संख्या बढ़ती चली जा रही है।

परिचय सम्मेलन होने से वर-वधु दोनों पक्षों को एक मंच पर जानकारी उपलब्ध हो जाएगी, जिससे सामान्य परिवारों को वर वधू चयन में सुविधा मिल सकेगी ।

सभी माँ-बाप का सपना होता है कि उनके बच्चों की शादी धूमधाम से हो। समाज में भौतिक सम्पन्नता बढ़ने से मंहगी शादियों का चलन बढ़ा है, जिससे सामान्य वर्ग पर भी दबाव बढ़ा है। मैरिज गार्डन, शानदार बुफे, बैंडबाजे, डीजे, आतिशबाजी और अनके प्रकार की भव्यता देखकर समाज के सामान्य वर्ग के लोग भी इसी तरह के इंतजाम करने लगे हैं , जिससे वे कर्ज के बोझ से दब रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या कोई ऐसा उपाय है कि समाज के सामान्य वर्ग के बच्चों की शादी में भव्य समारोह में हो जाए और उन्हें किसी से कर्ज न लेना पड़े, इसके लिए सामूहिक विवाह समारोह बेहतरीन विकल्प है, जिसमें समाज के सभी लोग मिलकर अपने बच्चों का विवाह करें। समाज के अन्य वर्गों में यह प्रचलन वर्षो से चल रहा है, लेकिन ऋषीश्वर समाज की बात करें तो अभी हम परिचय सम्मेलन की दिशा में शुरूआत नहीं कर सकें हैं, जबकि सामूहिक विवाह का मार्ग भी वहीं से खुलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि ऋषीश्वर समाज को भी परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह समारोह पर विचार करना होगा, ऐसा करना समाज के गरीब एवं सामान्य वर्ग के लिए एक उपकार होगा, क्योंकि कड़वा है पर सच है कि बेटियों के विवाह को धूमधाम से करने के लिए आज भी हमारे कई ऋषीश्वर बंधु कर्ज के बोझ तले दबकर तनावपूर्ण जीवन जीने को मजबूर हैं। समाज का एक वर्ग जब मानसिक त्रासदी झेल रहा हो तो समाज को पूरी तरह उन्नत नहीं कहा जा सकता है । हम व्यक्तिगत विकास कितना भी कर लें लेकिन जब तक समग्र समाज विकास नहीं करेगा तक तक हमारा विकास अधूरा है । इसलिए वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह पर विचार करना समय की आवश्यकता है।

### विचारणीय तथ्य

लड़की की शादी के लिए सरकारी नौकरी वाले वर की चाहत, सभी की पहली पसंद हो गई है। भले ही लड़के में कोई अवगुण हों, लेकिन सरकारी नौकरी के आगे अवगुण छिप जाते हैं।.... चाहे शहरी हो या ग्रामीण बंधू, आँख मूंदकर, सभी अपनी बेटी सरकारी नौकरी वाले को ब्याहना चाहते हैं। और इसके लिए लोग मुँहमाँगा देने को तैयार होते हैं, चाहे कर्ज लेना पड़े। प्राइवेट जॉब वाले और व्यावसायिक क्षेत्र के लड़के भी समाज में काफी हैं और इनमें से अधिकांश शिक्षा, आमदनी और रहन सहन की दृष्टि से काफी बेहतर स्थिति में हैं। लेकिन लोगों का ध्यान इनकी ओर नहीं जा रहा है। इनमें से कई लोग तो ऐसे हैं जो, बहुत कम समय में ही समृद्धि हासिल कर लेते हैं, जिसे पाना सरकारी नौकरी के लिए आसान नहीं होता है और रही बात किसान परिवारों की, इन्हें तो विकास की धारा से बाहर ही माना जाता है। कृषि को व्यवसाय के रूप में, जब तक हम नहीं अपनाएँगे, तब तक सामाजिक और आर्थिक विकास अधूरा है। लोगों के पास अच्छी खेती है फिर भी नौकरी ही करना चाहते हैं।.... यह एक सामाजिक विडंबना भी है कि, कृषि क्षेत्र में काम कर रहे युवाओं को भले ही वे कितने ही सफल हों, संभवतः ग्रामीण रहन सहन के कारण भी योग्य वर के रूप में प्राथमिकता नहीं दी जाती है।.... लेकिन उच्च शिक्षित युवा वर्ग इस ओर ध्यान दें तो अर्थव्यवस्था और लिविंग स्टैण्डर्ड दोनों क्षेत्रों में सुधार हो सकता है। और सम्पूर्ण समाज को इसमें दूरदर्शिता दिखानी चाहिए। समाज में व्यापारिक पृष्ठभूमि नहीं रही है और अभी भी लोगों में व्यवसाय के प्रति हिचक है। लेकिन व्यवसाय जम जाए तो अगली पीढ़ी के भी आर्थिक विकास की गारंटी है। बस जोखिम उठाने की जरूरत है।

## परिचय-चौधरी राजेन्द्र प्रसाद दीक्षित

**चौधरी राजेन्द्र प्रसाद**
अध्यक्ष शासी निकाय
ऋषीश्वर कॉलेज, फूप, जिला-भिण्ड

जगा(पटिया) के अभिलेख अनुसार दीक्षित गोत्र के दो खेरे दिखनारो और माट बताए गए हैं जो मथुरा और धौलपुर राज्य में थे। मुस्लिम आक्रमण से परिस्थितियां बिगड़ने पर 11वीं सदी में विस्थापन किया गया और मुरैना क्षेत्र के सिहोनियां (तत्कालीन सुहानियां) में आकर बस गए थे। सिहोनियाँ काफी समृद्ध एवं सांस्कृतिक स्थान था और चंबल के इस पार होने के कारण इस्लामिक आक्रमण से सुरक्षित भी था। लेकिन जब वहां इस्लामिक आक्रमण का खतरा बढ़ गया तो दीक्षित बंधुओं ने पुनः विस्थापन करना उचित समझा और भिण्ड क्षेत्र के एनो गांव में निवास करने लगे। वर्ष 1385 (सम्वत 1442) में चक्रपान दीक्षित के साथ सभी बंधुओं ने एनो भी छोड़ दिया और भिण्ड क्षेत्र के फूप गांव में बस गए थे। दीक्षित गोत्र के बंधू शिक्षित,संपन्न और प्रतिष्ठित रहे हैं। फूप के बाहर जहां कहीं भी दीक्षित बंधू निवास करते हैं वे सभी फूप से ही निकलकर गए हुए हैं।

जगा(पटिया) से प्राप्त जानकारी के अनुसार हमारे पिताजी के दादा चौ.मूलचंद जी पांच भाई थे, चौ.परमेश्वर जी, चौ.आशाराम जी, चौ.तुलारामजी, चौ.मेघराम जी और स्वयं चौ.मूलचंद जी। आशाराम जी और तुलाराम जी का विवाह नहीं हुआ था और परमेश्वर जी का वंश तीसरी पीढ़ी पर बंद हो गया था। चौ.मूलचंद जी का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था,उन्हें ग्वालियर स्टेट ने 40 गांव का चौधरी बनाया था और लगान वसूली का अधिकार दिया था। उनकी छत्री भी फूप में बनी हुई है। उनके जो चार पुत्र हुए वे चौ.बेनीराम, चौ.घासीराम, चौ.टीकाराम और चौधरी गजाधर जी थे। चौधरी घासीराम समाज सेवा में काफी अग्रणी थे और चौधरी पद का उत्तरदायित्व भी संभालते थे।चौधरी गजाधर जी मेरे दादा थे जो प्रसिद्ध समाजसेवी थे और वर्ष 1913 में निर्मित पहले ऋषीश्वर सामाजिक संगठन के अध्यक्ष भी रहे थे।चौधरी गजाधर जी की दो संतान थीं,पहले चौधरी विश्वनाथ जिनका वंश नहीं चला और दूसरे मेरे पिताजी स्व.चौधरी विनायक राम जी थे।मेरे पिताजी समाज सेवी व्यक्तित्व थे और उन्होंने लगभग 30 बीघा जमीन, फूप मेन रोड पर चंद्रशेखर आजाद हायर सेकेण्डरी स्कूल के लिए दान की थी। उसी जगह पर चौधरी स्व.मूलचंद जी की छत्री बनी हुई है। मैं अपने पिताजी की इकलौती संतान हूं। लगभग 20 वर्ष से ऋषी[illegible] कॉलेज फूप का शासी निकाय अध्यक्ष हूं।

मेरे दो पुत्र चौधरी अनुराग और चौधरी शिवराग हैं और एक पु[illegible] मोनिका है।बड़ा पुत्र अनुराग फूप नगर पंचायत में वार्ड नं 2 [illegible] पार्षद है, साथ ही डरबन पाली में क्रेशर प्लांट और ग्वालियर [illegible] ट्रांसपोर्ट का कार्य देखता है और छोटा पुत्र यूपीएससी की तैया[illegible] कर रहा है।पुत्री कु.मोनिका एमएससी कर रही है। मेरी 4 बहनें [illegible] 2 मुझसे बड़ी और 2 मुझसे छोटी है । ग्वालियर डीडी नगर में मे[illegible] स्वयं का निवास है।

चौधरी स्व.मूलचंद जी के छोटे भाई मेघराम जी थे उनके भी दो पुत्र हुए चौ.रघुवीर जी और चौधरी डालचंद जी। चौध[illegible] डालचंद जी भी प्रसिद्ध समाजसेवी थे, वे और चौधरी गजाधर ज[illegible] दोनों ने मिलकर समाजसेवा के काफी कार्य किए थे। दोनों [illegible] समाज में भ्रमण करते रहते थे। चौधरी डालचंद के भाई रघुवीर क[illegible] कोई वंश नहीं चला था।चौधरी डालचंद जी के तीन पुत्र चौ.प्रता[illegible] सिंह, चौ.उजागर और चौ.गोपाल राव थे। चौधरी प्रतापसिंह [illegible] चार पुत्र स्व.चौ.गोविन्दराव माड़के,स्व.सरनाम मास्टर साहब, स्व.श्रीकृष्ण जी और स्व.विद्यासागर जी थे।

चौधरी गोविंद राव माड़के भी ऋषीश्वर कॉलेज फूप में शासी निकाय अध्यक्ष रहे थे । इन सभी के परिवार फूप औ[illegible] ग्वालियर अन्य स्थानों पर निवास कर रहे हैं। गोपालराव जी क[illegible] वंश नहीं बढ़ा था और उजागर जी के दो पुत्र कहीं बाहर जाक[illegible] बस गए हैं।दीक्षित गोत्र के बंधू जहां कहीं भी हों लेकिन उनक[illegible] मूल स्थान फूप ही है।

### सोलह संस्कार

गर्भाधानं पुंसवनं सीमन्तो जातकर्म च।
नामक्रिया निष्क्रमोऽन्नप्राशनं वपनक्रिया।
कर्णवेधो व्रतादेशो वेदारम्भक्रियाविधिः।
केशान्तः स्नानमुद्वाहो विवाहाग्निपरिग्रहः।
त्रेताग्निसंग्रहचैव संस्काराः षोडशस्मृताः।

(1) गर्भाधान संस्कार, (2) पुंसवन संस्कार, (3) सीमन्तोन्नयन संस्कार, (4) जातकर्म संस्कार, (5) नामकरण संस्कार, (6) निष्क्रमण संस्कार, (7) अन्नप्राशन संस्कार, (8) मुंडन संस्कार, (9) कर्णवेधन संस्कार, (10) विद्यारंभ संस्कार, (11) उपनयन संस्कार, (12) वेदारंभ संस्कार, (13) केशांत संस्कार, (14) समावर्तन संस्कार, (15) विवाह संस्कार और (16) अन्त्येष्टि संस्कार।

## परिचय-श्री देवेन्द्र दीक्षित

**देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट**
जिला न्यायालय, भिण्ड
संयोजक ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण
निवास : भिण्ड

मैं देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट ग्राम सिमार तहसील मेहगांव का निवासी हूं।लगभग 150 वर्ष पहले हमारे पूर्वज धर्मपाल दीक्षित फूप से सिमार आए थे,उनके पुत्र सीताराम दीक्षित हुए थे। सीताराम दीक्षित के पुत्र मुरलीधर दीक्षित हुए थे।और मुरलीधर के दो संतान स्व.गेंदालाल दीक्षित और स्व. अयोध्या प्रसाद हुए थे।गेंदालाल जी मेरे दादा थे एवं अयोध्या प्रसाद का विवाह नहीं हुआ था।गेंदालाल दीक्षित के दो पुत्र हुए एक भीमसेन दीक्षित जिन्होंने सेना में सिग्नल कोर में सेवाएं दीं हैं।उनके कोई संतान नहीं हुई। इनसें छोटे भाई मेरे पिताजी स्व.डॉ.राम सहाय दीक्षित थे।वे परिवार के साथ साथ समाज के भी गौरव थे। वे समाज के पहले एमबीबीएस डॉक्टर थे। प्रारंभ में उन्होंने सेना में आर्मी मेडिकल कोर में सेवाएं प्रदान की थीं।उसके बाद स्वास्थ्य विभाग मध्यप्रदेश में सेवाएं दीं।मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों जगह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पद पर कार्यरत रहे थे। हम चार भाई बहन अपनी माता पिता की संतान हैं। मेरे एक पुत्र नितिन दीक्षित है,जिसका होलसेल मेडिसीन का व्यवसाय है और एक पुत्री विनीता हैं, दोनों का ही विवाह हो चुका है।मेरे दो पौत्र सम्राट दीक्षित और विठ्ठल दीक्षित हैं।मुझसे छोटे भाई सत्यकांत दीक्षित का भिण्ड में मेडिकल स्टोर है। उनके एक पुत्र आदित्य दीक्षित जो बी.फार्मा अध्ययनरत है और पुत्री प्रिया है जिसका विवाह हो गया है।मेरी माताजी का भी देहांत हो गया है,वे बिरधनपुरा से भारद्वाज गोत्र की थीं।वर्तमान में हमारा निवास स्थान भिण्ड शहर में है।
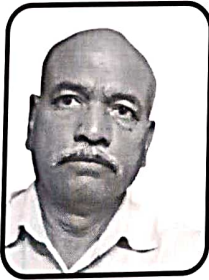
## परिचय-श्री रामअवतार शर्मा

**रामअवतार शर्मा**
सेवा निवृत प्राचार्य
अम्बाह, जिला-मुरैना

मैं रामअवतार शर्मा राजस्थान शिक्षा विभाग से सेवा निवृत प्राचार्य हूं और वर्तमान में अम्बाह में निवास कर रहा हूं। मूल ग्राम जगमोहन पुरा जिला धौलपुर है और मेरा गोत्र दीक्षित है।मेरा एक ही पुत्र आनंद है जो जिला अस्पताल भिण्ड में पुरुष स्टाफ नर्स है।आनंद के भी दो छोटे बच्चे तेजस्वी और चिरंजीव हैं। हमारे परदादा के पूर्वज स्व.खेमराज जी वर्ष 1868 (संवत 1925) में ग्राम फूप-जिला भिण्ड से जगमोहन पुरा आकर बस गए थे। उनके चार पुत्र बृखभान, लालाराम, छतू और घनश्याम हुए थे। जिसमें लालाराम और छतू का वंश नहीं चला था। सबसे छोटे पुत्र घनश्याम का परिवार चांद का पुरा जिला मुरैना पहुंच गया था। सबसे बड़े पुत्र बृखभान के भी चार पुत्र हुए थे।बलदेव मुरलीधर, लोंगी और गुमान इन चारों में बलदेव और मुरलीधर की ही संतति आगे बढ़ी थी। बलदेव के दो पुत्र जंगजीत और तेजपाल हुए और मुरलीधर के पुत्र बिहारी हुए। तेजपाल के द्वारिका प्रसाद और रामरतन दो पुत्र हुए।स्व.द्वारिका प्रसाद मेरे पिताजी थे। उनके भाई रामरतन की भी संतान नहीं थी।मेरे पिताजी की चार संतान हुई,सबसे बड़े मंगल प्रसाद, महावीर प्रसाद, ओमप्रकाश और मैं स्वयं राम अवतार सबसे छोटा हूं। ऊपर बताए अनुसार बलदेव के दूसरे लड़के मुरलीधर के जो पुत्र बिहारी थे उनके तीन पुत्र माफल ,भोगी और रामचरण हुए थे। माफल के चार लड़के जोधा, शिवनारायण, बाबू और सिद्दार थे और भोगी के मोहर सिंह और लक्ष्मण थे। मुझसे बड़े भाई ओमप्रकाश के कोई संतान नहीं थी और उनसे बड़े महावीर प्रसाद के राजेश और बद्री दो लड़के हैं एवं सबसे बड़े भाई मंगल प्रसाद के एक ही लड़का दिनेश है। और जो परिवार चांद का पुरा पहुंच गया था उनमें देवीराम और कृपाराम का परिवार निवास कर रहा है।देवीराम के तीन लड़के और कृपाराम के दो लड़के हैं।चांद का पुरा में एक ही दीक्षित परिवार है। फूप के बाहर जितने भी दीक्षित हैं वे फूप के ही मूल वासी हैं।

माता च पार्वती गौरी पिता देवो महेश्वरः। भ्रातारो मानवाः सर्वे स्वदेशो भुवनत्रयम ॥ -
विश्वजननी पार्वती गौरी मेरी माता हैं, विश्वपिता महेश्वर मेरे पिता
हैं, सकल मनुष्यमात्र मेरे भ्राता हैं एवं तीनो भुवन
(स्वर्ग, मर्त्य, पाताल) मेरा अपना देश हैं।

# ऋषीश्वर ब्राह्मण : गौरवपूर्ण अतीत से सुनहरे भविष्य की ओर

## पंडित नरसी प्रसाद शर्मा

सेवा नि.राजस्व निरीक्षक
ग्राम जामगढ़, जिला-रायसेन
हाल: बरेली, जिला-रायसेन


हमारे समाज का गौरवपूर्ण अतीत रहा है। यह हमारे पूर्वजों के त्याग, तपस्या, परिश्रम और संघर्षशीलता का परिणाम है। सुनहरे इतिहास के पृष्ठों में प्रत्येक पीढी अपना योगदान देती रही है। कई पीढियों से हम देश के कई भूभागों में पहुंचे और हमे विरासत में मिली स्वाभिमान और साहस के साथ श्रम की प्रवृत्ति ने प्रत्येक स्थान पर हमें विशिष्ट स्थान दिलाया है।

नासिक से प्रारंभ हुई समाज की यात्रा का सबसे बडा पडाव चंबल नदी के आसपास रहा है और इसे अपना 'देस' मानते हैं। यहां तो समाज के कई नर्रत्नों की आभा बिखरती रही है, साथ ही राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बुंदेलखंड, महाकौशल, मालवा तथा भोपाल क्षेत्र के जामगढ में समाज के लोगों ने अपने कार्यो से एक अलग ही पहचान बनाई है। अब हमें इस बात का भी गर्व है कि हमारी नई पीढी देश के नएनए स्थानों पर नएनए क्षेत्रों में अपनी योग्यता के झंडे गाड रही है।

किंतु यहां यह भी कहना चाहेंगे कि अतीत कितना ही अच्छा हो, वह अच्छे भविष्य को सुनिश्चित नहीं करता। अतीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान के सुविचारित कदम सुनहरे भविष्य का आधार होते हैं। एक प्रबुद्ध समाज को उपदेश की आवश्यकता तो नहीं रहती, लेकिन तीन सूत्रों के रूप में मैं अपनी बात पूरी करूंगा।

1. अपनी समाज के गौरवपूर्ण इतिहास से स्वयं परिचित रहें और परिजनों तथा स्वसमाज को भी कराएं।

2. अपनी पूर्ववर्ती पीढी के विकास की परंपरा को आगे बढाएं। याद रखें कि हमे जो विरासत मिली है, उससे और अधिक वृद्धि करके अगली पीढी को सौंपना है। यहां विरासत को केवल धनूसंपत्ति के अर्थ में न लेकर शिक्षा, संस्कार और योग्यता जैसे अर्थो में लिया जाना चाहिए।

3. समाज के प्रति सदैव सकारात्मक भावना रखें और अपने संपर्क क्षेत्र में सभी में ऐसी भावना विकसित करने का सदैव प्रयास करते रहें।

सदियों पहले पचौरी और मुदगल गोत्र खरकौली गांव राजस्थान में निवास करते थे। धौलपुर में संवत 1360 में हिंदू मुस्लिम झगड़े में 500 मुसलमान मारा गया और 150 ऋषीश्वर ब्राह्मण हताहत हुए थे।कुछ पचौरी वहां से संवत 1600 में चंदूखेड़ा गांव भोपाल में आए थे जहां संवत 1802 तक रहे। वहां से संवत 1942 में वीलखेड़ी अब्दुल्लागंज आकर रहे जो संवत 1956 तक रहे फिर वीलखेड़ी से संवत 1956 में श्री टीकाराम पचौरी जी एवं श्री हीरालाल पचौरी जी जामगण आये थे। इन पूर्वजों के हम वंशज हैं।मैं पंडित नरसी प्रसाद पचौरी और मेरे छोटे भाई पंडित कमल किशोर पचौरी दोनों भाइयों का परिवार वर्तमान में बरेली निवासरत हैं।

जामगढ़ में निवासरत 16 गोत्र के बंधुओं के 83 परिवार निवासरत हैं। याज्ञवल्क्य(जोशी) 8, पचौरी 3, ढमोले 3,शांडिल्य (सड़वारिया) 5, जोशी 20, मुदगल 3, बढेले 2, पाराशर 13, दीक्षित 4, चौबे 1, तिवारी 2, उपाध्याय 3, भारद्वाज 5, कांकोरिया 2, विरथरिया 8, और गौतम 1 परिवार निवासरत हैं। जामगढ़ के ये मूल निवासी परिवार जामगढ़ सहित बरेली, खरगोन, कुंडाली और भोपाल में भी निवासरत हैं।

जामगढ़, रामायणकाल और महाभारतकाल का महत्वपूर्ण प्राचीन स्थल है।यह स्थान जामवंत जी की निवास स्थली के कारण जामगढ़ कहलाया।यहां स्थित श्री ऋषीश्वर संस्कृत पाठशाला देश की स्वतंत्रता के पूर्व से ही संस्कृत विद्वानों को तैयार करने में अपना योगदान देती रही है।जामगढ क्षेत्र की धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है।जामगढ में शिक्षा के क्षेत्र में समाज का स्तर क्षेत्र में पहले क्रम पर रहा है।

जक्षद्गुरु स्वामी स्वरूपानंद जी सरस्वती, भारत के सर्वोच्च पद पर पहुंचे डॉ शंकरदयाल शर्मा, महान जैन संत विद्यासागर जी महाराज सहित अनेक विशिष्ट विभूतियों के अभिनंदन का सौभाग्य जामगढ को मिलता रहा है।

## महर्षि वेदव्यास

महर्षि वेदव्यासजी महानब कवि, लेखक तथा तत्वदर्शी ज्ञानी हैं उन्हें चिरंजीवी माना जाता है। प्रत्येक द्वापर युग में वेदों का विभाजन वेद व्यास ही करते हैं।वर्तमान में वैवस्वत मनवंतर चल रहा है,इसी के 28 वें द्वापर में वेदव्यास जी ने चारों वेदों का विभाजन किया था।वेद व्यास जी का वास्तविक नाम कृष्ण द्वैपायन है,वे पाराशर ऋषि और माता सत्यवती के पुत्र हैं। परम ज्ञानी शुकदेव जी वेद व्यास जी के पुत्र थे जो कम आयु में ब्रह्मलीन हो गए थे।

सतयुग से लेकर द्वापर के अंत तक वेदों की ऋचाएं, मौखिक रूप से ही गुरु शिष्य परम्परा द्वारा अस्तित्व में रहती हैं। लेकिन वेद व्यास जी ऋचाओं को क्रमबद्ध किया और शिष्य पेल को ऋग्वेद, वैशंपायन को यजुर्वेद, जेमिनी को सामवेद, और सुमंतु को अथर्ववेद पढ़ाया था। इसके अलावा वेदव्यास जी ने 'जय' नाम से महाभारत काव्य की रचना भगवान गणेश जी के सहयोग से की थी।महाभारत में ही सनातन संस्कृति की उत्कृष्ट धरोहर श्रीमदभगवत गीता भी है। इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि 18 पुराणों की रचना भी वेदव्यास जी ने की थी और अपने शिष्य लोमहर्षण यानी सूतजी को पुराणों के प्रचार का कार्य सौंपा था। सूतजी नेमिषारण्य में अठासी हजार ऋषियों को पुराणों की कथाएं सुनाते थे।

# सामाजिक समस्याएं और निदान

**नरेन्द्र कुमार शर्मा**

उप संचालक (वित्त), ग्वालियर
ग्राम खांद का पुरा, जिला-मुरैना


ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण पत्रिका के संयोजक एवं योगदान करने वाले बन्धुओं को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित करता हूं। इस पत्रिका से सुदूर क्षेत्रों में निवासरत ऋषीश्वर बन्धुओ को निश्चित ही लाभ होगा। विशेषकर युवाओं को विभिन्न सामाजिक जानकारी एवं सूचनाएं प्राप्त होने से समाज से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। परिचय का दायरा बढ़ने से सामाजिक कुरीतियों व समस्याओं की वर्तमान स्थिति एवं उनके निदान पर भी विचार विमर्श का अवसर प्राप्त होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बालिकाओं को समान अवसर व सुविधायें मिलें और उन्हें भी समाज व राष्ट्र की मुख्य धारा मे शामिल होने का अवसर प्राप्त हो। क्योंकि बालिकाओं की शिक्षा से ही परिवार, समाज व राष्ट्र का विकास संभव है।यद्यपि वर्तमान मे हमारे समाज की कुछ बालिकायें शिक्षा के क्षेत्र में बालकों के समान ही अपने ज्ञान, विवेक, कौशल एवं आत्मविश्वास से आत्मनिर्भर बनकर समाज व राष्ट्र के विकास मे अपना योगदान दे रही हैं। कला, संस्कृति, खेल-कूद, आध्यात्म, राजनीति सभी क्षेत्रों में बालिकाओं का प्रभाव बढ़ रहा है।

आज समाज में स्त्री पुरुष लिंगानुपात में काफी अन्तर दिखाई दे रहा है जो चिन्ता का विषय है। अनुमान लगाया गया है कि समाज में स्त्री पुरुष अनुपात 70 और 100 का रह गया है। यानी 30 लड़के अविवाहित ही रह जायेंगे। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में कई युवाओं एवं उनके परिजनों के सामने उनके विवाह का संकट स्पष्ट दिखाई दे रहा है। साथ ही जानकारी के अभाव में या अन्य किसी कारण से प्रतिवर्ष अन्य जातियों में होने वाले विवाहों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है।समाज के बुद्धिजीवियों को इस समस्या पर विचार करना चाहिए कि अन्य जातियों में पलायन की बजाय अन्य ब्राह्मण उपवर्गों में विवाह संबंध बनाने के रास्ते खोलना बेहतर रहेगा। युवा वर्ग को इस संबंध में जागरूक करना जरूरी है कि वे शादी संबंध के लिए मेलजोल बढ़ाने में सावधानी बरतें और अच्छी समझ विकसित करें।अपने समाज में परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह सम्मेलन भी समय की मांग है।इससे समय, श्रम व धन की भी बचत हो सकेगी। चूंकि अपना अधिकांश समाज कृषि पर आधारित है तथा हमारी आर्थिक स्थिति सामान्य ही है ऐसे में विवाह समारोह एवं मृत्यु भोज आदि पर अत्यधिक खर्च बुद्धिमानी नहीं है। बचत करके वह धन शिक्षा के क्षेत्र में लगाना चाहिए क्योंकि कृषि भूमि अब अधिक भरोसेमंद साधन नहीं रही है।पढ़ लिखकर अन्य सेवाएं या व्यवसाय आदि अपनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

आज के प्रतिस्पर्धा के युग में आर्थिक सम्पन्नता अति आवश्यक है। यदि पब्लिक या प्राइवेट सेक्टर में रोजगार नहीं मिलता है तो स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बना जाए यह भी आवश्यक कदम होगा।परम्परागत कृषि के स्थान पर आधुनिक कृषि जैसे सब्जी, औषधियुक्त फसल, फलों फूलो के उत्पादन पर ध्यान देना होगा। पशुपालन और दुग्ध से तैयार किये जाने वाले उत्पाद भी अच्छा विकल्प है। लघु एवं कुटीर उद्योगो का विकास जैसे विभिन्न प्रकार के आटे बेसन, मेहंदी मसालों आदि को तैयार कर उनकी पैकेजिंग आदि पर भी विचार किया जा सकता है। उपरोक्त कार्य में शासन की विभिन्न योजनाओं का भी लाभ लिया जा सकता है। यानी सर्वप्रथम शिक्षा प्राप्त करना और उसके बाद रोजगार के अवसर हर हालत में प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।अन्यथा खेती निरंतर कम और कम लाभ देने वाली होती चली जायेगी और हालात बेहद खराब होते जायेंगे।

## मंत्र दृष्टा ऋषि विश्ववारा

ऋग्वेद के पंचम मंडल के 37 वें सूक्त से लेकर 40 वें तक, और 85वें तथा 86 वें सूक्त के समूचे मन्त्रों के दृष्टा ऋषि अत्रि थे। अथर्ववेद में भी अत्रि दृष्ट मन्त्रों की प्रधानता है। अत्रि के जगत प्रसिद्ध तीन पुत्रों के नाम हैं सोम, दुर्वासा और दत्तात्रेय। तीनो पुत्र योगीकुल शिरोमणि थे। वे समस्त ऋद्धि-सिद्धियों के स्वामी होने पर भी उनके सामने वेदमंत्र प्रगट नहीं हुए थे, अर्थात वे लोग मन्त्रदृष्टा नहीं थे, मगर अत्रि मुनि की दो कन्याएं थी विश्ववारा और अपाला - दोनो ही मन्त्रदृष्टा ऋषि थीं।

एक हिन्दू के लिये वेदमन्त्रों को प्रत्यक्ष अपनी आंखो के सामने देखनेवाले ऋषिगणों का स्थान सर्वोच्च होता है। ऋग्वेद में सैकड़ों सूक्त है, उन सूक्तों के मन्त्र ऋषि भी बहुत से हैं। मगर उनमें से महिला ऋषि संख्या में सिर्फ सात ही हैं, जैसे अगस्त्य- पत्नी लोपामुद्रा, अत्रि कन्याएं विश्ववारा और अपाला, कक्षीवान ऋषि की कन्याएं घोषा, सूर्या, इन्द्राणी एवं अम्भृन ऋषि की कन्या वाक।

नर्मदा किनारे एक जगह है 'हथनी संगम'। इसी के दुर्गम अरण्य में विश्ववारा ने कठोर तपस्या की थी। उस तपस्या के दौरान ही किसी प्राचीन अतीत में,विश्ववारा की दृष्टि के सामने हिरण्यमय आकाश को भेद कर प्रगट हुए थे ऋग्वेद के पंचम मंडल के 28वें सूक्त से छः मन्त्र। उनके द्वारा देखे गए मन्त्रों के देवता अग्नि हैं।। भयानक दुर्गम अरण्य में बैठ कर दृढ़तम एवं एकाग्रचित्त निष्ठा से एक नारी ने उग्रतम तपस्या की थी यह रोमांचित करता है।उनके द्वारा दृष्ट प्रथम मंत्र है।

ॐ समिद्धो अग्निदिवि शोचिरश्रेतब प्रत्यंङ्समुर्विया विभाति।
एति प्राची विश्ववारा नामोभिर्देवाँ ईलाना हविषा घृताची ॥

अर्थात ऋषि विश्ववारा अनुभव करती हैं कि अलौकिक योगाग्नि या यज्ञाग्नि की उज्वल छटा आकाश में विस्तार लाभ कर रही है और ज्ञानमयी ऊषा के अभ्युदय के लिये क्षेत्र प्रस्तुत कर रही हैं, विश्ववारा पूरब दिशा की ओर मुंह फेर कर देवताओं की स्तुति करती हुई, अपने हाथ मैं आहुति का पात्र लेकर ब्रह्माग्नि के संग मिलन के लिये जा रही हैं।

# परिचय : सलखनी एवं मुक्ताखेड़ा

## शिवकुमार शर्मा

सेवा नि.पुलिस इंस्पेक्टर
सलखनी, जिला–छिंदवाड़ा (म.प्र.)

मैं शिवकुमार शर्मा गोत्र जोशी ,पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर पद से सेवा निवृत होकर ग्राम सलखनी जिला छिंदवाड़ा में निवास कर रहा हूं। मेरी पत्नी ग्राम बिलंदा से हैं और उनका गोत्र चितोरिया है। पूर्वजों द्वारा दी गई जानकारी तथा किवदंतियों के अुसार छिंदवाडा जिले में ऋषीश्वर ब्राह्मण समाज प्रारंभ में तो राजस्थान से विस्थापित होकर आया था, बाद में भिण्ड मुरैना क्षेत्रों से भी आना हुआ था।

जगा के मुताबिक छिंदवाड़ा के गांवों में निवास करने वाले ऋषीश्वर पहले राजस्थान के सिद्धलपुर क्षेत्र में रह रहे थे। लेकिन मुस्लिम आक्रांताओं का प्रभाव वहां बढ़ा तो सिद्धलपुर से विस्थापित हो गए थे। पूर्वजों की जानकारी के अनुसार हम सभी आदि गौड़ ब्राह्मण हैं और वशिष्ठ ऋषि की संतान हैं । छिंदवाडा में विभिन्न गोत्र के बंधुजन निवास करते हैं जो लगभग 45 गांवों में विस्तारित हैं,लेकिन मुख्य केंद्र चौरई है। छींद के वृक्षों की अधिकता के कारण इस जगह का नाम छिंदवाड़ा पड़ा था । यहां वर्ष 1853 तक मराठों का राज्य रहा था उसके बाद अंग्रेजों के हाथ में चला गया था। 1956 के पहले यह नागपुर जिले का हिस्सा था। ऋषीश्वर समाज का उपगोत्र 'देशमुख' मराठों के समय ही प्रचलन में आया था ,देशमुख मराठा साम्राज्य की एक उपाधि थी जो लगान वसूली के लिए प्रदान की जाती थीं।

छिंदवाडा जिले में हमारा समाज मुख्य रूप से खेती बाड़ी पर ही निर्भर रहा है। लेकिन जैसे जैसे शिक्षा का प्रसार होता गया तो लोग अच्छी अच्छी सर्विस में पहुंचने लगे थे। छिंदवाड़ा समाज से श्री नन्द किशोर जी आबकारी आयुक्त पद पर कार्यरत रहे जो पिपरिया गांव से थे।श्री विनोद शर्मा जी नवोदय विद्यालय प्रबंधन में डायरेक्टर रहे हैं। श्री संतोष शर्मा जी निदेशक सर्वे ऑफ इंडिया रहे हैं और उनके सुपुत्र श्री अभिसार शर्मा एबीपी न्यूज चैनल में एंकर रहे हैं। इसके अलावा शासकीय सेवा और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में काफी लोग अच्छे पदों पर कार्य कर रहे हैं।

छिंदवाड़ा ऋषीश्वर समाज द्वारा आदि गौड़ ऋषीश्वर ब्राह्मण सम्मेलन वर्ष 2013- 2014 में आयोजित कराया गया था।इस सम्मेलन में भगवान परशुराम की प्रतिमा का शिलान्यास भी किया गया था जो ग्राम गुरैया में हुआ था । ग्राम गुरैया में यह भव्य मंदिर वर्ष 2022 में बनकर तैयार हो गया है। सम्मेलन के लिए और मंदिर निर्माण हेतु समाज के सभी बंधुओं ने योगदान दिया था।समाज के ही जनपद सदस्य श्री गजमोहन शर्मा , श्री शिवकुमार शर्मा का इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान रहा था। छिंदवाडा समाज के शादी संबंध जामगढ़, सागर, गुना, विदिशा, भिंड, मुरैना, उन्नाव आदि में निवासरत ऋषीश्वर समाज से होते रहें हैं।

## दिनेश कुमार शर्मा

सरपंच ग्राम मुक्ताखेड़ा
जिला–विदिशा

मैं दिनेश कुमार शर्मा ग्राम मुक्ताखेड़ा तहसील लटेरी जिला विदिशा का सरपंच हूं और वर्तमान में विकास खंड लटेरी जिला विदिशा के सरपंच संघ का अध्यक्ष भी हूं।साथ ही अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा विदिशा का अध्यक्ष भी हूं। मेरा गोत्र बिरथरिया है और हमारे पूर्वज 12 वीं सदी में धौलपुर के बिरथरे खेरा से निकलकर भिण्ड जिले के चपरा गांव में आकर बसे थे।कुछ समय पश्चात चपरा से भी निकल आए और गुना जिले के कुसमान गांव में निवास किया था। यहां कुछ वर्ष बिताने के बाद बिरथरिया गोत्र के लोग बमौरी पहुंचे थे और वहां से हमारे परिवार सहित कुछ लोग बमौरी से निकलकर मुक्ताखेडा आ गए थे ।बमौरी में 20 - 25 परिवार अभी भी निवास कर रहे हैं। मेरे गांव में लगभग 20 घर बिरथरिया गोत्र के और एक घर भाईलपुरिया गोत्र का है।

मेरे पिताजी स्व.श्री मिश्रीलाल जी दो भाई थे ।उनके बड़े भाई श्री प्रेमनारायण जी के 5 पुत्र हैं जो मुक्ताखेड़ा में ही निवास करते हैं। मेरे पिताजी और ताऊजी का जीवन प्रेरणादायक रहा वे जीवन पर्यन्त साथ रहे । कभी अलग नहीं हुये भाई-भाई का प्रेम समाज में उदाहरण रहा । पिताजी का निधन 08 जुलाई 2019 को हुआ था । ताऊजी उस दुख को सहन नहीं कर सकें और एक वर्ष में 08 जुलाई 2020 को उनका भी निधन हो गया था । मेरी ससुराल मार की मऊ में गौतम गोत्र में है और मेरे दो पुत्र व एक पुत्री हैं।
मेरे परिवार में राजनैतिक विद्वेषवश दो बार डकैती भी पड़ चुकी है पहली बार वर्ष 1976 में पड़ी थी और दूसरी बार वर्ष 1994 में डकैती पड़ी जिसमें मेरे ताऊजी के लडके रामस्वरूप डकैतों से लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हो गये ।इन सबका कारण हमारी बढ़ती लोकप्रियता और विद्वेष ही था। लेकिन हमनें कभी हार नहीं मानी और राजनैतिक के साथ साथ सामाजिक गतिविधियों में भी अपना वर्चस्व बनाए रखा।यही कारण है कि वर्ष 2005 से वर्तमान तक(एक कार्यकाल छोड़कर) निरंतर सरपंच पद बनाए हुए हैं और सरपंच संघ लटेरी की अध्यक्षता भी हासिल की है। गुना और विदिशा जिले के ऋषीश्वर समाज में निरंतर संपर्क भी बना हुआ है। इस क्षेत्र के शादी संबंध अधिकतर इसी क्षेत्र में और कुछ सागर, कवाई, जामगढ़ आदि क्षेत्रों में हैं।

# ऋषीश्वर परिचय-सामान्य

**देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट**
जिला न्यायालय, भिण्ड
संयोजक ऋषीश्वर ब्राह्मण दर्पण
निवास : भिण्ड


ऋषीश्वर शब्द, ऋषि और ईश्वर के संयुक्तिकरण से बनता है। यहाँ ऋषि का अर्थ है अन्वेषक या शोधकर्ता और ईश्वर का अर्थ है परम तत्व यानी जो परम तत्व के अन्वेषक थे वे ऋषीश्वर कहलाए। महर्षि वशिष्ठ आदि ऋषियों को ऋषीश्वर कहा जाता था लेकिन ऋषीश्वर शब्द पद या उपाधि के रूप में ऋषीश्वर ब्राह्मण वर्ग के साथ बहुत पुराना तभी से चला आ रहा है जब वे सभी ब्राह्मण अयोध्या में निवास करते थे। वशिष्ठजी के वंशज ये शुक्ल यजुर्वेदी ब्राह्मण भी ज्ञानी, वेदज्ञ, तपस्वी और परम तत्व का चिंतन करने वाले थे इसलिए उन्हें भी ऋषीश्वर संबोधित किया जाता था" किवदंती है कि भगवान राम ने अयोध्या में रह रहे वशिष्ठ जी के वंशज ब्राह्मणों की तेजस्विता को देखकर उन्हें भी ऋषीश्वर कहकर संबोधित कियाा था" तब से यह पद निरंतर ऋषीश्वर ब्राह्मणों के साथ चला आ रहा है। इनकी विशेषता यह रही है कि हमेशा अयाचक और यायावर रहें हैं और किसी क्षेत्र विशेष से इनकी पहचान कभी नहीं रही है। ऋषीश्वर ब्राह्मण मूल रूप से उत्तराखंड के निवासी थे जो बाद में अयोध्या में आकर बस गए थे। वेदाध्ययन और तप की दृष्टि से इनमें से काफी लोग धर्मश्री संवत 11 में नाशिक चले गए थे। वेदज्ञ एवं यज्ञादि में सिद्धहस्त होने की वजह से उन्हें बड़े बड़े यज्ञों में बुलाया जाता था और उनकी कीर्ति दूर दूर तक फैल गई थी। ऋषीश्वर ब्राह्मण आदि गौड़ ब्राह्मण हैं आदि गौड़ ब्राह्मणों की 15 शाखाएं हैं जिनमें वशिष्ठ आदि गौड़ ब्राह्मण ही ऋषीश्वर ब्राह्मण हैं, जिनके वेद-शुक्ल यजुर्वेद, उपवेद-धनुर्वेद शाखा-माध्यन्दिन, सूत्र-कात्यायन, प्रवर-त्रिय, शिखा-दाहिनी, पाद-दाहिना, देवता-शिवजी, कुलदेवी सरस्वती, तिलक-त्रिपुण्ड और वृक्ष-पीपल है।

खेरा नासिक-नाशिक अत्यन्त प्राचीन धर्मनगरी है। समुद्र मंथन में अमृत की बूंदे यहां गिरी थी, इसलिए दैवीय ऊर्जा का केन्द्र हैं। हजारों साल से कुंभ के समय गंगा गोदावरी में पर्व लेने देश भर से लोग आते रहें हैं। प्राचीन काल से ही यह वेदाध्ययन का बड़ा केन्द्र रहा है। चारों ओर से ब्राह्मण वेदाध्ययन के लिए यहां आते रहें हैं। कई महापुरूष एवं ब्राह्मण जन उतर दिशा से यहां आए हैं और वैदिक संस्कृति को समृद्ध किया है। गौतम ऋषि ने वहां तप कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था और गंगा अवतरण कराया था। वनवास काल में भगवान राम ने यहां निवास किया है। अगस्त्य ऋषि की यहां तपस्थली रही है। महर्षि वशिष्ठ की तपस्थली रही है। समर्थ गुरु रामदास ने यहां तप किया है। ऋषि मुनियों एवं ब्राह्मणों का दक्षिण की ओर गमन हमेशा रहा है और नाशिक इसका प्रमुख केन्द्र रहा है। ऋषीश्वर ब्राह्मणों का भी नाशिक में दीर्घकाल तक निवास करना यह दर्शाता है कि वेदाध्ययन, यज्ञादि कर्म, वेदों का प्रचार प्रसार और सनातन संस्कृति की रक्षा ही उनका ध्येय रहा था। जब दीर्घ काल तक ऋषीश्वरों ने नाशिक में निवास किया तो नाशिक को खेरा और गोदावरी को अपनी गंगा माना। सभी 72 गोत्रों के ऋषीश्वर चाहें वे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र या उत्तराखण्ड कही भी रहते हो लेकिन मूल खेरा नाशिक और गंगा गोदावरी को मानते हैं। यह उनकी एकता का प्रतीक भी है। भले ही बाद में कई स्थानों पर ऋषीश्वर बसे थे लेकिन वे उस जगह बसने वाले गोत्र या परिवार के ही खेरे थे समस्त ऋषीश्वर के नहीं। नाशिक खेरा ही सर्वमान्य रहा है

गंगा गोदावरी-सप्त गंगाओं में गंगा गोदावरी का अवतरण गौतम ऋषि के तप से हुआ था। गौतम ऋषि के तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने गंगा अवतरण का वर दिया था। ऋषीश्वर ब्राह्मणों की गंगा गोदावरी में विशेष आस्था रही है। उत्तर भारत में दीर्घकाल तक निवास करने के बावजूद स्मृति में सदा गोदावरी ही रही। हमारे बुजुर्ग यह आकांक्षा रखते थे कि कुंभ के समय गंगा गोदावरी में पर्व लेने नाशिक जाने का सौभाग्य मिल जाए। आज हम आधुनिकता में अपनी धरोहर भूल रहे हैं, अपना गौरवशाली इतिहास भूल रहे हैं। अन्यथा ऋषि वशिष्ठ जी, खेरा नाशिक और गंगा गोदावरी, ये हमारी चिर स्मृतियाँ हैं। कुछ दशकों में बहुत कुछ बदल गया है, अन्यथा कुछ बुजुर्गों को स्मरण होगा कि जब माताएं शिशुओं को नहलाती थीं तो उस समय हर-हर गोदा बोलती थी, इसका अर्थ गंगा गोदावरी का आवाहन ही था। पुराने समय में स्नान करते समय गंगा आवाहन का चलन था। गोदावरी को दक्षिण गंगा भी कहते हैं और नाशिक को दक्षिण की काशी।

यजुर्वेद : यजुर्वेद शुक्ल तथा कृष्ण दो भागों मे विभक्त है। वेद व्यास जी ने वेदों का विभाजन करते हुये यजुर्वेद का ज्ञान वैशम्पायन ऋषि को दिया था। वैशम्पायन ने यजुर्वेद का ज्ञान याज्ञवल्क्य आदि शिष्यों को प्रदान किया था। लेकिन किसी बात पर कुपित हो जाने पर वैशम्पायन ने याज्ञवल्क्य को वेद वापिस करने की आज्ञा दी। याज्ञवल्क्य ने वेद ज्ञान वमन कर दिया। तत्पश्चात् सूर्य देव की आराधना से याज्ञवल्क्य जी ने मौलिक शुक्ल यजुर्वेद प्राप्त किया था। तभी से यजुर्वेद दो भागों में बंट गया। प्राचीन काल में शुक्ल यजुर्वेद की 15 शाखायें थीं। परन्तु वर्तमान में माध्यांदिन तथा काण्व दो शाखायें अस्तित्व में है। ऋषीश्वर ब्राह्मण शुक्ल यजुर्वेद की माध्यांदिन शाखा के ब्राह्मण हैं। यजुर्वेद की अलग-अलग शाखायें भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित हैं। शुक्ल यजुर्वेद की माध्यांदिन शाखा उत्तर भारत, मिथिला तथा महाराष्ट्र के कुछ भागों में तथा काण्व शाखा दक्षिणात्य में प्रचलित है। कृष्ण यजुर्वेद की तैतरीय शाखा तेलंग व द्राविड़ प्रदेश में प्रचलित है।

धनुर्वेद : यजुर्वेद का उपवेद धनुर्वेद है। इसमें अस्त्र शस्त्र निर्माण और युद्ध कला का विस्तृत विवरण मिलता है। प्रत्येक वेद का उपवेद दैनिक जीवन में उपयोगिता और आजीविका की दृष्टि से शामिल किया गया था। जैसे ऋग्वेद का उपवेद आयुर्वेद है। जो स्वस्थ रहने की कला सिखाता था। और आजीविका भी प्रदान करता था। इसी प्रकार सामवेद का उपवेद गंधर्व वेद गायन भजन और अथर्ववेद का उपवेद स्थापत्यवेद स्थापत्य कला सिखाने के लिए प्रचलित हुआ था।

माध्यांदिन शाखा : शुक्ल यजुर्वेद की माध्यांदिन शाखा का विस्तार विशेषत: उत्तर भारत तथा कुछ महाराष्ट्र में रहा है। याज्ञवल्क्य के 15 शिष्यों में माध्यांदिन नाम के शिष्य ने जिन यजुषों का प्रवचन किया वह माध्यांदिन शाखा के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस शाखा की संहिता माध्यांदिन संहिता के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें 40 अध्याय हैं इन अध्यायों में कुल मिलाकर 303 अनुवाक तथा 1975 कण्डिकायें है। कण्डिकाओं में मंत्रों का विभाजन है। इनका प्रमुख प्रतिपाद्य विषय श्रौत कर्मकाण्ड है।

कात्यायन सूत्र : वेदों में सूत्रों का विशेष महत्व है। इस सूत्रों में कर्मकाण्ड श्रौत सूत्र में, गृहस्थ के अनुष्ठान गृहा सूत्र में, धर्म आचरण, धर्म सूत्र में इन विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। महर्षि कात्यायन द्वारा प्रतिपादित कात्यायन श्रौत सूत्र इन विषयों पर एक महत्वपूर्ण ग्रन्थ है। इसमें 26 अध्याय हैं। जिसमें यज्ञादि विधान का विषद विवरण दिया गया है।

जैसा कि पहले बताया है ऋषीश्वर ब्राह्मण तप एवं वेदाध्ययन के लिए अयोध्या से नासिक गए थे। यजुर्वेद शाखाध्यायी के होने से जहाँ वे यज्ञ कर्मकांड आदि के विशेष ज्ञाता थे वहीं धनुर्वेद के ज्ञाता होने से अस्त्र शस्त्र के निर्माण व युद्ध संचालन में प्रवीणता भी प्राप्त थी। अपरिग्रही जीवन जीना, निर्भय विचरण करना, नियमित यज्ञादि कार्य व वेदपाठ करना ये जीवन का अभिन्न अंग रहा। नाशिक प्रवास के समय उनकी कीर्ति दूरदराज क्षेत्रों में फैल गई थी। उनके इस कौशल ने राजाओं और शासकों को काफी आकर्षित किया। राजा लोग यज्ञादि कर्मकांड के लिए और अपने क्षेत्र में बसाने के लिए ऋषीश्वरों को आमंत्रित किया करते थे।

नाशिक प्रवास के समय ही एक आमंत्रण पिंट्री संवत 911 में मथुरा राज्य (तत्कालीन शूरसेनि जनपद) से मिला था। नासिक में उस समय इन्द्रजीत तथा सूरतराम दो मुखिया थे। इनमें से इन्द्रजीत के साथ कुछ लोग वहीं रह गए तथा सूरतराम के साथ काफी लोग 84 बैलगाड़ियों में भरकर मथुरा (शूरसेनि जनपद) आए थे। इन 84 परिवारों को मथुरा के राजा ने सम्मानपूर्वक 84 खेरे भी दिए थे, जहां उन्होंने दीर्घ अवधि तक सम्मानपूर्वक निवास किया था।ये खेरे मथुरा राज्य में स्थित थे लेकिन उस समय मथुरा राज्य बहुत विस्तार में था। जिसमें आज के मथुरा,आगरा,भरतपुर, सवाई माधोपुर,जालोर, सीकर और धौलपुर के क्षेत्र के अलावा अन्य स्थान भी शामिल थे।

11वीं सदी का प्रारंभ अत्यंत विध्वंशकारी रहा जब देश के प्रसिद्ध मंदिर तुर्की हमलों से तहस नहस होते गए। लोग सोमनाथ के आक्रमण को ही याद रखते हैं लेकिन उसके 7 वर्ष पूर्व सन 1018 में मथुरा वृंदावन में भी मुस्लिम आक्रांता अपार धन लूटकर ले गए थे और मंदिर नष्ट कर दिए थे। इस आक्रमण के पूर्व ही दूरदर्शिता दिखाते हुए ,काफी लोग मथुरा को छोड़कर विभिन्न क्षेत्रों में पलायन कर चुके थे। इसी क्रम में मथुरा के निकट गांवों में रहने वाले ऋषीश्वर ब्राह्मणों ने चंबल के तटों की ओर प्रस्थान करना शुरू कर दिया था। यानी ऋषीश्वर ब्राह्मणों के विस्थापन का बड़ा दौर शुरू हो गया था। आक्रांता जगह जगह हमले कर रहे थे, ऐसे में अस्मिता की रक्षा और आक्रांताओं से युद्ध ही एकमात्र कर्तव्य रह गया था । 10वीं सदी से लेकर 15वीं सदी तक का समय मुस्लिम आक्रांताओं के कारण पूरे देश के लिए संकट का रहा है। ऋषीश्वर ब्राह्मणों ने शुरू में ही विवेक से काम लिया था और उन्होंने मथुरा की सारी सुख समृद्धि का त्याग कर धौलपुर क्षेत्र की ओर पलायन कर दिया था और वहां अधिकांश खेरे बसा लिए थे लेकिन कुछ पलायन भिण्ड और मुरैना क्षेत्रों में भी हुआ था। जगा के प्रमाणित लेख के अनुसार वर्ष 1175 (सम्वत 1232) में जुगलराज नाम के ऋषीश्वर बंधू 18 परिवारों के सा[थ] धौलपुर में आ गए थे, कुछ सिद्धलपुर चले गए थे,कुछ चंबल नदी पा[र] कर भिण्ड मुरैना की ओर आ गए थे।कुछ मथुरा में ही रह गए थे लेकिन इसके पूर्व भी काफी लोग पलायन कर चुके थे। जोशी, कांकोरिया, दीक्षित ,बेरीबार आदि गोत्र के लोग काफी पहले ही भिण्ड मुरैना क्षेत्रों में आकर बस गए थे। लेखों के अनुसार धौलपुर में मुसलमानों से भारी युद्ध करने पड़े और पलायन भी चलता रहा।वर्ष 1203 (सम्वत 1260) में लाल खां मुसलमान से युद्ध हुआ जिसमें ऋषीश्वर वीरगति को प्राप्त हुए थे।वर्ष 1303 (सम्वत 1360) में धौलपुर में ही बड़ा संघर्ष हुआ था जिसमें 500 मुसलमान शत्रु मा[रा] गया और 138 ऋषीश्वर वीरगति को प्राप्त हुए इनमें 11 गौतम, 1[.] तिवारी, 5 पाराशर, 7 श्रोती, 10 ढमोले, 16 जोशी, 5 भारद्वाज, [.] मुदगल, 4 सागोरिया, 10 पचौरी, 5 सिंघोलिया, 7 सड़वारिया, [.] कांकोरिया,11 बेरीबार, 6 चौबे, 8 सीरोठिया, 3 डभरैया, [.] मंगोलिया, और 2 पिपलानिया थे। इस नरसंहार के बाद ऋषीश्व[र] को बड़े स्तर पर स्थान परिवर्तन करना पड़ा था।

जानकारी के अनुसार मुरैना क्षेत्र में सर्वप्रथम प्रवेश किया गया तथा उसैथ, रिठौरा,कुम्हेरी, हड़वासी, तुतवास, क्वारी विंड[वा] आदि गांवों में बसे थे। उसी समय भिण्ड जिले के अकोड़ा, चपरा, मटघेना, परसोना, भदाकुर आदि में बसे थे। मुदगल और पचौरी खरकोली, खड़ौलिया- क्वारीविंडवा, तिवारी-तुतवास, जोशी- उसैथ, पाराशर- फिरोजपुर, भारद्वाज- झार, ढमोले- देवरी, सागोरिया और सिंघोलिया- बसई, फुसेंतिया- रिठौरा, दीक्षित- सिंहोंनिया, बिरथरिया- चपरा, सड़वारिया और कांकोरिया- अंजनीखेड़ा, चौबे- भदाकुर, मंगोलिया- परसोना,गौतम मोरौली, बेरीबार-जसपुर और उपाध्याय-मटघेना में बसे थे।

ऋषीश्वर ब्राह्मणों का भिण्ड मुरैना और धौलपुर क्षेत्र में जो संघर्ष था वह प्रमुख रूप से चंबल क्षेत्र के आसपास बसे हुए मेवों (मेवाती मुसलमान) से रहा जो दुर्दांत थे और गांवों में रहने वाले लोगों को त्रस्त कर रखा था। इधर ऋषीश्वर ब्राह्मणों की यह कीर्ति हो चुकी थी कि ये मुस्लिम आक्रांताओं से विजय प्राप्त कर रहे हैं ,ऐसे में लोगों ने इनसे सहयोग का आदान प्रदान शुरू कर दिया। जहां इन्हें उचित लगता वहीं वीरता से मेवों को मार भगाते और अपने बसने का प्रबंध कर लेते। उनकी युद्ध कौशल ने जाट और तोमर शासकों को बहुत आकर्षित किया और इन दोनों से ही काफी सामंजस्य बना रहा। इन्होंने ऋषीश्वरों को पूरा सम्मान दिया और स्थापित होने में सहायता भी दी। ऋषीश्वर अपनी लड़ाई स्वयं लड़ते थे और स्वाभिमान से रहते थे।

## गोत्र

सनातन संस्कृति को समृद्ध बनाने में गोत्र परंपरा का काफी योगदान रहा है।पहले चार ऋषियों वशिष्ठ अंगिरा, कश्यप और भृगु ने गोत्र परम्परा प्रारम्भ की। कुछ समय उपरान्त जमदग्नि, अत्रि, विश्वामित्र और अगस्त्य ऋषि ने भी इसे आगे बढ़ाया। बाद में तो फिर बहुत से ऋषियों ने गोत्र प्रवर्तन किया।गोत्र का उल्लेख सर्वप्रथम ऋग्वेद में आया है और यह परंपरा प्रारंभ में वेद पाठियों के लिए ही थी।ब्राह्मण लोग गोत्र,वेद और शाखा सूत्र आदि से से ही अपना परिचय देते थे।चूंकि वेदाध्ययन पुरुष परम्परा में अधिक था इसलिए पिता का नाम, गोत्र और वेद इन सभी से परिचय दिया जाता रहा और पितृसत्तात्मक व्यवस्था सुदृढ़ होती गई। गोत्र परंपरा ने एक विशेष सम्मान प्राप्त कर लिया तो आगे की पीढ़ियां भी पितृ गोत्र से परिचय देने लगीं।पहले वेदाध्ययन करने वाले शिष्यों को ही गोत्र प्रदान किए जाते थे और उन्हें ही ब्राह्मण कहा गया।आगे चलकर गोत्र व्यवस्था को वेदाध्ययन न करने वालों ने भी आनुवांशिक रूप से ग्रहण कर लिया।आगे चलकर यह गोत्र परंपरा इतनी लोकप्रिय हो गई कि बड़े बड़े राजा लोग गोत्र प्राप्त करने के लिए ऋषियों और उनकी परंपराओं से दीक्षाएं लेने लगे।अन्य वर्णो में भी यह लोकप्रिय हो गई।गोत्र व्यवस्था की एक विशेषता यह भी रही कि समान गोत्र में विवाह वर्जित रहा।इसके पीछे एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण छुपा हुआ था कि दूरस्थ विवाहों से ही उत्तम संतति प्राप्त हो सकती है।

पिता नाम के साथ गोत्र से परिचय देने की परम्परा वैदिक संस्कृति की देन है क्योंकि जो शिष्य वैदिक ज्ञान प्राप्त करते थे उनके लिए गोत्र ऋषि का नाम बताना भी आवश्यक था। गोत्र व्यवस्था सभी वर्णों द्वारा स्वीकार कर ली गई थी लेकिन बाद में जब जाति व्यवस्था पनपने लगी तो ब्राह्मण सहित अन्य जातियों ने भी अपने गोत्र बताने का ढंग कुछ बदल भी लिया और उद्गम स्थान,कर्मक्षेत्र या देवी देवताओं से सम्बन्धित गोत्र अपनाकर अपनी पहचान बताने लगे।इसे अल्ल कहा गया है।सार तत्व यह है कि वेदों से प्रचलित हुई गोत्र परम्परा पीढ़ी दर पीढ़ी पहचान देने के लिए लोकप्रिय हुई जो सर्व स्वीकार्य हुई और गौरवशाली परंपरा बनी।

किसी प्रसिद्ध व्यक्ति या स्थान का नाम अपने नाम के साथ जोड़ने का चलन संसार भर में विभिन्न धर्मों में रहा है। भारतीय संस्कृति में भी यह देखने को मिलता हैं जैसे सूर्यवंश और चन्द्रवंश। इसे विशिष्ट परम्परा कह सकते हैं भगवान राम विशिष्ट परम्परा से सूर्यवंशी थे लेकिन गोत्र परम्परा ऋषियों की थी। भारत में वंश परम्परा और गोत्र परंपरा समानांतर चलने वाली व्यवस्था रहीं हैं। असल में परिचय में पिता या माता का नाम लेना से वह गरिमा का भाव नहीं रहता जो किसी प्रसिद्ध व्यक्ति या पूर्वज का नाम जोड़ने से उत्पन्न होता था। बस इसी गरिमा को बनाये रखने के लिये विशिष्ट परम्परा का जन्म हुआ था। गोत्र परम्परा और विशिष्ट परम्परा में एक बड़ा फर्क यह भी था कि गोत्र परम्परा ऋषियों के ऋषिकुल में वर्तित हुई जबकि विशिष्ट परम्परा आवासीय बस्तियों या नगरों में विकसित हुयी थी।

## दान-दक्षिणा

ब्राह्मण के लिए छः कर्म शास्त्र द्वारा नियत हैं, अध्ययन-अध्यापन, यजन-याजन, दान देना-लेना। मुख्य रूप से ब्राह्मण के कर्म तीन ही बताए गए थे अध्ययन, यज्ञ करना और दान देना। लेकिन आजीविका हेतु जरूरी हो तो बाकी तीन कर्म अध्यापन, यज्ञ कराना और दान लेना भी शास्त्रोक्त बताए गए हैं। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों के आश्रम और गुरूकुलों की व्यवस्था राजा लोग ही करते थे, यह व्यवस्था उच्च स्तरीय होती थी। ब्राह्मणों को आजीविका की समस्या नहीं होती थी इसलिए वे शास्त्रों का अनुशीलन और साधन तप कर सकने में सक्षम थे। बाद के युग में ब्राह्मणों को व्यक्तिगत रूप से भी भूमियाँ दी जाने लगी जिससे पर्याप्त आय होती थी। लेकिन जिन लोगों के पास आय के उचित प्रबंध नहीं थे उनके लिए अध्यापन और पुरोहित कर्म के द्वारा आजीविका चलाने का शास्त्रोक्त विधान भी रहा है।

दान और दक्षिणा को आमतौर पर एक ही समझा जाता है लेकिन दोनों में काफी अंतर है।दक्षिणा भगवान यज्ञ की अर्धांगिनी हैं। कोई भी यज्ञादि कर्मकांड बिना दक्षिणा के पूर्ण नहीं होता है। दक्षिणा किसी कर्मकांड के बदलें में आचार्य या पंडित को संतुष्ट करते हुए दिया गया प्रतिफल है। दक्षिणा आचार्य को संतुष्ट करने वाली भी होना चाहिए अन्यथा वह कर्मकांड फलीभूत नहीं होता है। शास्त्रानुसार दक्षिणा एक घड़ी के भीतर दे देनी चाहिए। साथ ही किसी कर्मकांड के बाद पंडित द्वारा दक्षिणा लेने से इंकार करना शास्त्र विरूद्ध है। इसलिए यजमान को ऐसे आचार्य से कर्मकांड नहीं कराना चाहिए जो दक्षिणा से इंकार करे और किसी भी आचार्य को दक्षिणा ग्रहण करने में आपत्ति हो तो कर्मकांड करना ही नहीं चाहिए। अध्ययन उपरांत गुरूदक्षिणा का विधान शास्त्रोक्त है। यह दक्षिणा ज्ञान यज्ञ के प्रतिफल स्वरूप दी जाती है और यदाकदा गुरु द्वारा मांगी भी जाती है अध्यापन और यज्ञ कार्य दोनों में ही दक्षिणा देने लेने का विधान हैं। अध्यापन कार्य भी ज्ञानयज्ञ ही होता है।

दान एक अलग विषय है। दान प्रतिफल नहीं है बल्कि त्याग है। त्याग और विनम्र भाव के साथ किया गया दान उच्च श्रेणी का माना जाता है। धन की तीन गतियां है दान, भोग और नाश। यदि धन का दान और भोग नहीं हुआ तो उसका नाश निश्चित है। आय का कुछ हिस्सा दान करने के लिए शास्त्र निर्देशित करते हैं। दान से समृद्धि, पुण्य और कीर्ति बढ़ती है। ज्ञानदान अभयदान और कन्यादान श्रेष्ठ माने गए हैं। लोक कल्याण के लिए दिया गया दान श्रेष्ठ माना गया है। पारलौकिक लाभ के लिये भी दान किये जाते हैं। पुण्य की दृष्टि से अपने मान्य संबंधियों को भी दान किया जाता है लेकिन जिस प्रकार दान-दाताओं को पात्र कुपात्र देखने का अधिकार होता है उसी प्रकार दानग्रहीता को भी अधिकार होता है कि वह दानदाता और दान की परख करे। यहां दानग्रहीता को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार होता है। दान देना और दान लेना ब्राह्मण के कर्म हैं , इन्हें अवश्य करना चाहिए। राजा लोग दान करते थे उसी प्रकार सरकारें भी विभिन्न प्रकार के दान करती हैं, जो भूमि और धन के अलावा पुरूष्कार या पद के रूप में भी हो सकता है भारत रत्न, पद्म पुरूष्कार, सेना आदि के मेडल्स और खिलाड़ियों के पुरूष्कार दान श्रेणी में ही आते हैं जो योग्यताओं पर आधारित होते हैं, ये प्रतिफल नहीं होते हैं।

प्राचीन और गौरवशाली इतिहास की जानकारियां बुजुर्गों के पास होती हैं और उन्हें लेखबद्ध कर लिया जाए तो परिवार और समाज के लिए काफी लाभकारी होती हैं। ऐसी ऐतिहासिक जानकारियों का संकलन भी काफी कठिन कार्य है और एक दो दिन नहीं बल्कि संकलन का कार्य अनवरत चलता रहता है। कुछ समाजप्रेमी बंधुओं ने इस कार्य को उत्साहपूर्वक किया है।

आजादी के पूर्व पं. खेमराज शर्मा (गोहद) ने 'ऋषीश्वर वंश गोत्रावली' पुस्तक का प्रकाशन करके सराहनीय कार्य किया था ब्रिटिश काल में पत्रिका प्रकाशन कर पाना निश्चित ही साहसपूर्ण कदम था। इस पुस्तक में गोत्रावली, वेद, उपवेद, देवता, ऋषि, यज्ञोपवीत, गायत्री मंत्र आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया था। सामाजिक जागृति में पंडित खेमराज जी का अथक प्रयास रहा था।इसके पश्चात एक लंबे समय तक प्रकाशन कार्य न हो सका। सन 1981 में अखिल भारतीय ऋषीश्वर ब्राम्हण सेवा संघ, ग्वालियर द्वारा एक लघु पत्रिका 'ऋषि चिन्तन' का प्रकाशन किया गया। इसमें गोत्रावली, निवास स्थान तथा संक्षेप में ऋषीश्वर शब्द उत्पत्ति के संबंध में बताया गया था। इस बीच पं.लक्ष्मी नारायण शर्मा उदित (गंज, मुरैना) द्वारा भी ' ऋषीश्वर आलोक' पत्रिका का प्रकाशन किया गया। सन 1997 में पं. पतिराम शर्मा 'व्यथित' (चांद का पुरा अम्बाह ) द्वारा 'ब्राम्हण ऋषीश्वर दिग्दर्शन' का प्रकाशन कराया गया। इस पुस्तक में ऋषीश्वर ब्राम्हणों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई थी।वर्ष 2002 में ग्वालियर से भी ऋषीश्वर परिचायिका पत्रिका का प्रकाशन हुआ था जिसमें मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश के उन शहरों जिनमें ऋषीश्वर समाज निवास कर रहा है, पारिवारिक जानकारियां उपलब्ध कराई गई।

वर्ष 2005 में भिण्ड जिले में भी 'ऋषीश्वर दर्पण' पत्रिका का प्रकाशन हुआ था। इसमें सम्पूर्ण भिण्ड जिले में रहने वाले ऋषीश्वर परिवारों की जानकारी उपलब्ध कराई गई थी।वर्ष 2004 में भिण्ड से ऋषीश्वर दर्पण पत्रिका प्रकाशन के समय काफी जानकारी एकत्रित की गई थी जो संकलन स्वरूप में प्रकाशित हुई थी।इस कार्य में स्व.श्री रामदास शर्मा चरथर वाले जगा के गांव अजमेर भी गए थे और काफी जानकारी एकत्रित करके लाए थे। साथ ही श्री जगदंबा प्रसाद शर्मा (विर्धनपुरा वाले), जिनका ऐतिहासिक तथ्यों पर काफी अध्ययन रहा हैं। डॉ.खेमराज शर्मा , श्री देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट ने भी विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्रित की हुई थी। काफी परिश्रम से जुटाई गई यह जानकारी पत्रिका में प्रकाशित भी हुई थी। वर्तमान पत्रिका के लिए श्री देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट और श्री रमेश उपाध्याय चंदहारा वाले ने जानकारी जुटाने में सार्थक प्रयास किया है।काफी लोगों से संपर्क किया गया और जानकारी को लेखबद्ध किया है। कुछ लोगों ने अपनी पारिवारिक वंशावली भी पत्रिका के लिए दी है।

**श्री महेश मिश्रा ग्राम मिरघान वाले**

जानकारी अनुसार कांकोरिया बंधु धौलपुर क्षेत्र के कांको[illegible] निकलकर भिण्ड क्षेत्र के अंजनीखेड़ा गांव में बसे थे। अंजनीखे[illegible] जो कांकोरिया बंधु निवास कर रहे थे उन्हें वहां काफी प्रतिष्ठा [illegible] और पुरोहिती कार्य भी करते थे।उनके साथ में सड़यारिया गो[illegible] बंधु भी अंजनीखेड़ा में बसे हुए थे लेकिन दोनों को ही एक [illegible] गांव छोड़ना पड़ा था क्योंकि वहां एक बड़ा झगड़ा हो गया था[illegible] विस्थापन वर्ष 1633 (सम्वत 1690) में हुआ था। आज अंजनीखेड़ा (अंजनीपुर) में ऋषीश्वरों के टीले के नाम से अ[illegible] मौजूद हैं और एक मंदिर भी वहां है। दोनों ही गोत्र के लोग [illegible] समय पर देवता पूजने भी जाते रहते हैं। अंजनीखेड़ा से निक[illegible] कांकोरिया बंधु मिरघान आदि गांव में बस गए थे। इनमें काफी [illegible] ज्योतिष शास्त्र के विद्वान और पांडित्य कर्म में दक्ष रहे हैं। इस [illegible] से इन्हें मिश्रा उपाधि मिली हुई थी। पंडित गौरीशंकर शर्मा और पं[illegible] रामनारायण शर्मा काफी प्रतिष्ठित व्यक्ति हुए हैं। अंजनीखे[illegible] विस्थापन के पूर्व काफी पहले कुछ लोग भिण्ड क्षेत्र के बाराकलां[illegible] में जाकर बस गए थे। बाराकलां में कुछ काल तक निवास के [illegible] भिण्ड जिले के ही इमलिया गांव को वर्ष 1478 (संवत 1535[illegible] निवास स्थान बना लिया था जहां अधिकांश लोग अभी भी नि[illegible] कर रहे हैं। फूप ,चंदहारा, सिकरी जालौन,जामगढ़ व अन्य गां[illegible] जो कांकोरिया परिवार निवासरत हैं वे इमलिया से ही गए हैं।

**श्री सेवाराम शर्मा रिटा.प्रधानाध्यापक [illegible] सिकरी राजा जालौन** की जानकारी अनुसार,हमारे परिवा[illegible] आगमन इमलिया गांव से लगभग 150 वर्ष पहले हुआ था। [illegible] पूर्वज पंडित ईश्वरी प्रसाद जी यहां आए थे और उनके भाई जा[illegible] चले गए थे। हमारे पूर्वजों की इमलिया में जमींदारी थी।उस [illegible] तीन साल से वहां पर सूखा पड़ रहा था। नई जगह की खोज में प[illegible] ईश्वरी प्रसाद घोड़े पर सवार होकर निकले और भ्रमण करते [illegible] सिकरी गांव में एक हनुमान जी के मन्दिर पर पहुंचे थे। उन्होंने [illegible] पर विश्राम किया और ध्यानस्थ हो गए। सांय काल में सिक[illegible] राजा भी उस मंदिर पर आते थे। राजा ने जब उनसे पूछताछ [illegible] उन्होंने सब बातें बताई।राजा उनकी विद्वता से प्रभावित हुए [illegible] कहा कि आप यहीं बस जाएं हम आपको रहने के लिए घर [illegible] बीघा कृषि भूमि भी देंगे। इस पर परदादा वहीं रह गए और ब[illegible] हमारे दादा चार भाई थे। उनमें से संतति एक की ही चली थी।[illegible] के हमारे पिता सुखवासी लाल जी थे जिनके पुत्र हम चारों [illegible] शिवनारायण जी, सेवाराम , वृंदावन और वीरेन्द्र हैं। जामग[illegible] परदादा गए थे उनके पुत्र स्व. धनसिंह कांकोरिया थे। इनके [illegible] पुत्र थे जिनमें कमलेश कांकोरिया का देहांत हो गया है।

**श्री जगदम्बा प्रसाद शर्मा (बिरधनपुरा)** के अनुसार गौतम गोत्र के बंधुओं का प्रमुख केंद्र भिण्ड जिले का चंदहारा गांव रहा है, गौतम गोत्र के अभयचंद्र चंद्रभान और उनके परिवार ने वर्ष 1388 (संवत 1445) में मेवातियों को यहां से खदेड़ कर चंदहारा (तत्कालीन चन्द्रहारा) गांव बसाया था। जिस दिन विजय प्राप्त हुई वह चैत्र बदी दूज रविवार का दिन था। इस संबंध में चंदहारा में जन श्रुतियां हैं जिसके अनुसार चंदहारा गांव एक पुरा था और मेवातियों ने वहां कब्जा कर लिया था। सभी बुरी तरह त्रस्त थे इस पर उन्हें जानकारी मिली कि ऋषीश्वर ब्राह्मणों से संपर्क किया जाए तो उनकी समस्या का निदान हो सकता है। इस पर गौतम वंश के चन्द्रभान गौतम से संपर्क किया गया और मेवों को भगाने एवं अपने गांव में आने का आमंत्रण दिया। इसे गौतम परिवार ने स्वीकार कर लिया और मोरोली से आकर मेवातियों से युद्ध किया।युद्ध में विजय कर चंद्रहारा गांव बसाया था। गौतम केवल चंदहारा तक ही सीमित नहीं रहे वल्कि खुर्द, खेरिया महानंद, भड़ेरा, बिरगंवा और अन्य क्षेत्रों तक विस्तारित हुए।बरहद में तो उन्हें 1168 बीघे की जमींदारी मिली थी। बाद में जितने भी गौतम अन्यत्र बसे उनका मूल स्थान चंदहारा ही था।

**श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा गौतम भड़ेरा वाले** के अनुसार उस समय के धर्मयुद्ध में ऋषीश्वर ब्राह्मणों की तरह ही जाट समाज भी संघर्षशील था। गौतम बंधुओं का इनसे अच्छा तालमेल बन गया था। गोहद के राजा बनने के पहले जाट वंश बगथरा के जागीरदार थे। उसी समय में हमारा परिवार खुर्द से भड़ेरा पहुंच गया था। दासपुरिया गोत्र के जाटों में हमारे गौतम वंश की पुरोहिती शुरू हो गई थी।मेरे दादा के परदादा राणा जाट उदयसिंह के पुरोहित थे।वर्ष 1805 में जब जाट राजाओं ने गोहद का राज्य छोड़ दिया और धौलपुर चले गए तब भी भड़ेरा का परिवार पुरोहिताई करने धौलपुर जाता रहा था । लेकिन 30- 40 साल पहले उन्होंने पुरोहिताई कार्य बंद कर दिया था । शादी समारोह में जाट लोग अब भी आमंत्रित करते हैं और गुरु समान सम्मान देते हैं।

**श्री हरिशंकर शर्मा बैरु गढ़ी** के अनुसार वर्ष 1857 में चंदहारा से ही कुछ परिवार निकलकर मथुरा पहुंच गए थे। मथुरा में वेदाभ्यास करते रहे तो आसपास के जाटों ने उन्हें 200 बीघा जमीन बैरु गढ़ी,हरिया की गढ़ी, गढ़ उमराव, जगराम का नगला में प्रदान की थीं और कर्मकांड आदि के लिए भी संपर्क रखते थे और काफी सम्मान भी करते थे।

**गाडरवाड़ा से श्री राकेश गौतम पंडा** द्वारा दी गई जानकारी अनुसार लगभग सौ साल पहले भिण्ड जिले में अकाल पड़ा था। उस समय हमारे पूर्वज धारा गौतम जी ने खुर्द से समाज के दस परिवारों के साथ पलायन किया था। कई पड़ावों पर रुकते रुकाते गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर पहुँचे थे। हमारे पूर्वज धारा गौतम जी के पुत्र मोहनलाल जी हुए और उनके पुत्र कछेंदीलाल जी हुए जो हमारे दादा थे।उनके भी एक ही पुत्र हुए जो हमारे पिताजी श्री बालकृष्ण जी हैं। वे रेलवे में ओ.एस(कार्यालय अधीक्षक) पद से सेवा निवृत हुए हैं।वर्तमान में हमारा परिवार तीन भाइयों के साथ गाडरवारा में ही निवास रत हैं। खेतीबाड़ी गाडरवाड़ा से थोड़ी दूर धोरपुर में है। हम राकेश, मुकेश, राजेश तीन भाई हैं। अधिकांश शादी संबंध सागर, जामगढ़ और छिंदवाड़ा में है।

**श्री राम मोहन पटैल जामगढ़** की जानकारी अनुसार उनका गोत्र जोशी है और सन 1748 में उनके पूर्वज हंसराज पटैल जी पिडावली गांव जिला मुरैना से जामगढ़ आए थे। उस समय अपने क्षेत्र में लगातार अकाल पड़ रहे थे इसलिए विस्थापन जरूरी हो गया था। बैलगाड़ियों में जरूरत का सामान भरकर कई दिन का रास्ता तय कर जामगढ़ पहुंचे थे। यहां भी काफी संघर्ष करना पड़ा था लेकिन अपने बुध्दिबल के सहारे स्थापित होने में सफल हुए। जामगढ़ क्षेत्र भोपाल शासक के अधीन था लेकिन वे कर वसूली के लिए अपना आधिपत्य यहां जमा नहीं सके थे। हम लोगों ने इस कार्य में उनकी सहायता की थी उसके एवज में शासक ने जामगढ़ क्षेत्र का पटैल नियुक्त किया ,50 एकड़ जमीन दी और लगान वसूली का कार्य सौंपा था। स्व. जादौराम पटेल जी जामगढ़ के पटैल रहे और स्व. विजयसिंह पटैल जी भगदेई के पटेल रहे। पूज्य पिताजी स्व.रमेश चंद्र पटैल के हम पांच पुत्र राममोहन पटैल, स्व.मनमोहन पटैल,मैं राममोहन पटैल, नरेश मोहन पटैल और शशिमोहन पटैल हुए।मनमोहन भाई साहब का देहांत हो गया है उनके पुत्र रामकुमार पटेल हैं। शिवनारायण पटेल चाचाजी हमारे परिवार के मुखिया हैं। और बाबा स्व. कालूराम पटेल जी प्रभावशाली व्यक्तित्व थे उनके समय जामगढ़ का स्वर्ण काल था और उन्होंने जामगढ़ की ख्याति समाज में भी बढ़ाई थी।हमारे पिताजी ने वेदों का अध्ययन किया था वे संस्कृत के विद्वान थे।हमारे पूर्वजों ने गांव में संस्कृत विद्यालय की स्थापना भी गांव में की थी। हमारा एक परिवार चंदोखर में व कुछ परिवार सिरमोर पुरा में रह रहे हैं, सभी का मूल स्थान सिरमोर पुरा ही है। बाद में जामगढ़ में अन्य लोग भी आकर बस गए थे।जोशी गोत्र के 20 परिवार जामगढ़ में हैं।अब कुल 80- 85 परिवार यहाँ निवासरत हैं।

**श्री देवीप्रसाद उपाध्याय सागर** के अनुसार हमारा परिवार लगभग दो सौ साल पहले भिण्ड जिले से विस्थापित हुआ था। पहले हम लोग ललितपुर जिले के ग्राम उदियापुरा में काफी सालों तक रहे थे,उसके बाद सागर पहुंच गए थे।सागर के जिस राजीव नगर वार्ड में हम लोग निवास कर रहे हैं उस समय वह ग्रामीण क्षेत्र था जो अब शहरी हो गया है।मुख्य रूप से ये 14 परिवार ही निवास करते थे,जिनमें उपाध्याय तीन परिवार,मंगोलिया के दो एवं गौतम, भारद्वाज, बिरथरिया, दीक्षित, ढमोले, सीरोठिया, चौबे, बौहरे और बसेड़िया के एक एक परिवार कुल 14 परिवारों के ही बढ़कर 35 -40 परिवार हो गए हैं।इन बंधुओं की यहां कृषि भूमि भी है और स्वयं के व्यवसाय हैं। हम लोगों ने यहां सागर में हनुमान जी का मंदिर भी निर्मित किया है। मुंडन संस्कार के लिए हमारा परिवार भिण्ड जिले के उद्दनखेरा गांव में ही जाता है।

**चौधरी राधेश्याम शर्मा ग्राम अकोड़ा** के अनुसार मैं मध्यप्रदेश पुलिस विभाग से हाल में सेवा निवृत्त हुआ हूं। हमारा गोत्र आम सामाजिक बोलचाल में बेरीबार है, मूल ऋषि गोत्र वैशंपायन है । धौलपुर क्षेत्र के बेरी खेरा से निकलकर हमारे पूर्वज जरसाल बेरीबार ने 11 वीं सदी के अंत में अकोड़ा के पास जरसपुर गांव बसाया था। उस समय यहां मेवातियों का आतंक अधिक था । ऐसे में हमारे पूर्वजों ने अकोड़ा में मेवों से लड़ाई लड़ी और उन्हें मार भगाया था।

जरसपुर खेरा को छोड़कर संवत 1209 में अकोड़ा आकर बस गए थे। जरसाल बेरीबार के पुत्र रामपाल जी को अकोड़ा में चौधरी पद और जागीर मिली थी। जिनकी 12 वीं वंशबेल में चौधरी मुरारीराम की वंशबेल से अकोड़ा के सभी बेरीबार बंधू हैं। जिनमें से एक परिवार कुम्हेरी और एक परिवार सकराया में बस गया था। इनकी वंशबेल में चौधरी प्रेमसुख से जानकारी है, कि उनके तीन पुत्र हुए चौधरी हरिप्रसाद, खुशालीराम जी और झंडूराम जी। उपरोक्त हमारे पूर्वजों के द्वारा गांव अकोड़ा में चारों दिशाओं में बाग लगवाए गए थे, स्कूल अस्पताल, इत्यादि सार्वजनिक उपक्रमों के लिए जमीन दान स्वरूप उपलब्ध कराई गई थी गांव के उत्तर दिशा में भगवान त्र्यंबकेश्वर भोलेनाथ एवं कुलदेवी के मंदिर का निर्माण करवाया था, जो आज भी अच्छी स्थिति में मौजूद है,

गांव के उत्तर दिशा के मंदिर को लोग पथवरिया माता के नाम से जानते हैं, जो हमारी कुलदेवी हैं । चौधरी खुशालीराम जी के पुत्र चौधरी गंगाप्रसाद जी हुए, उनके भी चार पुत्र हुए थे। उनमें चौधरी सिरावन सिंह जी की वंशबेल में दो पुत्र हुए उनमें चौधरी निरंजन के चार पुत्र चौधरी पहलवान जी, चौधरी रामनारायण जी, चौधरी दीनानाथ जी, चौधरी रामदीन जी हुए थे । चौधरी पहलवान जी, जो कि हमारे दादाजी थे, उनके तीन पुत्र हुए चौधरी जगमोहन जी, चौधरी हुकुम सिंह जी और चौधरी राजमोहन जी । चौधरी जगमोहन जी के तीन पुत्र चौधरी यदुनाथ जी शिक्षक, चौधरी नरेश जी, चौधरी सुधाकर जी (टिल्लू ) । चौधरी हुकम सिंह जी के तीन पुत्र चौधरी रामनिवास जी, चौधरी महावीर प्रसाद और चौधरी मेघनाथ जी । चौधरी राजमोहन जी के चार पुत्र चौधरी स्व.रामबाबू , लाल बाबा, चौधरी राधेश्याम जी मध्यप्रदेश पुलिस, चौधरी रामकिशोर जी भारतीय सेना में सूबेदार पद से रिटायर, चौधरी यशवंत कुमार मध्यप्रदेश सशस्त्रबल में वर्तमान में सेवारत हैं । बड़े भाई स्व.चौधरी रामबाबू जी का बड़ा पुत्र चौधरी लीलाधर भारतीय सेना में वर्तमान में सूबेदार पद पर कार्यरत हैं । चौधरी पहलवान जी के भाई रामनारायण जी के पुत्र चौधरी रामप्रसाद जी, चौधरी दीनानाथ जी के केवल तीन पुत्रियां थीं, चौधरी रामदीन जी के दो पुत्र चौधरी कृष्ण मुरारी जी एवं प्रोफेसर ओछे लाल जी हुये । चौधरी पहलवान जी उस समय 52 गांव की पंचायतों के प्रतिष्ठित मुखिया थे, जो संपूर्ण कछवाहा घार थी, वह उस समय ग्रेजुएट थे। गांव में भदौरिया ठाकुर राव साहब थे, उनका गांव की 1800 बीघा जमीन पर अवैध जबरदस्ती का कब्जा था, चौधरी पहलवान सिंह जी ने उस जमीन को मुक्त कराने के लिए कानूनी मुकदमा छेड़ दिया था । मुकदमा जीतकर 1800 बीघा जमीन राव-साहब से मुक्त करवाकर गांव के ऋषीश्वर समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों को बांट दी थी। इस मुकाबले में चौधरी पहलवान सिंह को स्वयं कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं हुआ, उल्टा आर्थिक रूप से स्वयं का पैसा परस्वार्थ में लगाया था, मुक्त जमीन से उन्होंने कोई जमीन नहीं ली थी उस समय ऋषीश्वर समाज में उनका बहुत सम्मान था, संपूर्ण समाज उनकी ताकत था । चौधरी जगमोहन जी की ससुराल ग्राम चरथर में पटेल परिवार में थी, चौधरी हुकुम सिंह की ससुराल ग्राम भीमपुरा में उपाध्याय परिवार में थी, हमारे पिताजी की शादी जालौन में ग्राम सहाव में दीक्षित परिवार में हुई थी, हमारे नाना श्री द्वारका प्रसाद जी जमींदार थे उनका प्रतिष्ठित परिवार था । चौधरी पहलवान सिंह जी की ससुराल ग्राम भगवासा गोहद तहसील में पंडित देवीप्रसाद, शंकर लाल के यहां थी।

इस लेख को समग्रता प्रदान करने के लिए कुछ सामाजिक विभूतियों की चर्चा करना आवश्यक है। पं.खेमराज चौबे जी ने नारी उत्थान के लिए काफी वर्षों तक कार्य किया था। उन्हें परमहंस संत जानकीदास जी देवहंस का पुरा वाले ने वर्ष 1908 में गायत्री मंत्र के प्रचार और नारी उत्थान के लिए प्रेरित किया था। इस कार्य में सफलता भी मिली थी। समाज का पहला विधिवत संगठन वर्ष 1913 में उस समय बना था जब एक भागवत कथा का आयोजन ग्राम चंदोखर में हुआ था।इस आयोजन में समाज काफी लोग एकत्रित हुए थे। इस आयोजन में चौधरी गजाधर की अध्यक्षता में एक कार्यकारिणी समिति बनाई गई थी। प्रमुख लोगों में चौधरी डालचंद फूप,पंडित शंकर लाल व्यास भागवासा, बौहरे कृपाराम जी चंदोखर, चौधरी पहलवान जी अकोड़ा, मेम्बर रामनाथ जी अकोड़ा, बौहरे भगवंत जी सिरमोर पुरा, बौहरे परमानंद जी सिरमोर पुरा, महाते देवीप्रसाद जी खेरिया , महाते छत्रपाल जी भगवासा के नाम लिए जाते हैं। उस काल में बड़े बड़े सम्मेलन गांव स्तर पर आयोजित हुआ करते थे। देश के आजाद होते ही पहला बड़ा सम्मेलन चंदहारा में वर्ष 1948 में आयोजित किया गया था। प0 श्री गोपालानन्द जी बनवरिया एवं महात्मा श्री ज्ञानदास जी के प्रयासों से अम्बाह एवं मुरैना में भी सम्मेलन आयोजित किये गये।इसके बाद पं0 लक्ष्मीनारायण बेरूगढी (मथुरा) के प्रयासों से वर्ष 1954 में धौलपुर में सम्मेलन हुआ। फिर 1959 में उज्जैन,वर्ष 1970 में भिण्ड, वर्ष 1971 में मुरैना और 1972 में हड़वासी में बड़े सम्मेलन आयोजित हुए। इन सम्मेलनों से समाज में काफी चेतना जगी थी। उस समय आवागमन के साधन कम थे फिर भी हमारे पूर्वजों ने बहुत किया,उन सभी को सादर नमन।

चि. दिग्विजय शर्मा
पिता : श्री अजय शर्मा
माता : श्रीमती रचना शर्मा
ग्राम : सिकरौदा, जिला-मुरैना
NEET Exam में 663 अंक
एम.पी. बोर्ड 12वीं में 87% (435)

चि.हर्षित शर्मा
पिता : श्री अवधेश शर्मा
माता : श्रीमती अनीता शर्मा
दादा : श्री सत्यदेव शर्मा (चिकनी वाले) NEET Exam में 659 अंक
हाल : चतुर्वेदी नगर, भिण्ड

कु. उन्नति शर्मा
पिता : श्री कौशल शर्मा
(प्रभारी प्राचार्य, गिरगांव)
माता : श्रीमती रोशनी शर्मा (लेक्चरर)
दादा : श्री छोटेलाल शर्मा
ग्राम : खुर्द, जिला-भिण्ड
NEET UG Exam में 641 अंक

चि. गौरव शर्मा
पिता: श्री लालसिंह शर्मा
माता : श्रीमती मंजू शर्मा
ग्राम : सांटा, जिला-मुरैना
NEET Exam में 634 अंक

चि. अमनदीप शर्मा (गौरव)
पिताः श्री अटलबिहारी शर्मा
माता : श्रीमती बटनश्री शर्मा
ग्राम : गिंगरखी, जिला-भिण्ड
NEET Exam में 619 अंक

चि. सुजल उपाध्याय
पिताः श्री सतेन्द्र शर्मा
माता : श्रीमती साधना शर्मा
ग्राम : मिरघान, जिला-मुरैना
NEET Exam में 618 अंक
एम.पी. बोर्ड 12वीं में 88.2%

चि. प्रयांशु शर्मा
पिताः श्री बीरेश शर्मा
माता : श्रीमती राजेश्वरी शर्मा
दादा : स्व.श्री रामनारायण शर्मा
ताऊ : श्री उमाशंकर शर्मा
ग्राम : दबोहा, जिला-भिण्ड
NEET UG Exam में 590 अंक

कु. प्रतीक्षा शर्मा
पिताः श्री शशिकांत शर्मा
माता : श्रीमती रेखा शर्मा
दादा : श्री रामस्वरूप शर्मा
ग्राम : सिरसौदा, जिला-भिण्ड
NEET UG Exam में 582 अंक

चि. सत्यम शर्मा
पिता : श्री बिजेन्द्र शर्मा (चौबे)
माता : श्रीमती नीलम शर्मा
ग्राम : अकोड़ा, जिला-भिण्ड
हाल : इन्दौर (म.प्र.)
NEET Exam में 550 अंक एव
सीबीएससी बोर्ड 12वीं में 86.4%
हाल : चतुर्वेदी नगर, भिण्ड (म.प्र.)

चि. दिव्यांश शर्मा, ग्वालियर
IIT JEE में 2413 Rank (94%)
पिता : डॉ.मुकेश शर्मा (उपाध्याय)
दादा : स्व.चौ.श्री राजाराम शर्मा
माता : श्रीमती सीमा शर्मा
नाना : श्री सियाराम शर्मा, सर्राफ
ग्राम : कैरोरा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

चि. जय शर्मा, उन्नाव
IIT JEE में Air Rank 6945
ग्राम : सिमार, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री राजेश शर्मा (उपाध्याय)
दादा : स्व.श्री रामलखन शर्मा
माता : श्रीमती सीमा शर्मा
नाना : श्री इंन्द्रदेव गौड, उन्नाव
वर्त.निवास : प्रयाग नारायण

चि. सुमित तिवारी
IIT JEE में Air Rank 7740
ग्राम : मिरघान, जिला-मुरैना
पिता : श्री मनोज तिवारी
माता : श्रीमती सुमन (भारद्वाज सांटा)
निवास : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,

कु. अंजली शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
95% (474) जिले में तीसरा स्थान
पिता: श्री सुनील शर्मा
माता: श्रीमती नेमादेवी शर्मा
ग्राम : नदोल का पुरा, जिला-मुरैना

चि. विनीत शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
93.2% (466)
पिता: श्री अवधेश शर्मा
माता: श्रीमती ममता शर्मा
ग्राम : खेरिया महानंद, जिला-भिण्ड

कु. प्रिंसी शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
91.6% (458)
पिता: श्री दीपचन्द्र शर्मा
माता: श्रीमती हीरा शर्मा
दादाजी : श्री केदारनाथ भारद्वाज
ग्राम : खुटियानी हार, हालः मुरैना

चि. दीपेश शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
91% (455)
पिता: श्री रविन्द्र शर्मा
माता: श्रीमती माया शर्मा
ग्राम : कुम्हेरी, जिला-मुरैना

चि. हरिओम शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
90.6% (453)
पिता: श्री नरेन्द्र शर्मा
माता: श्रीमती रेवती शर्मा
ग्राम : नाहरदोंकी, जिला-मुरैना

चि. हिमांशू शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
89.8% (449)
पिता: श्री दयानन्द शर्मा
माता: श्रीमती बसन्ती शर्मा
ग्राम : चांद का पुरा, जिला-मुरैना

कु. करिश्मा शर्मा
एम.पी. वोर्ड 12 वीं में
89.2% (446)
पिता: श्री अनिल शर्मा
माता: श्रीमती रजनी शर्मा
ग्राम : दवोहा, जिला-भिण्ड

चि. गौरव शर्मा
यूपी बोर्ड 12 वीं में
88.8% (444)
पिता: श्री राकेश शर्मा
माता: श्रीमती मीरा देवी शर्मा
ग्राम : देवीसिंह का पुरा, जिला-मुरैना

चि. आलोक शर्मा
एमपी वोर्ड 12 वीं में
88% (440)
पिता: श्री सुरेश शर्मा
माता: श्रीमती साधना शर्मा
ग्राम : हड़वासी, जिला-मुरैना

चि. अंकुल दुबे
यूपी बोर्ड 12 वीं में
87.9% (438)
पिता: श्री रामनिवास दुबे
माता: श्रीमती कुसुमलता शर्मा
ग्राम : टकपुरा, जिला-इटावा
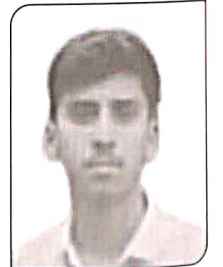
चि. सचिन शर्मा
एमपी वोर्ड 12 वीं में
87.2% (436)
पिता: श्री हरीशंकर शर्मा
माता: श्रीमती मनीषा शर्मा
ग्राम : रूपहाटी, जिला-मुरैना

कु. आर्या शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
85.6% (428)
पिता: श्री राजाराम शर्मा
माता: श्रीमती शकुंतला शर्मा
ग्राम : चिंते का पुरा, जिला-मुरैना

## Class-12th

कु. शिवांगी शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
85% (425)
पिताः श्री शिवकुमार शर्मा
माताः श्रीमती राजकुमारी शर्मा
ग्राम : जामना, जिला-भिण्ड

चि. गौरव शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
85% (425)
पिताः श्री सतीश शर्मा
माताः श्रीमती मंदाकिनी शर्मा
ग्राम :अंबाह, जिला-मुरैना

चि. अमन शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
84.2% (421)
पिताः श्री अशोक शर्मा
माताः श्रीमती वन्दना शर्मा
दादाजी : श्री सियाराम शर्मा
ग्राम :खुटियानी हार, जिला-मुरैना

कु. निशिका शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
83.2% (416)
पिताः श्री जयकिशन शर्मा
माताः श्रीमती गीता शर्मा
दादाजी : श्री रामगोविन्द शर्मा
ग्राम : भुआ का पुरा, जिला-मुरैना

कु. सोनम शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
81.2% (407)
पिताः श्री प्रदीप शर्मा
माताः श्रीमती निर्मला शर्मा
ग्राम : दबोहा, जिला-भिण्ड

कु.मोहिनी दीक्षित
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
80.4% (402)
पिताः श्री मुन्नेदश शर्मा
माताः श्रीमती मुन्नी देवी शर्मा
ग्राम : सकराया, जिला-भिण्ड

कु. सलोनी शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
80% (400)
पिताः श्री संजय शर्मा
माताः श्रीमती कृष्णा शर्मा
दादाजी : श्री शिवकुमार शर्मा
माता वाले ग्राम जामगढ़, रायसेन

कु. चाहना उपाध्याय
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
78.8% (392)
पिताः श्री पारीक्षत उपाध्याय
माताः श्रीमती अनुराधा उपाध्याय
ग्राम : रूपहाटी, जिला-मुरैना

कु. शिक्षा शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
78% (390)
पिताः श्री नीरज शर्मा
माताः श्रीमती मंजूलता शर्मा
ग्राम : फूप, जिला-भिण्ड

चि. कृष्णा शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
76.8% (384)
पिताः श्री लक्ष्मण शर्मा
माताः श्रीमती सरला शर्मा
ग्राम : जखा, जिला-ग्वालियर

चि. नितिन शर्मा
एमपी बोर्ड 12 वीं में
77.2% (383)
पिताः श्री सत्यनारायण शर्मा
माताः श्रीमती मीरा देवी शर्मा
दादाजी : श्री जगन्नाथ मुदगल
ग्राम : सिकरौदा, हाल जिला-मुरैना

कु. साक्षी शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
74.2% (371)
पिताः श्री योगेश शर्मा
माताः श्रीमती मन्जू शर्मा
दादाजी : श्री जगदीश शर्मा सरपंच
ग्राम : गिंगरखी, जिला-भिण्ड

कु.आस्था शर्मा
एम.पी. बोर्ड 12 वीं में
72.2% (362)
पिता: श्री नीरज शर्मा
माता: श्रीमती शारदा शर्मा
ग्राम : हड़वासी, जिला-मुरैना

कु.सास्वती ऋषीश्वर
यूपी बोर्ड 12 वीं में
72.2% (361)
पिता: श्री अनन्त ऋषीश्वर
माता: श्रीमती रिया देवी
ग्राम : रामपुर, जिला-इटावा

कु. गौरी शर्मा
सीबीएससी 10 वीं में 96% अंक
पिता : श्री अनुज शर्मा
माता : श्रीमती ममता शर्मा
दादाजी :श्री वीरेश्वर दयाल शर्मा
ग्राम : चरथर, जिला-भिण्ड
हाल निवास: ग्वालियर

कु.कुमकुम शर्मा
सीबीएससी 10 वीं में भिण्ड जिले में प्रथम स्थान
पिता : श्री संजय शर्मा
माता : श्रीमती प्रिन्सी शर्मा
दादाजी :श्री बंदरी दीक्षित
ग्राम : अकोड़ा, जिला-भिण्ड

कु. पंखुरी शर्मा
सीबीएससी बोर्ड 10 वीं में
93% अंक
पिता: डॉ. सुनील शर्मा
माता: डॉ. श्रीमती अदिति शर्मा
ग्राम : बड़ागर, जिला-भिण्ड
हाल सिटी सेन्टर, ग्वालियर

चि. सुबोध शर्मा
सीबीएससी 10 वीं में 92% अंक
पिता : श्री योगेन्द्र शर्मा (ABOTT)
माता : श्रीमती ममता शर्मा (लेक्चरर)
दादाजी : श्री धर्मनारायण शर्मा
ग्राम : गिंगरखी, जिला-भिण्ड

चि. ओम ऋषीश्वर
सीबीएससी 10 वीं में 96% अंक
पिता : श्री विवेक ऋषीश्वर
माता : श्रीमती बीनू ऋषीश्वर
दादाजी :श्री कल्याण प्रसाद ऋषीश्वर
ग्राम : चंदहारा, जिला-भिण्ड
हाल निवास: इंदौर

कु. खुशी शर्मा
सीबीएससी 10 वीं में 88% अंक
पिता : श्री राजेश शर्मा
माता : श्रीमती मंजू शर्मा
ग्राम : गाडरवाड़ा,
जिला-नरसिंहपुर

चि.श्री कुमार शर्मा
सीबीएससी 10 वीं में 79% अंक
पिता : श्री नंदकिशोर शर्मा
माता : श्रीमती भारती शर्मा
ग्राम : दुहिया, जिला-ग्वालियर

चि.आदित्य शर्मा
सीबीएससी 10 वीं में 97.6%
अंक 488 अंक
प्रदेश सूची में 7 वाँ स्थान
पिता : श्री अजय शर्मा
माता : श्रीमती शशि शर्मा
ग्राम : चंदहारा, जिला-भिण्ड

कु. रौनक शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में 97.2%
486 अंक प्रदेश सूची में स्थान
पिता : श्री नीरज शर्मा
माता : श्रीमती वीरवती शर्मा
ग्राम : सिमार, जिला-भिण्ड

कु. दीक्षा शर्मा
सीबीएससी बोर्ड 10 वीं में
97% 485 अंक
पिता: श्री संजीव शर्मा
माता: श्रीमती मंजेशी शर्मा
ग्राम : चरथर, जिला-भिण्ड

चि. प्रथम शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
96.6% 483 अंक
पिता : श्री रविशंकर शर्मा
माता : श्रीमती कांति शर्मा
ग्राम : चंदहारा, जिला–भिण्ड

कु. दीपिका शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
96.2% 481 अंक
जिला में चौथा स्थान
पिता : श्री रामकुमार शर्मा
माता : श्रीमती ज्योति शर्मा
ग्राम : चंदोखर, जिला–भिण्ड

चि. सचिन शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
96% 479 अंक
पिता : श्री ऋषिकेश शर्मा
माता : श्रीमती अर्चना शर्मा
ग्राम : चंदहारा, जिला–भिण्ड

चि. ललित शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वी में
94.6% 473 अंक
पिता : श्री राधाकृष्ण शर्मा
माता : श्रीमती बीनू शर्मा
दादाजी : श्री रामरतन शर्मा
ग्राम : सांटा, जिला–मुरैना

चि. रघुनन्दन शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वी में
94% 470 अंक
पिता : श्री प्रदीप शर्मा
माता : श्रीमती सुमन शर्मा
दादाजी : श्री विनायकराम शर्मा
ग्राम : चंदहारा, जिला–भिण्ड

चि. अनुज शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वी में
93.6% 467 अंक
पिता : श्री अवधेश शर्मा
माता : श्रीमती सविता शर्मा
ग्राम : अकोड़ा, जिला–भिण्ड

चि. अंश दीक्षित
एमपी बोर्ड 10 वी में
92.8% 464 अंक
पिता : श्री मुन्नेश दीक्षित
माता : श्रीमती रेखा दीक्षित
ग्राम : फूप, जिला-भिण्ड

चि. प्रियांशू शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वी में
92.6% 463 अंक
पिता : श्री संतोष शर्मा
माता : श्रीमती मंजू शर्मा
दादाजी : श्री बालाराम शर्मा
ग्राम : खुर्द, जिला-भिण्ड

कु. निखा शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
92.4% 462 अंक
पिता : श्री मुकेश शर्मा
माता : श्रीमती रेनू देवी शर्मा
दादाजी : श्री नरेश लंबरदार
ग्राम : दबोहा, जिला–भिण्ड

कु. गायत्री उपाध्याय
एमपी बोर्ड 10 वीं में
92% 460 अंक
पिता : श्री व्रीरेन्द्र उपाध्याय
माता : श्रीमती रूबी उपाध्याय
दादाजी : श्री गाढ़ेराम उपाध्याय
ग्राम : पाली, फूप, जिला–भिण्ड

चि. सजल शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वी में
92% 460 अंक
पिता : श्री श्यामवीर शर्मा
माता : श्रीमती शशि शर्मा
ग्राम : गिंगरखी, जिला-भिण्ड

चि. रोहित शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वी में
90.6% 453 अंक
पिता : श्री भरतलाल शर्मा
माता : श्रीमती रजनी शर्मा
ग्राम : अकोड़ा, जिला-भिण्ड

कु.रौनक शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
87.8% (439) अंक
पिता: श्री विवेक शर्मा
माता: श्रीमती भारती शर्मा
दादाजी : श्री रमेश श्रोती
ग्राम : अकोड़ा, जिला-भिण्ड

कु. रक्षा शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
87.6% (438) अंक
पिता: श्री देवेश शर्मा
माता: श्रीमती मनीषा शर्मा
ग्राम : बनवरिया, जिला-मुरैना

कु.कृष्णा शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
87.2% (436) अंक
पिता: श्री रामहरि तिवारी शर्मा
माता: श्रीमती रेखा शर्मा
ग्राम : मिरघान, जिला-मुरैना

कु. श्रेया शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
86.6% (433) अंक
पिता: श्री रूपकुमार शर्मा
माता: श्रीमती प्रीति शर्मा
ग्राम : जामगढ़, जिला-रायसेन

चि. मयंक शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
86.6% (433) अंक
पिता: श्री रामसहाय शर्मा
माता: श्रीमती शकुंतला शर्मा
ग्राम : पिड़ावली, जिला-मुरैना

चि. हिमांशू शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
86.4% (432) अंक
पिता: श्री राजकुमार शर्मा
माता: श्रीमती मीरा देवी शर्मा
दादाजी : श्री नरेश लंबरदार
ग्राम :दबोहा, जिला-भिण्ड

चि. रोमेश शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
86% (429) अंक
पिता: श्री सोमनाथ शर्मा
माता: श्रीमती संगीता शर्मा
ग्राम : सिमार, जिला-भिण्ड

कु. वर्षा शर्मा
एमपी बोर्ड 10 वीं में
85% (425) अंक
पिता: श्री ऋषिकेश शर्मा
माता: श्रीमती प्रीति शर्मा
ग्राम : गिंगरखी, जिला-भिण्ड

कु. प्राची शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
84.6% (423) अंक
पिता: श्री विवेक शर्मा
माता: श्रीमती गीता शर्मा
दादाजी : श्री रामदुलारे शर्मा
ग्राम : डांग वाले, हाल ग्वालियर

कु.संध्या शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
84.6% (419) अंक
पिता: श्री मुकेश शर्मा
माता: श्रीमती सीमा शर्मा
ग्राम : जै करन पुरा, जिला-मुरैना

कु. साधना शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
83.2% (416) अंक
पिता: श्री देशराज शर्मा
माता: श्रीमती गेंदावती शर्मा
दादाजी : श्री मुरारी लाल शर्मा
ग्राम : क्वारी बिंडवा, जिला-मुरैना

कु. अनुष्का शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
83% (415) अंक
पिता: श्री लल्लेश शर्मा
माता: श्रीमती वंदना शर्मा
ग्राम: बड़ागर, जिला-भिण्ड

चि. मोहित शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
90% (453) अंक
पिता: श्री फिरंगी शर्मा
माता: श्रीमती मिथलेश शर्मा
ग्राम : सकराया, जिला-भिण्ड

चि. आदित्य शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
90% (451) अंक
पिता: श्री बृजमोहन शर्मा
माता: श्रीमती प्रेमप्यारी शर्मा
ग्राम : कैमरा, जिला-मुरैना

चि. मोहित शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
90% (450) अंक
पिता: श्री पवन शर्मा
माता: श्रीमती पूनम शर्मा
ग्राम : चंदहारा, जिला-भिण्ड

चि. प्रशांत शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
89.8% (449) अंक
पिता: श्री जितेन्द्र शर्मा
माता: श्रीमती रेखा शर्मा
ग्राम : देवीसिंह का पुरा, जिला-मुरैना

चि. मोहिनी शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
89.6% (448) अंक
पिता: स्व.श्री मनोज मुड़ियारे
माता: श्रीमती गुड्डी शर्मा
ग्राम : सकराया, जिला-भिण्ड

चि. अनमोल गौतम
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
89.4% (447) अंक
पिता: श्री प्रभात गौतम
माता: श्रीमती रश्मि शर्मा
दादाजी : श्री रामसहाय गौतम
ग्राम : कैरोरा, जिला-भिण्ड

कु. खुशी गौतम
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
88.6% (447) अंक
पिता: श्री ऋषि गौतम
माता: श्रीमती मंजू देवी
ग्राम : वीरमपुर, जिला-मुरैना

चि. हरिओम शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
88.6% (443) अंक
पिता: श्री अखिलेश शर्मा
माता: श्रीमती प्रीति शर्मा
दादाजी : श्री रामअवतार भगत
ग्राम : बड़ागर, हाल गोहद

कु. राधा शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
88.4% (442) अंक
पिता: श्री जयकुमार शर्मा
माता: श्रीमती मनीषा शर्मा
ग्राम : सांटा, जिला-मुरैना

चि. पंकज शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
80.6% (403) अंक
पिता: श्री राजरूप शर्मा
माता: श्रीमती मनीषा शर्मा
ग्राम : छिदे का पुरा, जिला-मुरैना

चि. पीयूष शर्मा
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
79.8% (398) अंक
पिता: श्री राघवेन्द्र शर्मा
माता: श्रीमती मनीषा शर्मा
दादाजी : श्रीराम शर्मा
ग्राम : बम्होरा, हाल मुरैना
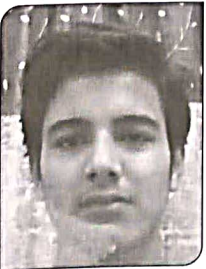
चि. ऋषभ दीक्षित
एम.पी. बोर्ड 10 वीं में
75% (374) अंक
पिता: श्री सत्येन्द्र दीक्षित
माता: श्रीमती संजूलता दीक्षित
ग्राम : फूप, जिला-भिण्ड

## ऋषीश्वर निवास स्थान

**जिला भिण्ड मध्यप्रदेश :–** भिण्ड, अकोड़ा, चाथर, जामना, विर्धनपुरा, दबोहा, फूप, पाली, भीमपुरा, सकराया, मेहगाँव, इमलिया, गुर्जा का पुरा, बिरगवाँ, सिमार, बैरोरा, दैपुरा, गिंगरखी, मानिकपुरा, चपरा, अमायन, गोहद, गोहद चौराहा, बड़ागर, रमनपुरा, भगवासा, चंदोखर, डांग, भड़ेरा, बम्होरा, चन्द्रभान का पुरा, खनेता

**जिला मुरैना मध्यप्रदेश :–** मुरैना, गंज रामपुर, देवीसिंह का पुरा, सामले सिंह का पुरा, देवरी, जींगनी, पिड़ावली, विण्डवा, बद्री नायब का पुरा, सिकरौदा, हिंगोना, जतावर, भोजराज का पुरा, जौरा, कुम्हेरी, हड़वासी, चीरमपुरा, चैना, सांटा, नाहरदोंकी, कांसपुरा, मुंगावली, जाफराबाद, सिहोरी, खुटियानी हार, विशनोरी, बांसी, कैमरा, देवगढ़, लालवास, अधन्नपुरा, अम्बाह, चांद का पुरा, अमरपुरा, रूपाहटी, नदौल का पुरा, भुआ का पुरा, गरीबे का पुरा, लंगड़िया, वित्त का पुरा, छिद्दे का पुरा, चिन्ते का पुरा, खांद का पुरा, रामचरण का पुरा, ऐसाह, बड़ापुरा पुरावस कला, सिरमौर का पुरा, बिरहरूआ, पाय का पुरा, मोहनपुरा, भाय खां का पुरा, बावरीपुरा, बरेह, भिडौसा, दोहरी, खड़िया बेहड़, इकहरा, पंचोली, मिरघान, हरिज्ञान का पुरा, भीमसेन का पुरा, देवलाल का पुरा, पोरसा, बनवरिया, देवहंस का पुरा, मरजादगढ़, जीकरन का पुरा, बिजुली पुरा, आमलीपुरा, रूधावली, रूअर, लाहदरिया, लोलकी, हिंगोटियाई

**जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश :–** ग्वालियर, इकहरा, दुहिया, गुंझार, डबरा, जखा, धमनिका, नाहटौली, भैंगना, रामपुर

**जिला सागर मध्यप्रदेश :–** सागर, सिहोरा, करहद, बम्होरी

जिला गुना मध्यप्रदेश :– गुना, आरौन, पतलेश्वर, रामपुर, राघौगढ़, इकोदिया, रुठियाई, माहुर, मार की मउ, सकतपुर, धरनावदा, बरखेड़ी, चांदखेड़ी, सिलावटी, पटना, नई सराय, तिलीखेड़ा

**जिला विदिशा मध्यप्रदेश :–** विदिशा, गंज बासौदा, सिरोंज, रुसल्ली साहू, लटेरी, मोतीपुर, मुक्ताखेड़ा, सावनखेड़ी, बरखेड़ादेव, कालेदेव, मूड़रा रतनसी, दीरला, बमौरी, मेलुआ चौराहा, बमूरिया, तिलातिली, हीरापुर

**जिला छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश :–** छिंदवाड़ा, चौरई, उमरिया, पलटवाड़ा, ककई, बरेलीपार, नवेगांव, कामती, चन्दनवाड़ा, लुगरी, गुरिया, सांवरी, थांवरी, रामगढ़ी, गोपालपुरा, कुंडा, पिपरिया मानसिंग, पिपरिया छोटी, अमरवाड़ा, पाटनी, सौंसर, सिंगोड़ी, बगदरी, हथनी, कपूरदा, माचीवाड़ा, सलखनी, बिलन्दा, सुरजना, पोड़ाबाड़ी, समसवाड़ा, सिमरिया, डुंगरिया, मोहगाँव, चांदामेटा, न्यूटन, हरनभटा, परासिया, पगारा, बिछुआ, चिखली, दैलाखारी, बड़कुयी, इकलहरा, बीझावाड़ा, जुझारदेव, रामनवाड़ा, पलारी, भोगांव, सागर

**जिला रायसेन मध्यप्रदेश :–** रायसेन, बरेली, जामगढ़, खरगोन, कुण्डाली, देवरी, देहगाँव

**मध्यप्रदेश के निवास स्थान :–** भोपाल, जबलपुर, इन्दौर, उज्जैन, देवास, तराना, आगर, धार, कुंजरोद, खरगोन, रतलाम, सनावद, झाबुआ, मन्दसौर, बालाघाट, गाडरवाड़ा, सिवनी, शाजापुर, राजगढ़, पचोर, राघौगढ़, अशोकनगर, शिवपुरी, इंदार, श्योपुर, ददूनी

**छत्तीसगढ़ के स्थान :–** रायपुर, रायगढ़, कोंडागांव, पिथौरा

**जिला इटावा उत्तरप्रदेश :–** इटावा, बकेवर, भरथना, कंठैया, हर्राजपुर, रमपुरा, चिकनी, बहालियन का नगरा, नया नगरा, विशनामऊ, सिरसा, बहेड़ा, जैतपुरा, नगला तुला, निवाड़ी कलां, अहेरीपुर, महेवा, जखोली, जखोली का नगला, मुडैना, टकपुरा

**जिला उन्नाव उत्तरप्रदेश :–** उन्नाव, देवगाँव, सफीपुर, अेररकलां, निहालपुर, बृजपालपुर, लगसेसरा, मवई ब्राह्मण, छोटी सरस, मदूखेड़ा, लिधौसी, सांथीनगर, भैंसारा, मुछखेड़ा

**जिला हाथरस, जालौन उत्तरप्रदेश :–** हाथरस, बेरू की गढ़ी, हरिया की गढ़ी, नगला, जगराम, गढ़ उमराव,
जालौन, सिकरी, सहाव, लहचूरा

**जिला आगरा उत्तरप्रदेश :–** आगरा, पिनाहट, गड़ूपुरा, सांवलदास का पुरा, हुल्लकापुरा, बाजका पुरा, पिपरावली, बढ़ापुरा

**जिला हरदोई उत्तरप्रदेश :–** हरदोई, शहादत नगर, संडीला

**जिला एटा एवं बंदायू उत्तरप्रदेश :–** एटा, जलालपुर, सराय, मसेरी, रामगढ़ी, लोहरा, नोराई, सुजराई, सजावल, सोहार, नरौरी, सुमेरनगला, नगरिया, बंदायू, बेहंटा गुंसाई, भानपुर

**उत्तरप्रदेश के अन्य स्थान :–** मथुरा, वृंदावन, लखनऊ, कानपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, अलीगढ़, गाजियाबाद, पीलिभीत, सल्लिया, दिबियापुर, उरई

**जिला धौलपुर राजस्थान :–** धौलपुर, जगमोहनपुरा, पराय, जरगा, नीमडांडा

**जिला सीकर और जालौर राजस्थान :–** सीकर, माधोपुर, राजोली, कुली, केलिया, पड़ापोली, जालौर, सराना, मोकलपुर, हरजी, दयालपुर

**जिला सवाई माधोपुर राजस्थान :–** सवाई माधोपुर, वीसलपुर, पुलु, धूसार, कठोर

**राजस्थान के अन्य स्थान :–** कवाई सालपुर, कोटा, छीपा बड़ोद, जयपुर, बारा, अलवर, झालावाड़

**अन्य स्थान :** मुम्बई, नाशिक, नागपुर, अमरावती, सांगली, पुणे, कोल्हापुर, धूलिया, अहमदाबाद, बड़ौदा, सूरत, राजकोट, गांधीधाम, अंकलेश्वर, भुज, दिल्ली, हरिद्वार, ऋषिकेश, बैंगलोर, पलवल, गुड़गाँव, रेवाड़ी

# ऋषीश्वर ब्राह्मण खेरे और गोत्र

| ऋषि | खेरा | अल्ल | गौत्र |
|---|---|---|---|
| 1.मूर्तिधर ऋषि | - | गौतम | गौतम |
| 2. भारद्वाज ऋषि | - | भारद्वाज | भारद्वाज |
| 3.मुद्गल ऋषि | - | मुदगल | मुदगल |
| 4.समोद ऋषि | - | पाराशर | पाराशर |
| 5.सुचर ऋषि | ककोली | चौबे | चंद्रायण |
| 6.विचर ऋषि | विरथरे | बिरथरिया | विंध्य |
| 7.भद्र ऋषि | पचगाये | पचौरी | पंचालक |
| 8.आदिशरण ऋषि | दिखनारो | दीक्षित | दक्ष |
| 9.आदिकरन ऋषि | बसई | दुबे | उपमन्यु |
| 10.भान ऋषि | उसैथ | जोशी | याज्ञवल्क्य |
| 11.शोभमणि ऋषि | आगरे | रावत | उतंग |
| 12.मानजीत ऋषि | सोरई | सावरण | सावरण |
| 13.भन्वन्त ऋषि | घिरावली | घृतकुल | औपवदेव |
| 14.भौनकरन ऋषि | कवई | उपाध्याय | उद्धालक |
| 15.मानकरन ऋषि | मुखरई | मुखरैया | मृकुण्ड |
| 16.साहकरन ऋषि | हथवारी | श्रोती | वशिष्ठ |
| 17.श्यामकरन ऋषि | सनेधी | सनेधिया | अंगिरा |
| 18. पेम ऋषि | डावली | ढमोले | धौम्य |
| 19.सौरन ऋषि | सिघावली | सिंघौलिया | श्रृंगी |
| 20.पूरन ऋषि | विरावली | तिवारी | अक्षस्त्य |
| 21.मूर्तिमान ऋषि | ब्रह्मपुर | बौहरे | बाहुव |
| 22.नीसरू ऋषि | सिगरावरी | सागौरिया | सांकृत |
| 23.चन्द्रभान ऋषि | सड़वारी | सड़वारिया | शांडिल्य |
| 24.सहजीत ऋषि | रिठौरा | कुड़रिया | कौडन्य |
| 25.हेजीत ऋषि | बेरी | बेरीबार | वैशंपायन |
| 26.धर्मजीत ऋषि | पटलौनी | पटुलिया | पौसारन |
| 27.भयजीत ऋषि | बड़ोली | बड़ेले | वत्स |
| 28.अहिकरन ऋषि | लुहारी | लुहोरिया | लोकांक्षी |
| 29.बुद्धि ऋषि | मांगरोलि | मंगोलिया | मतंग |
| 30.सिद्धि ऋषि | पिपरोनी | पिपरोनिया | पिपलायन |
| 31.रत्न ऋषि | पसेही | फुसेंतिया | पुलस्त्य |
| 32.असंखजीत ऋषि | सीरोठ | सीरोठिया | सार्गयन |
| 33.महापति ऋषि | मिडावली | मुड़ारे | मित्रभूव |
| 34.शिष्ट ऋषि | कोटरा | कटारे | कौत्स |
| 35.करन ऋषि | खड़ारि | खड़ोलिया | कौशिक |
| 36.सहजीत ऋषि | अहेली | अयेलिया | अत्री |

| ऋषि | खेरा | अल्ल | गौत्र |
|---|---|---|---|
| 37.एकत्रसेन ऋषि | भिडावली | छौलिहा | अधमर्पण |
| 38.शामकरन ऋषि | कांकोरी | कांकोरिया | कात्पायन |
| 39.कोकत्रसेनि ऋषि | बसेड़ी | बसेड़िया | वशिष्ठ |
| 40.भिखजीत ऋषि | फतेपुर | पसोइया | जमदग्नि |
| 41.मानकरन ऋषि | डभरई | डभरैया | विभांडक |
| 42.सुजान ऋषि | कोटा | कुट्टीभा | कपिल |
| 43.बहुचरण ऋषि | सिंघाइच | सिंघेचिया | अंगिरा |
| 44.भोगधर ऋषि | नाहोरी | नदोरिया | ब्रह्म ऋषि |
| 45.सातौनी ऋषि | दुल्हारे | देशमुख | दर्भ |
| 46.इनद्रभान ऋषि | दिघरोती | दिघरोतिया | दधीचि |
| 47.वीरराज ऋषि | सेवरि | सेवरिया | सुयज्ञ |
| 48.सहतन ऋषि | सहाई | सहवरिया | शौनक |
| 49.बालिधर ऋषि | भरतपुर | भाइलपुरिया | भृगु |
| 50.ऋद्धि ऋषि | भगोडरा | मामोलिया | मैत्रायन |
| 51.वीरशाह ऋषि | अऊ | औठिया | अगस्त्य |
| 52.मूरराज ऋषि | चितोर | चितोरिया | चंद्रगर्ग |
| 53.गिरधर ऋषि | बांसी | दरोइया | दलाक्ष |
| 54.मल्ल ऋषि | बिजोली | बिजोरे | विंध्य |
| 55.धीराशाही ऋषि | झुरावली | सजेरलिया | संजय |
| 56.अखेराज ऋषि | नगाइच | नगाइच | नारायण |
| 57. कृष्ण ऋषि | आगरे | माद्र | माद्र |
| 58.ज्ञानसाही ऋषि | पथोली | कनकपुरिया | कणादि |
| 59.सूत्र ऋषि | समशाबाद | समाधिया | समाधि |
| 60.अमरभान ऋषि | चिड़रई | चिड़रऊआ | बलच्यवन |
| 61.मित्रसेन ऋषि | महावन | महावरिया | मार्कण्डेय |
| 62.हेमकरन ऋषि | धरावल | थापक | कश्यप |
| 63.सहवाज ऋषि | डिलमोरी | डिलमोरिया | द्रुपद |
| 64.सकत ऋषि | सिसनी | सिनोहा | सिंधुदीप |
| 65.पूरनशाही ऋषि | नारोली | नारोलिया | ऋषभ |
| 66.नरशाही ऋषि | माढ़ोर | मूढ़ोतिया | मनुस्पति |
| 67.सुरतान ऋषि | धासोली | धोमरईया | धौम्य |
| 68.मूरतान ऋषि | दीघ | दिघौतिया | कश्यप |
| 69.महाधर ऋषि | पिगौर | पारमल | पुलस्त्य |
| 70.समद ऋषि | सेमरा | समहदिया | सुमेधा |
| 71.बेनसी ऋषि | बरोदा | बाछुरे | बाच्छिल |
| 72.सूरतभान | खड़ोकेसपुर | खड़ोसिया | हिरण्यस्तुप |

## उपसंहार

सर्वप्रथम तिलक के लिए अनुरोध है कि तिलक धारण अवश्य करें।इसकी स्वीकार्यता एक शुभ्र प्रतीक के साथ साथ वैज्ञानिक आधार पर भी ग्रहण करें।इसका प्रारंभ करेंगे तो एक सुखद परिवर्तन का अहसास अवश्य होगा। प्रातःकाल में कुछ समय प्रार्थना के लिए देकर यथासंभव तिलक धारण करें।

※मध्यकालीन पांच सदियों तक ऋषीश्वर ब्राह्मणों ने यायावर जीवन व्यतीत किया है और धर्म रक्षार्थ युद्ध भी किए हैं।यदि अस्मिता रक्षा के लिए,सुख सुविधाओं को त्याग कर वन वन घूमे हैं तो मातृभूमि के लिए युद्ध भी किए हैं।। वैसे भी ऋषीश्वर ब्राह्मणों ने प्राचीन काल में अपरिग्रही जीवन जिया है और वैदिक ज्ञान की अभिलाषा में दूर दूर तक चले गए हैं। निर्भय विचरण करना कार्य शैली रही थी। यदि वे नियमित वेदपाठ यज्ञादि कार्य करते थे तो अपनी अस्मिता और धर्म रक्षा के लिए युद्ध भी किया करते थे। और वे अपने लिए ही युद्ध नहीं करते थे बल्कि अपने राजा या शासक की सहायता भी करते थे। उसी क्षेत्र में उनका निवास रहता था जहां निष्कंटक और सम्मान सहित रह सकें। किसी क्षेत्र विशेष में बंधे रहने का उनका स्वभाव नहीं था। वे उसी राज्य में बसते थे जो उनकी जरूरतों को ससम्मान पूरा करता था। शास्त्र और शस्त्र दोनों में प्रवीण होने के कारण शासकों से आंख में आंख डालकर बात करने की योग्यता थी।स्वाभिमान को ऋषीश्वरों ने सदा जीवित रखा और देर सबेर वे अपना स्थान पा ही लेते थे। स्वाभिमान बना रहे, इसलिए कृषि कर्म का भी सहारा लिया। अधिकांशतः हम ब्राह्मणों को पटेल,चौधरी और देशमुख जैसे पद मिले हैं ये उनके जुझारू होने का ही प्रमाण है। लेकिन मध्यकाल में जब परिस्थितियां बिगड़ने लगीं तो इन पांच सौ सालों में जो सबसे बड़ा नुकसान हुआ वह वेदाध्ययन और कर्मकांड से दूरी बन जाने का ही हुआ। क्योंकि इसके लिए जो स्थायित्व जरूरी था वह उपलब्ध नहीं हुआ।। गुरुकुल व्यवस्था नष्ट करने के लिए हमले तो निरंतर सात सौ साल तक चलते रहे, इन सब का दुष्परिणाम यह आया कि वैदिक काल का गौरव बनाए नहीं रख सके।

※हम वशिष्ट जी के वंशज मथुरा राज्य में एक साथ थे लेकिन बाद में यत्र तत्र बिखर गए, कई बंधू दूर दूर तक चले गए उनसे संपर्क नहीं रख सके। देश के आजाद होने के बाद हमनें शिक्षा पर भी ध्यान नहीं दिया है, कृषि को ही उत्तम समझते रहे। शासकीय सेवाओं और व्यवसाय को कमतर आंका। बस यहीं हम भूल कर गए, समय के साथ चलने की जरूरत नहीं समझी।यानी समाज में वेद पाठियों और आचार्यों की कमी भी हुई और आधुनिक शिक्षा भी कमजोर पड़ी।लेकिन अब समय बदल रहा है जिस तेजी से शिक्षा ग्रहण की जा रही है उससे ऐसा लगता है कि हम अपना पुराना गौरव पुनः लौटा सकते हैं। कुछ युवा धर्माचार्य भी बन रहें हैं लेकिन इस ओर अधिक ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

※वेदाचार्य और कर्मकांड विशेषज्ञों की संख्या बढ़नी चाहिए,उनका व्यक्तित्व ऐसा हो जो गौरव बने। तभी हम ऋषीश्वर नाम को सार्थक कर सकेंगे।यानी हमारे समाज से श्रे साइंटिस्ट भी बनें और श्रेष्ठ धर्माचार्य भी बनें। अपने समाज भगवासा से आचार्य श्री लक्ष्मण शास्त्रीजी जैसी विभूतियां हु जिन्होंने मां अन्नपूर्णा से साक्षात आशीर्वाद प्राप्त किया था। सिंधिया घराने की गुरु परम्परा के अभिन्न अंग थे और सं हीरादास जी को बाल्य अवस्था में गुजरात से भगवासा लेक आए थे।सिंधियाजी ने संत हीरादास जी का मंदिर भी ग्वालिय में बनवाया था। इन दोनों की वजह से भगवासा काशी कहलाई भड़ेरा के पंडित रघुबर दयाल जी गौतम जो जाट राजाओं पुरोहित थे और बावरी पुरा के पंडित परीक्षित जी जो बावरी पु के तोमर वंश के गुरु थे दोनों समाज के गौरव थे। फूप के पंडि प्रहलाद शास्त्री जी प्रकांड विद्वान और कर्मकांडी आचा थे,जिनका सम्मान विद्वान लोग भी करते थे। ये विभूतियां हमा प्रेरणा हैं।

पत्रिका प्रकाशक के रूप में 'ऋषीश्वर ब्राह्मण संस्कृ मंच' का नाम दिया गया है इसका उद्देश्य ऐसा संगठन बनाना जो पत्रिका प्रकाशन के साथ साथ संस्कृति और संस्कारों बढ़ावा देने के लिए कार्य करता रहे।क्योंकि इस पर ध्यान न दिया गया तो हम बहुत कुछ खो देंगे, यही हमारी संपत्ति है इसलिए हमारी सदस्यता बढ़ती रहे और हम संगठित होव समाज के लिए कुछ बेहतर कर सकें।

पत्रिका में वंश परिचय भी लेखबद्ध किए गए हैं क्यों पटिया अब आते नहीं हैं और जिन्हें अपनी जानकारी है पत्रिका में आ जाएगी तो नष्ट होने से बच जायेगी। इससे इतिहा जीवित बना रहेगा और गौरव का भाव भी बना रहेगा।पत्रिका ब्राह्मणत्व और इतिहास संबंधी जो भी लेख दिए हैं, उन मनन अवश्य करें और स्मृति में बिठा लें।

पत्रिका का प्रकाशन कठिन कार्य है और इसके लि जागरूकता भी बहुत जरूरी है। तभी पत्रिका के लिए साम उपलब्ध हो सकेगी। कई परिवारों में फैमिली फोटो देने के लि अधिक संकोच हैं। इसमें सुधार जरूरी है आगे पत्रिका निकल है तो उसके लिए पारिवारिक फोटो अवश्य उपलब्ध कराएं। कार्य हम सभी के लिए निजी तौर पर और सामाजिक रूप से काफी लाभकारी सिद्ध होगा।

※सामाजिक मेलजोल को अवश्य बढ़ाते रहें। संबं की घनिष्ठता हमारा पूंजी निवेश है जो आगे चलकर काम आता है,इसलिए मेलजोल निरंतर करते रहें और यथा सं अपने बंधूजनों का सहयोग भी करें।

आप सभी ने पत्रिका के संयोजन का मुझे अवसर प्र किया,इसके लिए सभी बंधुओं का सहृदय आभार है।

सादर प्रणाम

\- संयोजक देवेन्द्र दी

नाम : श्री जगमोहन शर्मा, ग्वालियर
से.नि. स्पोर्ट ऑफिसर (नवोदय विद्यालय)
ग्राम : चंदहारा, गोहद, जि. भिण्ड
मो. : 9893279815
पिता : स्व. श्री कैलाश नारायण शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती रामकली शर्मा (चतुर्वेदी)
सुपुत्र : इंजी. श्री जितेन्द्र शर्मा B.Tech(E&C)
(Softwar Engineer, TCS New Delhi)
पुत्रवधू : श्रीमती टीना जितेन्द्र शर्मा(दीक्षित) M.B.A (HRM)
(HR in Accenture Pvt. Ltd., New Delhi)
पौत्री : कु. दीत्या शर्मा
सुपुत्र : श्री शुभम शर्मा एडवोकेट (LLB & Taxation)
(MP High Court bench Gwalior)
पुत्रवधू : श्रीमती यामिनी शुभम शर्मा (जोशी)
MBA Advertising and Public Relations)
निवास : आर.जे.पुरम, भिण्ड रोड, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : डॉ. एल.आर. जोशी, ग्वालियर
(Senior Veterinary Surgeon)
पशु चिकित्सालय कामधेनु नगर, मेला ग्राउण्ड, ग्वा.
ग्राम : चंदहारा, गोहद, जि. भिण्ड
निवास : आदित्यपुरम, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 8770753691
पिता : श्री शिवनारायण शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती रानी शर्मा (ढमोले)
(पिताश्री बच्चनलाल शर्मा, भगवासा)
सुपुत्री : कु. काजल शर्मा (M.B.A.) PUrsuing
(Event Management, NAIMD, Noida)
सुपुत्र : चि. देव शर्मा (12 Bio)
सुपुत्री : श्रीमती यामिनी शर्मा (M.B.A.)
दामाद : श्री शुभम शर्मा, एडवोकेट, चंदहारा)
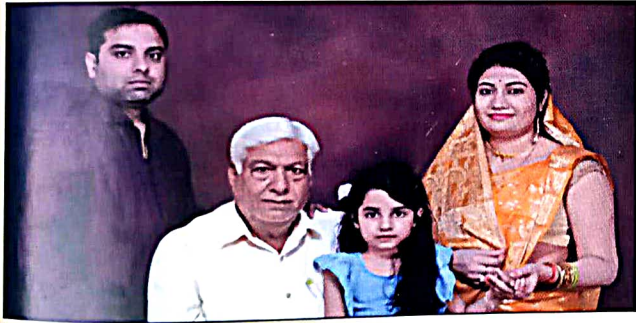
नाम : इंजी. श्री सुरेन्द्र कुमार दीक्षित, ग्वालियर
(Rt. Sub Engineer PWD, M.P.)
ग्राम : फूप, वार्ड नं.7, जि. भिण्ड
निवास : F-40, आदित्यपुरम, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9977154817
पिता : स्व. चौ. श्रीकृष्ण दीक्षित
माता : श्रीमती उर्मिला देवी
पत्नी : स्व. श्रीमती गिरिजा दीक्षित (ढमोले)
सुपुत्र : इंजी. श्री गौरव दीक्षित (BE Electronics)
(Working in Invesco Co.Hyderabad)
पुत्रवधू : श्रीमती वंदना दीक्षित (पचौरी) (B.Com.)
(HR in Accenture Pvt. Ltd., New Delhi)
पौत्री : कु.दृश्या दीक्षित (6 वर्ष)
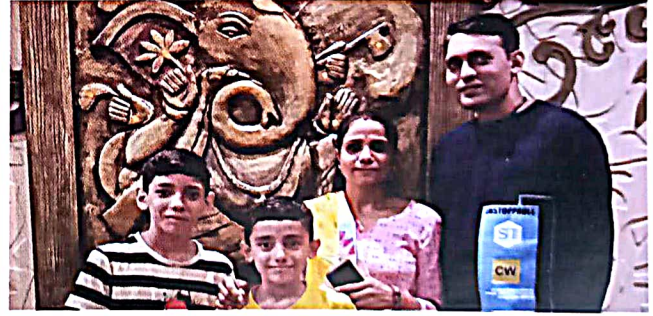
नाम : श्री दिनेश शर्मा, भोपाल
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)
वर्तमान में भेल (BHEL) भोपाल में पदस्थ
ग्राम : सिरमौर का पुरा, जि. मुरैना (म.प्र.)
निवास : आदित्यपुरम, सेंटल एकेडमी के पीछे,
कृष्ण कुंज, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9907303047
पिता : श्री राम नरेश शर्मा (भारद्वाज) रिटा. म.प्र. पुलिस
माता : श्रीमती रामेश्वरी देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती कृष्णा शर्मा (तिवारी)
सुपुत्री : चि. तनिष्क शर्मा (8th)
सुपुत्र : चि. देव शर्मा (6th)

नाम : श्री सतेन्द्र कुमार शर्मा (छोटे), ग्वालियर
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) में कार्यरत
ग्राम : हर्राजपुर, जि. इटावा (उ.प्र.)
मो. : 7544007344
निवास : राजराजेश्वरी गार्डन के पास
आदित्यपुरम, ग्वालियर (म.प्र.)
पिता : श्री रामबहादुर शर्मा (बिरथरिया)
पत्नी : श्रीमती ममता शर्मा (गौड़, देवगांव)
सुपुत्र : चि. संदिल शर्मा (MBA)
(PIM Gwalior, DOB : 21/08/1997)
(Working in YES Bank, Gwalior)
सुपुत्र : चि. साहिल शर्मा (BBA) pursuing

नाम : श्री सन्नी शर्मा, ग्वालियर
Technical Assistand in VDart Group
(Placement) Education- B.C.A.
(Prestige Institute of Management, Gwl.)
DOB : 17.03.2003
ग्राम : खुर्द, तह.गोहद, जि. भिण्ड
निवास : आदित्यपुरम, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 6261040061
पिता : स्व. श्री धर्मेन्द्र शर्मा गौतम (CRPF)
माता : श्रीमती जूली शर्मा (चौबे, अकोड़ा)
(पिताश्री स्व. रामदत्त शर्मा, अकोड़ा)
नाना : स्व. श्री रामदत्त शर्मा, अकोड़ा
नानी : श्रीमती अंगूरीदेवी शर्मा

नाम : श्री प्रमोद शर्मा, भिण्ड
साईं ब्रिक इण्डस्ट्रीज और राम ब्रिक इण्डस्ट्रीज
नाम से संचालित ब्रिक उद्योग संचालित
ग्राम : भगवासा, गोहद, जि. भिण्ड (म.प्र.)
निवास : वी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9977081641
पिता : श्री रामप्रकाश शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती कविता शर्मा (सीरोठिया)
सुपुत्री : डॉ.कु. प्रगति शर्मा (MBBS) Pursu
(Govt. Medical College, Datia)
सुपुत्र : इंजी. चि. ध्रुव शर्मा (B.Tech.)
(Pursuing IIT. Patna, Bihar)

नाम : श्री राजेश शर्मा (राजू) ग्वालियर
ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, ग्वालियर
ग्राम : सिमार, तह.मेहगांव, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : B14 बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9977876355
पिता : श्री दाताराम शर्मा (तिवारी)
(पूर्व सरपंच ग्राम सिमार, तह.मेहगांव)
माता : स्व. श्रीमती जनकश्री शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती संतोषी शर्मा (श्रोत्रिय)
सुपुत्र : चि. आर्यन शर्मा (10th)
(No.1, Air force School, Gwalior)

नाम : चौ.श्री उमेश कुमार शर्मा, ग्वालियर
शिक्षक शासकीय विद्यालय, ग्वालियर
प्रज्ञा पाइप उद्योग भिण्ड, शिव बोरवेल कंपनी,भिण्ड
चौधरी कृषि फार्म, श्योपुर
ग्राम : अकोड़ा, जि. भिण्ड (म.प्र.)
निवास : ए-8, बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर
मो. : 9399279612
पिता : स्व.चौ. श्री यदुनाथ शर्मा (बेरीबार)
माता : स्व. श्रीमती सावित्री देवी
पत्नी : श्रीमती उर्मिला शर्मा (चतुर्वेदी)
(शिक्षिका, शा.मा.विद्या. जरेरुआ, ग्वालियर)
सुपुत्र : श्री चित्रेश शर्मा (B.Arch) (PG Pursuing From USA)
पुत्रवधू : श्रीमती मधु शर्मा (उपाध्याय) B.A.
सुपुत्र : श्री यज्ञेश शर्मा (BJMC)
(MBA pursuing from pune)
सुपुत्री : कु. निष्ठा शर्मा (B.Com Honours)

नाम : श्री पुरुषोत्तम शर्मा, ग्वालियर
Director of Pragya Pipe Industry, Shiv Borewell Compnay & Sai Construction Com.
ग्राम : भगवासा, तह.गोहद, जि. भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826586661
पिता : श्री रामबाबू शर्मा (श्रोत्रिय)
(रिटायर्ड कृषि विभाग, मध्यप्रदेश)
पत्नी : श्रीमती निर्मला शर्मा (दीक्षित)
सुपुत्र : इंजी. श्री गौरव शर्मा
(B.E. Automobile, MITS Gwalior)
सुपुत्र : चि. प्रथम शर्मा (12th) IIT Prepration

नाम : श्री नवाब उपाध्याय, ग्वालियर
Jayant Seeds PVT L.Td. Gujarat में मार्केटिंग कार्य H.Q., Indore
ग्राम : बगुलरी, तह.गोहद, जि. भिण्ड (म.प्र.)
निवास : प्रहरी कॉम्प्लेक्स, बी.एस.एफ. कॉलोनी
ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9907902785
पिता : श्री विश्वनाथ उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती रचना शर्मा (शिक्षिका)
(शास. माध्यमिक विद्यालय, मुरार, ग्वा.)
(पिताश्री : रामलोटन मंगोलिया, दबोहा, भिण्ड)
सुपुत्र : चि. मोहित उपाध्याय (B.Sc.)
(MBA Pursuing from, Kerala)
सुपुत्री : कु. मिली उपाध्याय (10th)

नाम : श्री आर.डी. शर्मा, उज्जैन
म.प्र. वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन
में ब्रांच मैनेजर पद पर उज्जैन में पदस्थ
Edu-M.Sc.Ag. (Agronomy)
ग्राम : अकोड़ा, तह. व जिला, भिण्ड (म.प्र.)
निवास : प्रहरी कॉम्पलेक्स, बी.एस.एफ. कॉलोनी
ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9926226137
पिता : चौ. श्री देवीदयाल शर्मा (बेरीबार)
पत्नी : श्रीमती अलका शर्मा (ढमोले)
सुपुत्री : कु.सृष्टि शर्मा (B.Tech) Civil
(Purshing, IITRAM Ahmedabad)
सुपुत्र : चि. वैभव शर्मा (Jee Main Exam)
सुपुत्री : श्रीमती शिल्पी शर्मा (M.Sc.)
दामाद : इंजी. श्री सचिन शर्मा (चांद का पुरा)

नाम : इंजी. श्री नरेश शर्मा, ग्वालियर
सिविल इंजीनियर, सुरक्षा बल (कार्मिक) गृह निर्माण सहकारी संस्था ग्वालियर में कार्यरत
ग्राम : डांग, तह. गोहद, जि. भिण्ड (म.प्र.)
निवास : प्रहरी कॉम्पलेक्स, बी.एस.एफ. कॉलोनी एयरपोर्ट रोड, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9425308409
पिता : श्री बच्चू लाल शर्मा (सीरोठिया)
पत्नी : श्रीमती सुहासिनी शर्मा
सुपुत्र : इंजी. श्री योगेश शर्मा (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) (Lignite Technologies Pvt Ltd.)
पुत्रवधू : इंजी. श्रीमती नीतू शर्मा (मंगोलिया) सॉफ्टवेयर इंजी. (Ispace Technologies Pvt Ltd.)
पौत्र : चि. ऋत्विक शर्मा (4th)
सुपुत्र : श्री रत्नेश शर्मा (नायब तहसीलदार) (वर्तमान में बानमोर, जिला मुरैना में पदस्थ)
पुत्रवधू : श्रीमती स्वाती पाठक (आर.टी.ओ) (वर्तमान में दतिया में पदस्थ)
पौत्र : चि. सम्भव शर्मा (नर्सरी)

नाम : श्री पूरन शर्मा इंस्पेक्टर, ग्वालियर
इंस्पेक्टर, मध्य प्रदेश पुलिस पीटीएस तिघरा ग्वालियर (म.प्र.)
ग्राम : गंज (रामपुर) जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : सी 104, बीएसएफ कॉलोनी, ग्वालियर
मो. : 9752137257
पिता : श्री जगदीश प्रसाद शर्मा (श्रोत्रिय)
माता : श्रीमती मनोरमा शर्मा (गौतम, उज्जैन)
पत्नी : श्रीमती रेखा शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री रामअवतार शर्मा, भुआ का पुरा, अम्बाह)
सुपुत्र : चि. विधान शर्मा (6th)

नाम : इंजी. श्री कवींद्र शर्मा, बंगलौर
Presently working as manager (Lead data Scientist) Reliance Jio, Banglore.
Edu- M. Tech.(Signal Processing)
ग्राम : विरधनपुरा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बी.एस.एफ कॉलोनी, ग्वालियर
मो. : 8010482212
पिता : श्री उमेश कुमार शर्मा (उपाध्याय)
माता : श्रीमती मीरा शर्मा (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती अदिति शर्मा (सिंघोलिया)
(B.Tech. CSE, Business Analyst in Bytech(I) pvt. ltd. Bangalore.

नाम : डॉ. गजेन्द्र कुमार शर्मा, धौलपुर
वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, धौलपुर
ग्राम : कंढैया, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : अमलतास कॉलोनी, ग्वालियर (म.प्र.) एवं शास्त्री नगर, सेक्टर 5, जी.टी. रोड, धौलपुर
मो. : 9461639961
पिता : श्री रामअवतार शर्मा (छौलिहा)
(से.नि. वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्व विद्यालय पंतनगर, उत्तराखण्ड)
पत्नी : श्रीमती शशि शर्मा (बेरीबार)
(पिताश्री रिटा. प्रोफे. ओछेलाल शर्मा अकोड़ा)
सुपुत्री : डॉ. तूलिका शर्मा (B.V.Sc & AH)
(महा. ज्योतिबा फुले वेटेरिनरी कॉलेज, जयपुर)
सुपुत्र : डॉ. गोपाल शर्मा (MBBS)
(Pursuing From Russia)

नाम : पण्डित श्री हरिश्चन्द्र शर्मा, मेहगाँव
से.नि.प्राचार्य, शा.कन्या उ.मा. विद्यालय, मेहगाँव
ग्राम : सिमार,तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : हनुमान रोड मेहगाँव, जिला भिण्ड एवं
बी.एम.6.डी.डी. नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826656909
पिता : स्व. श्री पण्डित श्रीराम शर्मा (फुसेंतिया)
माता : स्व.श्रीमती बैकुंठी शर्मा(जोशी, सिरमौर का पुरा)
पत्नी : स्व. श्रीमती नारायणी शर्मा(श्रोत्रिय,गिंगरखी)
सुपुत्र : पण्डित श्री दीपक शर्मा
(संस्थापक लक्ष्मी जनरल स्टोर, मेहगाँव)
पुत्रवधू : श्रीमती रामा शर्मा(गौतम, खुर्द)
सुपौत्र : चि. रूद्र शर्मा (6th)
सुपुत्र : श्री उमेश शर्मा (अतिथि शिक्षक)
शा.हाईस्कूल भगवासा, गोहद, जिला भिण्ड
पुत्रवधू : श्रीमती लक्ष्मी शर्मा (ढमोले, पाली फूप)

नाम : श्री हेमन्त शर्मा, नई दिल्ली
वाईस चेयरमैन, सूर्या फाउण्डेशन
ग्राम : सिमार तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : हनुमान रोड मेहगाँव, जिला भिण्ड एवं बी.एम.6,
डी.डी. नगर, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 9899107861
पिता : स्व. पण्डित श्री रामविलास शर्मा (फुसेंतिया)
(से.नि.प्राचार्य, श्याम उ.मा.विद्यालय, बरही,ग्वालियर)
माता : श्रीमती विद्या शर्मा (कांकोरिया, गिंगरखी)
पत्नी : श्रीमती रीमा शर्मा (श्रोती, गिंगरखी)
सुपुत्र : चि. वरद शर्मा (2nd)
सुपुत्री : कु. स्वरा शर्मा (Pre School)
भतीजा : चि. गौरव शर्मा (MBA)Asst. Manager
Shapos Services Pvt. Ltd. (Bangalore)
पिता : स्व. श्री राकेश शर्मा, फुसेंतिया
दादाजी : स्व. पण्डित श्री रामविलास शर्मा
माता : श्रीमती सावित्री शर्मा ढमोले, सकराया

नाम : इंजी. श्री कौशल शर्मा, सागर
Sr. Maintenance Executive in Muktaa
Milk Producer Company Ltd. Sagar.
Education- B.E(Electr. Instrumnt.)
ग्राम : देपुरा, मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : GL-416, डी.डी. नगर, ग्वालियर
मो. : 8871874788
पिता : श्री अवधेश कुमार शर्मा(बिरथरिया)
(शिक्षक, म.प्र. शिक्षा विभाग)
माता : श्रीमती सुनीता शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री कुंभकरण तिवारी, सिमार वाले)
पत्नी : श्रीमती सोनू शर्मा (M.Sc.,M.A, B.ed)
(पिताश्री दामोदर शर्मा, बढ़ेले, बाबरी पुरा)
सुपुत्र : चि. प्रखर शर्मा (6 yr.)
सुपुत्री : कु.प्रतीक्षा शर्मा (6 yr.)

नाम : इंजी. श्री बृजमोहन शर्मा, ग्वालियर
(PWD) मेहगाँव में सब इंजीनियर पद पर पदस्थ)
ग्राम : गिंगरखी, मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : डी.डी. नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9425742279
पिता : स्व. श्री सीताराम शर्मा(श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती रजनी शर्मा (कांकौरिया)
(M.A. Socio, Political Science)
सुपुत्र : इंजी. श्री वैभव शर्मा
(Developer Consultant in UK)
पुत्रवधू : इंजी. श्रीमती स्वाती शर्मा
सुपुत्री : श्रीमती रौली शर्मा
दामाद : श्रीधनंजय शर्मा (S.I.) पुलिस
नाती : चि. किट्टू शर्मा

नाम : श्री सुधाकर लाल शर्मा, बालाघाट
Retired S.D.O. From M.P. Irrigation Department Edu: Diploma in Civill Engineering, A.M.I.E. in Civil Eng.
ग्राम : कंढैया, जिला इटावा (उ.प्र.)
मो. : 8516962343
पिता : श्री ग्याराम शर्मा (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती रामबेटी शर्मा(बिरथरिया, हर्राजपुर)
सुपुत्र : श्री रजनीश कुमार शर्मा B.Tech(E&T)
Job: Senior Section Engineer/Signal, in Indian Railway " CAMTECH" Gwalior)
निवास : 404B CAMTECH Railway Colony, Airport Road, Gwalior (M.P.)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रतिभा शर्मा (भारद्वाज, मुरैना)
(Edu: M.Com, B.ed, L.L.B.)
(पिताश्री विजय जाहर सिंह शर्मा मुरैना)
सुपौत्र : चि. रूद्र कुमार शर्मा (6th)

नाम : श्री पंकज कुमार शर्मा, देवास
उप संचालक उद्यान, जिला देवास(म.प्र.)
ग्राम : चन्दहारा, तह. गोहद, जिला भिण्ड
निवास : डी-86, ग्लोरी विला, शताब्दी पुरम, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 9753952716
पिता : स्व. श्री कृष्ण मुरारी शर्मा(पचौरी)
(से.नि. एकाउंटेंट, शिक्षा विभाग)
माता : स्व. श्रीमती रामकली शर्मा
पत्नी : श्रीमती मीरा शर्मा(गौतम)
सुपुत्र : श्री मृगेंद्र शर्मा (B.Sc.Bio)
पुत्रवधू : श्रीमती राधा शर्मा (M.Com.)
(पिताश्री पं. महेश शर्मा, फुसेंतिया, कैरोरा)
पौत्री : कु. अनन्या शर्मा(8th)
पोत्र : चि. शिवांग शर्मा (4th)

नाम : श्री राधामोहन तिवारी, मुरैना
जय श्री महाकाल आयुर्वेदिक एवं ऑर्गेनिक स्टोर, एम.एस रोड मुरैना
ग्राम : भगवासा गोहद जिला भिण्ड
निवास : EH1, डी.डी. नगर, ग्वालियर
मो. : 7747923991
पिता : स्व. श्री जगदम्बा प्रसाद तिवारी
माता : श्रीमती राजवती तिवारी(चौबे)
(पिताश्री दाऊदयाल चतुर्वेदी पुरावस कला)
पत्नी : श्रीमती वंदना तिवारी दीक्षित (B.Sc)
(पिताश्री राकेश शर्मा दीक्षित, फूप)
सुपुत्र : चि. हार्दिक तिवारी (1st)
सुपुत्री : कु.छवि तिवारी (2nd)
भाई : श्री बृजमोहन शर्मा (B.Sc, ITI)
(वर्किंग नेहरू युवा केन्द्र मुरैना)

नाम : श्री गौरीशंकर शर्मा, ग्वालियर
प्रोडक्शन ऑफीसर, सुप्रीम इण्डस्ट्रीज, मालनपुर
ग्राम : सिमार, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : CL-81, डी.डी. नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9893686654
पिता : स्व. श्री बनवारीलाल शर्मा (उपाध्याय)
माता : श्रीमती अनारवती शर्मा (दीक्षित)
पत्नी : श्रीमती कुसुम शर्मा(गौतम, अकोड़ा
सुपुत्र : इंजी. श्री जयप्रकाश शर्मा (B.Tech)
(IIT Rurkee) Presently Working in Thoughtspot India Pvt.Ltd, Bangalore
सुपुत्री : इंजी. कु. पल्लवी शर्मा (B.Tech)
(pursuing, NIT College, Bhopal)

नाम : श्री मणिग्रीव शर्मा, ग्वालियर
Senior officer in Flex Industries ltd. Gwalior
ग्राम : खेरिया महानंद, गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : CE-14, डी.डी. नगर, ग्वालियर
मो. : 9826207927
पिता : श्री श्रीराम शर्मा (कांकोरिया) (से.नि.शिक्षक)
पत्नी : श्रीमती राखी शर्मा (रावत)
(पिताश्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, खेरिया महानंद)
सुपुत्र : इंजी. श्री अनिमेष शर्मा
(Working in congruex Asia Pacific)
(LLP Mohail, Punjab) B.E. (mech)

नाम : श्री प्रमोद शर्मा, ग्वालियर
Retd Hav.(Army) वर्तमान में पटवारी पद पर
गुना जिले में पदस्थ
ग्राम : दोहरी, तह. अम्बाह, जिला मुरैना
निवास : A-19 अटल नगर, डी.डी. नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9557412337
पिता : श्री शिवनाथ प्रसाद शर्मा(पाराशर)
Retd Sub/Clerk, Army
निवास : कांच मिल बड़ा गेट, बिरला नगर, ग्वालियर
माता : श्रीमती सरला देवी
पत्नी : श्रीमती पदमा शर्मा(दीक्षित)
(पिताश्री केशवदयाल दीक्षित, फूप)
सुपुत्री : कु. दिशा शर्मा (12th)
सुपुत्र : चि. धनंजय शर्मा (7th)

नाम : इंजी. श्री अरूण उपाध्याय, नाइजीरिया
Sr. Engineer in Dangote Petroleum
Refinery & Petro Chemicals. Lagos,Nigeria
Edu : M.Tech(Environment Management) &
B.E. (Chemical)
मो. : 7016606458
ग्राम : चरथर, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : G सेक्टर, , डी.डी. नगर, ग्वालियर
पिता : श्री रामनिवास शर्मा (उपाध्याय)
(रिटायर्ड ADO कृषि विभाग)
माता : स्व. श्रीमती गीता शर्मा
पत्नी : श्रीमती आरती शर्मा (दीक्षित)
(M.Com. & B.ed. Teacher Gwalior)
सुपुत्र : चि. शिव उपाध्याय (7th)
सुपुत्र : चि. ओम उपाध्याय (5th)

नाम : इंजी. अजय शर्मा, इन्दौर
Asst. Consultant TCS, Indore
ग्राम : चन्दहारा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : डी.डी. नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
एवं अलखनंदा नगर, उज्जैन
मो. : 8866797528
पिता : श्री संतोष शर्मा (मुदगल)
माता : श्रीमती सरस्वती देवी
पत्नी : डॉ.श्रीमती रश्मी ऋषीश्वर (गौतम)
(Assist. Professor Govt. Madhav
Science College, Ujjain)
Ph.D (D.U.)
पिता स्व. डॉ.आर.पी. ऋषीश्वर, प्रोफेसर (D.U.)

नाम : श्री रामवीर उपाध्याय, ग्वालियर
स्थानीय शासन विभाग, नगर निगम मुरैना में कार्यरत सामाजिक अभिरूचि एवं प्रवक्ता ब्राह्मण समाज संगठन
ग्राम : अकोड़ा जिला भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9753802410
पिता : श्री सच्चिदानंद उपाध्याय
(से.नि.स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम मुरैना)
माता : श्रीमती अंगूरी देवी(ढमोले)
पत्नी : श्रीमती ममता शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : चि. दीपक उपाध्याय (B.Tech)
(Pursuing, Amity university Gwalior)
सुपुत्री : कु. आशी उपाध्याय (B.Sc 2nd)
निवास : रचना नगर, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : इंजी. श्री अजय कुमार उपाध्याय, ग्वालियर
Assistant Professor in MITS Gwalior (Ad Hoc), Edu- M.tech (Microwawe) MITS Gwalior.
मो. : 9425851200
निवास :C-72 बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर
पिता : श्री सच्चिदानंद उपाध्याय
(से.नि. स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम मुरैना)
माता : श्रीमती अंगूरी उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती सुनीता उपाध्याय (भारद्वाज)
(पिता श्री अशोक भारद्वाज, बिसनोरी)
(माता श्रीमती सावित्री भारद्वाज)
सुपुत्री : कु. पलक उपाध्याय(10th)

नाम : डॉ. रमेश उपाध्याय, ग्वालियर
Sr. Vet. Surgeon पशुपालन विभाग, शिवपुरी
ग्राम : कैरोरा, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड म.प्र.
निवास : A-48,49 समर्थ नगर, भिण्ड रोड, ग्वालियर
मो. : 7869992106
पिता : स्व. श्री रामसेवक उपाध्याय (कैरोरा)
माता : श्रीमती रामदासी उपाध्याय (गौतम)
पत्नी : डॉ. मधुलता उपाध्याय (छौलिहा)
(VAS पशुपालन विभाग, ग्वालियर)
सुपुत्री : कु. अनुष्का उपाध्याय(B.V.Sc & A.H.)
(Pursuing, Veterinary College Jabalpur,)
सुपुत्री : कु. पाखी उपाध्याय (8 ")

नाम : श्री संतोष शर्मा, ग्वालियर
Territory Manager. Kemin Industries South Asia Pvt ltd. Up & Uttarakhand
ग्राम : कैरोरा, मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : 24, वायुनगर, एयरपोर्ट रोड, ग्वालियर
मो. : 8840061680
पिता : श्री अवधेश शर्मा (उपाध्याय)
(आर्मी रिटायर्ड, वर्तमान में गेल इण्डिया लिमि. ग्वालियर में कार्यरत)
माता : श्रीमती मनोरमा शर्मा (गिंगरखी)
पत्नी : श्रीमती रिचा कटारे, ASI(M)
(म.प्र. पुलिस, स्पेशल ब्रान्च, ग्वालियर)
(पिताश्री डॉ. नरेन्द्र कुमार कटारे, चरथर)
सुपुत्री : कु. सृष्टी शर्मा

नाम : श्री गणेश राम शर्मा, ग्वालियर
पंचायत समन्वय अधिकारी (PCO)
अध्यक्ष, पी.सी.ओ संघ
ग्राम : बड़ागर, तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : भगत सिंह नगर, भिण्ड रोड, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826512439
पिता : स्व. श्री निरंजन लाल शर्मा (सड़ैया)
पत्नी : श्रीमती गीता शर्मा (श्रोत्रिय)
सुपुत्र : श्री नरेन्द्र शर्मा (M.Pharma)
(उप प्रबंधक, जाइडस लाइफसाइंसेस लिमि.)
(नंदनवन रेजीडेंसी, नारोल, अहमदाबाद(गुजरात))
पुत्रवधू : श्रीमती ज्योति नरेन्द्र शर्मा MBA(HR)
(Financial Analyst, Ahmedabad)
(पिता श्री रवि चतुर्वेदी सिपार वाले, पुनैना)
सुपुत्र : श्री उपेन्द्र शर्मा B.Tech(Electronics)
(DRA, Bajaj Finance Ltd. Indore)
पुत्रवधू : श्रीमती प्राची उपेन्द्र शर्मा (M.Com)
(पिताश्री मनमोहन पटेल जोशी, जामगढ़)
सुपुत्र : श्री रोहित शर्मा (Ph.D)
राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी (गांधीनगर, गुजरात)

नाम : श्री [illegible] पाराशर, ग्वालियर
मण्डी सचिव, [illegible], ग्वालियर
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 1354, [illegible], भिण्ड रोड, ग्वालियर
मो. : 9893722812
पिता : स्व. श्री [illegible] पाराशर
पत्नी : श्रीमती [illegible] पाराशर ([illegible])
सुपुत्र : इंजी. श्री शिवकुमार पाराशर(B.Tech)
(NIT Raipur, MBA IIM Rohtak)
(Senior Manager, Moglix, Noida)
पुत्रवधू : डा. रेनु शिव पाराशर(उपाध्याय),
(PHD Sociology, M.A.)
पौत्र : चि. अथर्व पाराशर (5 yr.)
सुपुत्र : श्री रवि पाराशर(CA)
Senior Consultant, PWC, Gurugram
पुत्रवधू : श्रीमती रुचि रवि पाराशर (गौड़)
(MA- English, L.L.B.)
सुपुत्र : इंजी. श्री प्रवीण पाराशर(25)
(B.Tech CS, UPES, Dehradun)
(Software Engineer Jade Global, Pune.)

नाम : पंडित श्री कृष्ण गोपाल दीक्षित, ग्वालियर
शिक्षा विभाग म.प्र. से सेवा निवृत्त शिक्षक
ग्राम : फूप, जिला–भिण्ड
निवास : अमलतास कॉलोनी, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 9098717111
पिता : स्व. श्री रामसहाय दीक्षित
पत्नी : श्रीमती विमला शर्मा(गौतम)
(पिताश्री स्व. शिवनाथ शर्मा, भीमपुरा)
सुपुत्र : चि. आदित्य दीक्षित (B.Com)2nd
प्रेस्टीज इंस्टिटयूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर

नाम : श्री अनिल कुमार जोशी, मुम्बई
Income tax Inspector in Mumbai
पूर्व में सब इंस्पेक्टर दिल्ली पुलिस और उसके पूर्व इन्डियन नेवी से Petty Officer पद से 2020 में सेवा निवृत
ग्राम : पुराबस कलां, अम्बाह, जिला मुरैना(म.प्र.)
निवास : Q-218, अमलतास कॉलोनी, शताब्दी
पुराबस कलां, अम्बाह, जिला मुरैना(म.प्र.)
मो. : 9926455448
पिता : श्री पुरषोत्तम जोशी
दादा : स्व. श्री गन्धर्व प्रसाद जोशी
पत्नी : श्रीमती प्रीति जोशी(भारद्वाज)
(पिताश्री रामविलास भारद्वाज, चरथर)
सुपुत्र : चि. अर्नव जोशी (10 वर्ष)
सुपुत्री : कु.अवनी जोशी(7 वर्ष)

नाम : श्री रमेश उपाध्याय, ग्वालियर
सेवा निवृत्त प्रधानाध्यापक शिक्षा विभाग (म.प्र.)
ग्राम : चंदहारा, गोहद, जिला भिण्ड
निवास : सैनिक कॉलोनी, पिंटो पार्क मुरार, ग्वालियर
मो. : 8109733680
पिता : स्व. श्री गोविन्द उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती सुधा उपाध्याय(ढमोले) (स्नातक)
(पिताश्री स्व. श्री जगदीश प्रसाद शर्मा)
(से.नि.प्रधानाध्यापक, चौरई, छिन्दवाड़ा
सुपुत्र : इंजी. श्री आलोक उपाध्याय (B.E)
(utility incharge, uflex Group Malanpur)
पुत्रवधू : श्रीमती वंदना उपाध्याय(फुसेंतिया)
(पिताश्री स्व. पं. रामविलास जी, सिमार)
पौत्र : चि. व्योम उपाध्याय (3rd)
पौत्र : चि. अथर्व उपाध्याय

नाम : श्री एम.डी. शर्मा(अजय गौतम) ग्वालियर
भारतीय जीवन बीमा निगम(LIC) में विकास अधिकारी पद पर ग्वालियर में कार्यरत
ग्राम : चन्दहारा,(गोहद) जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : सूर्य विहार कॉलोनी, पिन्टो पार्क, ग्वालियर
मो. : 9826237501
पिता : स्व. श्री बनवारी लाल गौतम
पत्नी : श्रीमती कविता शर्मा (श्रोत्रिय)
(पिताश्री स्व. रामसेवक शर्मा, गिंगरखी)
सुपुत्र : चि. यश गौतम (12th)
IIT Prepration
सुपुत्र : चि. तेजस गौतम

नाम : श्री योगेन्द्र शर्मा, ग्वालियर
Sr. Territory Business Manager Abbott HealthCare HQ Gwalior
ग्राम : गिंगरखी, तह मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : बी.46, बैंक कॉलोनी, गोले का मन्दिर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9300039918
पिता : श्री धर्मनारायण शर्मा (श्रोत्रिय)
माता : श्रीमती कमला शर्मा (बढेले)
पत्नी : श्रीमती ममता शर्मा (मंगोलिया)
(Lecturer Commerce Govt. H.S.S. Datia)
पूर्व में पटवारी पद पर कार्य किया
(पिताश्री स्व. आशाराम शर्मा नेताजी, दबोहा)
(माताजी रामबती शर्मा दीक्षित)
सुपुत्र : चि.सुबोध शर्मा (10th)
सुपुत्र : चि. निर्वान शर्मा (7th)
सुपुत्र : चि. निवृत शर्मा (7th)

नाम : श्री राजबहादुर शर्मा, ग्वालियर
Sr. Territory Manager, Abbott Healthcare Pvt Ltd, H.Q. Gwalior
मो. : 9300056702
ग्राम : भगवासा, गोहद, जिला भिण्ड
निवास : B-58, बैंक कॉलोनी, गोले का मंदिर, ग्वालियर
पिता : श्री आशाराम शर्मा (श्रोत्रिय)
ताऊ : श्री कृष्ण मुरारी शर्मा
पत्नी : श्रीमती रश्मि शर्मा
(M.com., B.ED)
(पिताश्री राकेश शर्मा पटेल उपाध्याय, कैरोरा)
सुपुत्री : कु. स्वाति शर्मा (9th)
सुपुत्री : कु. वैदेही शर्मा (5th)
सुपुत्र : चि. माधव शर्मा

नाम : श्री ओम प्रकाश चतुर्वेदी, ग्वालियर
Superintendent of Post Offices
Mandsaur Division, Mandsaur (MP)
ग्राम : अक़ोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बी–40, बैंक कॉलोनी,गोला का मंदिर, ग्वालियर
मो. : 9926231793
पिता : स्व. श्री रामभरोसे लाल चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती मनोरमा चतुर्वेदी (तिवारी)
सुपुत्र : श्री अभय चतुर्वेदी
(B.Com)Honors
सुपुत्री : कु. आकांक्षा चतुर्वेदी (12th)
(NEET Preparation)
सुपुत्री : कु. वैभवी चतुर्वेदी

नाम : डॉ. संजय शर्मा, मेहगाँव भिण्ड
मेडीकल आफीसर, सी.एच.सी. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
ग्राम : गिंगरखी तह. मेहगाँव जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : भाऊसाहब पोतनीस एनक्लेव फेस– 2 गोले का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 7772036517
पिता : श्री खेमराज शर्मा (श्रोत्रिय)
दादा : स्व. श्री बेदरीप्रसाद शर्मा
माता : श्रीमती मालती शर्मा (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती हनी शर्मा (सिंघोलिया)
(पिताश्री स्व.ऋषिकेश शर्मा, पटवारी)
सुपुत्री : कु. समयुक्ता ऋषीश्वर

नाम : श्री रामस्वरूप शर्मा, ग्वालियर
पूर्व जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण विभाग
मो : 7694051955
ग्राम : बडागर, तह.गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : स्व. श्री निरंजन लाल शर्मा (सड़वारिया)
पत्नी : श्रीमती विमला शर्मा (गौतम, खुर्द)
सुपुत्र : इंजी. श्री मनोज शर्मा (M.Tech.)
(SAP Consultant Lead in Wellington New Zealand)
पुत्रवधू : श्रीमती मनीषा शर्मा (पचौरी)
पिताश्री स्व.रामेश्वर प्रसाद शर्मा, खांद का पुरा
पौत्री : कु.मानवी शर्मा (10th)
पौत्री : कु.हर्शिका शर्मा (8th)
सुपुत्र : इंजी. श्री दीपेन्द्र शर्मा (B.Tech)
(Design Engineer in Hyderabad)
पुत्रवधू : श्रीमती श्रद्धा मिश्रा
पिताश्री रामअवतार कांकौरिया, मिरघान
पौत्र : चि. निर्वाण शर्मा
निवास : प्रगति विहार कॉलोनी, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : डॉ. दिनेश चतुर्वेदी Ph.D(NET), ग्वालियर
Department of Zoology, Vijyaraje govt. Girls PG College Morar, Gwalior
ग्राम : मानिकपुरा, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : इंद्रमणि नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826218548
पिता : श्री केदारप्रसाद चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती संगीता चतुर्वेदी (गौतम)
सुपुत्री : कु. सिमरन चतुर्वेदी
(Axis Bank Ltd, Branch-Indore)
सुपुत्र : चि. सजल चतुर्वेदी(BPES)
(B.P.Ed-Pursuing
ITM University, Gwalior,)
DOB 25/12/2001
(क्रिकेट प्लेयर, स्टेट टीम)

नाम : इंजी. श्री अमित शर्मा, गुडगांव
Working in Siemens India Ltd, Gurgaon
(M.tech. IITM Gurgaon)
ग्राम : डांग, तह. गोहद, जिला भिण्ड
निवास : तिकोनिया पार्क के पास, सुरेश नगर, ग्वालियर
मो. : 9868014441
पिता : श्री दिनेश शर्मा (सीरोठिया)
(Engineer (TL) Road Consultancy)
माता : श्रीमती ऊषा शर्मा
पत्नी : इंजी. श्रीमती रोहिणी शर्मा (BE Electl)
Electrical Engineer in (MNC) Jacobs Solutions India Pvt Ltd. Gurgaon
(पिताश्री बी.एल.शर्मा श्रोत्रिय, बड़ौदा)
(माताश्री श्रीमती सुनीता शर्मा, बड़ौदा)
सुपुत्री : कु. नंदिता शर्मा (12th Science)
सुपुत्र : चि. हर्षवर्धन शर्मा (4th)

नाम : श्री विवेक शर्मा, ग्वालियर
मो. : 7489762261
ग्राम : चपरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : सुरेश नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
पिता : स्व.श्री जसराम शर्मा (पाराशर)
पत्नी : श्रीमती अर्चना शर्मा (उपाध्याय)
(पिताश्री जुगलकिशोर उपाध्याय, कंदैया)
सुपुत्र : श्री अमनदीप शर्मा (मोन्टी)
(जॉब Associate, People Development in GlobalLogic, Hitachi Group)
(MBA (Pursuing) NMIMS, M.SC.)
सुपुत्र : चि. प्रांजल शर्मा
(B.Tech.) (IIT Kanpur, Pursuing)

नाम : इंजी. श्री संदीप शर्मा, मुम्बई
Working in Doordarshan, Mumbai
Edu : M.Tech (MITS Gwalior)
मो : 9827009948
ग्राम : चन्दहारा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री रामप्रकाश शर्मा (गौतम)
(रिटा. असि. डायरेक्टर, उद्योग विभाग)
पत्नी : डॉ.श्रीमती प्रीति शर्मा (BHMS)
(Medical Officer in Paramount Insurance Company, Mumbai)
पिताश्री राकेश रावत, खेरिया महानंद
रिटा. सूबेदार (ASC Army)
सुपुत्र : चि. पहल शर्मा
निवास : शकुंतलापुरी, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : इंजी. श्री अभय गौतम, ग्वालियर
Working in Godrej Consumer Products Ltd. Indstrl. Area, Malanpur,
Edu. : B.Tech (Mech)
ग्राम : चंदहारा, गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : कृष्णपुरी, मॉल रोड, मुरार, ग्वालियर
मो. : 8461870001
पिता : श्री बृजेश कुमार गौतम
पत्नी : श्रीमती मोहिनी गौतम (B.Sc.)
पिताश्री राजेश रावत, खेरिया महानदं
सुपुत्री : कु.रोहिणी गौतम
सुपुत्र : चि. कौशिक गौतम

नाम : श्री पंकज शर्मा, ग्वालियर
वर्तमान में बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा-ग्वालियर में पदस्थ
Edu : B.B.A.
ग्राम : गरीबे का पुरा, जिला-मुरैना (म.प्र.)
निवास : शिवसिद्ध रेजीडेंसी, रामनगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 8076709049
पिता : श्री जगदीश शर्मा (पराशर)
माता : श्रीमती ऊषा शर्मा (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती प्राची शर्मा (जोशी)
पिताश्री देवदत्त शर्मा, चांद का पुरा
सुपुत्र : चि. वेदांश शर्मा

नाम : श्री देवेश शर्मा, ग्वालियर
Regional Manager in Girnar Dekho.com Insurance, Gurgaon.
Edu-M.B.A. (Business Analytics)
ग्राम : इकहारा, जिला ग्वालियर (म.प्र.)
निवास : एम.एच.चौराहा, मुरार, ग्वालियर
मो. : 9179110116
पिता : श्री अरूण शर्मा (गौतम)
दादा : श्री रामेश्वर दयाल शर्मा (पूर्व सरपंच)
माता : श्रीमती रामसखी शर्मा (दीक्षित)
पत्नी : श्रीमती नेहा शर्मा (रीजनल मैनेजर)
(IDS Infotech Solution Pvt ltd)
(पिताश्री अरविंद शर्मा, जामना)

नाम : श्री मदन मोहन शर्मा, ग्वालियर
भू.पू. सैनिक एवं जिला सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत
ग्राम : खड़िया बेहड, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9977532271
पिता : श्री श्रीगोपाल शर्मा(अयेलिया)
पत्नी : श्रीमती सुमन शर्मा (पचौरी)
बड़े भाई: श्री हरिनाथ शर्मा (वास्तुशास्त्री)
मो. 9926254270
पत्नी श्रीमती लक्ष्मी शर्मा(भारद्वाज)
सुपुत्री : कु. डॉ. राजेश्वरी ऋषीश्वर (कथा वाचक) Ph.D (सितार वादन, जयोतिष, योग)
सुपुत्र : श्री विजय कीर्ति ऋषीश्वर (स्नातक)
छोटे भाई : श्री हेमन्त शर्मा (लेखा प्रबंधक)
(सुप्रीम इंडस्टीज, पुणे, 7387955880)
पत्नी श्रीमती गीता शर्मा (तिवारी)
निवास : ओम शांति भवन, नितिन नगर, ग्वालियर

नाम : श्री नीरज शर्मा, राजकोट
Plant Head, Kothari Diamond Industries Pvt Ltd (A unit of KGK Group) Jasdan Rajkot
मो. : 9376009590
ग्राम : गढ़ी भैरू, जिला हाथरस (उ.प्र.)
पिता : स्व.श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती बादामी देवी (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती रश्मि शर्मा (बसेड़िया)
(पिताश्री स्व. बाबूराम शर्मा, बिरगवा, भिण्ड)
सुपुत्री : कु . जिज्ञासा शर्मा(CA)
(Working in PWC Bangalore)
(DOB 09/08/1996)
सुपुत्र : राघव शर्मा (MSC Biotechnology)
(Working in TERUMO GLOBAL RajKot Gujrat, DOB 24/12/1998, Unmarried)
निवास : नितिन नगर, मुरार, ग्वालियर

नाम : डॉ.भुवनेश शर्मा(Ph.D) ,पुणे
Asst. Professor, Symbiosis Institute of Business Management Pune. PHD, MBA(Marketing), PGP-Data analytics from purdue university, USA.
ग्राम : ग्राम गढ़ी भैरू जिला हाथरस (उ.प्र.)
निवास : नितिन नगर, थाटीपुर, ग्वालियर
मो. : 9131275493
पिता : स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा (गौतम)
शिक्षक, लेखक एवं विचारक
पत्नी : श्रीमती शशि शर्मा(B.Sc.)
सुपुत्री : कु. कामाक्षी शर्मा

नाम : प्रोफे . श्री प्रभाकर शर्मा, ग्वालियर
Associate Professor MITS, Gwalior (M.P.)
ग्राम : सिरसा जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : 14, गुलाबचंद की बगीची, नेहरू कॉलोनी, थाटीपुर ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9425339330
पिता : श्री मिजाजी लाल शर्मा(उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती रचना शर्मा (BHSC BEd)
(पिताश्री स्व. इंजी.धीरेन्द्र कुमार दीक्षित, फूप)
सुपुत्र : इंजी.चि.प्रांजल शर्मा(M.Tech)
(Pursuing, IIT Bangalore)
(B.Tech MITS Gwalior)
DOB : 5/June/1999
सुपुत्र : इंजी.चि. प्रतुल शर्मा(B.Tech CS)
(Final Year, ABV IIIT Gwalior)
DOB- 20 May 2002

नाम : श्री परमानन्द शर्मा, ग्वालियर
से.नि.प्रशासनिक अधिकारी(केन्द्र सरकार)
ग्राम : बावरीपुरा, जिला मुरैना(म.प्र.)
निवास : H-1096, न्यू दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर
मो. : 9425114134
पिता : स्व.श्री गणेशराम शर्मा(बढ़ेले)
पत्नी : श्रीमती वंदना शर्मा(पाराशर)
सुपुत्र : इंजी. श्री चेतन शर्मा(A.G.M)
(Moser baer Power CO.Anuppur, M.P.)
पुत्रवधू : श्रीमती नीतू चेतन शर्मा
(पिताश्री जगदीश चतुर्वेदी, लोलकी, अंबाह)
पौत्र : चि.दर्श शर्मा (10th)
पौत्री : कु. आरना शर्मा(5th)
सुपुत्र : इंजी.श्री संदीप शर्मा(B.Tech)
(Program Manager Cisco, Bangalore)
पुत्रवधू : श्रीमती वन्दना संदीप शर्मा
(Project Manager Cisco, Bangalore)
(पिताश्री रामनरेश गौतम, खुर्द, गोहद)
पौत्र : चि.अर्जुन शर्मा (1st)

नाम : श्री नरसिंह कुमार शर्मा, ग्वालियर
से.नि. कृषि विकास अधिकारी
मो. : 9826857993
ग्राम : भगवासा (गोहद), जिला-भिण्ड
निवास : M.I.G.893, दर्पण कालोनी, ग्वालियर
पिता : स्व.पं श्री देवी प्रसाद शर्मा(ढमोले)
पत्नी : श्रीमती मधूलिका शर्मा(बसेडिया)
सुपुत्र : श्री मनोज कुमार शर्मा(B.E) (Manager,U-flex Ltd)
पुत्रवधू : श्रीमती रमा शर्मा (बिरथरिया)Bsc
पौत्र : इंजी. श्री आदर्श ऋषीश्वर (B.Tech. HBTI,Kanpur
Lead Software Engineer Carousell SG)
पौत्री : इंजी.कु. आकृति शर्मा(B.Tech,CS)
(Software Contractor, Sak Soft Ltd Noida)
सुपुत्र : डॉ. अवधेश कुमार शर्मा(MD)
(Associate Professor VIMS)Distt- Amroha
पुत्रवधू : डॉ. आशा शर्मा MBBS
पौत्री : कु. अदिति शर्मा (B.Tech.CS) DIT, Dehradun
पौत्र : चि.अक्षत शर्मा(5th)
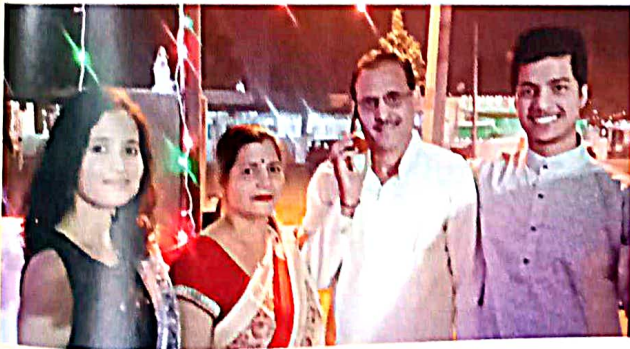
नाम : श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, ग्वालियर
उप संचालक(राज्य वित्त सेवा
(MBA Finance, M.Com)
ग्राम : खांद का पुरा, जिला मुरैना
निवास : शासकीय आवास, बंगला न. E3 थाटीपुर,
दर्पण कालोनी, ग्वालियर
मो. : 8989020095
पिता : स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा(पचौरी)
पत्नी : श्रीमती उमा शर्मा (बिरथरिया)
(ग्रंथपाल, M.Sc, M.Lib)
सुपुत्री : कु. दीक्षा शर्मा(BE CS)MITS Gwalior
(Software Engineer Sales Force Inc. Bangluru)
सुपुत्र : चि.विषभ शर्मा(BE PESIT, Bangluru)
(Data Analyst at Accenture Pvt Ltd,
Banglore) DOB 7 July 1999

नाम : डॉ. आलोक शर्मा, भिण्ड
जिला स्वास्थ्य अधिकारी, भिण्ड
(M.B.B.S & D.O.R.L)
ग्राम : खेरिया महानंद, गोहद जिला भिण्ड
निवास : दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर
मो. : 9926261112
पिता : स्व. डॉ. अलबेल शर्मा(रावत)
माता : श्रीमती कमला शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती बबिता शर्मा (मुदगल)
(B.Sc, M.A, D.C.P)
सुपुत्री : डॉ.कु.रिया शर्मा (MBBS Pursuing)
(People's Medical College, Bhopal)

नाम : श्री आनन्द शर्मा, ग्वालियर
नगरीय प्रशासन विभाग म.प्र.
वर्तमान में सी.एम.ओ नगर पालिका पद पर पदस्थ
निवास : रामानुज नगर, गोविंद पुरी, ग्वालियर
मो. : 9826298488
पिता : श्री श्रीकृष्ण शर्मा (दीक्षित)
(अध्यक्ष, ऋषीश्वर महाविद्यालय फूप)
पत्नी : श्रीमती मधुमाला शर्मा(उपाध्याय)
सुपुत्र : डॉ.दिनेश शर्मा (VAS, पशु चिकित्सक)
पुत्रवधू : श्रीमती अंजू दीक्षित (उद्यान विकास अधिकारी)
सुपौत्री : कु . इशिता दीक्षित(परी)
सुपौत्र : चि. आदित्य दीक्षित(प्रिन्स)
सुपुत्र : डॉ.प्रशान्त दीक्षित(M.B.B.S, M.D)
पुत्रवधू : डॉ. रंजना प्रशांत दीक्षित(M.B.B.S, M.D)
सुपुत्र : इंजी. राजकुमार दीक्षित(B.Tech )
(Mechanical, NIT-Bhopal)
पुत्रवधू : श्रीमती श्रद्धा राज दीक्षित (शिक्षिका)
सुपुत्री : इंजी श्रीमती वर्षा तन्मय शर्मा(M.Tech,cs)
दामाद : श्री तन्मय शर्मा इन्जीनियर इण्डियन रेलवे

नाम : डॉ. सुनील शर्मा(M.S.) ग्वालियर
Phaco & Retina Surgeon
साईट केयर आई हॉस्पिटल 118 कैलाश
विहार, सिटी सेन्टर ग्वालियर में संचालित
ग्राम : बड़ागांव गोहद जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : कैलाश विहार, सिटी सेन्टर ग्वालियर
मो. : 9752760155
पिता : स्व.इंजी. श्री रामेश्वर शर्मा
पत्नी : डॉ.अदिति शर्मा(MBBS MS)
(Glaucoma Surgeon)
सुपुत्री : कु. पंखुरी शर्मा(11th)
सुपुत्री : कु. शुभि शर्मा(3rd)

नाम : श्री राजकुमार चतुर्वेदी, ग्वालियर
Pharma Sales Officer in Himalaya
Drug Company, HQ Gwalior, M.Sc.(Chem)
ग्राम : मानिकपुरा, महगांव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : तुलसी विहार, सिटी सेन्टर, ग्वालियर
मो. : 9926231946
पिता : स्व. श्री जगमोहन चतुर्वेदी
माता : स्व. श्रीमती द्रौपदी चतुर्वेदी(गौतम)
पत्नी : श्रीमती ज्योति चतुर्वेदी (फुसेंतिया)
(M.Sc.Zoology, B.Ed.)
सुपुत्र : चि. वैभव शर्मा(8th)
भतीजा : श्री सौरभ चतुर्वेदी(B.Sc.Ag)
(Crop top Pesticides Pvt ltd, Gwalior)
भतीजा : डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी(MBBS, 3rd)
(GR Medical college, Gwalior)

नाम : श्री अरुण शर्मा, ग्वालियर
प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक
पीबीबी फूलबाग शाखा, ग्वालियर
ग्राम : हड़वासी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : सोलंकी पेट्रोल पंप के सामने, गड़ोरापुरा, मुरैना
एवं निर्वाणा हाउस, सिरोल, ग्वालियर
मो. : 7088100055
पिता : श्री रामअवतार शर्मा तिवारी (सेवा निवृत्त)
माता : श्रीमती मीरा शर्मा (भारद्वाज)
पत्नी : श्रीमती भारती शर्मा (जोशी)
सुपुत्री : कु. राशि शर्मा(10th)
सुपुत्री : कु. आशि शर्मा(5th)
सुपुत्र : चि.आध्यांश शर्मा
भाई : श्री कौशल शर्मा (B.A, B.Ed)

नाम : डॉ. डी. के शर्मा, भिण्ड
जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला भिण्ड पद पर पदस्थ
ग्राम : अकोड़ा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : सिटी सेन्टर ग्वालियर एवं जिला जेल के सामने, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9826833571
पिता : स्व.श्री छक्कीलाल शर्मा (बेरीवार)
पत्नी : श्रीमती कल्पना शर्मा (दमोले, भगवासा)
सुपुत्री : कु. प्रयांशी शर्मा(M.B.A)
सुपुत्र : चि.हिमांशू शर्मा(फुटबॉल प्लेयर) (BPT, Pursuing, Md. College Delhi)
सुपुत्र : चि.दिव्यांशु शर्मा(12th) (NEET prepration)
सुपुत्री : डॉ.श्रीमती मानसी शर्मा(M.B.B.S)
दामाद : डॉ.भानू शर्मा (M.B.B.S) मुरैना
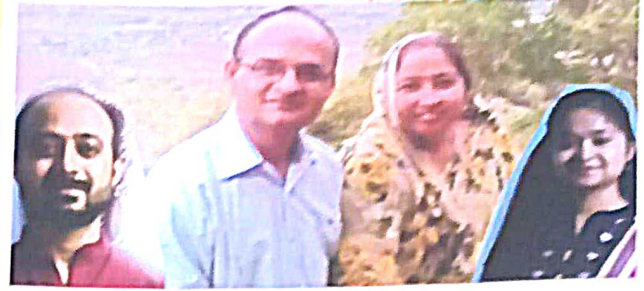
नाम : डॉ. उमेश शर्मा(P.hd), राजकोट
Associate Professor in faculty of management Studies, Marwadi University Rajkot(Gujarat)
Edu-P.hd (mangment)2012
मो. : 9301121672
ग्राम : चन्दहारा, गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : ग्लोवस अपार्टमेंट, सिटी सेन्टर ग्वालियर
पिता : स्व.श्री किशोरी शरण शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती अनीता शर्मा (दमोले)
सुपुत्र : इंजी. श्री देवांश शर्मा(B.E., Electrical) Logistics/Supply Chain Management in Bosch India Ltd. Pune.
सुपुत्री : कु. सुभांगी शर्मा(B.A., L.L.B Hons.) Legal Associate in Quislex Legal Services Pvt. ltd. Hyderabad.

नाम : श्री इंद्रजीत शर्मा, ग्वालियर
मेडीकल स्टोर एवं सामाजिक कार्यकर्ता
MSW, Ded, PGDCA, PG Dip.in SCM
ग्राम : फूप (वार्ड नं 2), जिला भिण्ड
निवास : आरोग्यधाम चिकित्सालय के पास, सिटी सेन्टर ग्वालियर
मो. : 9340201500
पिता : स्व. श्री श्रीकृष्ण शर्मा (मंगोलिया)
माता : स्व. श्रीमती दुलारी देवी(बेरीबार)
पत्नी : श्रीमती रीना शर्मा(बसेड़िया) (Ph.D.(Pursuing), JU, Msc(RM), MSW) (पिताश्री स्व. आशाराम शर्मा म.प्र.पु बिरगवा)
सुपुत्र : चि.कृष्णा शर्मा(7th)
सुपुत्री : कु.अनुश्री शर्मा

नाम : श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, ग्वालियर
रिटायर्ड महाप्रबंधक, उद्योग विभाग, म.प्र. शासन
ग्राम : खेरिया, तह. गोहद, जिला भिण्ड
निवास : मनोहर एनक्लेव, सिटी सेंटर, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 9981503177
पिता : स्व.श्री कृष्णमुरारी शर्मा पटेल, रावत
पत्नी : स्व. श्रीमती शीला शर्मा(उपाध्याय)
सुपुत्र : प्रोफे.श्री मधुसूदन शर्मा(असिस्टेंट प्रोफेसर) (शास. इंजीनियरिंग कॉलेज,नौगांव, जिला-छतरपुर)
पुत्रवधू : श्रीमती शिवानी शर्मा(B.Sc, B.Ed)
सुपौत्र : चि. प्रगल्भ शर्मा
सुपुत्र : श्री यशवर्धन शर्मा(B.E., SGSITS Indore) (इंडियन बैंक/इलाहाबाद बैंक, जिला जबलपुर में पदस्थ)पटवारी पद पर चयन
DOB : 28 Jan. 1995

नाम : श्री हरिशंकर शर्मा, ग्वालियर
प्रतिष्ठान श्रद्धा सीड्स (सी एवं एफ)
(सीड्स एंड पेस्टिसाइड्स), ग्वालियर
ग्राम : भगवासा, गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : डी.बी.सिटी., ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826279566
पिता : डॉ. रामजी लाल शर्मा(ढमोले)
(MBBS, MS. ortho)
(से.नि.मेडिकल ऑफीसर, स्वा. विभाग)
माता : श्रीमती कमला शर्मा
पत्नी : श्रीमती सुनील शर्मा(दीक्षित)
(नायब तहसीलदार राजस्व विभाग म.प्र.)
(जिला ग्वालियर में पदस्थ)
सुपुत्र : इंजी. श्री तेजस्व शर्मा
(B.Tech form IIT Delhi)

नाम : श्री प्रदीप कुमार शर्मा, ग्वालियर
प्रतिष्ठान Innovative Agro Science
नाम से कृषि
दवाईयां और उपकरणों का व्यवसाय है।
मो. : 9893553337
ग्राम : फूप, जिला भिण्ड(म.प्र.)
निवास : एलिक्सिर एमके सिटी, सिरोल रोड, ग्वालियर
पिता : स्व. श्री राम शंकर शर्मा (श्रोत्रिय) प्राचार्य
माता : श्रीमती गंगादेवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती संगीता शर्मा (दीक्षित)
सुपुत्री : कु. हनी शर्मा (BA.LLB Pursuing)
सुपुत्र : चि.पार्थ शर्मा (12th)

नाम : इंजी.श्री बनवारीलाल शर्मा, बड़ौदा
से.नि. एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, गुजरात
सिंचाई विभाग
B.E.(civil) MITS Gwaior
ग्राम : फूप, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : सूर्य दर्शन टाउनशिप, मंजलपुर, बड़ोदरा, गुजरात
एवं ऑरेंज वुड्स, सिटी सेन्टर, ग्वालियर
मो. : 9727754297
पिता : स्व. श्री बाबूराम शर्मा (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा (बिरथरिया)
सुपुत्री : डॉ. कु. सिद्धि शर्मा (MBBS)
(Pursuing Medical College Gujarat)
DOB : 17.01.2002
सुपुत्र : इंजी. चि. कृष्णा शर्मा(B.E. civil)
(pursuing DOB 1 NOV. 2004)

नाम : श्री दिनेश कुमार शर्मा, शहडोल
Chief Pharmacist, Burhar Central
Hospital (SECL) धनपुरी, जिला शहडोल(म.प्र.)
निवास : ब्लू लोटस कॉलोनी, सिटी सेन्टर, ग्वालियर
मो. : 9424330935
पिता : स्व.श्री किशोरी शरण शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती मीनाक्षी शर्मा (दीक्षित)
(पिताश्री स्व. डॉ. रामसहाय दीक्षित, भिण्ड )
सुपुत्र : इंजी. श्री गौरव शर्मा (B.E)
Working in PMFIAS, Bengaluru (WFH) &
Prayas KSG, Bhopal (WFH) as Creative
Graphics Designer. DOB 26/05/1994
सुपुत्र : श्री सौरभ कुमार शर्मा (B.Pharma)
(Senior Associate in Innodata, Noida)
Preparing for PG in Regulator Affairs IN
Conestoga College (Ontario, Canada)

नाम : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, मौ (भिण्ड)
वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, मौ, जिला-भिण्ड
Edu : B.V.Sc. & AH Jabalpur (1987)
मो. : 9926221771
गाम : कैरोरा, तह.मेहगांव, जिला-भिण्ड
पिता : स्व. चौ. श्री शिवप्रसाद शर्मा (सड़वारिया)
पत्नी : श्रीमती किरण शर्मा (कांकौरिया)
सुपुत्र : श्री आकाश शर्मा एडवोकेट
जिला-न्यायालय, ग्वालियर
पुत्रवधू : श्रीमती शिल्पी शर्मा (M.Com)
पिताश्री अम्बरीश शर्मा पाराशर, बकेवर
पौत्र : चि.आरूष (शीनू) शर्मा
निवास : 578, मॉडन टाउन, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : श्री अशोक शर्मा, ग्वालियर
ग्राम : कैरोरा, मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : कॉस्मो वैली, सिरोल रोड, ग्वालियर
एवं महावीर गंज, भिण्ड (म.प्र.)
पिता : स्व. चौ.श्री शिवप्रसाद शर्मा (सड़वारिया)
पत्नी : श्रीमती अंजनी शर्मा (बेरीबार)
सुपुत्र : श्री दीपक शर्मा
(व्यवसाय–Real State & Construction, Navya Bhavan Property Pvt Ltd, Gwalior) Mob. : 9300291659
पुत्रवधू : श्रीमती अंशू दीपक शर्मा (बड़ेले)
पौत्र : चि.रूद्र शर्मा, चि.आद्रिक शर्मा
सुपुत्र : श्री रोहित शर्मा
(29) M.Sc. Ag. Entomology
(जॉब–अटल भूजल योजना में कृषि एक्सपर्ट के रूप में कोटा राजस्थान में कार्यरत)

नाम : श्री महेन्द्र शर्मा(बंटी), ग्वालियर
Asst. Manager, Reliance Health Insurance, Gwalior
ग्राम : कैरोरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : थाटीपुर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 7987014052
पिता : स्व. श्री जयप्रकाश शर्मा (सड़वारिया)
माता : श्रीमती प्रेमा देवी (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती श्वेता शर्मा(रावत)M.Sc., B.Ed
सुपुत्री : कु.वरोनिका शर्मा
भाई : स्व. श्री जितेन्द्र शर्मा (पिंटू)
भाभी : श्रीमती रीमा शर्मा (तिवारी)
(Teacher, Wendy International School)
भतीजी : कु. वंशिका शर्मा(BBA, LLB) Pursuing
भतीजा : चि.कुणाल शर्मा (7th)

नाम : श्री बिजेन्द्र शर्मा (पंकज) ग्वालियर
Om Sai Trading Co. (Coal Traders)
MBA (Prestige College, Indore)
मो. : 7509616565
ग्राम : कैरोरा, तह. मेहगाँव, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : स्व. श्री सुरेन्द्र शर्मा (सड़वारिया)
दादा : स्व. चौ. श्री शिवप्रसाद शर्मा
माता : श्रीमती मुन्नी देवी शर्मा (मंगोलिया)
पत्नी : श्रीमती शिल्पी शर्मा (BE CS)
MA Astrology, Interior Designer
पिताश्री इंजी. दिनेश शर्मा सीरोठिया
सुपुत्री : कु. लावण्या शर्मा
सुपुत्री : कु. वन्या शर्मा
भाई : श्री सत्येन्द्र शर्मा (MBA)
Prestige College, Indore
निवास : कॉस्मो आनंदा, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : श्री संजीव ऋषीश्वर, ग्वालियर
ग्राम : भगवासा, तह.गोहद, जिला-भिण्ड
निवास : 398D , काशीपुरा, मुरार, ग्वालियर
मो. : 8085177708
पिता : स्व. श्री जगदीश ऋषीश्वर (ढमोले)
माता : श्रीमती मदालसा ऋषीश्वर (बसेड़िया)
पत्नी : श्रीमती सरोज ऋषीश्वर (कांकोरिया)
पिताश्री भगवती प्रसाद शर्मा, भगवासा
सुपुत्री : कु.पल्लवी ऋषीश्वर (B.Sc., Math)
सुपुत्र : चि.रोहित ऋषीश्वर (B.Tech, CSE)
ITM Gwalior DOB : 13/01/2000
Software Engineer Cognizant, Pune
सुपुत्र : चि. मोहित ऋषीश्वर (12th)
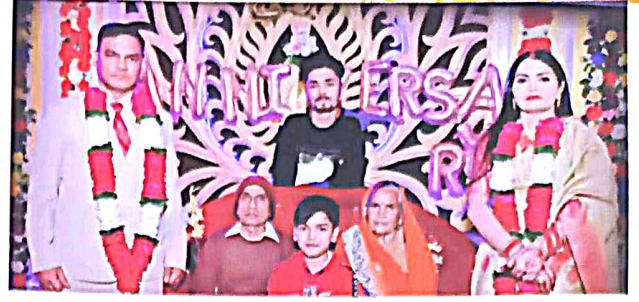
नाम : श्री गिर्राज शर्मा, ग्वालियर
Owner of GB Pharma,
(Pharma Co.) Gwalior
ग्राम : दुहिया, जिला-ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826347328
निवास : वुड्स रेसीडेंसी, सिरोल, ग्वालियर
पिता : श्री जगदीश शर्मा
पत्नी : श्रीमती मिथलेश शर्मा
सुपुत्र : श्री हिमांशू शर्मा (B.Pharma)
MBA pursuing & Working in
Pristyn care as Care Coordinator Manager
DOB- 22 July 2000
सुपुत्र : चि.दिव्यांश शर्मा (11 Year)

नाम : श्री अशोक भारद्वाज, ग्वालियर
रिटा. डी.एस.पी., म.प्र पुलिस विभाग
ग्राम : धमनिका, जिला ग्वालियर(म.प्र.)
निवास : कृतिन एन्क्लेव, विवेकानन्द नीडम के सामने, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9425120134
पिता : स्व.श्री लज्जाराम भारद्वाज
माता : श्रीमती महादेवी भारद्वाज
पत्नी : श्रीमती शकुन्तला भारद्वाज(ढमोले)
सुपुत्र : श्री सतीश भारद्वाज
(डायरेक्टर, कृतिन एग्रोटेक प्रा.लि.ग्वालियर)
पुत्रवधू : श्रीमती जयश्री सतीश भारद्वाज
पौत्र : चि.कृतिन भारद्वाज(12th) Pass

नाम : श्री महेन्द्र कुमार शर्मा, ग्वालियर
लेखपाल(उच्च शिक्षा)
शा. महाविद्यालय, अकोड़ा
मो. : 9301121672
ग्राम : भगवासा तह.गोहद, जिला भिण्ड
निवास : कृतिन एन्क्लेव, विवेकानन्द नीडम के सामने, ग्वालियर
पिता : स्व. श्री बालकृष्ण शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा (बसेड़िया)
सुपुत्र : श्री हिमान्शु शर्मा(M.A., English)
पुत्रवधू : श्रीमती वैशाली शर्मा M.Com, PGDCA
(पिताश्री राममोहन पटेल जोशी, जामगढ़)
सुपुत्री : श्रीमती अर्निका शर्मा
(Msc, MA. Sanskrit & Sociology)
दामाद : इंजी. श्री आलोक शर्मा(उपाध्याय)
(सिद्धि विनायक डेयरीउद्योग फूप)
नाती : चि.देववृत शर्मा

नाम : श्री अशोक कुमार चतुर्वेदी, ग्वालियर
श्री गणेश ब्रिक इण्डस्ट्रीज एवं शक्ति ब्रिक इण्डस्ट्रीज, अकोड़ा, जिला भिण्ड
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड(म.प्र.)
निवास : हरीशंकरपुरम, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 7000898458
पिता : श्री केदार नाथ चतुर्वेदी
माता : श्रीमती चमेली देवी(उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती कमलेश चतुर्वेदी(सनेधिया)
सुपुत्र : श्री गुलशन चतुर्वेदी (B.B.A)
पुत्रवधू : श्रीमती दिव्या चतुर्वेदी(मुडियारे)
(B.Sc., B.Ed)
सुपुत्र : इंजी.श्री अमन चतुर्वेदी(B.Tech.)
(Working in Calsoft Pvt ltd, Pune)

नाम : श्री धर्मेन्द्र शर्मा, इन्दौर
Working with Jubilant Food
Work as a Deputy District Manager, Indore.
Edu-Hotel Management (IHM)
ग्राम : लंगड़िया, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : विजय नगर, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 7773040337
पिता : श्री जयनारायण शर्मा (पचौरी)
पत्नी : श्रीमती प्रेमलता शर्मा (सिंघोलिया)
सुपुत्र : चि. राघव शर्मा
सुपुत्री : कु.राधा शर्मा

नाम : डॉ. कमलेश शर्मा , ग्वालियर
Retd. Orthopaedic Surgeon, Department of Health MP
ग्राम : विरधनपुरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : कृष्णा एनक्लेव, लश्कर, ग्वालियर
मो. : 9425335508
पिता : स्व.श्री आर.डी. शर्मा (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती मनोरमा शर्मा, कौशिक(M.A)
सुपुत्र : डॉ. मनीष शर्मा(B.D.S)
(Sharma Dental & orthocare Centre)
पुत्रवधू : डॉ.रीता शर्मा, पचौरी(Ph.D, Biotech)
(Asst. Professor, ITM University Gwalior)
पौत्री : कु. आराध्या शर्मा(6th)
पौत्री : कु. इषिता शर्मा(2nd)
सुपुत्र : इंजी. श्री आशीष शर्मा(Manager)
(Vodafone Intelligent Soloutions, Pune)
पुत्रवधू : डॉ.रजनी शर्मा, गौतम(Ph.D, Horticulture)
(Assistant Professor, JNKVV, Jabalpur.)
पौत्र : चि.अव्यांश शर्मा (UKG)

नाम : श्री राकेश भारद्वाज, ग्वालियर
Commercial insfrastructure Investors and Construction through of Shri Balaji Developers and Colonizers, Gwalior
मो. : 9926710949
ग्राम : बिसनोरी, तह.जौरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : 241, सूरज नगर, सागरताल चौराहा, ग्वालियर
पिता : श्री रामगोपाल भारद्वाज
पत्नी : श्रीमती मांडवी भारद्वाज (तिवारी)
(पिताश्री स्व. महेन्द्र तिवारी, कुम्हेरी)
सुपुत्र : श्री जीतेश भारद्वाज
(Software Developer in Birla Soft, Noida)
पुत्रवधू : श्रीमती सपना जीतेश भारद्वाज(MBA)
(पिताश्री सुभाष शर्मा कांकोरिया, रूधावली)
पौत्र : चि.अद्वैत भारद्वाज
सुपुत्र : श्री रीतेश भारद्वाज(CA Pursuing)
पुत्रवधू : श्रीमती रिद्धि रीतेश भारद्वाज B.Sc, D.Ed
(पिताश्री रामनरेश चतुर्वेदी, मानिकपुरा)

नाम : श्री मनोज भारद्वाज, ग्वालियर
श्री पंडितजी नाश्ता कॉर्नर, जीवाजी गंज, ग्वालियर
ग्राम : बिसनोरी, तह. जौरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : शिव नगर, घोसीपुरा रेलवे स्टेशन के पास ग्वालियर
मो. : 8269122002
पिता : श्री रामगोपाल भारद्वाज
माता : श्रीमती बैकुंठी देवी (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती संगीता मनोज भारद्वाज (ढमोले)
(पिताश्री राधेश्याम शर्मा, सकराया, भिण्ड)
सुपुत्री : कु. वैष्णवी भारद्वाज(MBA Pursuing)
सुपुत्र : चि. वैष्णव भारद्वाज
(MBA Pursuing, ITM University,)
DOB 21/10/2001

नाम : श्री सुरेश भारद्वाज, ग्वालियर
पंडितजी मिष्ठान भण्डार जीवाजी गंज ग्वालियर
ग्राम : बिसनोरी, तह. जौरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : शिव नगर, घोसीपुरा रेलवे स्टेशन के पास ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 8889177076
पिता : श्री रामगोपाल भारद्वाज
पत्नी : श्रीमती मीरा भारद्वाज(उपाध्याय)
(पिताश्री स्व. श्रीलाल शर्मा मिरघान, मुरैना)
सुपुत्र : श्री रूपेश भारद्वाज (Financial Advisor)
(AU Small Finance Bank Gwalior)
पुत्रवधू : श्रीमती पूजा रूपेश भारद्वाज(MBA)
(पिताश्री लालासिंह शर्मा सरीधिया, सांटा)
पौत्र : चि.भास्कर भारद्वाज
पौत्री : कु.काव्या भारद्वाज

नाम : इंजी. श्री कौशल शर्मा, नई दिल्ली
Administrative Manager, Ritam
Dizital Media Foundation, New Delhi
ग्राम : मिरघान, जिला मुरैना।
निवास : जीयाजी गंज, ग्वालियर
एवं जनकपुरी, नई दिल्ली
मो. : 9555315007
पिता : श्री भगवती प्रसाद शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती दिव्या शर्मा
(M.com with Computer Application )
(मीडिया कॉर्डिनेटर, राष्ट्रीय सेविका समिति)
(पिताश्री रमेश उपाध्याय, ग्वालियर)
सुपुत्र : चि. यश शर्मा (6th)
सुपुत्र : चि. युग शर्मा (5th)

नाम : श्री सर्वेश शर्मा, ग्वालियर
प्राइवेट सेक्टर जॉब, मालनपुर
ग्राम : बड़ागर, तह. गोहद, जिला भिण्ड
निवास : वीर सावरकर नगर, गुड़ा गुड़ी नाका,
कंपू, लश्कर ग्वालियर।
मो. : 9098260082
पिता : स्व.पं. श्री सेवाराम कात्यायन (कांकोरिया)
माता : श्रीमती मथुरा कात्यायन (सिरसोदा)
पत्नी : श्रीमती गरिमा शर्मा (दीक्षित)(M.Com)
(Accountent, Chirayu Pharma, Gwalior)
सुपुत्र : चि. पृथ्वी शर्मा (B.Com)1st yr

नाम : श्री रामप्रकाश शर्मा, ग्वालियर
(रिटा. प्रधान अध्यापक, शिक्षा विभाग म.प्र.)
ग्राम : बावरी पुरा, जिला-मुरैना
मो. : 9826668654
पिता : श्री रामगोविन्द शर्मा (बढ़ेले)
माता : श्रीमती त्रिवेणी शर्मा (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती मीना शर्मा (रूपोले)
सुपुत्र : इंजी. श्री मुकेश शर्मा (B.Tech)
(Scientist)(काकरापार, सूरत, गुजरात)
पुत्रवधू : श्रीमती नीतू शर्मा सड़यारिया (B.E.)
पौत्र : चि. कनिष्क शर्मा (8 वर्ष)
पौत्र : चि. सहज शर्मा (2 वर्ष)
सुपुत्र : इंजी. श्री साकेत शर्मा (B.E.)
(PG Diploma Data Science, Pune)
निवास : आनंद नगर, ग्वालियर

नाम : इंजी. श्री हरिओम शर्मा, बैतूल
(असि.इंजी. विद्युत विभाग सारणी, बैतूल)
मो : 8839673589
ग्राम : बावरीपुरा, जिला-मुरैना (म.प्र.)
पिता : श्री रामगोविन्द शर्मा (बढ़ेले)
माता : श्रीमती त्रिवेणी शर्मा (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती गरिमा शर्मा (MCA)
(गोत्र दुबे, परासिया, जिला-छिंदवाड़ा)
सुपुत्री : कु. गार्गी शर्मा
सुपुत्री : कु. लावण्या शर्मा
निवास : आनंद नगर, ग्वालियर
वर्त. निवास-सारणी, जिला-बैतूल (म.प्र.)

नाम : इंजी. श्री बृजकिशोर उपाध्याय, ग्वालियर
रिटा. इंजीनियर, ग्वालियर विकास प्राधिकरण
ग्राम : सकराया अटेर, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शिंदे की छावनी, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9425340263
पिता : स्व.श्री उलफतराय उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती विमला देवी (श्रोत्रिय)
सुपुत्र : श्री अभिनव उपाध्याय(MBA)
Senior Relationship Manager (SRM)
At ICIC Securities Limited, Pune.
Edu-MBA (Finance)IPS Academy Indore.

नाम : श्री सुदामा प्रसाद शर्मा, ग्वालियर
ग्राम : चपरा, तह.गोरमी, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : फूलबाग, ग्वालियर
मो. : 9826064889
पिता : स्व. श्री रामेश्वर दयाल शर्मा (पाराशर)
पत्नी : श्रीमती संतोष शर्मा (मंगोलिया)
पिताश्री स्व.कैलाशनारायण शर्मा (टी.आई.,दबोहा)
सुपुत्र : इंजी.श्री अनुभव शर्मा (BE Civil)
Working in Ambuja Cement, Gwalior
पुत्रवधू : श्रीमती अंचल शर्मा (ढमोले)
(M.Com, B.ed Pursuing)
सुपुत्र : इंजी. श्री अभिलाष शर्मा (BE Mech.)
(MS: Hertfordshire University UK)
DOB:16/10/1995

नाम : श्री अजय शर्मा, ग्वालियर
डायरेक्टर, माँ कैलादेवी हॉस्पिटल एवं श्री ब्लड बैंक, ग्वालियर,
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : श्रुति अपार्टमेंट, श्रुति एनक्लेव, द्वारकापुरी के पास, फोर्ट रोड, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 6265699035
पिता : श्री सुरेश बाबू शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती शकुंतला देवी (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती भावना शर्मा (पाराशर)
सुपुत्र : इंजी. श्री चित्रांश शर्मा
(Operation Executive in Intellipaat Bangalore), Edu- B.E.(Mech.) ITM University, Gwalior.)
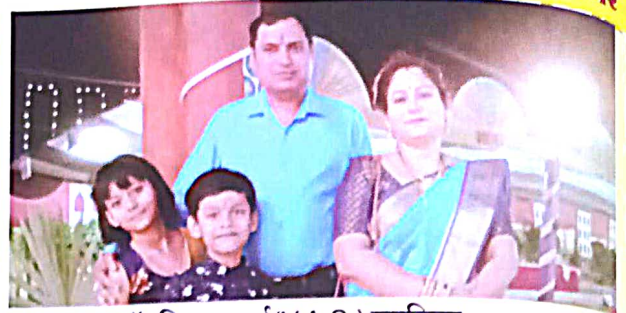
नाम : डॉ. विजय शर्मा(V.A.S.) ग्वालियर
प्रभारी पशु चिकित्सा अधिकारी, वेटेरिनरी हॉस्पिटल, इन्दरगढ़, जिला दतिया (म.प्र.)
मो. : 9165855198
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : इंदरगढ़, दतिया (म.प्र.)
पिता : श्री सुरेश बाबू शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती शकुंतला देवी (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती आरती शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्री : कु. यशोधरा शर्मा
सुपुत्र : चि.कुश शर्मा

नाम : इंजी. श्री प्रदीप शर्मा, ग्वालियर
जल संसाधन विभाग(WRD) में सब इंजीनियर पद पर ग्वालियर में पदस्थ।
ग्राम : दबोहा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : विकास नगर, साईं बाबा मंदिर के पास ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9826236243
पिता : स्व. श्री कैलाशनारायण शर्मा (मंगोलिया)
(रिटायर्ड टी.आई, मध्यप्रदेश पुलिस विभाग)
पत्नी : श्रीमती अर्चना शर्मा (विरथरिया )
(पिताश्री डॉ. बी.पी.शर्मा, रिटा. मेडीकल ऑफीसर)

नाम : श्री मुकेश शर्मा, ग्वालियर
क्रिस्टल क्रॉप प्रोटक्शन लिमिटेड(Seed Development Manager )
मो. : 9536099959
ग्राम : अकोड़ा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : F1 त्रिवेणी अपार्टमेंट श्रुति एनक्लेव, द्वारकापुरी ग्वा.
पिता : चौ.श्री देवीदयाल शर्मा(बेरीबार)
पत्नी : श्रीमती बीना शर्मा(गौतम)
(पिताश्री कैलाशनारायण ऋषीश्वर)
(नगला तुला, निवासः द्वारिकापुरी, ग्वालियर)
सुपुत्री : कु. अंशिका शर्मा(12th)
सुपुत्र : चि. जतिन शर्मा(9th)

नाम : श्री बीरेश्वर दयाल शर्मा, ग्वालियर
प्रॉपर्टी डीलर एवं टेक्टर एजेंसी
ग्राम : चरथर, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : एस 80, न्यू कुशल नगर, ग्वालियर
मो. : 9425127142
पिता : स्व.श्री शिवनारायण शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती विमला देवी (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री अनुज कुमार शर्मा (राजस्व.विभाग)
पुत्रवधू : डॉ. श्रीमती ममता शर्मा (सीरोठिया)
(एम.ए.,पी.एच.डी.हिन्दी साहित्य)
(सोनालिका टैक्टर एजेंसी, पार्टनरशिप)
पौत्री : कु. गौरी शर्मा (11th)
पौत्री : कु. आराध्या शर्मा(LKG)
सुपुत्र : श्री अनीष गौतम
(डायरेक्टर, सोनालिका टेक्टर एजेंसी, गोहद)
पुत्रवधू : श्रीमती दीपिका शर्मा चतुर्वेदी (M.Sc)
पौत्र : चि.आदर्श गौतम (2nd)
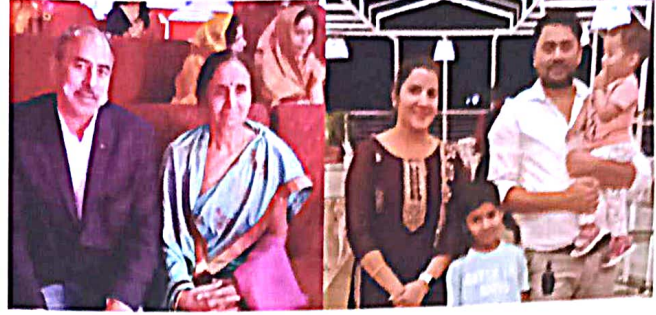
नाम : श्री हेमन्त शर्मा, ग्वालियर
Working in Union Bank of india
Branch Gwalior, M.Tech. (C.S.)
ग्राम : भीमपुरा, जिला–भिण्ड (म.प्र.)
निवास : न्यू कुशल नगर, ग्वालियर
मो. : 9340459349
पिता : श्री ओंकारनाथ शर्मा (गौतम)
(रिटायर्ड सूबेदार मेजर)
माता : श्रीमती सावित्री देवी (जोशी)
पत्नी : श्रीमती रीतू शर्मा (दीक्षित)
(पिताश्री देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट, सिमार)
सुपुत्र : चि. विराट शर्मा(1st)
सुपुत्री : कु. हितांशी शर्मा

नाम : श्री सुमन्त कुमार शर्मा, ग्वालियर
सदस्य, बाल कल्याण समिति,ग्वालियर
(प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट समकक्ष)
मो. : 7566405517
ग्राम : जलालपुर, जिला एटा (उ.प्र.)
निवास : पीताम्बरा विहार कॉलोनी, ग्वालियर
पिता : श्री हुब्बलाल शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती सरोज देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती पूनम शर्मा (ग्रेजुएट)
(पिताश्री राजेन्द्र शर्मा, अकोड़ा)
सुपुत्री : कु. रौनक शर्मा(5.yr)

नाम : श्री सुभाष उपाध्याय, ग्वालियर
इंजीनियर सेक्सन इंजीनियर (मैकेनिकल)
उत्तर मध्य रेल, ग्वालियर
ग्राम : कैरोरा, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : रेलवे कॉलोनी, तानसेन रोड़, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 87700 45662
पिता : स्व.श्री रामसेबक उपाध्याय
माता : श्रीमती दासी देवी उपाध्याय (गौतम)
पत्नी : श्रीमती सुनीता उपाध्याय (दीक्षित)
(पिताश्री स्व.श्री विद्यासागर दीक्षित,फूप)
सुपुत्र : श्री सोमेश उपाध्याय (लोको पायलट)
उत्तर मध्य रेल, ग्वालियर (म.प्र.)
पुत्रवधू : श्रीमती रानी उपाध्याय (सनेधिया)
(पिताश्री अमर सिंह शर्मा, सिकरोदा)

नाम : श्री मनोज कुमार शर्मा ग्वालियर
Retired Indian Army & Presently
Regional Manager in IIFL Home
Loan Finance Bank M.P & C.G
ग्राम : खेरिया महानंद जिला भिण्ड
निवास : न्यू संजय नगर , बिरला नगर, ग्वालियर
मो. : 8770625272
पिता : स्व.श्री दाताराम शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती रामबेटी शर्मा
पत्नी : श्रीमती निशा शर्मा (भारद्वाज)
(पिताश्री श्री भगवती चरण शर्मा, अकोड़ा)
सुपुत्री : कु. अनामिका शर्मा(12th PCB)
सुपुत्र : चि. अंशुल शर्मा (9th)
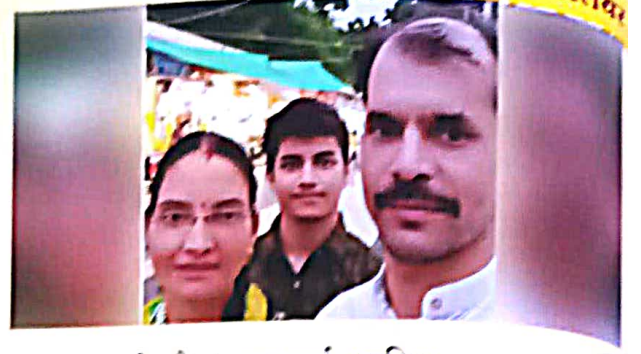
नाम : श्री सतेन्द्र कुमार शर्मा, ग्वालियर
स्या प्योर सीड जेनेटिक्स प्रा. लिमि.
स्या प्योरवेज लिमि. नाम से इंदौर में कारोबार
मो. : 9826912830
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : ऋषीश्वर भवन, शर्मा फार्म रोड,
हजीरा, ग्वालियर
पिता : स्व.श्री रामदत्त शर्मा (चौबे)
पत्नी : श्रीमती निरमा शर्मा (देवगांव, उन्नाव)
सुपुत्र : चि. प्रिन्स शर्मा (12th)
सुपुत्री : कु. वैष्णवी शर्मा

नाम : श्री सुनील शर्मा, ग्वालियर
प्रोपराइटर, गिरिराज कंस्ट्रक्शन कम्पनी, ग्वालियर
ग्राम : चपरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बी–14, राजेन्द्र प्रसाद कॉलोनी, हजीरा
ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9165149100
पिता : स्व.श्री रामनारायण शर्मा (पाराशर)
(शासकीय ठेकेदार)
माता : स्व.श्रीमती खिरलौनी शर्मा
पत्नी : श्रीमती सीमा शर्मा (फुर्सेनिया)
(पिताश्री स्व.श्री रामविलास शर्मा, ग्राम सिमार)
सुपुत्री : कु. उर्वशी शर्मा (10th)

नाम : श्री अनिल शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार), ग्वालियर
राज एक्सप्रेस ग्वालियर एवं स्वयं की पीआर एजेंसी
(अंतर्राष्ट्रीय कथावाचकों के साथ कार्य अनुभव)
ग्राम : सिरमौर का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना
निवास : मकान न. 84, बिरलानगर, ग्वलियर (म.प्र.)
मो. : 9893215303
पिता : स्व. केदार प्रसाद शर्मा (जोशी)
माता : स्व. श्रीमती महादेवी शर्मा (भारद्वाज)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा तिवारी(M.Com)
(गुंजन फैशन प्वाइंट, आर्टिफिशल ज्वैलरी शॉप
मो. : 9926486867
(पिताश्री महंत रामविलास दास महाराज)
सुपुत्री : कु. गुंजन शर्मा(12th)
सुपुत्र : चि.यशस्व शर्मा(7th)

नाम : पं.श्री शिवेन्द्र शर्मा, भिण्ड
मथुरा मैरिज गार्डन और त्रिमूर्ति टायर वर्क्स नाम से ग्वालियर रोड पर निजी व्यवसाय संचालित।
ग्राम : दबोहा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर
एवं त्रिमूर्ति भवन, ग्वालियर रोड़, भिण्ड
पिता : स्व. पं. श्री बालमुकुन्द शर्मा (मुड़ियारे)
पत्नी : श्रीमती कान्ति देवी (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री विनय शर्मा (टायर वर्क्स)
मो. 9926289949
पुत्रवधू : श्रीमती कल्पना शर्मा (गौतम)
(पिताश्री बड़ेलाल शर्मा, खुर्द हाल ग्वालियर)
पौत्र : चि. प्रांजल शर्मा (10th)
पौत्र : चि. तन्मय शर्मा (7th)

नाम : श्री राजकुमार उपाध्याय, भिण्ड
डायरेक्टर, जॉन डियर टेक्टर एजेंसी, भिण्ड
ग्राम : कंढैया , जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : सहारा स्कूल, ग्वालियर रोड, भिण्ड
एवं बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर
मो. : 9425127017
पिता : स्व.श्री रामेश्वर दयाल उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती मिथलेश उपाध्याय (सीरोठिया)
(संचालक, सहारा स्कूल, भिण्ड)
सुपुत्र : इंजी.श्री रोहित उपाध्याय (B.Tech.) Civil
(SRM University Chennai)
(Director My Infra Power pvt ltd, Pune)
पुत्रवधू : श्रीमती सुप्रिया उपाध्याय (रावत)B.Sc.
सुपौत्री : कु. काव्या उपाध्याय
सुपुत्र : श्री मोहित उपाध्याय (B.Tech.CS)
(Central Excise & GST INSpector
Zone Vadodara DOB 7/10/1994
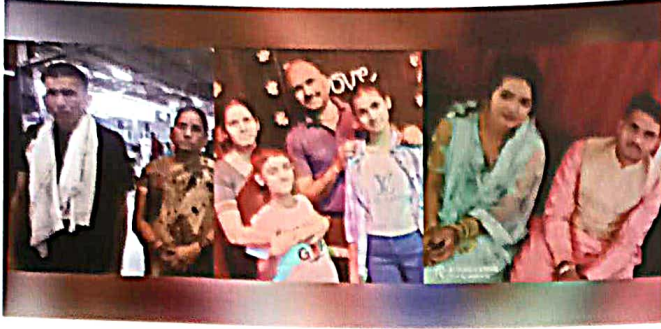
नाम : श्री रामकुमार दीक्षित, भिण्ड
ग्राम : बिरधनपुरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बिजपुरी तिराहा, ग्वालियर रोड़, भिण्ड
पत्नी : श्रीमती सोना दीक्षित (गौतम)
सुपुत्र : श्री राकेश दीक्षित (Army)
हवलदार, मो. 8989561690
पुत्रवधू : श्रीमती मीता दीक्षित(पाराशर)
(पिताश्री रामजीलाल शर्मा, चंदहारा वाले, भोपाल)
पौत्री : कु. कौशिकी दीक्षित (10th)
पौत्र : चि. माधव दीक्षित (4th)
सुपुत्र : श्री कुलदीप दीक्षित (Army)
पुत्रवधू : श्रीमती शिखा दीक्षित (गौतम)
(पिताश्री भूरे पंडित, मुड़ेना वाले, भिण्ड)

नाम : श्री अरूण ऋषीश्वर एडवोकेट, भिण्ड
वकालत एवं जन सेवा (पूर्व पार्षद)
ग्राम : भगवासा, तह. गोहद, जिला भिण्ड
निवास : शास्त्री नगर, बी–ब्लॉक, भिण्ड
मो. : 9826853651
पिता : स्व.श्री महावीर शरण शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती बबीता शर्मा (चौबे, सिमार)
(पूर्व पार्षद, नगर पालिका परिषद भिण्ड)
सुपुत्र : इंजी. श्री मोहन ऋषीश्वर (B.tech)
(Working as Manager in you Flex Company, Jammu)
पुत्रवधू : श्रीमती रश्मि शर्मा (फूप)
सुपुत्र : इंजी. श्री सचिन ऋषीश्वर (M.Tech)
(Electronic & Communication)

नाम : श्री राजीव शर्मा, भिण्ड
अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग
प्राथमिक शिक्षक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग कलेक्टोरेट में अनुलग्न।
ग्राम : जामना, जिला–भिण्ड (म.प्र.)
निवास : ए ब्लॉक, शास्त्री नगर, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9926231466
पिता : श्री प्रहलाद शर्मा (भारद्वाज)
(से.नि.सर्वेयर, भू संरक्षण विभाग)
माता : श्रीमती सरोज शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती राजश्री (उपाध्याय)
(पिताश्री दिनेश कुमार शर्मा, सिमार)
सुपुत्री : कु. छवि शर्मा (11th)
(राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता विजेता)
सुपुत्र : चि. आर्यन शर्मा (8th)
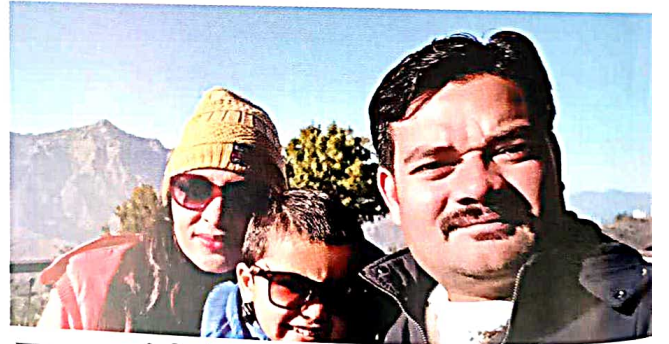
नाम : श्री गिरीश कुमार शर्मा, जयपुर
Territory Business Manager in PHI Seeds pvt. ltd. Jaipur
Edu- M.Sc.Ag Horticulture.
ग्राम : चन्दहारा, गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शास्त्री नगर, भिण्ड (म.प्र.)
वर्त.नि. : अपना घर शालीमार, गेट न. 3
टावर–3 अलवर (राजस्थान)
मो. : 9214444016
पिता : श्री राकेश शर्मा (पचौरी)
माता : श्रीमती भावना शर्मा (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती रेनू शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : चि. रूद्र शर्मा

नाम : श्री मनोज शर्मा, भिण्ड
ब्रिक इण्डस्ट्रीज एवं कृषि कार्य
ग्राम : बिरधनपुरा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शास्त्री नगर, ए ब्लॉक, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9826283793
पिता : श्री बाबूराम शर्मा (से.नि. सर्वेयर)
माता : श्रीमती बसंती शर्मा
पत्नी : श्रीमती प्रियंका शर्मा (ढमोले)
सुपुत्री : कु. भूमिका शर्मा (9th)
सुपुत्र : चि. तनिश शर्मा (4th)

नाम : श्री राजीव शर्मा, भिण्ड
Territory Manager Dhanuka Agritech Ltd.
ग्राम : बिरधनपुरा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शास्त्री नगर, ए ब्लॉक, भिण्ड (म.प्र.)
वर्त.नि. : शिवपुरी (म.प्र.)
मो. : 9826255718
पिता : श्री बाबूराम शर्मा (से.नि. सर्वेयर)
माता : श्रीमती बसंती शर्मा
पत्नी : श्रीमती सीमा शर्मा (चतुर्वेदी)
सुपुत्री : कु. प्रार्थना शर्मा (10th)
सुपुत्री : कु. अर्पिता शर्मा (4th)

नाम : श्री सुनील शर्मा, भिण्ड
ब्लॉक परियोजना प्रबंधक राजीविका (ग्रामीण विकास विभाग) ब्लॉक शाहवाद, बारा(राजस्थान)
ग्राम : बिरधनपुरा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शास्त्री नगर, ए ब्लॉक, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9116980883
पिता : श्री बाबूराम शर्मा (से.नि.सर्वेयर)
माता : श्रीमती बसंती शर्मा
पत्नी : श्रीमती अर्चना शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : श्री सचिन शर्मा (Audit Officer)
पुत्रवधू : श्रीमती अंकिता सचिन शर्मा (कटारे)
(ASI, MP Police, Department)
सुपुत्र : श्री रजनीश शर्मा (B.Sc. Ag. PGDM)
(जिला प्रबंधक, म.प्र.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत, श्योपुर)

नाम : श्री अजय दीक्षित, भिण्ड (M.Sc. Physics)
शिक्षक, अशास. हायर सेकंडरी स्कूल, भिण्ड
ग्राम : बिरधनपुरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : गौरी विहार, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9826456306
पिता : श्री देवीदयाल दीक्षित (एडवोकेट)
माता : श्रीमती कमला दीक्षित (बिरथरिया)
पत्नी : श्रीमती अमरावती दीक्षित (पचौरी)
सुपुत्र : इंजी. श्री मयंक दीक्षित
(Senior Geotechnical Engineer Geoconsult India Private Limited, Gurugram.... M.Tech. IIT Delhi(civil))
B.Tech NIT Nagpur DOB- 14/02/1994
सुपुत्र : श्री रितिक दीक्षित (B.Sc., L.L.B)
(Kirorimal College, Delhi University)
(Exam Preparation Civil Judge)

नाम : श्री जगदम्बा प्रसाद शर्मा, भिण्ड
(से.नि.AVFO पशु चिकित्सा विभाग)
ग्राम : बिरधनपुरा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : रिलायंस ट्रेंड्स मॉल के पास, भारौली रोड़, भिण्ड
मो. : 9926960566
पिता : स्व.श्री रामलोटन शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती इतेशा शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री शिवकांत शर्मा
(प्रोप. जय शिव मेडीकोज एवं डायरेक्टर
इतेश फार्मा.कम्पनी, मो. 8426017500)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रियंका शर्मा (श्रोत्रिय)
पौत्री : कु. दीक्षा शर्मा (NEET Prepration)
पौत्री : कु. नित्या शर्मा (10th)
सुपुत्र : श्री आशुतोष शर्मा मो. 9926960523
(डायरेक्टर, इतेश फार्मास्यूटिकल कम्पनी)
पुत्रवधू : श्रीमती नीलम शर्मा (सब इंस्पेक्टर)
(म.प्र. पुलिस विभाग, झाबुआ में पदस्थ)
पौत्र : चि. सौम शर्मा

नाम : श्री कैलाश नारायण शर्मा, सनावद
Ex. Chief Pharmacy Officer C.G.H.S.
ग्राम : बिरधनपुरा जिला भिण्ड
निवास : 20/1 राधा कृष्णा कॉलोनी, सनावद
मो. : 9826751235
पत्नी : श्रीमती अंगूरी शर्मा (फूप)
सुपुत्र : श्री अरूण शर्मा (M.Sc., M.Ed.)
(Asst. Professor, Sanavad)
पुत्रवधू : श्री सावित्री अरूण शर्मा (जोशी)
पौत्री : कु. शिवानी शर्मा (12th)
पौत्र : चि. आदित्य शर्मा (7th)
सुपुत्र : श्री अभिषेक शर्मा (M.Tech)
(PO in punjab National Bank, Sendhwa)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रियंका अभिषेक शर्मा (MBA)
(पिताश्री सुरेश शर्मा ग्राम चपरा, हाल उज्जैन)
सुपुत्री : श्रीमती शिल्पी शर्मा (M.Sc., B.Ed)
दामाद : डॉ. राहुल शर्मा (बड़ागर)MDS
(S.M.O., M.Y hospital, Indore)
नाती : चि. धन्विद शर्मा (6yr)

नाम : श्री देवेन्द्र दीक्षित एडवोकेट, भिण्ड
जिला न्यायालय भिण्ड में वकालत
व सामाजिक अभिरूचि
ग्राम : सिमार, मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 134, बरूआ नगर, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 8770468036
पिता : स्व.डॉ. रामसहाय दीक्षित (EX CMHO)
पत्नी : श्रीमती ऊषा दीक्षित(सड़वारिया)
सुपुत्र : श्री नितिन दीक्षित (नीलकंठ ट्रेडर्स)
(डिस्टीब्यूटरशिप, होलसेल मेडिसिन)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रज्ञा दीक्षित (उपाध्याय)
(Dip. in Electical Eng.)
(पिताश्री विनोद उपाध्याय, कंढैया)
पौत्र : चि.सम्राट दीक्षित (1st)
पौत्र : चि. विठ्ठल दीक्षित

नाम : श्री सत्यकांत दीक्षित, भिण्ड
प्रतिष्ठान नीलकंठ मेडिकल एजेंसी
(रिटेल शॉप)डॉक्टर्स लेन, भिण्ड (म.प्र.)
ग्राम : सिमार तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड
निवास : बरूआ नगर, पेटोल पम्प के पास, ग्वालियर
रोड़, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9754696550
पिता : स्व.डॉ. रामसहाय दीक्षित (Ex CMHO)
पत्नी : श्रीमती बृजेशी दीक्षित (मुड़ियारे)
(पिताश्री पं.श्री शिवेन्द्र शर्मा, दबोहा)
सुपुत्र : चि. आदित्य दीक्षित (B.Pharma)
(2nd Year, Indore)
सुपुत्री : श्रीमती प्रिया तिवारी
दामाद : श्री हिमांशु तिवारी (सन्नी)उज्जैन

नाम : श्री ऋषिकेश शर्मा, भिण्ड
कार्य– केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF)
वर्तमान में ग्वालियर में पदस्थ
ग्राम : मानिकपुरा, मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बी.टी.आई रोड़, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9797540526
पिता : श्री सुभाष बाबू शर्मा (चौबे)
माता : श्रीमती गुरमाला शर्मा
पत्नी : श्रीमती पूनम शर्मा (ढमोले)
सुपुत्री : कु. सिद्धि शर्मा
सुपुत्र : चि. काव्यांश शर्मा

नाम : श्री सत्यनारायण चतुर्वेदी, भिण्ड
शा.मा. विद्यालय कॉटनजीन क्र.1, भिण्ड में माध्यमिक शिक्षक पद पर पदस्थ, वर्ष 2018 में राज्यपाल पुरूष्कार से सम्मानित
Edu- M.Sc, D.Ed
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9165742283
पिता : स्व. श्री रामभरोसे लाल चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती सविता चतुर्वेदी (मुदगल)
(पिताश्री गेंदालाल शर्मा, रूठियाई, गुना)
सुपुत्री : कु. अंजली चतुर्वेदी (M.B.A)
(Pursuing, IMI Bhuvaneshwar)
सुपुत्र : चि. संस्कार चतुर्वेदी (B.Tech)Mech.
(Pursuing, IET- Davv, Indore)

नाम : श्री प्रभात किशोर चतुर्वेदी, भिण्ड
से.नि.सेक्रेटरी, कॉपरेटिव सोसायटी
मो. : 9826246430
ग्राम : सिमार, मेहगांव, जिला-भिण्ड
निवास : गणेश कॉलोनी, भिण्ड (म.प्र.)
पिता : स्व. श्री द्वारिका प्रसाद चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती सुनीता देवी (मुदगल)
सुपुत्र : श्री ज्योतिरादित्य चतुर्वेदी
MA Sanskrit, Dip in Veterinary
सुपुत्र : श्री विक्रमादित्य चतुर्वेदी
M.Sc. Ag.Economics
MDO Syngenta India Pvt. Ltd.
HQ Mandsaur (M.P.)

नाम : इंजी. श्री अशोक कुमार शर्मा, भिण्ड
ग्राम : चंदहारा, जिला-भिण्ड
निवास : वाटर वर्क्स, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9926212146
पिता : स्व. श्री विजयराम शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती पुष्पा शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री प्रशांत शर्मा (BE-IT)
वर्तमान में राजस्व विभाग भिण्ड में पटवारी
(मो. 7869168303)
पुत्रवधू : श्रीमती पूर्वा शर्मा (तिवारी) B.Sc.-Bio.
वर्तमान में राजस्व विभाग भिण्ड में पटवारी
पिताश्री सुरेश शर्मा, जगमोहनपुरा, राजस्थान
पौत्र : चि. प्रवर शर्मा (7 वर्ष) 2nd Class
पौत्री : कु.सृष्टि शर्मा (4 वर्ष) L.K.G. Class
सुपुत्र : श्री आशीष शर्मा (B.E.mech.) GEC, Gwalior

नाम : डॉ. खेमराज शर्मा (B.A.M.S.)भिण्ड
Medical Officer, Nursing HOme
ग्राम : भगवासा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : चौबे का बाग, गौरी किनारा, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9131359263
पत्नी : श्रीमती सावित्री देवी (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री राजीव शर्मा (कॉन्ट्रेक्टर)
पुत्रवधू : श्रीमती शकुंतला देवी (दीक्षित)
पौत्र : चि. कुलदीप शर्मा(B.A. 2nd)
पौत्र : चि. आदित्य शर्मा (10th)
सुपुत्र : श्री नरोत्तम शर्मा (श्री टाइल्स)
पुत्रवधू : श्रीमती संध्या शर्मा (बिरथरिया)
पौत्री : कु. वैष्णवी शर्मा (5th)
पौत्र : चि.गिर्राज शर्मा

नाम : श्री रामसंजीवन भारद्वाज, भिण्ड
माध्यमिक शिक्षक, शा. हाई स्कूल रछेड़ी, भिण्ड
Edu- M.Sc., M.Ed.
ग्राम : चिकनी, इटावा (उ.प्र.)
निवास : धर्मपुरी, गौरी रोड़, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9826597301
पिता : श्री श्रीकृष्ण भारद्वाज (से.नि. शिक्षक)
माता : श्रीमती विमला देवी (से.नि. शिक्षिका)
पत्नी : श्रीमती सरिसा देवी
(पिताश्री लज्जाराम पाराशर, अकोड़ा)
सुपुत्र : चि. आनंद भारद्वाज B.Sc.(cs)
Acropolis College, Indore (SSC Pre.)
सुपुत्री : श्रीमती श्रद्धा शर्मा B.Ed (शिक्षिका)
दामाद : इंजी. श्री राजकुमार शर्मा (फूप)

नाम : श्री जीवेश शर्मा, भिण्ड
राजस्व विभाग में पटवारी, भिण्ड में पदस्थ
जिला सचिव, पटवारी संघ जिला भिण्ड
ग्राम : चरथर, तह. व जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : मुखर्जी कॉलोनी, चतुर्वेदी नगर, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9407574916
पिता : स्व.श्री रामदास शर्मा (उपाध्याय)
(रिटायर्ड आर्मी एवं आईटीआई सेवा निवृत्त)
पत्नी : श्रीमती शालिनी ऋषीश्वर (MA English)
(पिताश्री रामकुमार ऋषीश्वर, बिरथरिया, नियाड़ी)
(महासचिव, अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार कल्याण परिषद, इटावा)
सुपुत्री : कु. ऋतिका शर्मा (10th)
सुपुत्री : कु. गीतिका शर्मा (8th)

नाम : डॉ. नरेन्द्र कटारे, भिण्ड
उच्चतर माध्यमिक शिक्षक, फूप
Edu- Ph.D. (History), M.Ed
ग्राम : चरथर ,जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : ब्लॉक कालोनी के पीछे, चतुर्वेदी नगर, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9926233911
पिता : स्व.श्री गेंदालाल कटारे
पत्नी : श्रीमती जनक श्री (उपाध्याय)
सुपुत्र : इंजी. श्री सुधांशु कटारे (23)
(जॉब- Asst. Eng. in L&T Ltd. Mumbai)
Edu- B.Tech. (civil ) L.N.C.T Bhopal

नाम : श्री अरविन्द बौहरे, भिण्ड
सामाजिक कार्यकर्ता व कृषि कार्य
ग्राम : सकराया, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : यमुना नगर, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9826264868
पिता : स्व.श्री लज्जाराम शर्मा (बौहरे)
पत्नी : श्रीमती पुष्पा देवी (सड़वारिया)
सुपुत्र : श्री प्रशान्त शर्मा (प्रा. शिक्षक)
पुत्रवधू : श्रीमती साधना शर्मा (ढमोले) M.Com
Teacher Polytechnic college, Bhind
पौत्री : कु. मोनिश्का शर्मा (5th)
पौत्र : चि. दिव्यांश शर्मा
सुपुत्र : श्री प्रभात शर्मा (ट्रांसपोर्टर)
पुत्रवधू : श्रीमती अवनि शर्मा (भारद्वाज) M.Com
पौत्र : चि.अयांश प्रभात शर्मा
सुपुत्र : श्री मनीष शर्मा
(Working in Power World Engineers Ltd.)
पुत्रवधू : श्रीमती खुशबू शर्मा (ढमोले)

नाम : श्री अजब कुमार शर्मा (डॉक्टर मुनुआ)
चिकित्सा व्यवसाय, पाली रोड़ फूप पर क्लीनिक
ग्राम : बहेड़ा, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : भदाकुर तिराहा के पास, पाली रोड़, फूप
मो. : 9584971004 (संजीव)
पत्नी : श्रीमती सुमन शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री संजीव शर्मा (घृतकुल)
(चिकित्सा कार्य, संजीव मेडिकल एजेंसी एवं संजीवनी मसाला गृह उद्योग, फूप)
पुत्रवधू : श्रीमती मालती शर्मा (चौबे)
पौत्र : चि. कृष्णा शर्मा (5th)
पौत्री : कु. वैष्णवी शर्मा (4th)
सुपुत्र : श्री सूर्य प्रकाश शर्मा (सोनू)
(हरिओम मेडिकल स्टोर, फूप)
मो. 8588088789
पुत्रवधू : श्रीमती कामना शर्मा (चौबे)
पौत्र : चि. अंश शर्मा (5th)

नाम : श्री राजवीर शर्मा, शिवपुरी
Area Business Manager,
Natco Pharma Ltd
(Agrochemical Company)
शिवपुरी में कार्यरत (M.Sc. Ag
मो. : 9179363352
ग्राम : सकराया, तह.अटेर, जिला-भिण्ड
पिता : श्री रामनरेश शर्मा ढमोले (भूमिया वाले)
माता : श्रीमती बालाश्री शर्मा (बेरीवार अकोड़ा)
पत्नी : श्रीमती पूनम शर्मा (चतुर्वेदी)
पिताश्री कैलाश नारायण लंबरदार, सिमार
सुपुत्री : कु. प्रगति शर्मा (5th)
सुपुत्र : चि. प्रतीक शर्मा (1st)

नाम : श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, बिरधनपुरा
ग्राम : बिरधनपुरा, जिला-भिण्ड
मो. : 9617488543
पिता : स्व.श्री मुखराम शर्मा (दीक्षित)
माता : स्व. श्रीमती त्रिवेणी शर्मा (बसेड़िया, चरथर)
पत्नी : श्रीमती ऊषा शर्मा (गौतम)
पिताश्री स्व. पातीराम मेम्बर, मेहगाँव
सुपुत्र : इंजी. श्री मनीष कुमार शर्मा (BE,IT)
(Associate Consultant, Infosys)
सुपुत्र : श्री हरीश कुमार शर्मा B.Sc. (CSE)

नाम : पण्डित राजेश शास्त्री (कथावाचक), फूप जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : वार्ड नं.7, फूप, जिला भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9753105696
पिता : श्री रामअवतार शर्मा (कांकोरिया)
पत्नी : श्रीमती सरला देवी (उपाध्याय)
सुपुत्र : इंजी.श्री सोमेश शर्मा (जॉब–एनालिस्ट, राजस्थान स्टेट डेटा सेन्टर, महिंन्द्रा टेक इंडिया लिमिटेड अजमेर (राज.)
पुत्रवधू : श्रीमती भावना शर्मा, B.A(ढमोले)
पौत्र : चि. आकर्ष शर्मा (1st)
सुपुत्र : श्री निर्देश शर्मा (B.Com) (जॉब– रिलेशनशिप मैनेजर मारूति सुजुकी, ग्वालियर)
पुत्रवधू : श्रीमती रक्षा शर्मा B.A.(मुड़ियारे)
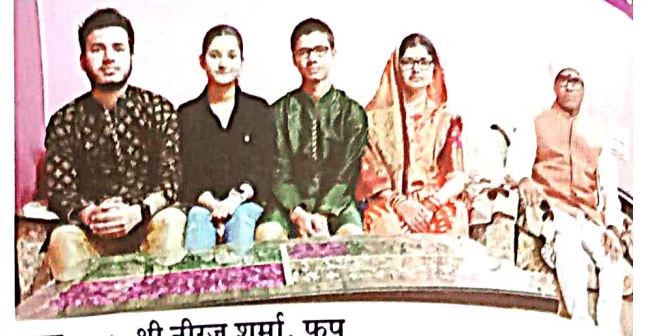
नाम : श्री नीरज शर्मा, फूप
कृषि एवं कॉन्ट्रेक्टरशिप
(सचिव, ऋषीश्वर महाविद्यालय, फूप)
निवास : वार्ड नं 7, फूप जिला भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9753659450
पिता : श्री रामअवतार शर्मा (कांकोरिया)
पत्नी : श्रीमती मंजूलता शर्मा (उपाध्याय)B.A.
सुपुत्र : इंजी. श्री अर्पित शर्मा
B.Tech(CSE) (Pursuing)
Campus Selection, Tata Consultancy Services, Noida.
सुपुत्र : चि. अंश शर्मा (12th)
सुपुत्री : कु.शिक्षा शर्मा (12th)

नाम : इंजी. श्री ऋषिकेश शर्मा, सहारनपुर
Locomotive Engineer (Technical Support).
Alsotm Transportation Saharanpur
Edu- B.E.(Electronics)LNCT
ग्राम : सकराया (अटेर)जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : पंत विहार, सहारनपुर
मो. : 8871384052
पिता : श्री भूपसिंह शर्मा (श्रोत्रिय)
माता : श्रीमती सरला शर्मा
पत्नी : श्रीमती वैष्णवी शर्मा (B.Sc.)
(पिताश्री बृजभूषण शर्मा मुद्गल, चंदहारा)

नाम : श्री अरविन्द कुमार शर्मा, रायपुर
Inspector CRPF, Raipur
ग्राम : सकराया, अटेर, जिला भिण्ड
मो. : 7354655332
पिता : स्व.श्री बाबूराम शर्मा (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती अरूणा शर्मा (कटारे)
सुपुत्र : श्री अनुज शर्मा (MBA)
(ग्रेट वेस्ट ग्लोबल लीड, बेंगलोर)
पुत्रवधू : श्रीमती नेहा शर्मा (मंगोलिया)
(पिताश्री चंद्रकांत शर्मा, दबोहा, भिण्ड)
पौत्र : चि.ईशान शर्मा
सुपुत्री : श्रीमती अंकिता शर्मा
दामाद : श्री नवीन दीक्षित
(सार्जेन्ट, भारतीय वायु सेना)

नाम : श्री श्रीकृष्ण शर्मा, फूप जिला भिण्ड
अध्यक्ष ऋषीश्वर महाविद्यालय, फूप
पत्नी : श्रीमती कमला शर्मा
सुपुत्र : श्री आनन्द शर्मा (CMO नपा)
पुत्रवधू : श्रीमती मधुमाला शर्मा
पौत्र : डॉ.दिनेश दीक्षित (VAS)
पौत्रवधू : श्रीमती अन्जू दीक्षित
(उद्यान विकास अधिकारी)
प्रपौत्री : कु. ईपिता दीक्षित
प्रपौत्र : चि. आदित्य दीक्षित
पौत्र : डॉ. प्रशान्त दीक्षित (MD)
पौत्रवधू : डॉ. श्रीमती रंजना दीक्षित (MD)
पौत्र : इंजी.राज दीक्षित (B.Tech cs)
पौत्रवधू : श्रीमती श्रद्धा दीक्षित (शिक्षिका)
सुपुत्र : श्री अरविन्द दीक्षित (छोटे)
पुत्रवधू : श्रीमती बन्सती दीक्षित (विरथरिया)
पौत्र : श्री गौरव दीक्षित (कृषि विस्तार अधिकारी)
पौत्री : डॉ. कु.लक्ष्मी दीक्षित (BAMS Pursuing)
पौत्री : कु.पूजा दीक्षित (B.Sc.Ag)
पौत्र : चि.ऋषभ दीक्षित (B.Sc. Ag)
सुपुत्र : श्री अनिल कुमार दीक्षित (लालू)

नाम : श्री विजयराम शर्मा, फूप
पत्नी : श्रीमती कमला शर्मा (फुर्स तिया)
भाई : श्री रामकुमार शर्मा (दीक्षित)
सुपुत्र : श्री रवि कुमार शर्मा (सेंट्रल सर्विस)
पुत्रवधू : श्रीमती उमा शर्मा, चौहरे (M.A)
पौत्र : चि. निशांत शर्मा (B. Tech.cs)
पौत्री : कु. योगिता शर्मा (9th)
सुपुत्र : श्री धर्मेन्द्र शर्मा (सब इंस्पेक्टर MPP)
पुत्रवधू : श्रीमती कल्पना शर्मा, उपाध्याय
पौत्र : चि. निश्चय शर्मा (12th)
सुपुत्र : श्री संजीव शर्मा (फूड इंस्पेक्टर)
पुत्रवधू : श्रीमती शिल्पी शर्मा, पाराशर (B.Sc)
पौत्री : कु.आन्या शर्मा (4th)
पौत्र : चि. वैदिक शर्मा (1st)
सुपुत्र : स्व.श्री दाताराम शर्मा
पुत्रवधू : श्रीमती पूजा शर्मा (विरथरिया)(शिक्षिका)
पौत्र : चि. मयंक शर्मा (10th)
सुपुत्र : श्री दामोदर शर्मा (म.प्र. पु.)
पुत्रवधू : श्रीमती गायत्री शर्मा, पाराशर (B.Sc)
पौत्र : चि. कार्तिक शर्मा (9th)
पौत्र : चि.शिवांग शर्मा (9th)

# ऋषीश्वर महाविद्यालय

## फूप, जिला-भिण्ड

भिण्ड जिले के फूप कस्बे में फूप- अटेर रोड पर वर्ष 1971 में स्थापित एवं लोक शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ऋषीश्वर महाविद्यालय समाज का गौरव है। जून 71 में इसमें प्रथम बार कक्षाएं प्रारम्भ हुई थीं। फूप, सकराया व पाली के बुद्धिजीवीयों को इसका श्रेय जाता है। इनमें स्वर्गीय बंधूजन श्री रामशंकर शर्मा, श्री माधवराम शर्मा, श्री रामसिंह पटेल, श्री नवाब पटेल, श्री रामभरोसे सरपंच, श्री श्रीराम शर्मा, श्री छत्रपाल शर्मा, श्री रामसहाय मास्टर, श्री वृज मोहन मिरधान, श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा, श्री रमन लाल शर्मा, श्री हरनारायण चौधरी, श्री गोविन्दराम माड़के, श्री रामदत्त मास्टर, श्री शिवसहाय शर्मा एवं अन्य बंधुओं ने भी समय समय पर सक्रिय भूमिका निभाई थी। स्व. श्री ओ. पी. शर्मा पूर्व प्राचार्य ने भी कॉलेज की स्थापना व संचालन में काफी योगदान दिया था। प्रारम्भ में कॉलेज के 4 हॉल निर्मित हुए थे। जिनमें कक्षाएँ चलती रही, उसके बाद 8 कमरे वर्ष 2004-05 में बने थे। वर्तमान में कॉलेज में कॉमर्स, कला, विज्ञान (कंप्यूटर साइंस) विषय स्नातक स्तर पर संचालित हैं। वर्तमान में समिति अध्यक्ष श्री श्रीकृष्ण शर्मा एवं शासी निकाय अध्यक्ष श्री राजेंद्र चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी कॉलेज की व्यवस्था देख रहे हैं।

नाम : श्री गणेश ऋषीश्वर (रिटा. हवलदार), भिण्ड
इंडियन आर्मी (Army Air Defence)से 2019 में सेवा निवृत्ति के बाद, गुजरात में प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत।
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 7051208689
पिता : श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती मुन्नी देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती राखी ऋषीश्वर (बिरथरिया)
सुपुत्री : कु. सृष्टि शर्मा (8th)
सुपुत्री : कु. दृष्टि शर्मा (5th)
सुपुत्र : चि.अनिरूद्ध शर्मा

नाम : श्री चेतन शर्मा, छिन्दवाड़ा
Deputy manager, Dilip buildcon Ltd.(Toll Plaza) Parasiya Chhindwara.
ग्राम : अकोड़ा, जिला–भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 8103210222
वर्त. नि.: परासिया, जिला–छिंदवाड़ा
पिता : श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती मुन्नी देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती पूनम शर्मा B.A. (भारद्वाज)
(पिताश्री दामोदर प्रसाद शर्मा, सिमार)

नाम : श्री अजय शर्मा, काशीपुर उत्तराखण्ड
सूर्या रोशनी लिमिटेड, काशीपुर (उत्तराखण्ड) में Quality control department में कार्यरत।
Edu- B.Sc. (Maths) I.T.I.
ग्राम : गिंगरखी, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शताब्दीपुरम, फेज 2 ग्वालियर
मो. : 9926316701
पिता : श्री विनायक राम शर्मा (श्रोत्रिय)
माता : श्रीमती सुशीला शर्मा (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती गौरी शर्मा(चौबे)
(पिताश्री सत्यनारायण शर्मा, बम्होरा)
सुपुत्र : चि. आरव शर्मा

नाम : श्री जितेन्द्र शर्मा, भिण्ड
शिक्षक (प्राइवेट स्कूल)
आर.एस.एस. में मेहगाँव खंड के खण्ड कार्यवाह
Edu- B.Ed.
ग्राम : गिंगरखी, जिला भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9617089547
पिता : श्री भगवान स्वरूप शर्मा (श्रोत्रिय)
माता : श्रीमती अनारवती शर्मा (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती पूजा शर्मा (चौबे)
(पिताश्री रामशिरोमणि शर्मा, दबोहा)
सुपुत्र : चि. सक्षम शर्मा (7th)
सुपुत्री : कु. सारिका शर्मा (5th)

नाम : श्री पवन कुमार शर्मा मुरैना
शा.प्रा.मा. विद्यालय देवरी (जौरा) में प्रधानाध्यापक पद पर पदस्थ।
ग्राम : रूधावली, जिला–मुरैना (म.प्र.)
निवास : पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना
मो. : 9926916227
पिता : स्व.श्री दाताराम शर्मा (मुड़ियारे)
माता : श्रीमती रामखिलौनी देवी
पत्नी : श्रीमती उषा शर्मा (सीरोठिया)
सुपुत्र : श्री शुभम शर्मा (स्टेनोग्राफर) (नगर निगम, ग्वालियर)
पुत्रवधू : श्रीमती अंजली शर्मा (मुदगल)
सुपुत्र : डॉ. ऋषभ शर्मा (M.B.B.S) Pursuing (Index Medical College, Indore)
नातिनी : कु.सृष्टि शर्मा पुत्री श्रीमती दुर्गेश शर्मा

नाम : श्री रविन्द्र चतुर्वेदी, मुरैना
रवि ऑटो पार्ट्स शॉप, मुरैना (म.प्र.)
ग्राम : सिमार, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नैनागढ़ रोड, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 7987186545
पिता : स्व. श्री भरत चतुर्वेदी (रिटा. डिप्टी डायरेक्टर, कृषि विभाग)
माता : स्व.श्रीमती कैलाशी चतुर्वेदी (वशिष्ट, कूप)
पत्नी : श्रीमती उर्मिला चतुर्वेदी (दीक्षित)
सुपुत्र : इंजी. श्री राहुल चतुर्वेदी (B.E)Mech. (Chief Engineer in MSI Co. Singapore,)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (B.E) (Electronics, B.Ed. Pursuing) (पिताश्री राजेश शर्मा फुसैंतिया, रूअर)
पौत्र : चि.रेहांश चतुर्वेदी
पौत्र : चि.शिवाय चतुर्वेदी

नाम : श्री राम शंकर शर्मा, मुरैना
से.नि. म.प्र. राज्य परिवहन निगम
ग्राम : गाँव रूधावली जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9074058810
पिता : स्व. श्री दाताराम शर्मा (मुड़ियारे)
माता : श्रीमती राम खिलोनी देवी
पत्नी : श्रीमती सरोज शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : श्री आकाश शर्मा (वन विभाग)
पुत्रवधू : श्रीमती भारती शर्मा (बड़ेले)
पौत्र : चि.अभिनव शर्मा

नाम : श्री भगवती प्रसाद शर्मा, मुरैना
रिटा.म.प्र.राज्य परिवहन निगम
वरिष्ठ कांग्रेस उपाध्यक्ष, मुरैना
ग्राम : रूधावली, जिला–मुरैना (म.प्र.)
निवासी : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना
मो. : 9425126234
पिता : स्व. श्री हरदयाल शर्मा (अऐलिया)
पत्नी : श्रीमती सुधा शर्मा (जोशी)
सुपुत्र : इंजी. श्री शुभम शर्मा (सब इंजीनियर) (MPHIDB हाउसिंग बोर्ड मध्यप्रदेश)
सुपुत्र : इंजी. श्री साकेत शर्मा (B.Tech) Computer Science, MITS Gwalior
Digital Specialist Engineer Infosys, Chandigarh

नाम : श्री नवीन शर्मा (जिला न्यायाधीश), भोपाल
जिला न्यायाधीश (District Judge) वर्तमान पदस्थापना अतिरिक्त सचिव, मध्यप्रदेश शासन विधि और विधायी कार्य विभाग, भोपाल।
ग्राम : सिहोरी, तह. जौरा, जिला मुरैना।
निवास : सिद्ध नगर कॉलोनी, नैनागढ़ रोड़ मुरैना (म.प्र.)
वर्त.नि. : डी3/1, चार इमली, भोपाल
पिता : श्री रामजीलाल शर्मा तिवारी (सेवा निवृत्त शिक्षक)
माता : स्व. श्रीमती कैलाश्री देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती गुड्डी शर्मा (गौतम)
(पिताश्री स्व.श्री रामगोपाल गौतम, ग्राम सांटा)
सुपुत्र : श्री आशुतोष शर्मा (24 वर्ष)
(बी.ए.एल.एल.बी.)
सुपुत्री : कु. लक्ष्मी शर्मा (21 वर्ष)
(बी.ए.सोशल वर्क ऑनर्स)

नाम : श्री राकेश शर्मा (इंस्पेक्टर), सागर
म.प्र. पुलिस, थाना प्रभारी गोपाल गंज जिला सागर में पदस्थ
ग्राम : लालवास, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9584709589
पिता : श्री रामजी लाल शर्मा (जोशी)
माता : श्रीमती राजवती पाराशर (रूधावली)
पत्नी : श्रीमती विनीता शर्मा (ढमोले)
(पिताश्री स्व. महादेव प्रसाद ढमोले, भगवासा)
सुपुत्री : कु. दिव्यांशी शर्मा (कक्षा 9)
सुपुत्री : कु. अनन्या शर्मा (कक्षा 1)
सुपुत्र : चि. रूद्र शर्मा

नाम : श्री अजय शर्मा, मुरैना
Field Officer, Cadila Pharmaceutical Company HQ-Morena
ग्राम : कुम्हेरी, जिला मुरैना
निवास : ओल्ड हाउसिंग बोर्ड, कॉलोनी मुरैना
मो. : 8120624552
पिता : श्री जगदीश शर्मा (पाराशर)
माता : श्रीमती शरवती शर्मा
पत्नी : श्रीमती आरती शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री जितेन्द्र शर्मा, हड़वासी)
सुपुत्र : चि. अनुज शर्मा (4th)
सुपुत्र : चि.आराध्य शर्मा (LKG)

नाम : इंजी श्री अभिषेक शर्मा, सागर
Manager at IHP Company. ltd., Sagar (M.P.)
Edu- B.E (civil) M.I.T.S Gwalior
ग्राम : पाय का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9950743401
पिता : श्री सीताराम शर्मा (तिवारी)
माता : श्रीमती रामश्री शर्मा
पत्नी : श्रीमती अनुष्का शर्मा (गौतम)
(B.Sc., B.Ed)
सुपुत्री : कु. श्रेया शर्मा

नाम : इंजी श्री विजय भारद्वाज, नोएडा
Technical Lead in HCL, Noida.
Edu- B.tech. LNCT. Bhopal
ग्राम : छिद्दे का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना
निवास : सिटी सेन्टर, ग्वालियर(म.प्र.)
मो. : 9977213636
पिता : श्री राम नरेश शर्मा(प्राचार्य)
(भीकनगांव, जिला खरगोन, मध्यप्रदेश)
माता : श्रीमती विमला शर्मा(सागोरिया)
पत्नी : श्रीमती दुर्गेश शर्मा(मुडियारे)
(म.प्र. पुलिस विभाग, ग्वालियर पदस्थ)
(पिताश्री पवन शर्मा जी, रूधावली वाले)
सुपुत्री : कु.सृष्टि भारद्वाज

नाम : इंजी. श्री संतोष शर्मा, दिल्ली
Asst. Manager Fritt Solar Pvt. Ltd. Delhi
krishna Home Desing N Planes'
नाम से आर्किटेक्ट का निजी कार्य।
ग्राम : सांटा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : चुंगी नाका रोड, राम जानकी मंदिर
के पास गोपाल पुरा, मुरैना
वर्त.नि. : न्यू अशोक नगर, दिल्ली
मो. : 8120608957
पिता : श्री अमरसिंह तिवारी
दादा : चौ. श्री रामस्वरूप तिवारी
माता : श्रीमती रामसखी शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती रीना शर्मा B.Sc-Bio, D.Ed
(पिताश्री हरीशंकर पाराशर, कुम्हेरी)
सुपुत्र : चि. युवान शर्मा
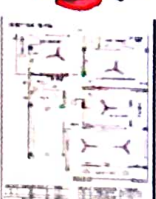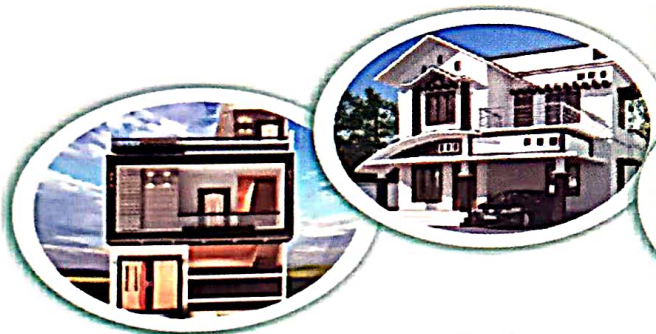
नाम : श्री दीपचंद शर्मा, विदिशा
विदिशा जिले में कॉन्टैक्टरशिप कार्य
ग्राम : खुटियानी हार, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : गोपाल पुरा, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 83195 01182
पिता : श्री केदारनाथ शर्मा (भारद्वाज)
माता : श्रीमती शांति देवी (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती हीरा शर्मा (गौतम)
(पिताश्री नाथूराम शर्मा, दोहरी)
सुपुत्री : कु. प्रिंसी शर्मा (12th pass)
सुपुत्री : कु. तनु शर्मा (11th)
सुपुत्री : कु. गुनगुन शर्मा (7th)
सुपुत्र : चि. गुनीत शर्मा (4th)
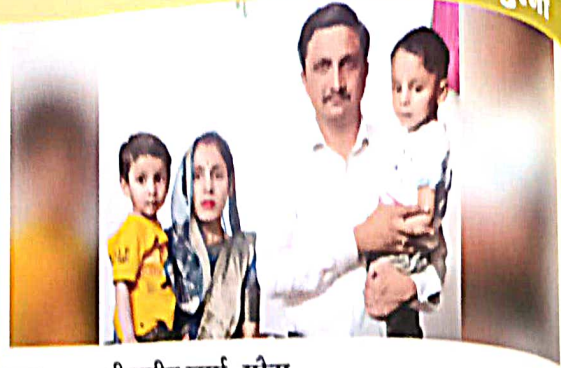
नाम : श्री प्रदीप शर्मा, मुरैना
इफको ई बाजार (किसान समृद्धि केन्द्र कृषि उपज मंडी) मुरैना में विक्रय अधिकारी के रूप में पदस्थ
ग्राम : हड़ंवासी, जिला-मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9754117587
पिता : श्री रामनरेश शर्मा (तिवारी)
माता : श्रीमती सरला शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती कल्पना शर्मा (जोशी) गंज रामपुर
सुपुत्र : चि.माधव शर्मा
सुपुत्र : चि.चेतन शर्मा
निवास : बाल निकेतन रोड, गोपालपुरा, मुरैना
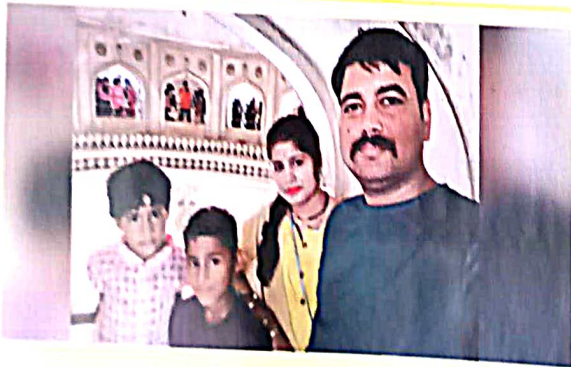
नाम : श्री शशिकांत शर्मा
शिव मोबाइल्स सेल्स एण्ड रिपेयर्स नाम से मुरैना शहर में न्यू बस स्टैंड पर मोबाइल शॉप (शॉप न. 96) संचालित।
ग्राम : खुटियांनी हार, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : पुराना चुंगी नाका रोड़, गोपाल पुरा, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 7000206642
पिता : श्री केदारनाथ शर्मा (भारद्वाज)
माता : श्रीमती शांती शर्मा (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती यशोदा शर्मा (गौतम)
(पिताश्री राकेश शर्मा गौतम)
सुपुत्र : चि. ओम शर्मा (5th)
सुपुत्री : कु.कुमुद शर्मा(2nd)

नाम : श्री रविकान्त शर्मा, मुरैना
रिटायर्ड इंडियन आर्मी एवं शिक्षक सिंगरौली
ग्राम : हड़वासी,जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : गोपालपुरा, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 7000206643
पिता : श्री हरीशंकर शर्मा (तिवारी)
दादा : स्व.श्री रामनारायण शर्मा
माता : श्रीमती नर्मदा शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती सरिता शर्मा (शास. शिक्षक)
(पिताश्री केदारनाथ भारद्वाज, खुटियानी हार)
(म.प्र. राज्य परिवहन निगम से सेवा निवृत्त)
सुपुत्र : चि. प्रतीक शर्मा
सुपुत्री : कु. प्रतीक्षा शर्मा

नाम : इंजी. श्री धर्मेन्द्र शर्मा (USA)
Recently working as Software Engineer in, HCL America Inc. Company Dallas (U.S)
Edu- B.E(IT) LNCT Bhopal
ग्राम : बावरी पुरा, जिला–मुरैना (म.प्र.)
निवास : न्यू गांधी कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)
पिता : श्री मुरारी लाल शर्मा (बढ़ेले)
माता : श्रीमती गुड्डी देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती रूचि शर्मा (M.Sc, B.Ed)
(पिताश्री रामनिवास शर्मा, श्रोत्रिय, चंदहारा)
सुपुत्र : चि. नचिकेत शर्मा
सुपुत्र : चि. रिशांक शर्मा

नाम : डॉ. अभिषेक शर्मा, मुरैना
Medical Officer in PHC Ramnagar, Morena
MBBS (Index Medical College, Indore)
ग्राम : मिरघान, जिला–मुरैना (म.प्र.)
निवास : कंषाना गली, दत्तपुरा, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 8349541444
पिता : श्री देवेश शर्मा पत्रकार
पत्नी : डॉ. श्रीमती पूजा शर्मा (M.S., Gyne)
(GR Medical College, Gwalior)
(Working in Distt. Hospital, Morena)
(पिताश्री बृजेश शर्मा, मिरघान)
सुपुत्र : चि. दर्श शर्मा

नाम : श्री अशोक शर्मा, मुरैना
जिला मंत्री भाजपा, मुरैना
ग्राम : हड़वाँसी, जौरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : एस.पी.बंगले के सामने, गायत्री कॉलोनी मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9300651558
पिता : स्व. बौहरे रामस्वरूप शर्मा (भारद्वाज)
पत्नी : श्रीमती प्रिया शर्मा (तिवारी)पूर्व सरपंच
(उपाध्यक्ष मार्केटिंग सोसायटी जौरा, जिला मुरैना)
सुपुत्री : कु. अनुष्का शर्मा (B.Sc. Maths & Steno)
सुपुत्र : चि.अभिशांक शर्मा (12th) NDA Preparation

नाम : इंजी. श्री महेन्द्र शर्मा, मुरैना(म.प्र.)
लोक निर्माण विभाग (PWD) मुरैना में सब इंजीनियर पद पर पदस्थ।
ग्राम : सिरमौर का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : हरिराज टाकीज के पीछे, शिवनगर, वनखंडी रोड़, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9425364646
पिता : स्व.श्री रामजीलाल शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती कमलेश शर्मा (चौबे)
सुपुत्र : चि. युगांक जोशी (12th)
सुपुत्री : इंजी. श्रीमती काकुल शर्मा
(B.E.Chemical Working as Engineer in Shriram Group, Kota(RAj))
दामाद : इंजी. श्री लोकेश शर्मा, (बाज का पुरा)

नाम : इंजी. श्री गौरव शर्मा, मुरैना
Asst. Manager in Shriram Finance company ltd Branch Morena
Edu- B.E.(E&C) RGPV
ग्राम : सांटा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : संजय कॉलोनी, वी.आई.पी रोड़, मुरैना
मो. : 7049087498
पिता : श्री रामनरेश शर्मा (गौतम)
दादा : स्व.श्री देवराम शर्मा सरपंच
माता : श्रीमती माधुरी शर्मा
पत्नी : श्रीमती पूजा शर्मा (पाराशर)
(पिताश्री रामअवतार शर्मा, हड़वासी)
(प्रधानाध्यापक, शा.प्रा. विद्यालय, हड़वासी)
सुपुत्र : चि. पूर्व शर्मा (5yr)

नाम : प्रो. श्री सुनील शर्मा, श्योपुर
सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय कराहल, जिला श्योपुर एवं डिस्ट्रिक्ट एंबेसडर न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020.
Edu-MA & NET, SET
ग्राम : सांटा, जिला मुरैना
निवास : पीजी कॉलेज के बगल से, प्रेमनगर, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9827324901
पिता : श्री दिनेश शर्मा (सरीधिया)
पत्नी : श्रीमती गीता शर्मा (गौतम)
(पिताश्री श्रीनिवास शर्मा, पराय वाले)
(शर्मा कृषि फॉर्म, गंज मोड़, मुरैना)
सुपुत्र : चि. धनंजय शर्मा

नाम : श्री परशुराम शर्मा, मुरैना
B.S.F में मेघालय में पदस्थ
ग्राम : सिकरौदा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : लक्ष्मी नगर, लक्ष्मी दाल मिल वाली गली, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 8420774893
पिता : स्व.श्री बनवारी लाल पाराशर
दादा : स्व.श्री तेज सिंह पाराशर
पत्नी : श्रीमती रचना शर्मा (सागोरिया)
(पिताश्री रामसिंह शर्मा, बिंडवा)
सुपुत्र : चि. प्रेम शर्मा (12th)
भाई : श्री अरस्तु पाराशर (व्यवसाय)
अनुजवधू : श्रीमती रेनू शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री मुकेश तिवारी गंज रामपुर)
भतीजी : कु.भव्या शर्मा (नर्सरी)

नाम : श्री बालकृष्ण शर्मा, मुरैना
सराफा व्यवसाय के साथ, विहिप में विभाग मंत्री का दायित्व एवं गौ संवर्धन जिला बोर्ड के उपाध्यक्ष।
ग्राम : कुम्हेरी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : महावीर अपार्टमेंट, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9893215795
पिता : स्व.श्री सियाराम शर्मा (सिंघोलिया)
माता : श्रीमती रामकुंवर (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती शिवानी शर्मा (पचौरी)
(पिताश्री कमल किशोर पचौरी, बरेली)
(ताऊजी श्री नरसी प्रसाद जी पचौरी, बरेली)
सुपुत्री : कु. राधिका शर्मा B.Sc.(C.S.)
(अध्ययनरत फाइन आर्ट, भारतीय संगीत एवं संस्कृति परिषद, कोलकाता)
सुपुत्र : चि. कार्तिकेय शर्मा (सोम)(IIT Prepration)

म : श्री रामसुन्दर शर्मा, मुरैना
Area Procurement officer चम्बल महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी लिमि. मुरैना
Edu- B.Tech(agriculture Engineering) JNKVV, jabalpur
म : सिकरौदा, जिला मुरैना (म.प्र.)
. : 8815111195
ता : श्री जगदीश शर्मा (लुहोरिया)
दा : श्री रामचरण शर्मा
दी : श्रीमती राम कटोरी (तिवारी)
ता : श्रीमती राजाबेटी (जोशी)
नी : श्रीमती साधना शर्मा (सिंघोलिया)
(पिताश्री महेश शर्मा सिंघोलिया, बिंडवा)

नाम : श्री दिनेश शर्मा, वापी गुजरात
Deputy Manager in Raymond ltd. Vapi, Gujarat
ग्राम : सिकरौदा, जिला – मुरैना (म.प्र.)
निवास : तिथल रोड, बलसाड, गुजरात
एवं नहर चौराहा, सिकरौदा, मुरैना।
मो. : 9825931022
पिता : श्री रामसुन्दर शर्मा (सिंघौलिया)
माता : श्रीमती रामखिलौनी शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती रेनू शर्मा (पचौरी)
सुपुत्र : डॉ. अनुभव शर्मा (MBBS)
(GMERS medical College, Patan)
पुत्रवधू : श्रीमती नेहा शर्मा (B.Sc Maths)
(पिताश्री अरविन्द शर्मा भारद्वाज, गंज रामपुर)
सुपुत्र : चि. आयुष शर्मा (B.Pharma)Pursuing
(Pioneer Pharmacy Institute, Vadodara)
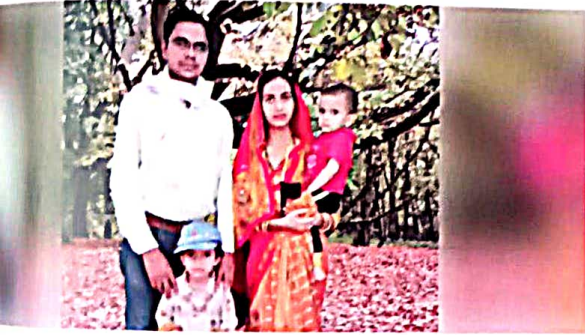
म : श्री निरंजन शर्मा, मुरैना
शिक्षा विभाग म.प्र. में शिक्षक पद पर कांसपुरा जिला मुरैना में पदस्थ।
(B.Sc,B.Ed)
म : खुटियानी हार, तह. जौरा जिला मुरैना (म.प्र.)
वास : दाऊजी धाम पैलेस के पास, जौरा रोड़, मुरैना (म.प्र.)
: 9993071671
ता : श्री मेवाराम जी (स्वामी गीतानन्द जी)
ता : स्व.श्रीमती रामबेटी शर्मा (पचौरी)
नी : श्रीमती पिंकी शर्मा (बढ़ेले)खड़िया बेहड़
त्री : कु. गौरी (रितिका)भारद्वाज
त्र : चि. गौरव (नियंत)भारद्वाज

नाम : श्री सतीश शर्मा भारद्वाज, बीना
म.प्र. पुलिस विभाग, वर्तमान में बीना, सागर में पदस्थ
ग्राम : खुटियानी हार, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : दाऊजी पैलेस के पास, जौरा रोड़ मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9179557555
पिता : श्री मेवाराम शर्मा (स्वामी गीतानंद जी)
माता : स्व.श्रीमती रामबेटी शर्मा (पचौरी)
पत्नी : श्रीमती माण्डवी शर्मा (चतुर्वेदी) चंदहारा
(पिताश्री सर्वेश चतुर्वेदी, चंदहारा, जिला भिण्ड)

नाम : श्री हरेन्द्र शर्मा, मुरैना
Director: The Future Moulders]
Defence Academy Morena
ग्राम : सामले सिंह का पुरा, रामपुर गंज, मुरैना (म.प्र.)
निवास : MIG-237 न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9200221115
पिता : श्री रामगोपाल शर्मा (भारद्वाज)
माता : श्रीमती रामबेटी शर्मा (फुसें तिया)
पत्नी : श्रीमती स्व.भूरी शर्मा (मुड़ियारे)
सुपुत्री : कु. राखी शर्मा ( B.Sc, B.Ed अध्ययनरत)
सुपुत्र : चि.यश शर्मा (NDA Training) (For Sub Lieutenant)

नाम : इंजी. श्री सचिन शर्मा, मुरैना
सहा.क्षेत्रीय प्रबंधक (रीको) बारां–कोटा
(राजस्थान इंडस्टियल एवं इन्वेस्टमेंट कॉर्पो)
Education - BE(Civil)MITS GWI.
ग्राम : चांद का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : सुरेश नगर , ग्वालियर रोड़, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 7340058478
पिता : श्री सत्यदेव शर्मा सागौरिया (शिक्षक)
माता : श्रीमती सरोज देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती शिल्पी शर्मा (बेरीबार) (M.Sc., B.Ed)
: पिताश्री – श्रीरामदास शर्मा
प्रबंधक, वेअर हाउस, उज्जैन
सुपुत्र : चि.निकुंज शर्मा

नाम : श्री अजय कांत शर्मा, ग्वालियर
म.प्र. पुलिस (स्पेशल ब्रांच), वर्तमान में जोनल पुलिस अधीक्षक कार्यालय (विशेष)ग्वालियर में पदस्थ
ग्राम : हड़वासी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : पुलिस कालोनी, थाना महाराजपुरा, जिला ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9165354466
पिता : श्री रामनरेश शर्मा (तिवारी)
दादा : स्व.श्री सरमन लाल शर्मा
पत्नी : श्रीमती प्रियंका शर्मा (चतुर्वेदी)
पुत्री : कु. यशिका शर्मा

नाम : श्री धीरेन्द्र शर्मा, उज्जैन
Sales & Marketing Manager in Gramophone Agri. Company
HQ. Ujjain
Edu- M.Sc. Ag,
ग्राम : विसनोरी, तह. जौरा, जिला मुरैना
निवास : सार्थक नगर, उज्जैन
मो. : 9009881313
पिता : श्री रघुवीर शर्मा (भारद्वाज)
माता : श्रीमती गुड्डी शर्मा (सरीधिया)
पत्नी : श्रीमती रीना शर्मा (जोशी)
सुपुत्री : कु. श्वेता शर्मा
सुपुत्री : कु. भूमिका शर्मा

म : श्री सोम प्रकाश शर्मा(MCA), मुरैना
म : अमरपुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
वास : विक्रम नगर, मुरैना (म.प्र.)
. : 9753491216
ता : श्री मातादीन शर्मा (पाराशर)
ता : श्रीमती रामखिलोनी शर्मा (सिंघोलिया)
ली : श्रीमती मीना शर्मा (B.Sc., M.A.)
(ICDS सुपरवाइजर, कैलारस, जिला मुरैना)
(पिताश्री राम शंकर शर्मा, मुड़ियारे, रूधावली)
पुत्री : कु. पिनाकी पाराशर

नाम : श्री सौरभ शर्मा, मुरैना
राजस्व विभाग, पटवारी, तह.मुरैना
BE (CSE) TIEIT Bhopal
ग्राम : अमरपुरा, तह. अम्बाह, जिला मुरैना(म.प्र.)
निवास : विक्रम नगर, मुरैना(म.प्र.)
मो. : 9713785092
पिता : श्री रामलखन शर्मा (उपाध्याय)
माता : श्रीमती मनोरमा शर्मा (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती वर्षा शर्मा (B.Sc.Bio)
(राजस्व विभाग, पटवारी, तह.मुरैना)
(पिताश्री रामशंकर शर्मा, मुड़ियारे, रूधावली)
सुपुत्र : चि. दिव्यांश शर्मा

म : श्री राम लखन शर्मा, मुरैना
रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स(RPF) में मुरैना पदस्थ
म : लालवास, जिला मुरैना (म.प्र.)
वास : हनुमान जी बाली गली, विक्रम नगर, मुरैना (म.प्र.)
. : 7000660763
ता : श्री रामजी लाल शर्मा (जोशी)
ता : श्रीमती राजवती शर्मा (पाराशर)
ली : श्रीमती गिरिजा शर्मा (तिवारी)
पुत्र : चि. अंकित शर्मा (B.Tech)
(UPSC Prepration)
पुत्री : कु. याशिका शर्मा (B.A)
(UPSC Prepration)

नाम : श्री हरिओम शर्मा, बैतूल
प्रधानाध्यापक शा. माध्यमिक विद्यालय
(कुकरू) बैतूल (म.प्र.)
ग्राम : रूधावली, जिला – मुरैना
निवास : विक्रम नगर, हनुमान जी वाली गली,
मुरैना (म.प्र.)
मो. : 8770027634
पिता : स्व.श्री दाताराम शर्मा (मुड़ियारे)
माता : श्रीमती रामखिलोनी देवी (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती मनीषा शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : चि.अनुज शर्मा (12th) Pass
सुपुत्र : चि.वैभव शर्मा

नाम : श्री सुधाकर पचौरी, मुरैना
किसान भारती ऐग्रो पर्पज को ऑपरेटिव सोसायटी लिमि.एवं ग्रामोत्थान ऐग्री हर्ब एंड मार्केटिंग इंडिया प्राइवेट लिमि. (हर्बल उत्पाद निर्माता)
Edu- MBA(HR)
ग्राम : मिरघान, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : दत्तपुरा, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9303801007
पिता : स्व.श्री राम सेवक पचौरी
माता : स्व.श्रीमती राम बेटी शर्मा
पत्नी : श्रीमती सपना शर्मा (दीक्षित)
(पिताश्री पंडित श्री कृष्णगोपाल दीक्षित)
(से.नि.शिक्षक, निवासी फूप, जिला भिण्ड)
सुपुत्री : कु. अनन्या अवनी पचौरी (9th)
सुपुत्री : कु.रूद्राक्ष पचौरी

नाम : श्री जितेन्द्र शर्मा, मुरैना
Army Defence (Security Core) में आसाम राज्य में पदस्थ
ग्राम : सिकरौदा, जिला मुरैना
निवास : वार्ड क्रमांक 01, बड़ोखर, मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9602525593
पिता : श्री जगदीश शर्मा (लुहोरिया)
माता : श्रीमती राजा बेटी (जोशी)
दादा : श्री राम चरण शर्मा
पत्नी : श्रीमती भावना शर्मा (गौतम, कुम्हेरी)
सुपुत्री : कु.योगिता शर्मा (7th)
सुपुत्र : चि. सौरभ शर्मा (3rd)
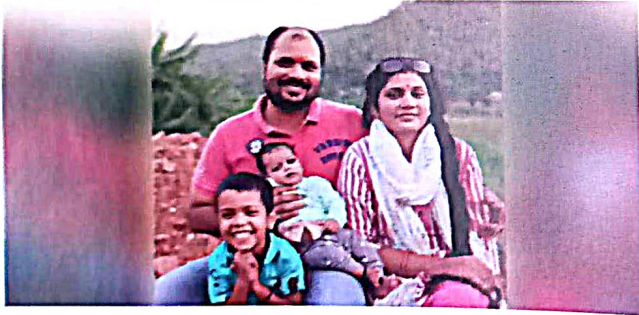
नाम : इंजी.श्री विवेक शर्मा, ग्वालियर
Physics Faculty at Shikhar Classes,Gwalior
Edu- B.Tech (Mechanical)
ग्राम : गंज रामपुर, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : गंज रामपुर मोड़, हनुमान मंदिर के सामने, मुरैना (म.प्र.)
वर्त.नि. : अलकापुरी, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 8077423877
पिता : श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (मुद्गल)
दादा : श्री राधाकृष्ण मुद्गल
माता : श्रीमती अंगूरी शर्मा (भारद्वाज)
पत्नी : श्रीमती मधु शर्मा (पाराशर, साँटा)
सुपुत्र : चि. साक्ष्य शर्मा
सुपुत्री : कु. माविका शर्मा

नाम : श्री महेश शर्मा, इन्दौर
Head of Export Department in Simran Nutrifoods Pvt. ltd. Indore
ग्राम : गंज रामपुर, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : सेंचुरी पार्क, राजेन्द्र नगर, इन्दौर (म.प्र.)
मो. : 9826291475
पिता : श्री जीवाराम भारद्वाज
पत्नी : श्रीमती प्रगति शर्मा (तिवारी)
सुपुत्र : चि.सूर्यांश शर्मा
सुपुत्री : कु. आराध्या शर्मा

नाम : श्री राम अवतार शर्मा, अम्बाह
से.नि. प्राचार्य, मा. शिक्षा राजस्थान
ग्राम : जगमोहन का पुरा, जिला धौलपुर (राज.)
निवास : मुरैना रोड़, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9799694311
पिता : श्री द्वारिका प्रसाद शर्मा (दीक्षित)
पत्नी : श्रीमती पुष्पा शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : श्री आनन्द कुमार दीक्षित (GNM)
(स्टाफ नर्स– पुरूष, जिला चिकित्सालय भिण्ड (म.प्र.))
पुत्रवधू : श्रीमती शकुन्तला दीक्षित (B.A)
(पिताश्री तहसीलदार शर्मा, श्रोत्रिय गिंगरखी)
पौत्र : चि. तेजस्वी दीक्षित (9th)
पौत्र : चि. चिरंजीव दीक्षित (7th)

नाम : श्री राजीव शर्मा, इन्दौर
Asst. Manager(Production)
in Cipla Pharmaceutical
Company. Indore
Edu- M.Pharma
ग्राम : सिरमौर का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : सिलिकॉन सिटी, इन्दौर
मो. : 8263884247
पिता : श्री सुरेश चन्द्र शर्मा (जोशी)
माता : श्रीमती रामबेटी शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती मणिप्रभा शर्मा (M.Sc.)
(पिताश्री श्रीनिवास उपाध्याय, कंढैया)
सुपुत्र : चि. अर्नव शर्मा

नाम : इंजी. श्री राज कुमार शर्मा, पटियाला
नेताजी सुभाष राष्टीय क्रीड़ा संस्थान,
(भारतीय खेल प्राधिकरण), पटियाला
में इंजीनियर पद पर कार्यरत (B.E civil)
ग्राम : देवी सिंह का पुर, जिला मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9826413104
पिता : श्री रामजी लाल शर्मा (पाराशर)
माता : श्रीमती रेशमी देवी (जोशी)
पत्नी : श्रीमती भारती शर्मा (गौतम)
(पिताश्री हरीशंकर शर्मा गंज रामपुर)
सुपुत्र : चि. शुभम शर्मा (12th class)
सुपुत्र : चि. अवनीश शर्मा (10th Class)

नाम : श्री रामवीर शर्मा, भिण्ड
शिक्षक (उ.मा)जीव विज्ञान, शासकीय उच्चतर मा. विद्यालय, मेहगाँव, जिला–भिण्ड
ग्राम : चिंते का पुरा, तह. अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : शिवाजी नगर, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9977229709
पिता : स्व.श्री सालिकराम शर्मा (पाराशर)
माता : श्रीमती रामकली शर्मा (पचौरी)
पत्नी : श्रीमती सीमा शर्मा (एम.ए.डी.एड.)
(पिताश्री रामशंकर शर्मा, मुडियारे, रूधावली)
सुपुत्र : चि. अनन्त शर्मा

नाम : श्री बालकृष्ण शर्मा, अम्बाह,
शिक्षक, शिक्षा विभाग म.प्र. वर्तमान में प्रति नियुक्ति जिला समन्वयक व मास्टर ट्रेनर, राज्य आनंद संस्थान (कलेक्टर कार्यालय, मुरैना
ग्राम : अमरपुरा, अम्बाह, जिला-मुरैना (म.प्र.)
निवास : पुराने थाने के पीछे, अम्बाह (मुरैना)
मो. : 9826285430
पिता : स्व. श्री पन्नालाल उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती माया देवी (श्रोत्रिय)
(पिताश्री मातादीन श्रोत्रिय, मिरघान)
सुपुत्र : चि. अंशुल शर्मा(M.Sc.Chemistry)
(D.Ed., PGDCA)
सुपुत्र : चि. अंकित शर्मा (B.E.)CS.
(Pursuing, S.A.T.I. Vidisha)

नाम : श्री राजवीर शर्मा पत्रकार, अम्बाह
अधिमान्य पत्रकार, मध्यप्रदेश शासन एवं जिला अध्यक्ष, सिटी प्रेस क्लब मुरैना
ग्राम : लगंडिया, अम्बाह, जिला मुरैना
निवास : अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9425196854
पिता : स्व.श्री हरनारायण शर्मा (चतुर्वेदी)
पत्नी : श्रीमती मीरा देवी शर्मा (गौतम)
(पिताश्री स्व. रामदीन पटेल पराय वाले)
सुपुत्र : श्री संतोष शर्मा(B.Sc., DCA)
(होटल मैनेजमेंट, भोपाल)
सुपुत्र : चि.रामकिशन शर्मा (12th)

नाम : श्री अनीश शर्मा, पंजाब
इन्डियन एयर फोर्स, पंजाब में पदस्थ
ग्राम : चित्त का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : कृष्णा कॉलोनी, नगर पालिका के पास, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
मो. : 9485030250
पिता : श्री बनवारी लाल शर्मा (सरीथिया)
दादा : श्री राम सनेही शर्मा
माता : श्रीमती विमला शर्मा (सांटा)
पत्नी : श्रीमती शिवांगी शर्मा (कांकोरिया)
(पिताश्री राजकुमार शर्मा, सिकरी जालौन)
(दादाश्री सेवाराम शर्मा, से.नि. प्रधानाचार्य)
सुपुत्र : चि. शिवांश शर्मा (UKG)

नाम : इंजी. श्री पंकज शर्मा, नोएडा
Working in Synopsis India Pvt Ltd, Noida
Edu- M.Tech (ECE) JIIT, Noida
ग्राम : मरजादगढ़, जिला मुरैना म.प्र.
निवास : सुपरटेक केप्टाउन, सेक्टर 74, नोएडा एवं पी.जी. कॉलेज गेट के सामने, अम्बाह, जिला मुरैना
मो. : 9958025902
पिता : श्री राकेश शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती सत्यवती शर्मा
पत्नी : श्रीमती नेहा शर्मा (B.Com)
(पिताश्री महेश शर्मा सड़वारिया, मुरैना)
सुपुत्र : चि.ईशांत शर्मा
सुपुत्र : चि.दिव्यांश शर्मा

नाम : श्री श्याम सुन्दर तिवारी, उज्जैन
सेवा निवृत्त, भारतीय खाद्य निगम
अध्यक्ष, ऋषीश्वर ब्राह्मण समाज उज्जैन
ग्राम : सिरमौर का पुरा, जिला मुरैना
निवास : 21, बहादुरगंज, उज्जैन
मो. : 9425093708
पत्नी : श्रीमती कमलेश तिवारी
सुपुत्र : श्री हेमन्त तिवारी (उज्जैन)
सुपुत्र : श्री भूपेन्द्र तिवारी (सांगली)
श्री जी एग्रो इंडस्टीज, श्री महाकाल टेडिंग कम्पनी, उज्जैन और श्री महाकाल एग्रो इंडस्टीज सांगली में उद्योग संचालित, मो. 9372668872
पुत्रवधू : श्रीमती प्रीति तिवारी (मुड़ियारे)
सुपुत्री : कु.पलक तिवारी (12th)
सुपुत्र : चि. प्रथम तिवारी (8th)
सपुत्र : इंजी. श्री हिमांशु तिवारी
(Manager L&T Company, Mumbai)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रिया तिवारी (दीक्षित)

नाम : श्री महेश चन्द्र शर्मा (SI), उज्जैन
सब इंस्पेक्टर म.प्र. पुलिस उज्जैन में पदस्थ
(M.com, LLB, M.A.Astrology)
ग्राम : पिनाहट, जिला आगरा (उ.प्र.)
निवास : 64B, सार्थक नगर, उज्जैन
वर्त.नि. : NGO 1/1, पुलिस लाइन, उज्जैन
मो. : 9926462722
पिता : स्व. श्री. रामचरन शर्मा (गौतम)
माता : स्व. श्रीमती लीलावती शर्मा (सरीधिया)
पत्नी : श्रीमती रजनी शर्मा (लोहारिया)
(पिताश्री बाबूराम शर्मा, हड़वासी)
सुपुत्री : कु. कामाक्षी शर्मा (7th)
सुपुत्री : कु. छवि शर्मा (5th)
सुपुत्र : चि. छबीन्द्र शर्मा (5th)

नाम : श्री प्रमोद शर्मा, उज्जैन
प्रो. श्री जी ऑफसेट एण्ड पैकेजिंग, उज्जैन
ग्राम : सागर (म.प्र.)
निवास : हरी नगर, उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9827261434
पिता : स्व.श्री खचोरी प्रसाद शर्मा (बौहरे)
माता : श्रीमती सुमतरानी शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती नीतू शर्मा (भारद्वाज)
सुपुत्र : चि. काव्यांश शर्मा (4th)
सुपुत्र : चि. अश्विन शर्मा (3rd)

नाम : श्री राजेश जोशी, उज्जैन
General Manager in Hotel Lodging
पूर्व अध्यक्ष ऋषीश्वर ब्रा. समाज, उज्जैन
ग्राम : सिरमौर का पुरा, मुरैना (म.प्र.)
निवास : सार्थक नगर, उज्जैन
मो. : 7067777107
पिता : स्व. श्री वासुदेव प्रसाद जोशी
पत्नी : श्रीमती प्रेमलता जोशी (तिवारी)
सुपुत्री : इंजी.कु.प्रियंका जोशी (आर्किटेक्ट)
(B.Architect, ITM Gwalior)
सुपुत्र : चि. यश जोशी (B.E.)Pursuing

नाम : श्री उमाशंकर शर्मा, उज्जैन
जनरल मैनेजर क्षिप्रा एण्ड कम्पनी प्रा.लि., उज्जैन
सचिव ऋषीश्वर ब्राह्मण समाज, उज्जैन
ग्राम : बहेड़ा, जिला इटावा (उ.प्र.)
मो. : 9827243701
निवास : 204 सेठीनगर, उज्जैन (म.प्र.)
पिता : स्व. श्री रूप नारायण शर्मा (घृतकुल)
पत्नी : श्रीमती माया शर्मा
सुपुत्र : श्री आशीष शर्मा (C.A.)
(Senior manager-Audit, UPL ltd. Mumbai)
पुत्रवधू : श्रीमती संध्या शर्मा (गौतम) M.B.A
पौत्री : कु. इशिका शर्मा(6th)
पौत्री : कु. रियांशी शर्मा
सुपुत्र : इंजी.श्री अवनीश शर्मा (B.E, M.B.A)
(Head of operation, Kissht Finance, Mumbai)
पुत्रवधू : श्रीमती सत्या शर्मा (मुदगल)L.L.M.
(Senior Legal manager, Sicreva Capital Services ltd. Mumbai)
पौत्री : कु.अयारा शर्मा (UKG)

नाम : श्री प्रभात किशोर शर्मा, उज्जैन
सेवानिवृत सहायक यंत्री RES
निवास : HIG 1/4, अलखनंदा नगर, उज्जैन
मो. : 7694820085
पिता : स्व.श्री पहलवान शर्मा (दीक्षित)
पत्नी : श्रीमती ललिता शर्मा (ढमोले)
सुपुत्री : श्रीमती टीना शर्मा (MBA HR)
(HR in Accenture Services)
दामाद : इंजी.श्री जितेन्द्र शर्मा (B.Tech)
(Software Engineer in TCS)
सुपुत्री : श्रीमती मोनिका शर्मा (CA)
(Mindray Medical India Pvt Ltd)
दामाद : इंजी.श्री विकास शर्मा (M.Tech)
(Software Engineer InTCS)
सुपुत्री : कु. ऋतिशा शर्मा (7th)
सुपुत्र : चि. रूद्र शर्मा (7th)

नाम : श्री सुरेन्द्र शर्मा, उज्जैन
Zonal Sales Head. MP. Albaugh (Rotam) India Ltd. (USA). Indore MP. (M.Sc.Ag.)
ग्राम : बिरधनपुरा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9752530625
पिता : स्व.श्री कैलाशनारायण शर्मा (उपाध्याय)
माता : श्रीमती शकुंतला देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती मीना देवी शर्मा (पाराशर)
(पिताश्री स्व.सरनाम शर्मा, चपरा)
सुपुत्र : चि. राहुल शर्मा B.E.(E.C.). Bhopal
(Peparing for civil Services)
सुपुत्र : चि. अनुज शर्मा B.E.(E.C.). Ujjain
(Director-Shri Laxmi Seeds & Krishi Anusandhan Kendr. (ChandMukh) Ujjain

नाम : श्री संदीप शर्मा, उज्जैन
Regional manager
Krishi Rasayan ExPorts Pvt. ltd, Indore
ग्राम : बिरधनपुरा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : महावीर बाग कॉलोनी, इन्दौर रोड, उज्जैन
एवं शास्त्री नगर, A ब्लॉक, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9993029842
पिता : श्री बाबूराम शर्मा उपाध्याय(से.नि सर्वेयर)
माता : श्रीमती बसंती शर्मा
पत्नी : श्रीमती रूबी शर्मा (कुडरिया)
सुपुत्री : कु.नम्रता शर्मा (B.Sc. Pursuing)
सुपुत्र : चि. अवनीश शर्मा (12th)

: डॉ. सतीश शर्मा, उज्जैन
पशु चिकित्सा विभाग म.प्र. बड़नगर (उज्जैन) में VEO पद पर पदस्थ, M.V.Sc(Gynae)
: सिकरौदा जिला मुरैना (म.प्र.)
ास : B1/16 महाकाल वाणिज्य केन्द्र उज्जैन (म.प्र.)
: 9713820938
ा : श्री रामकुमार शर्मा (सड़वारिया)
ी : श्रीमती सोनम शर्मा (M.B.A)
(प्रोप. महाकाल वेटरिनरी क्लीनिक उज्जैन)
(पिताश्री मुन्नेश शर्मा तिवारी, दबोहा भिण्ड)
त्र : चि.आरव शर्मा
त्री : कु. दिशा शर्मा

नाम : श्री ध्रुव शर्मा, उज्जैन
Sales executive (HPM Chemicals & Fertilizer ltd.)(B.Sc.Ag)
ग्राम : गिंगरखी, तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 15 शाँन्ति परिसर, सुमन गार्डन के पास, उज्जैन
मो. : 7806025762
पिता : श्री भगवती प्रसाद शर्मा (मुदगल)
दादा : स्व.श्री वंशीलाल शर्मा
माता : श्रीमती रूमाली शर्मा (श्रोती)
(पिताश्री जगराम शर्मा, गिंगरखी)
पत्नी : श्रीमती मोहिनी शर्मा (गौतम)
(पिताश्री स्व. रामायणी शर्मा, साँटा)
सुपुत्र : चि.प्रणव शर्मा

नाम : श्री गोविन्द शर्मा, ब्यावरा
Agro Life Corporation कम्पनी में
सीनियर ऑफिसर, हेड क्वार्टर, ब्यावरा (म.प्र.)
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : कृष्णा परिसर एक्सटेंशन, उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9926856895
पिता : श्री जगदीश प्रसाद शर्मा (कुडरिया)
(पूर्व पोस्टमैन)
माता : श्रीमती संतोषी शर्मा (चौबे. जखौली)
पत्नी : श्रीमती रजनी शर्मा (ढमोले)
(पिताश्री स्व.श्री रामप्रकाश ढमोले, जामुना)
सुपुत्री : कु. इशिता शर्मा (6th)
सुपुत्री : कु. वैष्णवी शर्मा (1st)

नाम : श्री भूपेन्द्र तिवारी, उज्जैन
श्री जी एग्रो इंडस्ट्रीज व श्री महाकाल टेड्रिंग कम्पनी, उज्जैन और श्री महाकाल एग्रो इंडस्ट्रीज सांगली (महाराष्ट्र) में उद्योग संचालित।
ग्राम : सिरमौर का पुरा, मुरैना
निवास : बहादुरगंज, उज्जैन
मो. : 9372668872
पिता : श्री श्याम सुन्दर तिवारी
(से.नि. भारतीय खाद्य निगम)
(अध्यक्ष, ऋषीश्वर ब्राह्मण समाज उज्जैन)
माता : श्रीमती कमलेश तिवारी
पत्नी : श्रीमती प्रीति तिवारी (मुड़ियारे)
सुपुत्री : कु. पलक तिवारी (12th)
सुपुत्र : चि. प्रथम तिवारी (8th)

नाम : श्री सुधीर शर्मा, उज्जैन
इंस्पेक्टर आई.टी.बी.पी, कर्नाटक
Edu- M.Phil (Archaeology)
ग्राम : खेरिया महानंद, गोहद जिला, भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 69/A सुदामा नगर, उज्जैन
मो. : 8491918408
पिता : स्व.श्री सुरेश शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती गंगा देवी शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती स्वपना शर्मा (बौहरे)
(M.Phill Microbiology)
सुपुत्री : कु.श्रेया शर्मा
सुपुत्र : चि. शिवांश शर्मा

नाम : श्री सुरेश शर्मा, उज्जैन
शासकीय ठेकेदार, उज्जैन
ग्राम : चपरा, तह. गोरमी, जिला भिण्ड
निवास : 6/2 बसन्त बिहार, उज्जैन
मो. : 9575982520
पिता : स्व. श्री रामनारायण शर्मा (पाराशर)
(शासकीय ठेकेदार)
माता : स्व. खिलौनी देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती नम्रता शर्मा (गौतम, खुर्द)
सुपुत्र : चि. रूद्र शर्मा B.E Civil) Pursuing

ाम : श्री विवेक ऋषीश्वर इन्दौर
Sr. Manager, Bayer Crop Science, Indore
ाम : चन्दहारा, तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
वास : J-29, SS Infinitus, MR-11, Near Dewas Naka, Bombay Hospital, Indore
ो. : 9644648883
ता : इंजी. श्री कल्याण प्रसाद ऋषीश्वर (गौतम)
(से.नि. इंजीनियर जल संसाधन विभाग म.प्र.)
त्नी : श्रीमती बीनू ऋषीश्वर(M.Com.)
(पिताश्री परमानंद शर्मा बढ़ेले, बावरीपुरा वाले)
ुत्री : कु. युक्तिका ऋषीश्वर B.Tech.(IT)
(SGSITS Indore Madhya Pradesh)
ुत्र : चि. ओम ऋषीश्वर(11th)

नाम : श्री अनिल कुमार शर्मा, इन्दौर
General Manager in India Pesticide Ltd. Indore
Edu- M.Sc. Ag, M.B.A.
ग्राम : खांद का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : अंशल टाउनशिप, इंदौर (म.प्र.)
मो. : 7024138057
पिता : स्व. श्री श्रीचंद प्रसाद शर्मा (पचौरी)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा(M.A.)
(पिताश्री बंशीलाल शर्मा पाराशर, चपरा)
सुपुत्र : इंजी. श्री तन्मय शर्मा(M.Tech cs)
(Sec. Engineer Railway, Ahmedabad)
पुत्रवधू : इंजी. श्रीमती वर्षा शर्मा(M.Tech cs)
(पिताश्री आनन्द दीक्षित, सीएमओ, न.पा)
सुपुत्र : इंजी. चि. तुषार शर्मा(M.Tech) Pursuing
(Power Systems, SGSITS Indore)

म : श्री योगेन्द्र कुमार शर्मा, इन्दौर
असिस्टेंट जनरल मैनेजर, एच.पी.एम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर, इन्दौर
म : मिरघान, जिला मुरैना (म.प्र.)
ास : A-146, अंशल टाउनशिप, तलावली इन्दौर(म.प्र.)
. : 6260642001
ता : श्री महावीर प्रसाद शर्मा (उपाध्याय)
नी : श्रीमती रेखा शर्मा (श्रोत्रिय)
(पिताश्री रामनरेश शर्मा, भगवासा)
त्री : कु. गरिमा शर्मा (9th)
त्र : चि. नमन शर्मा(3rd)

नाम : श्री रमेश शर्मा, इन्दौर
Director, Stelloid Infrastructure pvt Ltd Indore.
ग्राम : चपरा जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : G.I.D.-061 डीएलएफ गार्डनसिटी बायपास मांगलिया, इन्दौर
मो. : 7428221735
पिता : स्व.श्री रामनारायण शर्मा (पाराशर)
शासकीय ठेकेदार
माता : स्व.श्रीमती खिलौनी देवी
पत्नी : श्रीमती ऊषा शर्मा (सिंघोलिया)
सुपुत्र : चि.मानव शर्मा B.Com.(Honours)
(Pursuing, Symbiosis Indore.)
सुपुत्र : चि.कृष्णा शर्मा (12th)

नाम : श्री रामजी लाल शर्मा, इन्दौर
से.नि.व्याख्याता,पूर्व अध्यक्ष ऋषिश्वर समाज, उज्जैन
ग्राम : जाफराबाद जिला मुरैना
निवास : 404 गोयल एवेन्यू निपानिया इन्दौर
मो. : 9893513231
पिता : स्व.श्री वृन्दावन लाल जी शर्मा (जोशी)
पत्नी : स्व.श्रीमती ऊषा देवी शर्मा (पाराशर)
सुपुत्र : श्री राकेश शर्मा (General Manager) (Projects) Ratnamani Metals and tubes Ltd, Gujrat
सुपुत्र : श्री राजीव शर्मा(प्रो.शर्मा ऑटो पार्ट्स)
सुपुत्र : श्री संजीव शर्मा, प्रो. न्यू शर्मा ऑटो पार्ट्स
सुपौत्र : चि. निकुंज राकेश शर्मा (M.S,CS) (USA)
सुपौत्र : चि. मनन राजीव शर्मा (20yr, BBA)
सुपौत्र : चि. कौस्तुभ संजीव शर्मा (BBA Pursuing)
सुपौत्र : चि. हर्षित संजीव शर्मा (13yr, 9th)
सुपौत्री : कु.निधि राकेश शर्मा (24yr)MBA HR (Talent acquisition Manager in Greendeck)
सुपौत्री : कु.खुशबु राजीव शर्मा (24yr) (Asst. Manager HDFC Bank, Indore

नाम : इंजी. श्री राजीव शर्मा, इन्दौर
शर्मा ऑटो पार्ट्स, इन्दौर
ग्राम : जाफराबाद, जिला मुरैना
निवास : A-187 प्राइम सिटी, सुखलिया, इन्दौर
मो. : 9425057106
पिता : श्री रामजीलाल शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती संगीता शर्मा(उपाध्याय)
(पिताश्री ओमप्रकाश उपाध्याय)
सुपुत्री : कु. खुशबू शर्मा (MBA)24 yr. (Asst. Manager HDFC Bank Ujjain)
सुपुत्र : चि. मनन शर्मा (18yr)

नाम : इंजी. श्री राकेश शर्मा, गांधीधाम
Working as General Manager (Electrical) in Ratnamani Metals & Tubes Gandhidham (Gujarat)
ग्राम : जाफराबाद, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : 02, मानसी विला, प्लॉट नम्बर 90/91, वार्ड 7 ए, गुरूकुल, गांधीधाम कच्छ गुजरात एवं 54-55 स्वामी विवेकानन्द नगर, 202 देवी दर्शन अपार्टमेंट बंगाली चौराहा के पास, इन्दौर
मो. : 9409195071
पिता : श्री रामजीलाल शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती सरला शर्मा, रूपाहाटी
(पिताश्री रामगोपाल शर्मा रूपहाटी)
सुपुत्र : इंजी.चि.निकुंज शर्माM.S. (cs) (New Jersey, USA), DOB 4/3/1994
सुपुत्री : कु.निधि शर्मा (M.B.A-HR) (Talent Acquisition manager in Greendeck)

नाम : श्री संजीव शर्मा, इन्दौर
न्यू शर्मा ऑटो पार्ट्स, इन्दौर
ग्राम : जाफराबाद, जिला मुरैना
निवास : 404 गोयल एवेन्यू निपानिया इन्दौर
मो. : 9425316231
पिता : श्री रामजीलाल शर्मा (जोशी)
माता : स्व.श्रीमती ऊषा शर्मा (पाराशर)
पत्नी : श्रीमती सुमन शर्मा (चतुर्वेदी)
(आर्किक्ट प्रोफेसर IPS Academy इन्दौर)
(पिताश्री दामोदर प्रसाद शर्मा, बम्हौरा)
सुपुत्र : चि. कौस्तुभ शर्मा (19yr)
सुपुत्र : चि. हर्षित शर्मा (13yr)

नाम : इंजी. श्री मदन मोहन दीक्षित, इन्दौर
Project Manager in Rakuten
(MNC) Company, Indore
Edu- B.E. (RGTU), MBA (ICFAI)
ग्राम : फूप, जिला भिण्ड, मध्यप्रदेश
निवास : D-21 काउंटी विला, काउंटी वॉक
टाउनशिप, सेक्टर F, झलारिया, इन्दौर म.प्र.
मो. : 9864111192
पिता : स्व.पं. श्री राम शंकर दीक्षित
माता : श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा (उपाध्याय, चंदहरा)
पत्नी : श्रीमती सुमन शर्मा (पचौरी, सिकरौदा)
सुपुत्री : कु. निवेदिता दीक्षित
सुपुत्र : चि. सर्वज्ञ दीक्षित
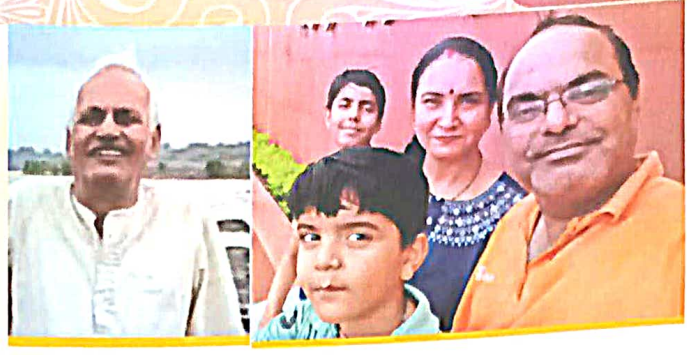
नाम : श्री उमेश शर्मा, इन्दौर
Nunhems India Pvt Ltd. (BASF)
सब्जी बीज कम्पनी में धामनोद,
जिला धार में कार्यरत
ग्राम : सकराया, अटेर, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 675, MR-3, महालक्ष्मी नगर, वार्ड 37,
जोन 8, इन्दौर (म.प्र.) एवं
धामनोद, तह. धर्मपुरी, जिला–धार
मो. : 9826941505
पिता : श्री राधेश्याम शर्मा (ढमोले)
(बगिया वाले, रिटायर्ड इंडियन आर्मी)
माता : श्रीमती जलका देवी
पत्नी : श्रीमती नम्रता शर्मा (पचौरी)
पिताश्री रूपकिशोर शर्मा बनवरिया
सुपुत्र : चि.उत्कर्ष शर्मा (8th)
सुपुत्र : चि. कपीश शर्मा (KG)

नाम : पं. श्री विश्वेश्वर शर्मा, इन्दौर
म.प्र. पुलिस विभाग में इन्दौर में पदस्थ।
ग्राम : सिमार, तह. मेहगाँव,
जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : अखण्ड नगर, एयरपोर्ट रोड़, इन्दौर (म.प्र.)
मो. : 9074589157
पिता : स्व.पं. श्री भीकाराम शर्मा (जोशी)
माता : स्व. श्रीमती सोनकली देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती कविता शर्मा (बिरथरिया)
सुपुत्र : श्री चेतन शर्मा (B.Com & B.Ed.)
सुपुत्री : कु. प्रिया शर्मा (B.Sc Computer Science)

नाम : पंडित श्री रविन्द्र शर्मा, इन्दौर
जीवन बीमा मुख्य सलाहकार(LIC)
ग्राम : सिमार, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : ऋषीश्वर भवन, कल्याण संपत आर्किड
अरविन्दो हॉस्पिटल के पास, उज्जैन रोड, इन्दौर।
मो. : 9826062766
पिता : स्व. पंडित श्री भीकाराम शर्मा (जोशी)
माता : स्व. श्रीमती सोनकली शर्मा
पत्नी : श्रीमती गीता शर्मा (बसेड़िया, चरथर)
सुपुत्र : श्री रोहित शर्मा (B.Tec.CS.)

नाम : श्री अशोक शर्मा, इन्दौर
म.प्र. पुलिस विभाग में इन्दौर में पदस्थ
ग्राम : सिमार तह. मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : लक्ष्मीपुरी कॉलोनी, किला मैदान, इन्दौर(म.प्र.)
मो. : 9826678920
पिता : स्व.पं.श्री भीकाराम शर्मा (जोशी)
माता : स्व. श्रीमती सोनकली शर्मा (चरथर)
पत्नी : श्रीमती सावित्री शर्मा
(वड़ेले, खड़िया बेहड़)
सुपुत्री : कु. मोहिनी शर्मा
(B.Sc.Ag) Pursuing
सुपुत्र : चि.आदित्य शर्मा (10th)

नाम : श्री राकेश शर्मा, इन्दौर
मैनेजर, कमला प्लास्टिक इंडस्टीज, इन्दौर
ग्राम : गंज रामपुर, जिला मुरैना
निवास : कल्याण संपत आर्किड, करोल बाग
के पास, इन्दौर
मो. : 9977039701
पिता : स्व.श्री राम नारायण जी (पाराशर)
माता : स्व.श्रीमती अनारकली शर्मा(बढ़ेले)
पत्नी : श्रीमती चंदा शर्मा (श्रोत्रिय)
सुपुत्र : चि.भावनेश शर्मा
(B.Tech.CS)Pursuing Prestige
Institute of Engineering, Indore

नाम : श्री महेश चतुर्वेदी, इन्दौर
से.नि.प्राचार्य & BEO (M.Sc., B.Ed)
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 326, गुलाब बाग कॉलोनी, देवास नाके के पास, अशोक देव, नागरी हाईस्कूल के पास, इन्दौर
मो. : 9406641982
पिता : स्व. श्री राम भरोसे लाल चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती नम्रता चतुर्वेदी (गौतम)
सुपुत्र : इंजी. श्री आकाश चतुर्वेदी (B.E.)
(Senior Technical Analyst, Co.Warner Bros. Discovery, London, U.k.)
पुत्रवधू : श्रीमती रूचि आकाश चतुर्वेदी (B.E.)
(पिताश्री प्रोफे. श्री बी.एल.शर्मा तिवारी, हड़वासी)
पौत्र : चि. अद्वय चतुर्वेदी
सुपुत्र : श्री अनुराग चतुर्वेदी (B.P.T, M.B.A)
(मार्केटिंग हेड, शैल्बी हॉस्पिटल, इन्दौर)
पुत्रवधू : श्रीमती राखी अनुराग चतुर्वेदी (B.Sc. B.Ed)
(पिताश्री रामकेश शर्मा जोशी S.I., सिमार)
पौत्र : चि. आरव चतुर्वेदी
पौत्री : कु. शान्वी चतुर्वेदी

नाम : इंजी. श्री बृजेश चतुर्वेदी, इन्दौर
Proprietor of SB Engineers & Co.
(Laser Engraving & Cutting)
Edu- B.E. (mech), MBA (Finance)
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : कासा ग्रीन टाउनशिप, तलावली चांदा, इन्दौर(म.प्र.)
मो. : 9926048805
पिता : स्व. श्री रामभरोसे लाल चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती नीरजा चतुर्वेदी (जोशी)
सुपुत्री : श्रीमती नेहा प्रशांत शर्मा (MBA)
दामाद : इंजी. श्री प्रशान्त शर्मा (B.E.Elex)
सुपुत्री : कु. शिवानी चतुर्वेदी (B.Com)
सुपुत्र : चि. वेदांश चतुर्वेदी (11th)

नाम : श्री धर्मेन्द्र शर्मा, इन्दौर
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में
सिविल सप्लाई अधिकारी, दतिया
पद पर पदस्थ।
Edu- B.E.(IT) MITS Gwl,
ग्राम : रामचरण का पुरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : आवासा लक्जरी रेजीडेंसी, इन्दौर (म.प्र.)
मो. : 7024795210
पिता : स्व. श्री छविराम शर्मा (पचौरी)
माता : श्रीमती बर्फी देवी
पत्नी : श्रीमती दीक्षा शर्मा (अहेलिया)
(पिताश्री मुन्नालाल शर्मा, रूधावली)
सुपुत्री : कु. गार्गी शर्मा

नाम : श्री मुन्नेश शर्मा, इन्दौर
मध्यप्रदेश पुलिस, इन्दौर हाईकोर्ट (म.प्र.)
ग्राम : पाली, फूप जिला– भिण्ड (म.प्र.)
निवास : B-76, लोटस पार्क कॉलोनी
उज्जैन रोड, इन्दौर & न्यू शंकर पुरी कॉलोनी,
भिण्ड रोड़, गोले का मन्दिर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो. : 9926471664
पिता : श्री रामकरन शर्मा (बिरथरिया)
माता : श्रीमती इन्द्रवती शर्मा
पत्नी : श्रीमती संजू शर्मा (चतुर्वेदी)
सुपुत्र : इंजी. श्री शिवांशु शर्मा
(M.C.A)DAVV
(IoT Analyst at Tata Consultancy
Services (TCS) Indore )

नाम : श्री वृजेन्द्र शर्मा, इन्दौर
Sub broken in Bonanza Portfolio
ltd.Indore
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : स्कीम न. 78, विजय नगर, इन्दौर
मो. : 9039408001
पिता : श्री रामाधार शर्मा (चौबे)
दादा : स्व. श्री ब्रह्मानंद चौबे
माता : स्व. श्रीमती राममूर्ति देवी
पत्नी : श्रीमती नीलम शर्मा (श्रोत्रिय)
सुपुत्री : कु. खुशबू शर्मा (B.com Final)
सुपुत्र : चि. सत्यम शर्मा(12th Pass)

नाम : श्री सचिन शर्मा, इन्दौर
Territory manager, Jaypee
Cement Ltd, Indore.
Edu-MBA Prestige Institute of
Research & management, Indore
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : स्कीम नम्बर 78, विजय नगर, इन्दौर (म.प्र.)
मो. : 9111546866
पिता : स्व.श्री सुनील शर्मा (बेरीबार)
दादा : चौ. श्री ओछेलाल शर्मा
(रिटा.प्रोफेसर, भिण्ड)
दादी : श्रीमती भगवती देवी शर्मा
माता : श्रीमती कुसुम शर्मा (चौबे)

: श्री रमेश शर्मा SI, इन्दौर
सब इंस्पेक्टर मध्य प्रदेश पुलिस 15वीं
बटालियन,इन्दौर
: बड़ागर, तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
म : जेल रोड़, गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
ने.: हाईराइज बिल्डिंग, महेश गार्ड
लाइन 15वीं बटालियन, इन्दौर (म.प्र.)
: 9009606200
: श्री मेवाराम शर्मा (मुदगल)
: श्रीमती चमेली शर्मा (फुसें तिया)
: श्रीमती सोनिका शर्मा (B.Tech CS)
(पिताश्री रामनिवास तिवारी, बड़ापुरा, अम्बाह)
ी : कु. काव्या शर्मा (3 वर्ष)

नाम : श्री संजय ऋषीश्वर (SI) , सागर
म.प्र. पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर पद पर
जिला सागर में पदस्थ।
ग्राम : भगवासा, तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 170-C, रामकृष्ण बाग कॉलोनी, इन्दौर,
हाल : F-1 पुलिस लाइन, सागर
मो. : 9425640501
पिता : स्व.श्री जगदीश ऋषीश्वर (ढमोले)
पत्नी : श्रीमती पार्वती ऋषीश्वर (कांकोरिया)
(पिता स्व.श्री केशव दयाल शर्मा, सिरोंज, विदिशा)
सुपुत्र : चि.अभिनव ऋषीश्वर (B.Tech.)pursuing
(Computer Science, MITS Gwalior)
सुपुत्र : चि. अक्षत ऋषीश्वर (11th)
(केंद्रीय विद्यालय, क्र.1 सागर, अध्ययनरत)

# श्री देव हनुमान मंदिर एवं ऋषीश्वर समाज, सागर

लगभग 200 वर्ष पूर्व भिण्ड और मुरैना क्षेत्रों से कुछ ऋषीश्वर परिवार मूल रूप से सागर शहर और तीन गाँव सिहोरा, करहद व बम्होरी में आकर बसे थे। सागर शहर का राजीव नगर वार्ड ऋषीश्वर बंधुओं का मुख्य केन्द्र है। राजीव नगर वार्ड में लगभग 40-50 परिवार लंबे समय से स्वयं के मकानों में निवास करते आ रहे हैं। इन बंधुओं की यहां कृषि भूमि भी है और कृषि, पशुपालन और दुकानदारी का व्यवसाय प्रारम्भ से ही करते आ रहे है। ऋषीश्वर समाज के इन्हीं बंधुओं द्वारा जमीन खरीदकर लगभग 150 वर्ष पहले एक कच्चा श्री देव हनुमान मंदिर करीब 3000 वर्ग फीट जमीन खरीदकर बनवाया था और यहां पूजा अर्चना करते आए हैं। करीब 10 साल पहले सभी बंधूजन ने मिलकर इस मंदिर का जीर्णोद्वार करवाया और भव्य मंदिर का आकार दिया है। मंदिर की देखरेख के लिए मंदिर समिति बनी है। हर मंगलवार को सुदरकाण्ड पाठ कराया जाता है। हनुमान जयंती पर विशेष समारोह आयोजित होता है और भण्डारा कराया जाता है। ऋषीश्वर समाज की मीटिंग भी यहां होती रहती है। श्री देवी प्रसाद उपाध्याय वर्तमान में मंदिर समिति के अध्यक्ष है। समस्त ऋषीश्वर बंधूजन प्रेमपूर्वक निवास करते हैं और संगठित हैं। मैं सागर जिले में काफी समय से पदस्थ हूँ, कई बार इस मंदिर पर जाना हुआ है। यहाँ समाज की मीटिंग में सम्मिलित हुआ हूँ। हम सभी ने मिलकर ऋषीश्वर वॉलिटियर्स नाम से एक संगठन भी वहां तैयार किया है। यहां की युवा पीढ़ी को एकजुट कर सामाजिक उत्थान का प्रयास निरंतर किया जा रहा है।

**संजय ऋषीश्वर (भगवासा), मो. 9425640501**
सब इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी सानोधा, जिला-सागर (म.प्र.)

नाम : श्री उमेश शर्मा, इन्दौर
Regional sales, Manager in Safal seeds & Biotech Ltd. HQ, Indore
ग्राम : मिरघान, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : मानवता नगर, इन्दौर
मो. : 7891157265
पिता : श्री परमानंद शर्मा (उपाध्याय)
माता : श्रीमती कैलाशी देवी (भारद्वाज)
पत्नी : श्रीमती सुषमा शर्मा (सिंघौलिया)
(पिताश्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, सांटा)
सुपुत्री : कु.अनामिका शर्मा
सुपुत्र : चि. आदित्य शर्मा

नाम : श्री संजय शर्मा, इन्दौर
शा. मिडिल स्कूल महीगांव, जिला देवास में अध्यापक पद पर पदस्थ। एम.ए.संस्कृत
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : अग्रवाल शो रूम के पास, शिव बाग कॉलोनी, रोबोट चौराहा, खजराना, इन्दौर
मो. : 9754188930
पिता : स्व. श्री सुरेश प्रसाद शर्मा (बेरीबार)
माता : स्व. श्रीमती भूता देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती नीलम शर्मा (श्रोत्रिय)
सुपुत्र : चि. शिवम शर्मा ( B.Sc.cs) 20 yr.

नाम : श्री रामनिवास शर्मा, धार
से.नि.अनुविभागीय कृषि अधिकारी, धार
ग्राम : कुम्हेरी, तह. जौरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : निहालनगर, रतलाम नाका, धार (म.प्र.)
मो. : 9993135185
पिता : श्री जगन्नाथ शर्मा (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती गोरावती शर्मा (मुड़ारे)
सुपुत्र : श्री पवन शर्मा (MBA)
(CPO Manager in Bank of India (Life Insurance) Dhar.(M.P.)
पुत्रवधू : श्रीमती अपूर्वा पवन शर्मा (गौतम)
(B.Sc., & Teacher in Dhar)
पौत्र : चि.रूद्रांश शर्मा एवं चि. रेयांश शर्मा
सुपुत्र : श्री प्रदीप शर्मा B.Pharma
(Own Medicine Shop in, Canada)
पुत्रवधू : श्रीमती रानू प्रदीप शर्मा (भारद्वाज)
(M.Com&Assit, Medicine Shop, Canada)
सुपुत्र : श्री कृष्णकान्त शर्मा(B.Com, M.A.)
(Prepration for UPSC exam.

नाम : श्री अवधेश कुमार दीक्षित, मन्दसौर
प्रोटोकॉल अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय मन्दसौर
ग्राम : फूप, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : शिक्षक नगर, अधिकारी आवास, मन्दसौर (म.प्र.)
मो. : 9826931722
पिता : श्री विशंभर दयाल दीक्षित
पत्नी : श्रीमती ललिता दीक्षित (गौड़)
सुपुत्र : इंजी. चि. उत्कर्ष दीक्षित (B.E.,E.C.)
(Software Engineer, Amdocs, Mumbai)
सुपुत्र : इंजी.चि. मलय दीक्षित (B.E.)
(Force Motors, Pitampura Indore)
सुपुत्री : श्रीमती कीर्ति शर्मा एडवोकेट
(BALLB, Diploma in Labour Law)
दामाद : श्री कपिल शर्मा(Manager, Yes Bank, Indore)
नाती : चि.कबीर(टीपू)शर्मा

: श्री अनिल कुमार शर्मा, भोपाल
रिटायर्ड शिक्षक (म.प्र. शिक्षा विभाग)
: जामगढ़, जिला रायसेन (म.प्र.)
: 102 Gulmohar, Mahendra Green Woods, Jatkhedi, Bhopal
: 9425303524
: स्व.श्री जीवन लाल शर्मा (शांडिल्य)
: श्रीमती विष्णु कांता शर्मा
: इंजी. श्री अनुज शांडिल्य (PHD) (मैकेनिकल इंजीनियरिंग)
: डॉ. श्रीमती निहारिका शर्मा (भारद्वाज) (फिजियोथैरेपिस्ट, BPT, MPT) (पिताश्री वेदकुमार शर्मा एड. जामना, भिण्ड)

नाम : श्री उमेश कुमार शर्मा (पटवारी) भोपाल
प्रदेश सचिव (महामंत्री) म.प्र. पटवारी संघ, भोपाल
ग्राम : जामगढ़, जिला रायसेन (म.प्र.)
निवास : महिन्द्रा ग्रीन वुड्स कॉलोनी, होशंगाबाद रोड़, जाटखेड़ी, भोपाल (म.प्र.)
मो. : 9893846540
पिता : स्व.श्री जीवन लाल शर्मा (शांडिल्य)
पत्नी : श्रीमती अंजली शर्मा (जोशी)
सुपुत्र : इन्जी.श्री अक्षय शांडिल्य (सिविल इंजीनियर, अल्ट्राटेक कम्पनी)
पुत्रवधू : श्रीमती प्रिया अक्षय शांडिल्य (पिताश्री गंगाराम चौधरी बेरीवार, अकोड़ा)
सुपुत्र : श्री अमन शांडिल्य (पटवारी)BE
पुत्रवधू : श्रीमती अर्चना अमन शांडिल्य (पिताश्री शंशिकांत ऋषीश्वर कौशिक, भगवासा)
सुपौत्र : चि. कार्तिकेय अमन शांडिल्य
सुपुत्र : श्री अंकुर शांडिल्य (MBA, PGDCA)

: इंजी. श्री शिवकुमार शर्मा, भोपाल
उपयंत्री जल संसाधन विभाग, बाड़ी
: खुर्द तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
: शंकराचार्य नगर, बाघ सेवनिया, भोपाल
: 9893231069
: श्री कृष्ण मुरारी शर्मा (कांकोरिया) (से.नि.कार्य सहायक, लोकनिर्माण विभाग)
: श्रीमती कमलादेवी (तिवारी)
: श्रीमती सीमा शर्मा (पिताश्री गंगा प्रसाद मंगोलिया, दबोहा)
: श्री राघवेन्द्र शर्मा (आर.ओ. वाटर सप्लाई, भोपाल)
: श्रीमती नंदनी राघवेन्द्र शर्मा (पिताश्री संजय जोशी, जामगढ़)
: चि. अविनाश शर्मा (12th)
: श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, मेनेजर सेन्टरल बैंक
: श्री ईश्वरी प्रसाद भारद्वाज, ग्वालियर
: श्रीमती रंजना शर्मा (पटवारी, भोपाल)
: श्री अभिषेक दीक्षित, फूप, हाल भोपाल
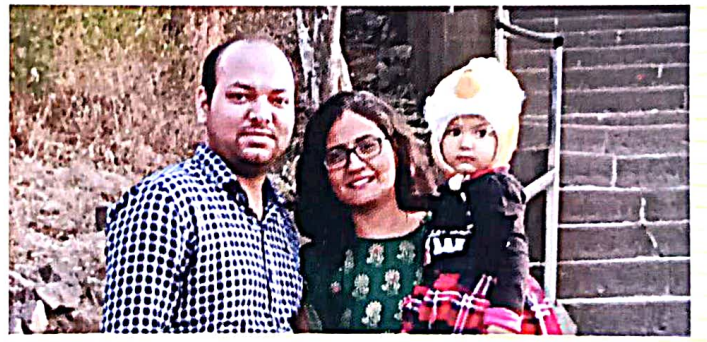
नाम : इंजी. श्री मुनेश कुमार शर्मा, पुणे
Quality Assuarance Engineer- Project Lead in Quinnox Mumbai, M.tech(electronics)
ग्राम : रामचरण का पुरा, अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : रॉयल भगवान एस्टेट, गेहूखेड़ा, कोलार रोड़, भोपाल एवं औरा अपार्टमेंट, हिंजेवाड़ी पुणे, महाराष्ट
मो. : 9022079383
पिता : श्री बाल बिहारी शर्मा (पचौरी)
माता : श्रीमती उर्मिला देवी शर्मा (रावत)
पत्नी : श्रीमती दीक्षा शर्मा (M.Tech) (पिताश्री बच्चूलाल शर्मा भारद्वाज, ग्राम जामना)
सुपुत्री : कु. मानवी शर्मा

नाम : इंजी. श्री संजय दीक्षित, भोपाल
Working in Reliance Industries Ltd. (Oil & Gas) Mumbai, (B.E. Mech)
ग्राम : फूप, जिला भिण्ड
निवास : कम्फर्ट पार्क, अयोध्या बायपास, रोड़, भोपाल
मो. : 9004699409
पिता : स्व.श्री नाथूराम दीक्षित (सब इंजीनियर)
माता : श्रीमती मनोरमा दीक्षित (कांकोरिया)
चाचा : श्री रामप्रवेश दीक्षित
पत्नी : श्रीमती प्रियंका दीक्षित (पिपरोनिया) (पिताश्री चंद्रमौलेश्वर शर्मा, कवाई, राजस्थान)
सुपुत्री : कु. आश्रिता दीक्षित
सुपुत्र : चि. आर्यांश दीक्षित
भाई : इंजी. श्री अनुज दीक्षित (B.E., MECH) (Working as Planning Engineer L&T Hydrocarbon Ltd. Panipat)
भाई : इंजी. श्री अंकित दीक्षित (B.E., CS)

नाम : श्री लोकेन्द्र शर्मा, भोपाल
उच्च तकनीकी हॉकी प्रशिक्षक एवं सह सलाहकार खेल और युवा कल्याण विभाग, भोपाल
ग्राम : छिद्दे का पुरा, तह. अम्बाह, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : M.I.G., C- 701,12 न.बस स्टॉप, भोपाल
मो. : 09479865454
पिता : डॉ.राधा चरण शर्मा, भारद्वाज (Principal Scientist & Head J.N.K.V.V jabalpur)
पत्नी : श्रीमती पूनम शर्मा, सिघौलिया (B.A., D.Ed) (पिताश्री श्री रामहेत शर्मा कुम्हेरीवाले, जिला मुरैना)
पुत्र : चि. अमन शर्मा (7th)

नाम : श्री रवि शर्मा, भोपाल
कॉन्टैक्टर शिप वर्क, भोपाल
ग्राम : गिंगरखी जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : समृद्धि हाइट, कोलार, भोपाल (म.प्र.)
मो. : 9131918474
पिता : श्री प्रदीप शर्मा (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती विन्दू शर्मा (बोहरे) (Senior Accountant Ultratech RMC Plant Bhopal) (पिताश्री नीरज शर्मा, सकराया, हाल विदिशा)
सुपुत्र : चि.रूद्रांश शर्मा (4th)

नाम : श्री दीपक शर्मा, भोपाल
Galxosmithkline (GSK) Pharma ltd. Executive के पद पर पदस्थ।
ग्राम : जामगढ़, बरेली, जिला रायसेन (म.प्र.)
निवास : राजहर्ष कालोनी, कोलार रोड़, भोपाल
मो. : 9893724490
पिता : श्री ओम प्रकाश शर्मा (विरथरिया)
माता : स्व. श्रीमती प्रीति शर्मा
पत्नी : श्रीमती तृप्ती शर्मा ( सागोरिया) (उच्चतर मा. शिक्षक, भोपाल) पिताश्री बलराम शर्मा, चांद का पुरा, हाल श्योपुर
सुपुत्र : चि. स्वर्णिम शर्मा (5th)

नाम : श्री रामप्रसाद शर्मा, खरगोन (रायसेन)
संचालक, नर्मदा हायर सेकंडरी स्कूल खरगोन
ग्राम : बिरगवाँ, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : नर्मदा हाई स्कूल खरगोन,
तह. बरेली, जिला रायसेन (म.प्र.)
मो. : 9926336594
पिता : श्री रामलखन शर्मा (ढमोले)
माता : श्रीमती सोना शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती संगीता शर्मा (जोशी)
सुपुत्र : श्री हिमांशु शर्मा (MPP)
(पुलिस विभाग में भोपाल पदस्थ)
पुत्रवधू : श्रीमती शिखा शर्मा (उपाध्याय)
(पिताश्री रमेश उपाध्याय, चंदहारा, ग्वालियर)
सुपुत्र : श्री प्रयांशु शर्मा (CAG Auditor)
(वर्तमान में इनकम टैक्स विभाग में पदस्थ)

नाम : श्री सुभाष कुमार शर्मा, खरगोन (रायसेन)
शिक्षक, शा.प्रा. वि. समनापुर, जिला रायसेन
ग्राम : बिरगवां, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : नर्मदा हाई स्कूल खरगोन,
तह. बरेली, जिला रायसेन (म.प्र.)
एवं लक्ष्य होम, बाग मुगलिया, भोपाल
मो. : 9926252635
पिता : श्री रामलखन शर्मा (ढमोले)
माता : श्रीमती सोना शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती रीता शर्मा (शिक्षिका)
(जनपद शिक्षा केन्द्र बाड़ी, जिला रायसेन)
(पिताश्री देवीप्रसाद शर्मा जोशी)
सुपुत्र : डॉ. मयंक शर्मा (MBBS) pursuing
(Bundelkhand, Medical College, Sagar)
सुपुत्र : चि. आदित्य शर्मा
(BA Socio, IEHE College Bhopal)

नाम : श्री देवी प्रसाद उपाध्याय (रिटा.प्रोफेसर)
ग्राम : जामगढ़, बरेली, जिला रायसेन (म.प्र.)
निवास : बस स्टैण्ड के पास, बरेली, रायसेन (म.प्र.)
पत्नी : श्रीमती राधा उपाध्याय (पाराशर)
सुपुत्र : श्री हिमकर उपाध्याय (कॉन्टैक्टर)
(मो. 9981499300)
पुत्रवधू : श्रीमती रंजना उपाध्याय(जोशी)
पौत्र : श्री आयुष उपाध्याय (कॉन्टैक्टर)
पौत्र : श्री अनुपम उपाध्याय B.Com (Pursuing)
सुपुत्र : श्री अनुराग उपाध्याय
(उपाध्याय मोटर्स, सर्विस सेन्टर, बरेली)
(मो. 9630011750)
पुत्रवधू : श्रीमती सविता उपाध्याय (कांकोरिया)
पौत्री : कु. मंदाकिनी उपाध्याय , M.Com(Pursuing)
पौत्र : चि. उज्जवल उपाध्याय B.Sc (Pursuing)

नाम : श्री मनोहर शर्मा, बरेली
शासकीय शिक्षक, बरेली
ग्राम : जामगढ़, जिला रायसेन
मो. : 7987318475
पिता : स्व.श्री जीवनलाल शर्मा (शांडिल्य)
पत्नी : श्रीमती प्रज्ञा शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : श्री उदित शर्मा (प्रोपराइटर)
(श्रीराम वेयरहाउस, बरेली)
पुत्रवधू : श्रीमती वेष्णवी शर्मा (जोशी)
सुपुत्री : कु. अपर्णा शर्मा (M.Com.)
सुपुत्र : श्री अभय शर्मा B.Tech (Mech.)
Pursuing, Eng. College, Allahabad
सुपुत्री : श्रीमती पल्लवी शर्मा
दामाद : श्री रौनक शर्मा (कवाई सालपुर)
पुत्र : चि. अमन शर्मा (7th)

नाम : इंजी. श्री अजय शर्मा, दिल्ली
Working in Cognizant Delhi
M.B.A. (I.I.M. Bodhgaya) Bihar
B.E.(Civil)MITS Gwalior
ग्राम : खड़िया बेहड़, जिला मुरैना
निवास : दुर्गा नगर, विदिशा (म.प्र.)
मो. : 8103578800
पिता : श्री ऋषिकेश शर्मा (बढ़ेले)
माता : श्रीमती नीरजा शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती डॉ. दिव्या शर्मा (B.D.S)
(Pariya Dental Hospital, Delhi)
(पिताश्री विनोद उपाध्याय, कंढैया)
भाई : श्री प्रवीण शर्मा (LLB Pursuing) DU

नाम : श्री राजीव कुमार शर्मा, सिरोंज
संचालक, ऋषीश्वर हायर सेकेण्डरी स्कूल
सिरोंज एवं प्रो. शिवम ट्रेडर्स, सिरोंज
ग्राम : चन्दहारा, तह. गोहद,जिला–भिण्ड (म.प्र.)
निवास : मण्डी बायपास रोड़, सिरोंज, जिला–विदिशा (म.प्र.)
मो. : 9826938432
पिता : स्व.श्री केशव दयाल शर्मा (कांकोरिया)
माता : स्व.श्रीमती भाग्यवती शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती मनीषा शर्मा (सीरोठिया)
(पिताश्री स्व. वीरेन्द्र कुमार शर्मा, डांग वाले)
सुपुत्री : कु. अंजली शर्मा (BCA)
(ITM University Gwalior)
सुपुत्र : चि. युग शर्मा (8th)

नाम : श्री सीताराम शर्मा, अशोकनगर
से.नि. शिक्षक, शिक्षा विभाग (म.प्र.)
ग्राम : खांद का पुरा, जिला-मुरैना
पिता : स्व.श्री बारेलाल शर्मा (पचौरी)
पत्नी : श्रीमती विमला शर्मा (रावत)
सुपुत्र : श्री सुनील शर्मा मो. :9826243109
पुत्रवधू : श्रीमती भारती शर्मा (चौबे, अकोड़ा)
सुपौत्र : चि.शिवम शर्मा(B.E.)CS
Pursuing, SATI Vidisha
सुपौत्र : चि. शिवा शर्मा
सुपुत्री : श्रीमती श्वेता शर्मा
दामाद : श्री निखलेश शर्मा, इकोदिया
नातिन : कु.काव्या शर्मा
नाती : चि.धैर्य शर्मा
निवास : ख्याल हॉस्पिटल के पीछे, अशोकनगर

नाम : वैद्य श्री गंधर्व शर्मा, गंज बासौदा
ग्राम : भुआ का पुरा, मुरैना (म.प्र.)
निवास : गंज बासौदा, जिला-विदिशा (म.प्र.)
पिता : स्व.श्री रामेश्वर दयाल शर्मा (सिंघोलिया)
पत्नी : श्रीमती रमादेवी (जोशी)
सुपुत्र : श्री जयप्रकाश शर्मा मो. :9998844331
पूत्रवधू : श्रीमती गीतिका शर्मा (तिवारी)
सुपौत्र : डॉ. अभिषेक शर्मा (MBBS) Pursuing
Govt. Medical College, Rajkot
DOB : 01/02/2001
सुपुत्र : डॉ.अनिल शर्मा (असि.प्रोफेसर)
Colleg of Veterinary Science
& A.H. Junagadh, Gujraj
Edu. : P.hd (Veterinary Anatomy)
मो. : 9558737720
पुत्रवधू : श्रीमती ममता-अनिल शर्मा (भारद्वाज)
सुपौत्र : चि.जतिन शर्मा

नाम : श्री रामसेवक चतुर्वेदी, गुना
से.नि. रजिस्टार, मध्य प्रदेश शासन
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड(म.प्र.)
निवास : सिसोदिया कॉलोनी, गुना (म.प्र.)
मो. : 7000461696
पिता : स्व.श्री रामेश्वर दयाल चतुर्वेदी
पत्नी : श्रीमती सरोज चतुर्वेदी (भारद्वाज)
सुपुत्र : श्री संदीप चतुर्वेदी, प्रो. हर्षित ट्रेडर्स
(सीमेन्ट व पेन्टस का गुना में निजी व्यवसाय)
पुत्रवधू : श्रीमती पूनम चतुर्वेदी (मुदगल)
पौत्र : चि. हर्षुल चतुर्वेदी (11th)
पौत्र : चि. हर्षित चतुर्वेदी (7th)

नाम : श्री संजीव कुमार शर्मा, गुना
सहायक संचालक कृषि, गुना में पदस्थ
ग्राम : सांटा, तह. जौरा, मुरेना (म.प्र.)
निवास : FH-454, दीनदयाल नगर, ग्वालियर
वर्त.नि. : F-17 ऑफिसर्स कॉलोनी, गुना
मो. : 9827549631
पिता : श्री सियाराम शर्मा गौतम (से.नि. शिक्षक)
माता : स्व.श्रीमती प्रेमा देवी (सिंघोलिया, जैकरन पुरा)
पत्नी : श्रीमती मिथलेश शर्मा
(पिताश्री सरनाम शर्मा, खड़ोलिया, बड़ागर)
(से.नि. नायब तहसीलदार म.प्र. शासन)
सुपुत्र : चि. भावेश शर्मा
सुपुत्र : चि. उदय शर्मा

नाम : श्री ऋषीकेश शर्मा, शाजापुर
सोनालीका टेक्टर एजेंसी, शाजापुर (म.प्र.)
ग्राम : गिंगरखी, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : इन्द्रा नगर, शाजापुर (म.प्र.)
मो. : 7509077111
पिता : श्री पूरन लाल शर्मा (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती संगीता शर्मा (चौबे)
(प्राचार्य, कॉन्वेन्ट स्कूल शाजापुर)
(पिताश्री रामसेवक चतुर्वेदी, अकोड़ा)
सुपुत्र : श्री अभिषेक शर्मा (LLB) Pursuing
सुपुत्र : श्री आर्यन शर्मा (B.Tech)Pursuing
(Engineering College, Indore)

नाम : श्री धर्मेन्द्र शर्मा, (SI) पचोर (राजगढ़)
सब इंस्पेक्टर, मध्य प्रदेश पुलिस विभाग
पुलिस थाना पचोर, जिला राजगढ़ में पदस्थ
ग्राम : फूप, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : पचोर, जिला राजगढ़ (म.प्र.)
मो. : 7047672956
पिता : श्री विजय राम दीक्षित
माता : श्रीमती कमला शर्मा
पत्नी : श्रीमती उषा शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : चि. निश्चय शर्मा (12th)

नाम : श्री संजय शर्मा, छिन्दवाड़ा
उच्च माध्यमिक शिक्षक (गणित)
ग्राम : नवेगाँव, चौरई, जिला छिन्दवाड़ा
निवास : यादव कॉलोनी, वार्ड नं. 8, छिन्दवाड़ा
मो. : 9407342539
पिता : स्व.श्री रमेश कुमार शर्मा (धौम्य)
पत्नी : श्रीमती नीलिमा शर्मा (घृतकुल)
(एम.ए.समाजशास्त्र)
(पिताश्री स्व. बलराम प्रसाद शर्मा, घोडावाड़ी)
सुपुत्र : इंजी. चि. पुनीत शर्मा (B.Tech.IT.)
सुपुत्र : चि. सृजन शर्मा (B.Sc.CS)

नाम : श्री विनोद शर्मा, छिन्वाड़ा
शासकीय शिक्षक, छिन्दवाड़ा
निवास : नवेगाँव, जिला छिन्दवाड़ा
मो. : 9407803756
पिता : स्व.श्री जगदीश प्रसाद शर्मा (धौम्य)
माता : स्व.श्रीमती वृन्दा बाई शर्मा (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती अर्चना शर्मा (घृतकुल)
सुपुत्र : चि. अंकुर शर्मा (B.E.EC)
(Testing Engineer Tech Mahindra)
सुपुत्र : चि. अंशुल शर्मा (Msc maths)
(IT Specialist HCL)

नाम : श्री राम रतन शर्मा, जबलपुर
वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी
कृषि विभाग, जबलपुर (म.प्र.)
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : 409, त्रिमूर्ति नगर, जबलपुर (म.प्र.)
मो. : 7987440819
पिता : श्री कृष्णमुरारी शर्मा (पाराशर)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा(मुदगल)
सुपुत्र : श्री अनिलेश शर्मा
(फार्मासिस्ट ग्रेड 2 स्वास्थ्य विभाग म.प्र.)
(वर्तमान में जबलपुर में पदस्थ)
पुत्रवधू : श्रीमती अंजली शर्मा (रावत)
पौत्री : कु. अपर्णा शर्मा

नाम : डॉ.टी.आर. शर्मा जबलपुर
प्रोफेसर जे.एन.के.वी.वी., जबलपुर
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : E-2, कृषि नगर, जे.एन.के.वी.वी. जबलपुर
मो. : 9425833961
पिता : श्री रामदुलारे शर्मा (गौतम)से.नि.प्रधानाचार्य
पत्नी : श्रीमती संतोषी शर्मा (मुदगल)
(श्रीराम प्रकाश ऋषीश्वर, रमपुरा, इटावा उत्तर प्रदेश)
सुपुत्र : इंजी. श्री नितिन शर्मा(B.E. Electornics)
(Senior Software Consultant NTT Data ltd Mexico)
पुत्रवधू : श्रीमती कनिष्का शर्मा,(MBA Finance)
(पिताश्री लक्ष्मन प्रसाद शर्मा, इकहरा, ग्वालियर)
सुपुत्र : इंजी.श्री मयंक शर्मा (BE Automobile)
(preparing M Tech/MBA, DOB 20/07/1996
सुपुत्री : डॉ. श्रीमती रजनी शर्मा(P.hd)
(Asst. Professor, JNKVV Jabalpur
दामाद : इंजी.श्री आषीश शर्मा(Vodafone Pune)

नाम : श्री श्याम शर्मा, रूठियाई
होटल व्यवसाय, रूठियाई, जिला गुना
निवास : सदर बाजार रूठियाई, जिला गुना
मो. : 7746028255
पिता : श्री लालता प्रसाद शर्मा (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती मनीषा शर्मा (पचौरी, पतलेश्वर)
सुपुत्री : कु. यति शर्मा(कक्षा 11)
सुपुत्र : चि. सक्षम शर्मा (कक्षा 7)

नाम : श्री विशाल शर्म, रूठियाई
कॉन्टैक्टर शिप वर्क, रूठियाई
निवास : सदर बाजार रूठियाई, जिला गुना
मो. : 8770978809
पिता : श्री लालता प्रसाद शर्मा (मुदगल)
माता : श्रीमती राजकुमारी शर्मा (रामपुर)
पत्नी : श्रीमती स्वाति शर्मा (कवाई सालपुरा)
सुपुत्री : कु. राधिका शर्मा
सुपुत्री : कु. आरोही शर्मा
सुपुत्र : चि. अनमोल शर्मा

नाम : श्री राजेश शर्मा, छिंदवाड़ा
एरिया मैनेजर, शिवालिक क्रॉप साइंस
लिमिटेड, हेड क्वार्टर, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
ग्राम : कुम्हेरी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : एकता कॉलोनी, चन्दनगाँव, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
मो. : 9826711754
पिता : श्री लज्जाराम शर्मा (सरीथिया)
पत्नी : श्रीमती साधना शर्मा (उपाध्याय)
(पिताश्री बृजकिशोर उपाध्याय, सकराया)
(रिटा.इंजीनियर, ग्वालियर विकास प्राधिकरण)
सुपुत्र : चि. आलेख शर्मा (10th)
सुपुत्र : चि. अनिकेत शर्मा (2nd)

नाम : श्री संतोष शर्मा, रूठियाई
शासकीय शिक्षक, रूठियाई
निवास : सदर बाजार रूठियाई, जिला गुना
मो. : 9993905514
पिता : श्री लालता प्रसाद शर्मा (मुदगल)
माता : श्रीमती राजकुमारी शर्मा (रामपुर)
पत्नी : श्रीमती उमा शर्मा(भारद्वाज, सागर)
सुपुत्री : श्रीमती नैन्सी शर्मा
दामाद : श्री नारायण दीक्षित (फूप)
नातिन : कु. आइरा दीक्षित

श्री सत्यप्रकाश उपाध्याय, बकेवर
प्रतिष्ठान कंचन मेडिकल स्टोर बकेवर का संचालन एवं समाजसेवी व्यक्तित्व, भारत विकास परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष।
: कंढैया जिला इटावा (उ.प्र.)
: औरैया रोड, बकेवर, जिला इटावा (उ.प्र.)
: 9759790078
: स्व.श्री रमेश्वर दयाल उपाध्याय
: श्रीमती शशि उपाध्याय (चतुर्वेदी)
(पिताश्री स्व.भरत चतुर्वेदी, सिमार वाले)
: श्री सौरभ उपाध्याय (मोनू)
कंचन गैस सर्विस (एच.पी.डीलर), कंचन ब्रिक इण्डस्ट्रीज एवं कंचन प्रॉपर्टीज व्यवसाय।
(अध्यक्ष, व्यवसायी संघ जिला इटावा उ.प्र.)
: 9897491785
वधू : श्रीमती रेखा उपाध्याय (समाजसेवी)
(पिताश्री राजेश रावत, नगर निगम ग्वालियर)
पौत्र : चि.राम उपाध्याय (10th)
पौत्री : कु. परिधि उपाध्याय (8th)

नाम : श्री विनोद उपाध्याय, बकेवर
बजरंग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं स्टेशनरी, हर्राजपुर
M.Sc.Ag (JNKVV)
ग्राम : कंढैया, बकेवर , जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : मैन चौराहा, बकेवर, जिला इटावा (उ.प्र.)
मो. : 9412511686
पिता : स्व.श्री राममहेश उपाध्याय
पत्नी : श्रीमती ममता शर्मा (प्राचार्य)
पिताश्री रामसेवक त्रिपाठी
सुपुत्र : श्री नितिन उपाध्याय (B.Sc, MBA)
(Managing Director of MVS Inter College, Harrajpur, Bakewar.)
पुत्रवधू : श्रीमती काजोल ऋषीश्वर
(B.Tech, PGDCA, BTC)
(पिताश्री अरूण ऋषीश्वर, खड़ोलिया, भगवासा)
पौत्र : चि. निक्कू उपाध्याय

: श्री संजीव उपाध्याय, बकेवर
प्रतिष्ठान महेश मिष्ठान भण्डार का बकेवर जिला इटावा में संचालन
: कंढैया, जिला–इटावा (उ.प्र.)
: मैन चौराहा, औरैया रोड, बकेवर, जिला इटावा (उ.प्र.)
: 7906360181
: स्व.श्री राममहेश उपाध्याय
: श्रीमती रजनी शर्मा (गौतम)
(पिताश्री सूरतराम शर्मा, गुर्जा का पुरा)
: चि. दिव्यमान उपाध्याय (BBA) Pursuing
: श्रीमती टिंकल शर्मा
: श्री अनिकेत शर्मा (फूप)

नाम : श्री रामकुमार ऋषीश्वर, इटावा
महासचिव, अ.भा. स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण परिषद, इटावा (उ.प्र.)
ग्राम : निवाडी कलां, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : पक्का बाग, फ्रेंड्स कॉलोनी, इटावा (उ.प्र.)
मो. : 6397689563
पिता : स्व.श्री जगन्नाथ प्रसाद (बिरथरिया)
पत्नी : स्व.श्रीमती अंगूरी देवी
सुपुत्री : श्री श्रीकान्त ऋषीश्वर (M.Com, LLB)
(वन विभाग इटावा में कार्यरत)
पुत्रवधू : श्रीमती नीतू ऋषीश्वर (दीक्षित)
(पिताश्री बादशाह दीक्षित, फूप)
पौत्र : चि.श्रेयांश ऋषीश्वर (13yr)

नाम : इंजी.श्री विकास दीक्षित , USA
Software Engineer Architect
Equifax Snt. Louis, MO, USA
Edu- B.E. (Mech) MITS Gwalior, MBA
ग्राम : हर्राजपुर, जिला इटावा (उ.प्र.)
पिता : श्री राम संजीवन दीक्षित
माता : श्रीमती कुसुम देवी (उपाध्याय)
पत्नी : श्रीमती अर्चना दीक्षित (मुदगल)
(B.E.cs MPCT Gwalior)
(Software Engineer in American Automobile Association, St.Louis)
(पिताश्री लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, इकहरा)
सुपुत्र : चि. देवांश दीक्षित(17)
सुपुत्र : चि.श्रेयश दीक्षित (13)

नाम : श्री रवीन्द्र ऋषीश्वर, भरथना
प्रबंधक, पंडित केदारनाथ महिला महाविद्यालय हर्राजपुर जिला इटावा, उत्तर प्रदेश
ग्राम : चिकनी ,जिला इटावा, उत्तर प्रदेश
मो. : 9219766508
पिता : श्री राम स्वरूप ऋषीश्वर (शाण्डिल्य)
माता : स्व.श्रीमती शारदा देवी (पाराशर)
पत्नी : श्रीमती चन्द्रिका ऋषीश्वर (दीक्षित)
(पिताश्री राम संजीवन दीक्षितः संरक्षक पंडित केदारनाथ महिला महाविद्यालय, हर्राजपुर, इटावा)
(माताश्री श्रीमती कुसुम देवी, हर्राजपुर)
सुपुत्र : चि.ऋषभ ऋषीश्वर (19वर्ष)
(B.Sc.Ag. 2nd Yr जनता कॉलेज, बकेवर)
सुपुत्री : श्रीमती गौरी ऋषीश्वर
दामाद : श्री सोमनाथ ऋषीश्वर (मुदगल)
(Junior Asst. Teacher, उ.प्र. शिक्षा विभाग )

नाम : श्री देवेन्द्र ऋषीश्वर (SI) , कासगंज
सब इंस्पेक्टर उ.प्र. पुलिस, कासगंज पदस्थ
ग्राम : चिकनी, जिला इटावा उ.प्र.
मो. : 9756791115
पिता : श्री राम स्वरूप ऋषीश्वर (शाण्डिल्य)
माता : स्व.श्रीमती शारदा देवी
पत्नी : श्रीमती सारिका ऋषीश्वर (दीक्षित)
(पिताश्री राम सजीवन दीक्षित)
(माताश्री श्रीमती कुसुम दीक्षित, हर्राजपुर)
सुपुत्र : चि.दुष्यन्त ऋषीश्वर
Bsc Ag Pursuing Janta College Bakewar

नाम : श्री दिलीप कुमार ऋषीश्वर, मुम्बई
Paints Technolgist Presently deputed at project Sembcorp EnergyInd. Ltd. (Andhara Pradesh)
ग्राम : नगला बहालियन जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : मुम्बई मो.:7558373221
पिता : श्री रामाधार शर्मा (बिरथरिया)
पत्नी : श्रीमती अमिता ऋषीश्वर
( M.A Economics, B.Ed)
(पिताश्री प्रो.एस.पी गौड़, देवगांव, उन्नाव)
(रिटा. प्राचार्य CSN डिग्री कॉलेज हरदोई)
(माताश्री श्रीमती प्रकाशा गौड़, सहादतनगर)
सुपुत्र : चि. अभिमन्यु ऋषीश्वर (7th)

: इंजी. श्री अमित शर्मा, लखनऊ
Horticulture Superintendent, in Railway, Lucknow (U.P.)
: हर्राजपुर जिला इटावा (उ.प्र.)
: एल.डी.ए. कॉलोनी, लखनऊ (उ.प्र.)
: 9794846245
: स्व.श्री गुरूनारायण शर्मा (गौतम)
: श्रीमती ममता शर्मा (भारद्वाज)
(पिताश्री अशोक भारद्वाज Rt.Dsp)
: चि.यश वल्लभ शर्मा (BS, USA)
(Bachelor of Science, Pursuing)

नाम : श्री संजय कुमार गौड़ (LLB), सफीपुर
प्रॉपर्टी डीलर, सफीपुर, उन्नाव (उ.प्र.)
ग्राम : सिधौली, जिला उन्नाव उ.प्र.
निवास : नारायण पुरी, यातायात पार्क, कृष्णानगर, लखनऊ
मो. : 8173072152
पिता : श्री बीरेन्द्र कुमार गौड़
पत्नी : श्रीमती रजनी गौड़ (उपाध्याय)
(ब्लाक व्यायाम शिक्षिका, जूनियर हाई स्कूल,
यू.पी. एस मिर्जापुर अजगाँय, जिला उन्नाव (उ.प्र.))
Edu- B.sc, B.P.Ed, M.A, M.P.Ed
Mob: 6392656002
सुपुत्री : कु. त्रिशक्ति गौड़ (B.Sc.) Pursuing
सुपुत्री : कु. हेतवी गौड़ (7th)

नाम : श्री कृष्ण कुमार गौड़ एडवोकेट, सफीपुर न्यायालय सफीपुर में वकालत कार्य।
ग्राम : सिरस कन्हर, जिला उन्नाव (उ.प्र.)
निवास : स्टेशन रोड़ सफीपुर, जिला उन्नाव
मो. : 9453746797
पत्नी : श्रीमती सुशीला गौड़
सुपुत्र : श्री दीपक गौड़ एडवोकेट
पुत्रवधू : श्रीमती रेखा गौड़ (अध्यापिका)
सुपौत्र : चि.मेधांश गौड़
सुपुत्र : श्री सूरज गौड़ (MBA) (Sales & Marketing work, Noida)
पुत्रवधू : श्रीमती सुरेखा गौड़
पौत्री : कु. अविरा गौड़
सुपुत्र : इंजी. श्री प्रशान्त गौड़ Software Engineer in Noida
पुत्रवधू : श्रीमती मोनिका गौड़ (अकोड़ा)
पौत्र : चि.कियांश गौड़

नाम : श्री अभिनव गौड़ एडवोकेट, उन्नाव
ग्राम : देवगाँव, सफीपुर, जिला उन्नाव (उ.प्र.)
मो. : 9415029700
पिता : श्री सुरेन्द्र नाथ गौड़ (धौम्य) से.नि. लेक्चरर महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, सफीपुर, जिला उन्नाव
पत्नी : श्रीमती शालिनी गौड़(ग्राम प्रधान) (देवगांव, सफीपुर, जिला उन्नाव, उ.प्र.) (पिताश्री बाल मुकुंद गौड़, रिटा. आर्मी ) (माताश्री श्रीमती नीता शर्मा, हेडमास्टर जूनियर विद्यालय)
सुपुत्र : चि. विश्वास गौड़ (12th)
सुपुत्री : कु. तेजस्वी गौड़ (1st)

नाम : श्री योगेन्द्र गौड़, कानपुर Properiter, Shree Tirumula Trading co.kanpur Deals all type of Building material
ग्राम : मवई, ब्रह्मनान, सफीपुर, जिला उन्नाव (उ.प्र.)
निवास : किदवई नगर, कानपुर (उ.प्र.)
मो. : 6388426519
पिता : स्व.श्री कमलेश गौड़
माता : श्रीमती अशोका देवी
पत्नी : श्रीमती गुंजन गौड़ (Properiter Shree Anant food Cafe-A Nutrition Hub) Kanpur
सुपुत्री : कु. यशस्वी गौड़ (8th)
सुपुत्र : चि. यशनिल गौड़(3rd)

नाम : इंजी. श्री बृजेश शर्मा, हरदोई Tech. Assistant, Farming & MVP in MCL. at Block Shahabad in MNREGA, Hardoi B.E.(Prod. Eng.)
ग्राम : शहादत नगर, जिला हरदोई (उ.प्र.)
निवास : आशा नगर, हरदोई (उ.प्र.)
मो. : 9621229636
पिता : स्व.श्री शंभूरतन शर्मा भारद्वाज (प्रधान जी)
माता : स्व.श्रीमती सुलोचना शर्मा
पत्नी : श्रीमती रश्मि शर्मा (उपाध्याय) (पिताश्री रोशनलाल उपाध्याय, कंढैया)
सुपुत्र : इंजी. श्री प्रभात शर्मा B.Tech(Civil) (School of management Science Lucknow, Interior Designer in divyani international Ltd. Gurugram.)
सुपुत्री : कु. रिचा शर्मा B.Tech (ECE) (MJP Rohilkhand University, Bareilly.)

| | | |
|---|---|---|
| [म] | : | श्री अनिल शर्मा जालौन |
| [म] | : | सिकरी राजा, जिला जालौन (उ.प्र.) |
| [निवास] | : | गणेश जी मोहल्ला, जालौन (उ.प्र.) |
| [मो.] | : | 7054487272 |
| [पिता] | : | श्री वृन्दावन शर्मा (कांकोरिया) |
| [पत्नी] | : | श्रीमती नीलम शर्मा (ढमोले) |
| [सुपुत्री] | : | कु. अंकिता शर्मा (Pursuing, M.Sc. Microbiology) |
| [सुपुत्र] | : | श्री नकुल शर्मा (B.Sc. maths) (Technical Engineer, Cloud and data Centre Group, Hitachi Systems India) |

| | | |
|---|---|---|
| नाम | : | इंजी.श्री विवेक कुमार शर्मा, जालौन<br>Asst. Consultant TCS, Noida<br>Edu- B.E. (EC) NRI College, Gwalior |
| ग्राम | : | सिकरी राजा, जिला जालौन (उ.प्र.) |
| निवास | : | गणेश जी मोहल्ला, जालौन (उ.प्र.) |
| पिता | : | श्री राजकुमार शर्मा (कांकोरिया) (मो. 6306897147) |
| दादा | : | श्री सेवाराम शर्मा (रिटा. प्रधानाचार्य) |
| दादी | : | श्रीमती सरोज शर्मा |
| माता | : | श्रीमती सुनीता शर्मा |
| पत्नी | : | श्रीमती साध्वी विवेक शर्मा (गौतम) (पिताश्री रामाधार शर्मा, भीमपुरा) |
| सुपुत्री | : | कु. अमाया शर्मा |

नाम : इंजी. श्री राजेन्द्र प्रसाद ऋषीश्वर, कोटा
से.नि. इंजीनियर, सिंचाई विभाग राजस्थान
ग्राम : भगवासा, तहसील गोहद (म.प्र.)
निवास : कोटा, राजस्थान
मो. : 9555764633 (चन्द्रमौल)
पिता : स्व.श्री बच्चूलाल सरपंच (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती मुन्नी देवी (कांकोरिया)
सुपुत्र : इंजी.श्री चन्द्रमौल शर्मा (B.Tech)
(Software Engineer in Noida)
पुत्रवधू : श्रीमती अंकिता शर्मा, पचौरी (M.Com)
पौत्र : कु. दीक्षा शर्मा (8 वर्ष)
पौत्री : कु.दर्शिता शर्मा (4 वर्ष)
सुपुत्र : श्री पवन शर्मा (M.Pharma)
(Drug Regualtory Affairs, Gurgaon)
पुत्रवधू : श्रीमती दीपा शर्मा, गौतम (M.Sc)
पौत्र : चि.निमित शर्मा (5 वर्ष)
सुपुत्री : श्रीमती मधुशर्मा (M.Com)
दामाद : श्री राजीव शर्मा(MBA) इंदौर (म.प्र.)
नातिन : कु. प्रांजल शर्मा (12 वर्ष)

नाम : श्री नित्यानंद शर्मा, कवाई
Sr. Teacher Govt. H.S. School Kawai
कवाई सालपुरा, जिला–बारां (राजस्थान)
मो. : 9829814989
पिता : श्री जगमोहन कांकौरिया (Rt. H.M)
दादा : स्व.श्री मूलचंद शर्मा (खुरा वाले)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा (श्रोत्रिय)
(पिताश्री कैलाशनारायण शर्मा, रिटा. स्वा.विभा.)
सुपुत्र : चि. अनुराग शर्मा (B.Tech, NIT)
(Presently working as maths faculty, Allen Career Institure, Kota.)
सुपुत्र : चि. आदित्य शर्मा (B.Tech, NIT) कुरूक्षेत्र
(Senior Analyst in cap Gemini, Pune.)
सुपुत्री : कु.श्रेया शर्मा (B.Sc. Ag.)
(Govt. University, Kota)

नाम : श्री चन्द्रशेखर शर्मा, जयपुर
Working as AGM in FMC India
Pvt Ltd Jaipur (Rajasthan)
Edu-M.Sc.Ag & M.B.A
ग्राम : दवोहा जिला, भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बजरंग नगर, प्रभू दयाल मार्ग
भगत सिंह चौक, सांगानेर, जयपुर (राज.)
मो. : 9413345351
पिता : स्व.श्री आशाराम शर्मा नेताजी (मंगोलिया)
माता : श्रीमती रामवती शर्मा (दीक्षित)
पत्नी : श्रीमती कुसुम शर्मा (पाराशर)
सुपुत्री : कु. प्रियांशी शर्मा (B.sc) Pursuing
सुपुत्री : कु.मनी शर्मा (11th)

नाम : श्री पुरूषोत्तम शर्मा, कवाई
B-Class PWD Contractor
कवाई (सालपुर), तह. अटरू, जिला–बारां(राज.)
मो. : 9829823803
पिता : स्व.श्री मदनलाल जी (पिपरौनिया)
पत्नी : श्रीमती सावित्री शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : श्री शुभम शर्मा (इंजी. डिप्लोमा)
(प्रो.शुभम इलेक्ट्रॉनिक्स प्लाजा, कवाई)
पुत्रवधू : श्रीमती राधिका शर्मा (मुद्गल)
सुपुत्र : श्री शैलेश शर्मा (NEET Prepration)
प्रतिष्ठान : शुभम कंस्ट्रक्शन कम्पनी, शुभम इलेक्टॉनिक्स प्लाजा फर्नीचर, शुभम रेडिमेड कलेक्शन, कवाई।

: श्री राम कुमार शर्मा, नोएडा
Retired GM (Finance) N.T.P.C.
Edu-B.Com, LLB, SAS
: बावरी पुरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
: C-95, Sector-61, Noida
: स्व.श्री गणेशराम शर्मा (बढ़ेले)
: श्रीमती पुष्पा शर्मा
(पिताश्री रामदीन शर्मा, पाय का पुरा, मुरैना)
: इंजी. श्री राकेश शर्मा (B.Tech, PGDM)
(GM NTPC Posted at Jhajhar Haryana)
: डॉ.संगीता राकेश शर्मा (MBBS)
(CMO NTPC, Jhajhar, Haryana)
(पिताश्री स्व.डॉ. अलबेल शर्मा रावत, खेरिया)
: कु.रूचि शर्मा (B.Tech(IT) PGDM)
(BAIN & Co. Consulting, Gurugram)
: डॉ. वैभव शर्मा (MBBS, PG Pursuing)

नाम : इंजी. श्री प्रशांत कुमार त्रिपाठी, नोएडा
Sr. Manager in Reliance Jio, Agra
ग्राम : तुला का नगला, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : पारस सीजन, सेक्टर 168 नोयडा उ.प्र.
मो. : 8077690622
पिता : स्व.श्री सुमित नारायण त्रिपाठी (मंगोलिया)
पत्नी : श्रीमती सुनीता त्रिपाठी(M.Com)
(पिताश्री परमानंद शर्मा बढ़ेले, बाबरीपुरा वाले)
सुपुत्री : कु. अभव्या त्रिपाठी (NEET Prepration)
सुपुत्र : चि.अथर्व त्रिपाठी (8 th)
भाई : डॉ.हिमांशु तिवारी(जीवन हॉस्पिटल, दिल्ली)
(M.B.B.S, MD, PG Diploma in Eco Cardiology)

: इंजी. श्री अशोक शर्मा, नोएडा
Deputy General manager in KIPL Company, Greater Noida.
: फूप, जिला भिण्ड (म.प्र.)
: जे.पी.अमन, सेक्टर 151, नोएडा
: 9717597341
: स्व.श्री बाबूराम शर्मा (श्रोत्रिय)
: श्रीमती रेखा शर्मा (दीक्षित)
(पिताश्री स्व. डॉ. रामसहाय दीक्षित, भिण्ड)
: इंजी. श्री शिवम शर्मा (23)
(Software Engineer in Real Time Data Services, (RTDS)Gurgaon)
(B.Tech, comp.Science J.I.I.T. Noida)
: कु. शिवानी शर्मा (B.Pharma)Pursu.
(Noida Institute of Eng. & Technology)

नाम : श्री सचिन शर्मा, नोएडा
Project Manager at Silver Touch PVT Ltd. (eprocurement Imp. Division)
(National Informatics Centre Delhi)
Education- MCA
ग्राम : सकराया, तह. अटेर, जिला भिण्ड
निवास : गौर सिटी नोएडा (उ.प्र.)
मो. : 9871285424
पिता : श्री अवधेश शर्मा (ढमोले)
माता : श्रीमती रामदेवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती योगिता शर्मा (गौतम)
सुपुत्री : कु.नव्या शर्मा

नाम : इंजी. श्री शिवशंकर शर्मा, नोएडा
Working as Software manager in
Yug IT Solutions Greater Noida
Edu- M.Tech (jaipur University)
ग्राम : खुद्र, तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बस स्टैण्ड के पास गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
एवं सेक्टर 22, नोएडा (उ.प्र.)
मो. : 8750688187
पिता : स्व.श्री रामकुमार शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती विनीता शर्मा (बिरथरिया)
सुपुत्री : कु.परी शर्मा (3rd)
सुपुत्र : चि.युग शर्मा

नाम : इंजी. श्री संजीव शर्मा, नोएडा
Working as Senior technical Lead
in LTI mindtree, Noida
Edu- B.E.(c.s.) SRIT Jabalpur.
ग्राम : बिंडवा (बद्री नायब का पुरा), मुरैना (म.प्र.)
निवास : गायत्री कॉलोनी, मुरैना एवं नोएडा
मो. : 9958636753
पिता : श्री राम प्रकाश शर्मा (सागौरिया)
माता : श्रीमती सरोज शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती प्राची शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री प्रोफेसर दिनेश शर्मा, अम्बाह)
सुपुत्री : कु. मृगांका शर्मा

नाम : श्री अनूप कुमार गौतम, ग्रेटर नोएडा
consultant Sales Marketing freelance
ग्राम : बहेड़ा, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : D-6, दादरी NTPC टाउनशिप,
गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
मो. : 9810855466
पिता : श्री राम अवतार गौतम
पत्नी : श्रीमती हेमलता गौतम (DGM NTPC)
(पिताश्री रामकुमार शर्मा बढ़ेले, बावरीपुरा वाले)
सुपुत्र : इंजी.श्री देवांश गौतम
(B.Tech.IIT BHU, Mtech IIT Delhi)
(Sr. Power System Eng. OATI)
पुत्रवधू : डॉ. श्रीमती लावण्या देवांश गौतम
सुपुत्र : श्री सारांश गौतम (B.Tech) Pursuing
(Electrical Engineering, BITS Pilani)

नाम : श्री मनीष ऋषीश्वर, ग्रेटर नोएडा
Export Import Business, logistics &
Trading, Director in Rishishwar Logistic
Pvt Ltd, Greater Noida, Edu- M.B.A. in
(International Business)Amity Noida
ग्राम : हर्राजपुर, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : गौर सिटी– 2, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)
पिता : श्री दिनेश चंद्र ऋषीश्वर
से.नि.डिविजनल कैशियर उत्तर रेल्वे लखनऊ
वर्तमान में डायरेक्टर, ऋषीश्वर लॉजिस्टिक्स प्रा.लि.
माता : श्रीमती माधुरी ऋषीश्वर
पत्नी : श्रीमती प्रीति ऋषीश्वर (MCA, MBA)
(Director in Rishishwar Logistics.)
सुपुत्री : कु. कियारा ऋषीश्वर
सुपुत्री : कु. निया ऋषीश्वर

: श्री राजेन्द्र शर्मा, ग्रेटर नोएडा
Quality Inspector, Denso India Pvt ltd. Greater Noida, Gautam Budhh Nagar (U.P.)
: कुम्हेरी, जिला मुरैना (म.प्र.)
: पुराना चुंगी नाका रोड, गोपाल पुरा मुरैना (म.प्र.) वर्त.निवास– ग्रेटर नोएडा गौतमवुद्ध नगर (उ.प्र.)
: 9999612633
: स्व.श्री रामविलास शर्मा (तिवारी)
: श्रीमती ममता शर्मा (भारद्वाज, गंज रामपुर) (पिताश्री स्व.श्री रामखत्यार शर्मा भारद्वाज)
: कु. प्रतिभा तिवारी (B.Com, B.Ed)
: चि.विवेक तिवारी (B.Sc)

नाम : श्री धर्मेश शर्मा, दिल्ली
Vice Principal in Government School, Delhi
ग्राम : दोहरी, जिला मुरैना(म.प्र.)
निवास : शालीमार बाग, दिल्ली एवं कांच मिल, बिरलानगर, ग्वालियर
मो. : 9211824273
पिता : श्री शिवनाथ प्रसाद शर्मा (पाराशर)
माता : श्रीमती सरला देवी
पत्नी : श्रीमती नीता शर्मा (मंगोलिया) (वास्तु सलाहकार) (पिताश्री तुलाराम शर्मा, नगला तुला, हाल भिण्ड) (माताश्री लौंगश्री शर्मा)
सुपुत्री : कु.निमिषा शर्मा (M.A. English)
सुपुत्री : कु. रिया शर्मा (BA, L.L.B. Pursuing)

: डॉ. रामकुमार शर्मा नई दिल्ली
Senior consultant Laparoscopic & Laser surgery (MBBS, MS, FISCP) Maharaja Agrasen Hospital Delhi
: सिरसौदा (गोहद) जिला भिण्ड (म.प्र.)
: पश्चिम विहार, नई दिल्ली
: 9871003596
: स्व.श्री केदारनाथ शर्मा दीक्षित (दैपुरा वाले)
: डॉ. श्रीमती आशा शर्मा(MBBS, MD, DNB) (Gynecologist & Infertility Specialist)
: चि.देवांश दीक्षित (10th)
: कु. भावना शर्मा(BA)DU
: चि. सिद्धार्थ शर्मा (10th)

नाम : श्री शैलेन्द्र शर्मा, नई दिल्ली
Warehouse Operation Manager in Ace Beveragez Pvt. Ltd. Okhla Phase-1 New Delhi,
ग्राम : सकराया, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : पुल प्रह्लादपुर, बदरपुर, नई दिल्ली
मो. : 9990743244
पिता : श्री अमृत लाल शर्मा (ढमोले)
माता : श्रीमती श्यामा देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती शिल्पा शर्मा (जोशी)
सुपुत्र : चि. हर्षित शर्मा (7th)

नाम : इंजी. श्री मनीष शर्मा, नई दिल्ली
Working as a Lead Data Administrator in Automated Operation (Ericsson Global Services Pvt Ltd, Sector-62, Noida)
Edu- B.Tech (E&C)MDU University
ग्राम : गम्भीर सिंह का पुरा(पुरावस), जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : ब्लॉक F-3/539A स्टीट नं. 5 संगम विहार, नई दिल्ली
मो. : 9910540270
पिता : श्री राधेश्याम शर्मा (पाराशर)रेल्वे
माता : श्रीमती रामा देवी (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती ज्योति शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री सुशील शर्मा लंबरदार, कुम्हेरी)
सुपुत्री : कु. वाणी शर्मा

नाम : श्री संजय शर्मा, नई दिल्ली
Associate Director, Corporate Banking, Standard Chartered Bank, New Delhi(MBA)
ग्राम : सकराया तह.अटेर, जिला भिण्ड(म.प्र.)
निवास : अर्जुन नगर, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली
मो. : 9811330618
पिता : श्री रामसनेही शर्मा (उपाध्याय)
(Ex Second in command (21C)in CRPF)
पत्नी : श्रीमती कल्पना शर्मा (मुदगल)
(पिताश्री अशोक ऋषीश्वर, कानपुर)
सुपुत्री : कु. सुकन्या शर्मा (12th)
सुपुत्र : चि. हेमन्त शर्मा (9th)

नाम : श्री अवधेश शर्मा, भिवाड़ी(राज)
Manager, Commercial BKT Tires Bhiwadi(Raj), Edu- MBA (International business) IPS Academy Indore
ग्राम : हडवासी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : एफ एफ 36 राजश्री रॉयल रेजिडेंस त्रिहन भिवाड़ी, जिला अलवर राजस्थान
मो. : 8769909517
पिता : स्व. श्री दामोदर जोशी
माता : श्रीमती रामरती जोशी
पत्नी : श्रीमती आरती शर्मा (बी.ए.संस्कृत)
(पिताश्री महावीर प्रसाद शर्मा, मुड़ैना, बकेवर)
सुपुत्र : चि. निकुंज शर्मा (8th)
(St. Xavier's School Bhiwadi)

नाम : श्री फूल सिंह शर्मा, गाजियाबाद
सहायक महाप्रबंधक, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली, (संयोजक, मध्यप्रदेश ऑफिसर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली)
ग्राम : खुटियानी हार, तह. जौरा, जिला मुरैना
निवास : शिप्रा सन सिटी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद
मो. : 9971998280
पिता : श्री रामबाबू उपाध्याय
माता : श्रीमती जनक प्यारी
पत्नी : श्रीमती मिथिलेश शर्मा
(पिताश्री स्व.श्री छोटेलाल चतुर्वेदी, पुरावस, अम्बाह)
सुपुत्र : चि. प्रतीक शर्मा (19 वर्ष)
(B.A.L.L.B 2021-2026 UPES, Dehradun)
सुपुत्र : चि.अर्पित शर्मा (18 वर्ष)
(B.A.LL.B 2022-2027, Noida)
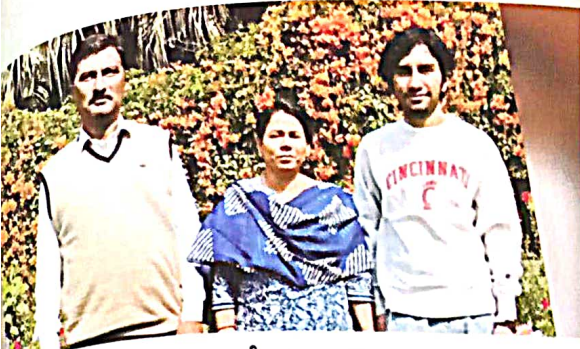
: इंजी. श्री अमित शर्मा, लखनऊ
Horticulture Superintendent, in Railway, Lucknow (U.P.)
: हर्राजपुर जिला इटावा (उ.प्र.)
: एल.डी.ए. कॉलोनी, लखनऊ (उ.प्र.)
: 9794846245
: स्व.श्री गुरूनारायण शर्मा (गौतम)
: श्रीमती ममता शर्मा (भारद्वाज)
(पिताश्री अशोक भारद्वाज Rt.Dsp)
: चि.यश वल्लभ शर्मा (BS, USA)
(Bachelor of Science, Pursuing)

नाम : श्री संजय कुमार गौड (LLB), सफीपुर
प्रॉपर्टी डीलर, सफीपुर, उन्नाव (उ.प्र.)
ग्राम : लिधौसी, जिला उन्नाव उ.प्र.
निवास : नारायण पुरी, यातायात पार्क, कृष्णानगर, लखनऊ
मो. : 8173072152
पिता : श्री बीरेन्द्र कुमार गौड़
पत्नी : श्रीमती रजनी गौड़ (उपाध्याय)
(ब्लाक व्यायाम शिक्षिका, जूनियर हाई स्कूल, यू.पी. एस मिर्जापुर अजगाँव, जिला उन्नाव (उ.प्र.))
Edu- B.sc, B.P.Ed, M.A, M.P.Ed
Mob: 6392656002
सुपुत्री : कु. त्रिशक्ति गौड़ (B.Sc.) Pursuing
सुपुत्री : कु. हेतवी गौड (7th)

नाम : श्री कृष्ण कुमार गौड़ एडवोकेट, सफीपुर न्यायालय सफीपुर में वकालत कार्य।
ग्राम : सिरस कन्हर, जिला उन्नाव (उ.प्र.)
निवास : स्टेशन रोड़ सफीपुर, जिला उन्नाव
मो. : 9453746797
पत्नी : श्रीमती सुशीला गौड़
सुपुत्र : श्री दीपक गौड़ एडवोकेट
पुत्रवधू : श्रीमती रेखा गौड़ (अध्यापिका)
सुपौत्र : चि.मेधांश गौड़
सुपुत्र : श्री सूरज गौड़ (MBA) (Sales & Marketing work, Noida)
पुत्रवधू : श्रीमती सुरेखा गौड़
पौत्री : कु. अविरा गौड़
सुपुत्र : इंजी. श्री प्रशान्त गौड़ Software Engineer in Noida
पुत्रवधू : श्रीमती मोनिका गौड़ (अकोड़ा)
पौत्र : चि.कियांश गौड़

नाम : श्री अभिनव गौड़ एडवोकेट, उन्नाव
ग्राम : देवगाँव, सफीपुर, जिला उन्नाव (उ.प्र.)
मो. : 9415029700
पिता : श्री सुरेन्द्र नाथ गौड़ (धौम्य) से.नि. लेक्चरर महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, सफीपुर, जिला उन्नाव
पत्नी : श्रीमती शालिनी गौड़(ग्राम प्रधान) (देवगांव, सफीपुर, जिला उन्नाव, उ.प्र.) (पिताश्री बाल मुकुंद गौड़, रिटा. आर्मी ) (माताश्री श्रीमती नीता शर्मा, हेडमास्टर जूनियर विद्यालय)
सुपुत्र : चि. विश्वास गौड़ (12th)
सुपुत्री : कु. तेजसी गौड़ (1st)

नाम : श्री योगेन्द्र गौड़, कानपुर Properiter, Shree Tirumula Trading co.kanpur Deals all type of Building material
ग्राम : मवई, ब्रह्मनान, सफीपुर, जिला उन्नाव (उ.प्र.)
निवास : किदवई नगर, कानपुर (उ.प्र.)
मो. : 6388426519
पिता : स्व.श्री कमलेश गौड़
माता : श्रीमती अशोका देवी
पत्नी : श्रीमती गुंजन गौड़ (Properiter Shree Anant food Cafe-A Nutrition Hub) Kanpur
सुपुत्री : कु. यशस्वी गौड़ (8th)
सुपुत्र : चि. यशनिल गौड़(3rd)

नाम : इंजी. श्री बृजेश शर्मा, हरदोई Tech. Assistant, Farming & MVP in MCL. at Block Shahabad in MNREGA, Hardoi B.E.(Prod. Eng.)
ग्राम : शहादत नगर, जिला हरदोई (उ.प्र.)
निवास : आशा नगर, हरदोई (उ.प्र.)
मो. : 9621229636
पिता : स्व.श्री शंभूरतन शर्मा भारद्वाज (प्रधान जी)
माता : स्व.श्रीमती सुलोचना शर्मा
पत्नी : श्रीमती रश्मि शर्मा (उपाध्याय) (पिताश्री रोशनलाल उपाध्याय, कंढैया)
सुपुत्र : इंजी. श्री प्रभात शर्मा B.Tech(Civil) (School of management Science Lucknow, Interior Designer in divyani international Ltd. Gurugram.)
सुपुत्री : कु. रिचा शर्मा B.Tech (ECE) (MJP Rohilkhand University, Bareilly.)

: श्री अनिल शर्मा जालौन
: सिकरी राजा, जिला जालौन (उ.प्र.)
: गणेश जी मोहल्ला, जालौन (उ.प्र.)
: 7054487272
: श्री वृन्दावन शर्मा (कांकोरिया)
: श्रीमती नीलम शर्मा (ढमोले)
: कु. अंकिता शर्मा
(Pursuing, M.Sc. Microbiology)
: श्री नकुल शर्मा (B.Sc. maths)
(Technical Engineer, Cloud and data Centre Group, Hitachi Systems India)

नाम : इंजी.श्री विवेक कुमार शर्मा, जालौन
Asst. Consultant TCS, Noida
Edu- B.E. (EC) NRI College, Gwalior
ग्राम : सिकरी राजा, जिला जालौन (उ.प्र.)
निवास : गणेश जी मोहल्ला, जालौन (उ.प्र.)
पिता : श्री राजकुमार शर्मा (कांकोरिया)
(मो. 6306897147)
दादा : श्री सेवाराम शर्मा (रिटा. प्रधानाचार्य)
दादी : श्रीमती सरोज शर्मा
माता : श्रीमती सुनीता शर्मा
पत्नी : श्रीमती साध्वी विवेक शर्मा (गौतम)
(पिताश्री रामाधार शर्मा, भीमपुरा)
सुपुत्री : कु. अमाया शर्मा

नाम : इंजी. श्री राजेन्द्र प्रसाद ऋषीश्वर, कोटा
से.नि. इंजीनियर, सिंचाई विभाग राजस्थान
ग्राम : भगवासा, तहसील गोहद (म.प्र.)
निवास : कोटा, राजस्थान
मो. : 9555764633 (चन्द्रमौल)
पिता : स्व.श्री बच्चूलाल सरपंच (श्रोत्रिय)
पत्नी : श्रीमती मुन्नी देवी (कांकोरिया)
सुपुत्र : इंजी.श्री चन्द्रमौल शर्मा (B.Tech)
(Software Engineer in Noida)
पुत्रवधू : श्रीमती अंकिता शर्मा, पचौरी (M.Com)
पौत्र : कु. दीक्षा शर्मा (8 वर्ष)
पौत्री : कु.दर्शिता शर्मा (4 वर्ष)
सुपुत्र : श्री पवन शर्मा (M.Pharma)
(Drug Regualtory Affairs, Gurgaon)
पुत्रवधू : श्रीमती दीपा शर्मा, गौतम (M.Sc)
पौत्र : चि.निमित शर्मा (5 वर्ष)
सुपुत्री : श्रीमती मधुशर्मा (M.Com)
दामाद : श्री राजीव शर्मा(MBA) इंदौर (म.प्र.)
नातिन : कु. प्रांजल शर्मा (12 वर्ष)

नाम : श्री नित्यानंद शर्मा, कवाई
Sr. Teacher Govt. H.S. School Kawai
कवाई सालपुरा, जिला–बारां (राजस्थान)
मो. : 9829814989
पिता : श्री जगमोहन कांकौरिया (Rt. H.M)
दादा : स्व.श्री मूलचंद शर्मा (खुरा वाले)
पत्नी : श्रीमती सुनीता शर्मा (श्रोत्रिय)
(पिताश्री कैलाशनारायाण शर्मा, रिटा. स्वा.विभा.)
सुपुत्र : चि. अनुराग शर्मा (B.Tech, NIT)
(Presently working as maths faculty,
Allen Career Institure, Kota.)
सुपुत्र : चि. आदित्य शर्मा (B.Tech, NIT) कुरूक्षेत्र
(Senior Analyst in cap Gemini, Pune.)
सुपुत्री : कु.श्रेया शर्मा (B.Sc. Ag.)
(Govt. University, Kota)

नाम : श्री चन्द्रशेखर शर्मा, जयपुर
Working as AGM in FMC India
Pvt Ltd Jaipur (Rajasthan)
Edu-M.Sc.Ag & M.B.A
ग्राम : दबोहा जिला, भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बजरंग नगर, प्रभू दयाल मार्ग
भगत सिंह चौक, सांगानेर, जयपुर (राज.)
मो. : 9413345351
पिता : स्व.श्री आशाराम शर्मा नेताजी (मंगोलिया)
माता : श्रीमती रामवती शर्मा (दीक्षित)
पत्नी : श्रीमती कुसुम शर्मा (पाराशर)
सुपुत्री : कु. प्रियांशी शर्मा (B.sc) Pursuing
सुपुत्री : कु.मनी शर्मा (11th)

नाम : श्री पुरूषोत्तम शर्मा, कवाई
B-Class PWD Contractor
कवाई (सालपुर), तह. अटरू, जिला–बारां(राज.)
मो. : 9829823803
पिता : स्व.श्री मदनलाल जी (पिपरौनिया)
पत्नी : श्रीमती सावित्री शर्मा (गौतम)
सुपुत्र : श्री शुभम शर्मा (इंजी. डिप्लोमा)
(प्रो.शुभम इलेक्ट्रॉनिक्स प्लाजा, कवाई)
पुत्रवधू : श्रीमती राधिका शर्मा (मुद्गल)
सुपुत्र : श्री शैलेश शर्मा (NEET Prepration)
प्रतिष्ठान : शुभम कंस्ट्रक्शन कम्पनी, शुभम
इलेक्टॉनिक्स प्लाजा फर्नीचर, शुभम
रेडिमेड कलेक्शन, कवाई।

: श्री राम कुमार शर्मा, नोएडा
Retired GM (Finance) N.T.P.C.
Edu-B.Com, LLB, SAS
: बावरी पुरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
: C-95, Sector-61, Noida
: स्व.श्री गणेशराम शर्मा (बढ़ेले)
: श्रीमती पुष्पा शर्मा
(पिताश्री रामदीन शर्मा, पाय का पुरा, मुरैना)
: इंजी. श्री राकेश शर्मा (B.Tech, PGDM)
(GM NTPC Posted at Jhajhar Haryana)
: डॉ.संगीता राकेश शर्मा (MBBS)
(CMO NTPC, Jhajhar, Haryana)
(पिताश्री स्व.डॉ. अलबेल शर्मा रावत, खेरिया)
: कु.रूचि शर्मा (B.Tech(IT) PGDM)
(BAIN & Co. Consulting, Gurugram)
: डॉ. वैभव शर्मा (MBBS, PG Pursuing)

नाम : इंजी. श्री प्रशांत कुमार त्रिपाठी, नोएडा
Sr. Manager in Reliance Jio, Agra
ग्राम : तुला का नगला, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : पारस सीजन, सेक्टर 168 नोयडा उ.प्र.
मो. : 8077690622
पिता : स्व.श्री सुमित नारायण त्रिपाठी (मंगोलिया)
पत्नी : श्रीमती सुनीता त्रिपाठी(M.Com)
(पिताश्री परमानंद शर्मा बढ़ेले, बावरीपुरा वाले)
सुपुत्री : कु. अभव्या त्रिपाठी (NEET Prepration)
सुपुत्र : चि.अथर्व त्रिपाठी (8 th)
भाई : डॉ.हिमांशु तिवारी(जीवन हॉस्पिटल, दिल्ली)
(M.B.B.S, MD, PG Diploma in Eco Cardiology)

: इंजी. श्री अशोक शर्मा, नोएडा
Deputy General manager in KIPL Company, Greater Noida.
: कूप, जिला भिण्ड (म.प्र.)
: जे.पी.अमन, सेक्टर 151, नोएडा
: 9717597341
: स्व.श्री बाबूराम शर्मा (श्रोत्रिय)
: श्रीमती रेखा शर्मा (दीक्षित)
(पिताश्री स्व. डॉ. रामसहाय दीक्षित, भिण्ड)
: इंजी. श्री शिवम शर्मा (23)
(Software Engineer in Real Time Data Services, (RTDS)Gurgaon)
(B.Tech, comp.Science J.I.I.T. Noida)
: कु. शिवानी शर्मा (B.Pharma)Pursu.
(Noida Institute of Eng. & Technology)

नाम : श्री सचिन शर्मा, नोएडा
Project Manager at Silver Touch PVT Ltd. (eprocurement Imp. Division)
(National Informatics Centre Delhi)
Education- MCA
ग्राम : सकराया, तह. अटेर, जिला भिण्ड
निवास : गौर सिटी नोएडा (उ.प्र.)
मो. : 9871285424
पिता : श्री अवधेश शर्मा (ढमोले)
माता : श्रीमती रामदेवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती योगिता शर्मा (गौतम)
सुपुत्री : कु.नव्या शर्मा

नाम : इंजी. श्री शिवशंकर शर्मा, नोएडा
Working as Software manager in
Yug IT Solutions Greater Noida
Edu- M.Tech (jaipur University)
ग्राम : खुद्र, तह. गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : बस स्टैण्ड के पास गोहद, जिला भिण्ड (म.प्र.)
एवं सेक्टर 22, नोएडा (उ.प्र.)
मो. : 8750688187
पिता : स्व.श्री रामकुमार शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती विनीता शर्मा (बिरथरिया)
सुपुत्री : कु.परी शर्मा (3rd)
सुपुत्र : चि.युग शर्मा

नाम : इंजी. श्री संजीव शर्मा, नोएडा
Working as Senior technical Lead
in LTI mindtree, Noida
Edu- B.E.(c.s.) SRIT Jabalpur.
ग्राम : बिंडवा (बद्री नायब का पुरा), मुरैना (म.प्र.)
निवास : गायत्री कॉलोनी, मुरैना एवं नोएडा
मो. : 9958636753
पिता : श्री राम प्रकाश शर्मा (सागौरिया)
माता : श्रीमती सरोज शर्मा (जोशी)
पत्नी : श्रीमती प्राची शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री प्रोफेसर दिनेश शर्मा, अम्बाह)
सुपुत्री : कु. मृगांका शर्मा

नाम : श्री अनूप कुमार गौतम, ग्रेटर नोएडा
consultant Sales Marketing freelance
ग्राम : बहेड़ा, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : D-6, दादरी NTPC टाउनशिप,
गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
मो. : 9810855466
पिता : श्री राम अवतार गौतम
पत्नी : श्रीमती हेमलता गौतम (DGM NTPC)
(पिताश्री रामकुमार शर्मा बढ़ेले, बाबरीपुरा वाले)
सुपुत्र : इंजी.श्री देवांश गौतम
(B.Tech.IIT BHU, Mtech IIT Delhi)
(Sr. Power System Eng. OATI)
पुत्रवधू : डॉ. श्रीमती लावण्या देवांश गौतम
सुपुत्र : श्री सारांश गौतम (B.Tech) Pursuing
(Electrical Engineering, BITS Pilani)

नाम : श्री मनीष ऋषीश्वर, ग्रेटर नोएडा
Export Import Business, logistics &
Trading, Director in Rishishwar Logistic
Pvt Ltd, Greater Noida, Edu- M.B.A. in
(International Business)Amity Noida
ग्राम : हर्राजपुर, जिला इटावा (उ.प्र.)
निवास : गौर सिटी- 2, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)
पिता : श्री दिनेश चंद्र ऋषीश्वर
से.नि.डिविजनल कैशियर उत्तर रेल्वे लखनऊ
वर्तमान में डायरेक्टर, ऋषीश्वर लॉजिस्टिक्स प्रा.लि.
माता : श्रीमती माधुरी ऋषीश्वर
पत्नी : श्रीमती प्रीति ऋषीश्वर (MCA, MBA)
(Director in Rishishwar Logistics.)
सुपुत्री : कु. कियारा ऋषीश्वर
सुपुत्री : कु. निया ऋषीश्वर

: श्री राजेन्द्र शर्मा, ग्रेटर नोएडा
Quality Inspector, Denso India Pvt ltd. Greater Noida, Gautam Budhh Nagar (U.P.)
: कुम्हेरी, जिला मुरैना (म.प्र.)
: पुराना चुंगी नाका रोड, गोपाल पुरा मुरैना (म.प्र.) वर्त.निवास– ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
: 9999612633
: स्व.श्री रामविलास शर्मा (तिवारी)
: श्रीमती ममता शर्मा (भारद्वाज, गंज रामपुर) (पिताश्री स्व.श्री रामखत्यार शर्मा भारद्वाज)
: कु. प्रतिभा तिवारी (B.Com, B.Ed)
: चि.विवेक तिवारी (B.Sc)

नाम : श्री धर्मेश शर्मा, दिल्ली
Vice Principal in Government School, Delhi
ग्राम : दोहरी, जिला मुरैना(म.प्र.)
निवास : शालीमार बाग, दिल्ली
एवं कांच मिल, बिरलानगर, ग्वालियर
मो. : 9211824273
पिता : श्री शिवनाथ प्रसाद शर्मा (पाराशर)
माता : श्रीमती सरला देवी
पत्नी : श्रीमती नीता शर्मा (मंगोलिया) (वास्तु सलाहकार) (पिताश्री तुलाराम शर्मा, नगला तुला, हाल भिण्ड) (माताश्री लौंगश्री शर्मा)
सुपुत्री : कु.निमिषा शर्मा (M.A. English)
सुपुत्री : कु. रिया शर्मा (BA, L.L.B. Pursuing)

: डॉ. रामकुमार शर्मा नई दिल्ली
Senior consultant Laparoscopic & Laser surgery (MBBS, MS, FISCP) Maharaja Agrasen Hospital Delhi
: सिरसौदा (गोहद) जिला भिण्ड (म.प्र.)
: पश्चिम विहार, नई दिल्ली
: 9871003596
: स्व.श्री केदारनाथ शर्मा दीक्षित (दैपुरा वाले)
: डॉ. श्रीमती आशा शर्मा(MBBS, MD, DNB) (Gynecologist & Infertility Specialist)
: चि.देवांश दीक्षित (10th)
: कु. भावना शर्मा(BA)DU
: चि. सिद्धार्थ शर्मा (10th)

नाम : श्री शैलेन्द्र शर्मा, नई दिल्ली
Warehouse Operation Manager in Ace Beveragez Pvt. Ltd. Okhla Phase-1 New Delhi,
ग्राम : सकराया, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : पुल प्रह्लादपुर, बदरपुर, नई दिल्ली
मो. : 9990743244
पिता : श्री अमृत लाल शर्मा (ढमोले)
माता : श्रीमती श्यामा देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती शिल्पा शर्मा (जोशी)
सुपुत्र : चि. हर्षित शर्मा (7th)

नाम : इंजी. श्री मनीष शर्मा, नई दिल्ली
Working as a Lead Data Administrator in Automated Operation (Ericsson Global Services Pvt Ltd, Sector-62, Noida)
Edu- B.Tech (E&C)MDU University
ग्राम : गम्भीर सिंह का पुरा(पुरावस), जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : ब्लॉक F-3/539A स्टीट नं. 5 संगम विहार, नई दिल्ली
मो. : 9910540270
पिता : श्री राधेश्याम शर्मा (पाराशर)रेल्वे
माता : श्रीमती रामा देवी (मुदगल)
पत्नी : श्रीमती ज्योति शर्मा (तिवारी)
(पिताश्री सुशील शर्मा लंबरदार, कुम्हेरी)
सुपुत्री : कु. वाणी शर्मा

नाम : श्री संजय शर्मा, नई दिल्ली
Associate Director, Corporate Banking, Standard Chartered Bank, New Delhi(MBA)
ग्राम : सकराया तह.अटेर, जिला भिण्ड(म.प्र.)
निवास : अर्जुन नगर, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली
मो. : 9811330618
पिता : श्री रामसनेही शर्मा (उपाध्याय)
(Ex Second in command (21C)in CRPF)
पत्नी : श्रीमती कल्पना शर्मा (मुदगल)
(पिताश्री अशोक ऋषीश्वर, कानपुर)
सुपुत्री : कु. सुकन्या शर्मा (12th)
सुपुत्र : चि. हेमन्त शर्मा (9th)

नाम : श्री अवधेश शर्मा, भिवाड़ी(राज)
Manager, Commercial BKT Tires Bhiwadi(Raj), Edu- MBA (International business) IPS Academy Indore
ग्राम : हडवासी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : एफ एफ 36 राजश्री रॉयल रेजिडेंस त्रिहन भिवाड़ी, जिला अलवर राजस्थान
मो. : 8769909517
पिता : स्व. श्री दामोदर जोशी
माता : श्रीमती रामरती जोशी
पत्नी : श्रीमती आरती शर्मा (बी.ए.संस्कृत)
(पिताश्री महावीर प्रसाद शर्मा, मुड़ैना, बकेवर)
सुपुत्र : चि. निकुंज शर्मा (8th)
(St. Xavier's School Bhiwadi)

नाम : श्री फूल सिंह शर्मा, गाजियाबाद
सहायक महाप्रबंधक, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली, (संयोजक, मध्यप्रदेश ऑफिसर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली)
ग्राम : खुटियानी हार, तह. जौरा, जिला मुरैना
निवास : शिप्रा सन सिटी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद
मो. : 9971998280
पिता : श्री रामबाबू उपाध्याय
माता : श्रीमती जनक प्यारी
पत्नी : श्रीमती मिथिलेश शर्मा
(पिताश्री स्व.श्री छोटेलाल चतुर्वेदी, पुराबस, अम्बाह)
सुपुत्र : चि. प्रतीक शर्मा (19 वर्ष)
(B.A.L.L.B 2021-2026 UPES, Dehradun)
सुपुत्र : चि.अर्पित शर्मा (18 वर्ष)
(B.A.LL.B 2022-2027, Noida)

: इंजी. श्री चंद्रकांत चतुर्वेदी, पलवल
Lecturer (Mech.Eng.)in Govt. Polytechnic Uttawar (Palwal) Haryana, M.Tech.(Manaufacturing Techn.) NITTTR Chandigarh
: सिमार मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)
: न्यू कॉलोनी, पलवल, हरियाणा
: 9813250662
: श्री इंद्रजीत चतुर्वेदी
: श्रीमती कंचनलता शर्मा (तिवारी)
(M.Sc. Biotechnology, B.Ed)
(पिताश्री दाताराम शर्मा पूर्व सरपंच, सिमार)
: कु. माही चतुर्वेदी
: चि.यथार्थ चतुर्वेदी

नाम : श्री प्रवेश शर्मा, रेवाड़ी
Electrical Engineer in Hollister Medical India Pvt ltd. Bawal (Rewari) Haryana....
Edu- CTI Hyderabad
ग्राम : जलालपुर, जिला एटा (उ.प्र.)
निवास : गोविन्द नगर, पदायवास, रेवाड़ी (हरियाणा)
मो. : 9996810195
पिता : श्री हुब्बलाल शर्मा (गौतम)
पत्नी : श्रीमती किरण शर्मा (मुदगल)
सुपुत्र : चि. आदित्य शर्मा (9 Yr)
सुपुत्री : कु. माही शर्मा (4Yr)

नाम : श्री भूपेश तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता), कोंडागाँव संस्थापक, साथी समाज सेवी संस्था कोंडागाँव, (छ.ग.) सदस्य छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, छत्तीसगढ़ शासन
ग्राम : हडवांसी, जिला मुरैना (म.प्र.)
निवास : कुम्हारपारा, कोंडागाँव, छत्तीसगढ़
मो. : 7974226797
पिता : स्व.श्री माताप्रसाद तिवारी (राठी जी)
चाचा : डॉ.बी.एल.शर्मा. रिटा. डीन ,JNKVV जबलपुर
पत्नी : श्रीमती सरोज तिवारी (भारद्वाज)
सुपुत्र : इंजी. श्री विकास तिवारी (IT Analyst in TCS, Munich Germany) (Edu- B.Tech(E.&T)B.I.T Bhilai)
सुपुत्री : कु. प्रगति तिवारी (Director, Gaffle Pvt. Ltd. (Own Startup) (Master in Development From Azim Premji University, Bangalore.)

नाम : डॉ. आर.एल. शर्मा(Ph.d), रायपुर प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख आई.जी.के.वी, कृषि विज्ञान केन्द्र, मुंगेली, छत्तीसगढ़ Ph.D(Plant Pathology)
ग्राम : सिकरौदा, जिला मुरैना म.प्र.
निवास : विनायक गार्डन कॉलोनी, अवंति विहार, रायपुर एवं पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना।
मो. : 9424282585
पिता : श्री रामचरण शर्मा (लुहोरिया)
माता : श्रीमती राम कटोरी (तिवारी)
पत्नी : श्रीमती बसंती शर्मा (सिंघोलिया)
सुपुत्री : कु. अंजली शर्मा (Mcom) Pursuing (पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर)
सुपुत्री : कु.नेहा शर्मा (Bsc. Bio) Pursuing
सुपुत्र : चि. श्रेयांश शर्मा (4th)

नाम : श्री अनिल शर्मा, रायपुर Jp Sales, Submersible pump and Cable Trading Raipur (CG)
ग्राम : अकोड़ा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : विकास विहार कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़)
मो. : 8839296389
पिता : चौ.श्री ओछेलाल शर्मा (बेरीवार) (सेवा निवृत प्रोफेसर, भिण्ड)
माता : श्रीमती भगवती देवी शर्मा
पत्नी : श्रीमती मनीषा शर्मा (उपाध्याय)
सुपुत्र : डॉ. सौरभ शर्मा (MBBS) (Pursuing, JNM Raipur)
सुपुत्र : इंजी.अभिषेक शर्मा (B.Tech) (Mettalurgy, Pursuing, IIT BHU)

नाम : श्री रामकिशोर शर्मा, बालोद (छ.ग) कृषि विकास अधिकारी, कृषि विभाग बालोद (छत्तीसगढ़)
ग्राम : दबोहा, जिला भिण्ड (म.प्र.)
निवास : साबुन फैक्टी के बगल से, दबोहा मोड़, भिण्ड (म.प्र.)
मो. : 9993316454
पिता : स्व.श्री विनायकराम शर्मा (मंगोलिया)
पत्नी : श्रीमती इंद्रवती शर्मा (बेरीबार)
सुपुत्र : श्री निकेत शर्मा
पुत्रवधू : श्रीमती साधना शर्मा (उपाध्याय)
सुपौत्र : चि.कार्तिकेय शर्मा

: श्री राधेश्याम शर्मा, बड़ौदा
बी.एस.एन.एल. गुजरात से रिटायर्ड
: सकराया, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
: 158/18 बैकुंठ-2, न्यू वी.आई.पी. रोड, बड़ौदा (गुजरात)
: 9427538582
: स्व. श्री लज्जाराम शर्मा (ढमोले)
: श्रीमती विमला देवी (उपाध्याय)
: इंजी. श्री शैलेश शर्मा MS (CS) (University of Central Missouri, USA)
: श्रीमती रोशनी शर्मा (दीक्षित)
पिताश्री कृष्ण गोपाल पंडित जी, फूप
: चि. देव शर्मा (KG-J)
: इंजी. श्री प्रशान्त शर्मा (Network Engineer in Australia)
: 02/08/1989 (Unmarried)

नाम : इंजी. श्री राजेश कुमार शर्मा, बड़ौदा
Chemical Engineer. in PL Industries, Vadodara
ग्राम : अमरपुरा, अम्बाह, जिला-मुरैना
निवास : अटलादरा, बड़ौदा (गुजरात)
एवं अक्षरधाम स्पेशल, बोरखेड़ा कोटा (राजस्थान)
मो. : 9636426747
पिता : श्री ग्याप्रसाद शर्मा (उपाध्याय) रिटायर्ड शिक्षक
माता : श्रीमती खिलौनी देवी (पचौरी)
पत्नी : श्रीमती कंचन शर्मा (गौड़)
पिताश्री विमलचन्द्र गौड़
रिट.लेक्चरर, देवगाँव, उन्नाव
माताश्री श्रीमती कुसुम गौड़, उन्नाव
सुपुत्र : चि. अनन्त शर्मा (12th Science)

: श्री राजेश शर्मा, नागपुर (महाराष्ट्र)
लेक्चरर, शास.महाविद्यालय, नागपुर (महाराष्ट्र)
: उन्नाव (उ.प्र.)
: नागपुर (महाराष्ट्र) परिवार 4 पीढ़ी पूर्व उन्नाव जिले से नागपुर में स्थाई रूप से बस गया था
: 9423266503
: श्री गौतमराव शर्मा (रिटा. कृषि अधिकारी)
: श्रीमती मिथलेश शर्मा
: श्रीमती अलका-राजेश शर्मा (बिलन्दा, छिंदवाड़ा)
: चि. सर्वेश शर्मा (12th) IIT Prepration

नाम : इंजी. श्री राज भारद्वाज, हैदराबाद
Software Engineer in Atlassian India (MNC) Hyderabad
ग्राम : गंज रामपुर, जिला-मुरैना (म.प्र.)
निवास : कोण्डापुर, हैदराबाद
मो. : 8412008938
पिता : श्री सुरेश भारद्वाज
पत्नी : श्रीमती शोभना भारद्वाज (रावत)
पिताश्री नरेन्द्र शर्मा, खेरिया महानंद
से नि. जनरल मैनेजर, उद्योग विभाग
सुपुत्र : चि. ध्वज भारद्वाज

| | | |
|---|---|---|
| नाम | : | श्री दिनेश शर्मा (सरपंच) मुक्ताखेड़ा<br>अध्यक्ष सरपंच संघ लटेरी, जिला-विदिशा<br>अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा.)<br>जिला-विदिशा (म.प्र.) |
| ग्राम | : | मुक्ताखेड़ा, जिला-विदिशा (म.प्र.) |
| मो. | : | 9425029072 |
| पिता | : | स्व.श्री मिश्रीलाल जी बिरथरिया |
| माता | : | श्रीमती कमला बाई शर्मा (पचौरी) |
| पत्नी | : | श्रीमती विनीता शर्मा (गौतम) |
| सुपुत्र | : | श्री आशुतोष शर्मा (स्नातक) |
| सुपुत्री | : | कु. आशिका शर्मा (स्नातक) |
| सुपुत्र | : | चि. अनुज शर्मा (12 वीं) |

जिला छिन्दवाड़ा के ग्राम गुरैया में भगवान परशुराम जी का भव्य मंदिर स्थापित है। ऋषीश्वर बंधुओं ने मिलकर इस मंदिर का निर्माण कराया है। इसका शिलान्यास वर्ष 2014 में उस समय हुआ था, जब ग्राम गुरैया में आदि गौड़ ऋषीश्वर ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित हुआ था।उसके बाद धीरे धीरे इसका निर्माण होता रहा और वर्ष 2022 में यह बनकर तैयार हो गया। वर्तमान में यह मंदिर गांव के लिए ऐसा स्थान हो गया है जहां सभी ब्राह्मण एकत्रित होकर पुजारी श्री सुखनंदन जी के साथ आरती भजन कीर्तन करते हैं और सत्संग भी होता है। मंदिर निर्माण में गांव के सभी ऋषीश्वर बंधुओं ने योगदान दिया है। गुरैया गांव में ऋषीश्वर ब्राह्मण ही निवास करते हैं। मंदिर निर्माण में समर्पित व्यक्तियों में श्री शिवकुमार शर्मा संयोजक, श्री मदन शर्मा और श्री गजमोहन शर्मा जनपद सदस्य , श्री नंदकिशोर गौतम, श्री जुगलकिशोर गौतम, श्री देवेन्द्र शर्मा आदि के नाम प्रमुख हैं

नाम : श्री मोहित उपाध्याय
Central Excise & GST Inspector
CBIC (Zone Vadodara)
वर्तमान तक इंडियन रेल्वे में
JAA पद पर कार्यरत
Edu-B.tech. (CS) JUET Guna
ग्राम :कंढैया, जिला-इटावा (उ.प्र.)
DOB : 07/10/1994
पिता : श्री राजकुमार उपाध्याय
Prop. John Deere Tractor Agency, Bhind
Mob.: 9425127017
दादा : स्व.श्री रामेश्वर दयाल उपाध्याय
माता : श्रीमती मिथलेश उपाध्याय (सीरोठिया)
(Director : Sahara School, Bhind)
निवास : सहारा स्कूल, ग्वालियर रोड, भिण्ड (म.प्र.)

नाम :इंजी. श्री हर्ष शर्मा (AAO)
Asst. Audit Officer Indian Audit & Accounts Department (Under CAG). B.tech (Electrical) Bhopal
DOB : 29/June/1996
पता: ग्राम दबोहा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री शिवकुमार शर्मा (मंगोलिया)
Mob. : 9926292531
दादा : स्व.श्री जयनारायण बौहरे
दादी : स्व. श्रीमती वीरमती देवी
माता : श्रीमती कुसुम शर्मा (दीक्षित)
नाना : स्व.श्री हरनारायण दीक्षित, फूप

नाम : श्री नीतेश शर्मा, मुरैना
Central Excise & GST Inspector
CBIC (Central Govt.)
वर्तमान तक Sr. CCTC पद पर
रेल्वे में कार्यरत
Edu-B.tech. (NIT Srinagar)
ग्राम : पिड़ावली, जिला–मुरैना (म.प्र.)
पिता :श्री मुरारीलाल शर्मा (सड़वारिया)
संस्था प्रबंधक कोऑपरेटिव, पिडावली
मो. : 9827548926
माता : श्रीमती अनीता शर्मा (पचौरी)
निवास : केशव कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)

नाम : श्री प्रिंयाशु शर्मा, भोपाल
Auditor (Indian Audit & Accounts Department. Under CAG)
वर्तमान में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में पदस्थ
पिता : श्री रामप्रसाद शर्मा (ढमोले)

संचालक नर्मदा हाईस्कूल, खरगोन
दादा : श्री रामलखन शर्मा
माता : श्रीमती संगीता शर्मा (जोशी)
ग्राम : बिरगवां, जिला–भिण्ड
Mob. : 99263 36594
निवास: नर्मदा हाईस्कूल, खरगोन, जिला-रायसेन (म.प्र.)

नाम : श्री अभय मुदगल (SI) सीतापुर
सब इन्स्पेक्टर, उत्तरप्रदेश पुलिस विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक
पता : ग्राम सिकरोदा, जिला-मुरैना (म.प्र.)
DOB : 20/10/1998
लक्ष्य : UPSC में सफल होना
पिता : श्री अजय मुदगल
दादा : स्व. श्री रामेश्वर दयाल मुदगल (हैदर जी)
माता : श्रीमती सरला देवी (तिवारी)
ताऊजी : श्री रामचन्द्र मुदगल
मो. : 9685394270 (ताऊजी)

नाम : श्री गौरव दीक्षित (भितरवार)
कृषि विस्तार अधिकारी पद पर भितरवार ग्वालियर में पदस्थ
Edu- M.Sc. Ag.
DOB :02/09/1996
ग्राम : फूप,जिला–भिण्ड (म.प्र.)
माता : श्रीमती बसंती दीक्षित(बिरथरिया)
दादा : श्री कृष्ण दीक्षित
(अध्यक्ष ऋषीश्वर कॉलेज, फूप)
ताऊ : श्री आनंद दीक्षित (सी.एम.ओ. नगरपालिका)
मोबा. :9826298488

नाम :श्री यशवर्धन शर्मा, जबलपुर
Indina Bank शाखा Khamdehi
जिला-जबलपुर में पदस्थ
हाल में पटवारी पद पर चयनित
Edu. - B.E. (SGSITS Indore)
DOB :28/01/1995
ग्राम :खेरिया महानंद जिला-भिण्ड
पिता :श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा (रावत)
रिटा. जनरल मैनेजर, उद्योग विभाग
मो. :9981503177
माता :स्व. श्रीमती शीला शर्मा (उपाध्याय)
निवास: मनोहर एनक्लेव, सिटी सेन्टर, ग्वालियर

नाम : श्री पुनीत कुमार शर्मा,
जॉब:Train Manager in Indian Railway Secunderbad Zone
Edu. : B.Sc. (Maths)
ग्राम : हर्राजपुरा बकेवर, जिला-इटावा (उ.प्र.)
पिता :श्री शिवकुमार शर्मा (सड़वारिया)
दादा: श्रीराम शर्मा (संतजी)
माता : श्रीमती उमादेवी दुबे (टकपुरा)
बड़े भाई : श्री देवेद्र चतुर्वेदी
मोबा.: 9770483469
DOB : 27/08/1997

नाम :श्री शुभम शर्मा (लकी) मुम्बई
Auditor, Indian Audit & Accounts Department Under CAG
वर्तमान में वेर्स्टन रेल्वे में Sr.CCTC पद पर कार्यरत (B.Sc.)Maths
ग्राम : भगवासा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री महेश पचौरी
दादा : श्री राधाकृष्ण शर्मा
माता : श्रीमती कांति शर्मा (सड़वारिया)
मो. 6266119981

नाम : इंजी. श्री मयंक दीक्षित, गुड़गॉव
Senior Civil Engineer (Design) in Geoconsult India Pvt. Ltd. Gurgaon
Edu : M.Tech (IIT Delhi) B.Tech (NIT)
DOB :14/02/1994
पता : ग्राम बिरधनपुरा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास :गौरी बिहार, भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री अजय दीक्षित (शिक्षक)
(अशास.हायर सेकेण्डरी विद्यालय, भिण्ड)
मोबा. :9826456306
दादा : श्री देवीदयाल दीक्षित, एडवोकेट
माता : श्रीमती अमरावती देवी (पचौरी)

नाम : श्री सौरभ चतुर्वेदी, ग्वालियर
Sales Representative in crop top Pesticides Pvt. Ltd. Gwalior
Edu : B.Sc. Ag ITM University, Gwalior (M.P.)
DOB: 02/07/1998
पता : मानिकपुरा, मेहगाँव, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री विजय राम चतुर्वेदी
माता : श्रीमती मातेश्वरी (श्रोत्रिय, सकराया)
चाचा : श्री राजकुमार चतुर्वेदी
हिमालय कंपनी, मो. 9926231946
निवास : 324, तुलसी बिहार, सिटी सेन्टर, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : इंजी. श्री अनुज शर्मा, मुजफ्फरपुर
Assistant Lecturer at Aakash Institute (byju's), Muzaffarpur
B.E. ECE SGSITS, Indore
DOB : 10/10/1994
ग्राम : भगवासा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री महेश शर्मा (पचौरी)
दादा : श्री राधाकृष्ण शर्मा
नाना : स्व.श्री जगमोहन शर्मा (नेताजी)
मो. 6266119981

नाम : इंजी. श्री चित्रांश शर्मा, अकोड़ा
कार्य : Operation Executive in Intellipaat Bangalore.
Edu : B.Tech (Mechanical) ITM University, Gwalior
DOB: 01/11/2000
पिता : श्री अजय शर्मा, डायरेक्टर माँ कैलादेवी हॉस्पिटल एवं श्री ब्लड बैंक, ग्वालियर
मोबा : 6265699035
दादा : श्री सुरेश बाबू शर्मा (गौतम)
माता : श्रीमती भावना शर्मा (पाराशर)
निवास : श्रुति अपार्टमेंट, श्रुति एनक्लेव द्वारकापुरी के पास फोर्ट रोड, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम : श्री रजनीश शर्मा, बिरधनपुरा
कार्य : District Manager . म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत, श्योपुर
Edu : B.Sc. A.G., PGDM (Indian Institute of Forest Management, Bhopal (M.P.)
पिता : श्री सुनील शर्मा (उपाध्याय) ब्लॉक परियोजना प्रबंधक राजीविका ब्लॉक शाहबाद, जिला-बारां (राजस्थान)
मोबा : 9116980883
दादा : श्री बाबूलाल शर्मा (भूतपूर्व सर्वेयर)
माता : श्रीमती अर्चना शर्मा (गौतम)
निवास: A-ब्लॉक, शास्त्री नगर, भिण्ड

नाम : इंजी. श्री जयप्रकाश शर्मा
Presently Working in Thoughtspot India Pvt. Ltd, Bangalore)
Edu : B.Tech (IIT Rurkee)
DOB : 28/10/2000
ग्राम : सिमार, तह.मेहगाँव, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री गौरीशंकर शर्मा (उपाध्याय)
मो. : 9893686654
दादा : स्व.श्री वनवारीलाल शर्मा (शिक्षक)
माता : श्रीमती कुसुम शर्मा (गौतम)
निवास : CL-81, डी.डी. नगर, ग्वालियर

नाम : इंजी. सुधांशु कटारे, चरथर जिला-भिण्ड
जॉब : Ast. Eng. in L&T ltd (Andheri Mumbai)
शिक्षा: B.Tech (Civil) L.N.C.T. Bhopal
DOB: 01/08/1999
पिता : डॉ.नरेन्द्र कटारे (पी.एच.डी.)
जॉब : उच्चतर माध्यमिक शिक्षक, फूप
मोबा : 9926233911
दादा : स्व.श्री गेंदालाल कटारे
माता : श्रीमती जनक श्री (उपाध्याय)
निवास : ब्लॉक कॉलोनी के पीछे, चतुर्वेदी नगर, भिण्ड

नाम : डॉ. हर्षित शर्मा सागर (MBBS) Pursuing, Govt. Medical College, Sagar (M.P.)
ग्राम : हरांजपुर, जिला-इटावा (उ.प्र.)
पिता : स्व.श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा (विरथरिया)
दादा : श्री भगवत दयाल शर्मा
माता : श्रीमती मनोरमा शर्मा (जोशी)
निवास:यादव नगर, भिण्ड (म.प्र.)

नाम : डॉ. कंचन दीक्षित, इन्दौर (MBBS) Pursuing,Mahatma Gandhi Memorial Medical College, Indore (M.P.)
ग्राम : विर्धनपुरा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री राधामोहन दीक्षित
दादा : स्व.श्री रामस्वरूप दीक्षित
माता : श्रीमती सुनीता देवी (चतुर्वेदी)
भाई : श्री रंजन दीक्षित
मोबा : 8959131107

नाम : डॉ. कु. अंशू शर्मा,ग्वालियर
Edu : MBBS (3rd Year)
GR Medical College
Gwalior (M.P)
ग्राम : सांटा, जिला-मुरैन(म.प्र.)
पिता : इंजी.स्व. श्री पवन शर्मा (गौतम)
माता : स्व. श्रीमती सत्यवती शर्मा (पसोईया)
दादा : स्व. श्री रामरतन शर्मा

नाम : इंजी. कुं. पल्लवी शर्मा
Edu : B.Tech. (Pursuing) NIT College Bhopal
ग्राम : सिमार, तह. मेहगाँव जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री गौरी शंकर शर्मा (उपाध्याय)
माता : श्रीमती कुसुम शर्मा (गौतम)
दादा : स्व. श्री बनवारी लाल शर्मा
निवास : डी.डी.नगर, ग्वालियर (म.प्र.)
मोबा. : 9893686654

नाम : कु. जिज्ञासा शर्मा (सी.ए.) राजकोट
Working in PWC Bangalore
DOB : 09/08/1996
पिता : श्री नीरज शर्मा (गौतम) प्लांट हेड, कोठारी डायमंड प्रा.लि. राजकोट
मोबा : 9376009590
दादा : स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा मथुरा वाले पण्डित जी
माता : श्रीमती रश्मि शर्मा (बसेड़िया)
ग्राम : गढ़ी बैरू, जिला-हाथरस (उ.प्र.)
निवास : नितिन नगर, गली नं.8 कुबेर आश्रम के पास, थाटीपुर, ग्वालियर
वर्त.निवास : राजकोट, गुजरात

नाम : डॉ. कु.प्रगति शर्मा, दतिया
(MBBS) Pursuing Govt. Medical College, Datia
ग्राम : भगवासा गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री प्रमोद शर्मा (ढमोले)
(साईं ब्रिक इंडस्ट्रीज एवं राम ब्रिक इंडस्ट्रीज नाम से भिण्ड में व्यवसाय)
मोबा : 9977081641
माता : श्रीमती कविता शर्मा (सिरोठिया)
निवास : बी.एस.एफ. कॉलोनी, ग्वालियर एवं वाटर वर्क्स, भिण्ड

नाम : कु. खुशबू शर्मा, उज्जैन
जॉब : HDFC Bank Indore
Edu : MBA (International Business)
DAVV Indore
DOB : 11/07/1998
पिता : श्री राजीव शर्मा (जोशी) शर्मा ऑटो पार्टस, इंदौर
मोबा : 9425057106
दादा : श्री रामजी लाल शर्मा (उज्जैन)
: श्रीमती संगीता शर्मा (उपाध्याय)
भाई : चि. मनन शर्मा
निवास : प्राइम सिटी, बापत स्क्वायर के पास, इंदौर

नाम : कु. शुभांगी शर्मा, हैदराबाद
Legal Associate in Quislex Legal Services Pvt. Ltd. Hyderabad B.A. L.L.B. (Honours) NLU, Ranchi
पिता : डॉ. उमेश कुमार शर्मा (गौतम)
Associate Professor
FMS Marwadi University, Rajkot Gujrat
मोबा : 7028977337
माता : श्रीमती अनीता शर्मा (ढमोले)
ग्राम : चन्दहारा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
निवास : पटेल नगर, सिटी सेंटर, ग्वालियर (म.प्र.)

ाम : डॉ. अभिषेक शर्मा (ग्वालियर)
MBBS (3 Year) GRMC
Gwalior
OOB: 25/03/2001
ाम : मानिकपुरा, जिला–भिण्ड
ोताजी: श्री सत्यनारायण चतुर्वेदी
ाता : श्रीमती कविता चतुर्वेदी
(कटारे अकोड़ा)
ाचा: श्री राजकुमार चतुर्वेदी
ोबा : 9926231946
ेवासी: 324, तुलसी बिहार, सिटी सेन्टर, ग्वालियर

नाम : डॉ. मयंक शर्मा (MBBS) सागर
Pursuing, Bundelkhand
Medical College Sagar
(M.P.)
पिता : श्री सुभाष कुमार शर्मा (ढमोले)
(शिक्षक, शा.प्रा.विद्या,समनापुर
रायसेन)
मोबा : 9926252635
दादा : श्री रामलखन शर्मा
माता : श्रीमती रीता शर्मा (जोशी)
(शिक्षिका, जनपद शिक्षा केन्द्र, बाड़ी)
मूलग्राम:बिरगंवा, जिला-भिण्ड
निवास:नर्मदा हाईस्कूल, खरगोन, जिला रायसेन
एवं बाग मुगलिया, भोपाल (म.प्र.)
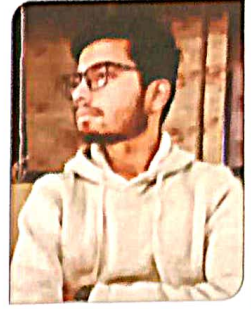
ाम : डॉ. अभिषेक शर्मा,राजकोट
Pursuing (MBBS) Govt.
Medical College, Rajkot
OOB : 01/02/2001
पेता : श्री जयप्रकाश शर्मा(सिंघोलिया)
ोबा : 9998844331
ाता : श्रीमती गीतिका शर्मा (तिवारी)
ूलग्राम: भुआ का पुरा, मुरैना (म.प्र.)
ेवास: गंज बासौदा, जिला–विदिशा

नाम : इंजी. श्री प्रांजल शर्मा, कानपुर
(IIT) B.Tec (Pursuing)
Kanpur (U.P.)
ग्राम : चपरा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)
पिता : श्री विवेक शर्मा (पाराशर)
मोबा : 7489762261
दादा : स्व.श्री जसराम शर्मा
माता : श्रीमती पिंकी शर्मा (उपाध्याय)
निवास : सुरेश नगर, ग्वालियर (म.प्र.)

ाम : डॉ. ऋषभ शर्मा, Indore
Pursuing (MBBS) Index
Medical College, Indore
ाम : रूधावली, जिला–मुरैना (म.प्र.)
ता : श्री पवनकुमार शर्मा (मुड़ियारे)
प्रधानाध्यापक,शा.मा.वि.देवरी,जौरा)
ोबा : 9926916227
ाता : श्रीमती ऊषा शर्मा (सीरोठिया)
ेवास : पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (म.प्र.)
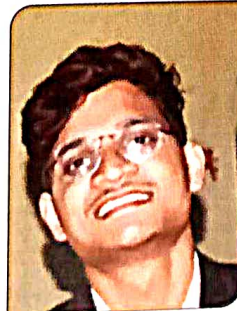
नाम : डॉ. विकास शर्मा, इन्दौर
(MBBS) Pursuing, MGM
Medical College, Indore
(M.P.)
ग्राम : सांटा, जिला-मुरैना (म.प्र.)
पिता : श्री लालसिंह शर्मा (तिवारी)
माता : श्रीमती मंजू शर्मा (सागौरिया)
मोबा : 9827823857

श्री सोमेश शर्मा
वन विभाग म.प्र.में फॉरेस्ट रेंजर
(वन क्षेत्रपाल) पद पर चयनित
पिताः श्री बड़ेलाल शर्मा
माताः श्रीमती मीना शर्मा
ग्राम : खुर्द, जिला-भिण्ड
निवास : डी.डी.नगर, ग्वालियर

कु.एकता शर्मा (इंडियन नेवी)
SSR (Indian Navy) Agniveer
में चयन
पिता :श्री अवधेश शर्मा
माता : श्रीमती शीला शर्मा
(चांद का पुरा)
दादा : श्री बनवारी लाल शर्मा
ग्राम : नदोल का पुरा, जिला-मुरैना

कु.अनामिका चतुर्वेदी
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : श्री शिवदयाल चतुर्वेदी
माता : श्रीमती सत्यवती चतुर्वेदी
ग्रामः चंदहारा, जिला-भिण्ड
हाल : डी.डी.नगर, ग्वालियर

चि. संगम शर्मा
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी परीक्षा
में सहायक विकास विस्तार अधिकारी
हेतु चयनित
पिता : स्व. श्री रामप्रकाश शर्मा
माता : श्रीमती पुष्पा देवी शर्मा
ग्राम : दबोहा, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

चि. चन्द्रशेखर शर्मा
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिताः श्री सुनील शर्मा
माता : श्रीमती शशि शर्मा
ग्राम : जामना, जिला-भिण्ड
हाल : महावीर गंज, भिण्ड

चि. प्रदीप शर्मा
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : श्री लल्लेश शर्मा
माता : श्रीमती शारदा देवी शर्मा
ग्रामः गिंगरखी, जिला-भिण्ड

चि. अनिल शर्मा
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : श्री रामशंकर शर्मा
माता : श्रीमती मुन्नी देवी शर्मा
ग्राम : गिंगरखी, जिला-भिण्ड

चि. अभिनव चतुर्वेदी
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : श्री शिवदयाल चतुर्वेदी
माता : श्रीमती सत्यवती चतुर्वेदी
ग्राम : चंदहारा, जिला-भिण्ड
निवास : डी.डी.ग्वालियर (म.प्र.)

चि.सचिन शर्मा
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : स्व.श्री अरविन्द शर्मा
माता : श्रीमती अभिलाखी शर्मा
मामा : श्री एलकार, श्रीबालस्टर,दबोहा
ग्राम : चिकनी, जिला-इटावा (उ.प्र.)
हाल : चतुर्वेदी नगर, भिण्ड (म.प्र.)
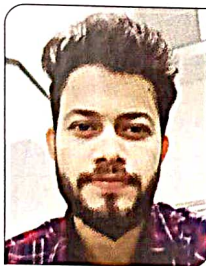
चि.अंकित दीक्षित
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : श्री रामविनोद दीक्षित
माता : श्रीमती रेखा दीक्षित (इकहरा)
ग्राम : फूप, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

चि.धर्मेन्द्र शर्मा
सहायक संपरीक्षक एवं पटवारी चयन
परीक्षा में चयनित
पिता : श्री राकेश शर्मा
माता : श्रीमती सुनीता शर्मा
ग्राम : सांटा, जिला-मुरैना

श्री कालीचरण शर्मा
से.नि. (NB SUB MACP)
पटवारी हेतु चयनित
पिता : श्री गोपाल पचौरी
माता : श्रीमती रामकुंवर शर्मा
पत्नी : श्रीमती रेखा शर्मा तिवारी
ग्राम : लंगड़िया, जिला-मुरैना

# ऋषीश्वर समाज धर्मशाला, उज्जैन

भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में ऋषीश्वर ब्राह्मण समाज काफी संगठित और सक्रिय है। यहां समाज की दो मंजिला धर्मशाला भी है जो बहादुरगंज में स्थित है। उज्जैन का ऋषीश्वर समाज वर्ष 1954 में ही धर्मशाला के लिए क्रियाशील हो गया था। उज्जैन में लगभग 60-70 परिवार निवासरत हैं। इस धर्मशाला का श्री गणेश 23 जनवरी 1979 को तब हुआ जब भूखण्ड के लिए 12 लोगों ने मिलकर रजिस्ट्री सम्पादित करायी। श्री मथुराप्रसाद जी, श्री गंगाप्रसाद जी, श्री वासुदेव जोशी जी, श्री रामचन्द्र जी, श्री चम्पालाल जी, श्री सत्यनारायण जी, श्री हरीशंकर जी, श्री प्रभूलाल जी, श्री छोटेलाल जी, श्री मेवाराम जी, श्री वसंतीलाल जी व श्री मुरलीधर जी के नाम से रजिस्ट्री हुई। सभी से मासिक चंदा एकत्रित करने का कार्य पहले ही प्रारंभ किया जा चुका था। तब से यह निरंतर विकासशील है।

वर्ष 2016 के कुम्भ के पूर्व अध्यक्ष श्री श्याम तिवारी के नेतृत्व में धर्मशाला में काफी कार्य हुआ व कुंभ के दौरान यात्रियों को सुविधा भी मिली। उज्जैन संगठन ने दो बार पत्रिका का प्रकाशन भी किया है जिसमें उज्जैन के बंधुओं के परिचय आदि दिए गए थे। धर्मशाला में समय समय पर वार्षिक व सांस्कृतिक समारोह आदि सराहनीय कार्य किये जाते हैं। मजबूत संगठन के लिए उज्जैनवासी साधूवाद के पात्र हैं।

## ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थान, जामगढ़

ऋक्षराज जामवन्त की तपस्थली जामगढ़ रायसेन जिले के बरेली तहसील में स्थित है। 'जामगढ़' गांव से आप सभी परिचित होंगे। ऋषीश्वर ब्राह्मणों का यहाँ निवास है, और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत प्राचीन स्थल है। ग्राम जामगढ़ पुरातात्विक दृष्टि से काफी समृद्ध है। लाखों साल पुरानी गुफाएँ और अत्यंत प्राचीन मंदिर जामगढ़ की अमूल्य धरोहर है। जामवन्त की गुफा के निकट होने से इसका नाम जामगढ़ पड़ा।त्रेता और द्वापर युग के ऐतहासिक पुरुष ऋक्षराज जामवन्त की निवास स्थली के निकट होने के कारण इसे यह नाम मिला। जामवन्त गुफा जिस पहाड़ी पर है उसके नीचे कुछ दूरी पर ही जामगढ़ बसा है। यह क्षेत्र जामगढ़- भगदेई नाम से प्रसिद्ध है। जामवन्त गुफा निर्जन स्थान में पहाड़ी में है, इस गुफा में जामवन्त का निवास रहा है। मान्यता है कि इसी गुफा में जामवन्त त्रेतायुग से द्वापर युग तक रहे थे। यह भी मान्यता है यहां पहाड़ पर जो पद चिन्ह हैं वे जामवन्त के हैं। जामवन्त गुफा के अलावा भी यहाँ कई प्राचीन गुफाएं हैं। शिव गुफा भी अत्यंत प्राचीन है, इस गुफा में शिवलिंग स्थापित है इसकी मान्यता है कि यह जामवन्त और उनके भाई ने स्थापित किया था, यहां एक बावड़ी भी है। सुरा गऊ गुफा उच्च कोटि के महात्माओं की तपस्थली रही है। निकट ही प्राचीन शिव मंदिर भी है और भगदेई स्थान पर भगदेवी का अत्यन्त प्राचीन मंदिर है। जामगढ़ में राम जानकी मन्दिर है जिसका जीर्णोद्वार हुआ है, सरोवर है और 1955 में स्थापित श्री ऋषीश्वर संस्कृत पाठशाला भी है।जामगढ़ के ऋषीश्वर बंधुओं के सहयोग से एक संस्कृत विद्यालय संचालित है, यह विद्यालय एक समिति 'श्री ऋषीश्वर संस्कृत शिक्षा प्रसार समिति' वर्ष 2003 द्वारा संचालित है और 'महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थानम मध्यप्रदेश' से रजिस्टर्ड है। इसमें वेद,व्याकरण,ज्योतिष, पुराणों के अध्ययन एवं कर्मकांड की शिक्षा दी जाती है। पाठशाला की स्थापना वर्ष 1955 में की गई थी, इसमें दिवंगत श्री विजयराम पटैल, श्री बालाराम पटैल, श्री जादौराम पटेल और श्री कालूराम पटैल एवं गांव के अन्य बुद्धिजीवियों की भूमिका रही। श्री रामचंद्र त्रिपाठी (ब्रह्मलीन गुरूजी) इसके प्रथम आचार्य बने। जामगढ़ के पटेल परिवार का इसमें काफी योगदान रहा है।

# ऋषीश्वर ब्राह्मण धर्मशाला भिण्ड

भिण्ड शहर में ऋषीश्वर ब्राह्मण धर्मशाला, समाज का गौरव है। ऋषीश्वर ब्राह्मण सेवा समिति भिण्ड के स्वामित्व की यह धर्मशाला दबोहा मोड़, ग्वालियर रोड भिण्ड पर स्थापित है। समिति के 340 दानदाता सदस्यों के आर्थिक सहयोग से 2250 वर्ग फीट भूखंड क्रय कर उस पर निर्माण हुआ है।एक मंजिल धर्मशाला में 1500 वर्ग फीट का एक हॉल, बरामदा, शिवजी की स्थापना के लिए मंदिर की जगह और स्नानघर आदि बने हुए हैं।अभी इसमें कुछ कार्य होना बाकी है।.....उत्तरमुखी इस इमारत के आसपास अधिकांश लोग ऋषीश्वर समाज के ही निवास करते हैं।समिति ने यह जगह वर्ष 2008 में क्रय की थी, फिर इसके बाद वर्ष 2016 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इस कार्य में समर्पित लोगों में श्री जगदंबा प्रसाद शर्मा, श्री रामदुलारे शर्मा, डॉ.खेमराज शर्मा, श्री राजकुमार उपाध्याय, पं.श्री राजीव शर्मा, श्री पुरुषोत्तम शर्मा, श्री देवेन्द्र दीक्षित व अन्य बंधूजन भी शामिल रहें हैं।

# ऋषीश्वर आश्रम वृन्दावनधाम

संत शांतिदास द्वारा स्थापित ऋषीश्वर आश्रम वृन्दावन धाम से सभी परिचित हैं।इसे ग्राम बिरगवां जिला भिण्ड के गोलोकवासी संत श्री 1008 शांतिदास जी महाराज ने स्थापित किया था।वे बाल ब्रह्मचारी थे और वृंदावन आकर रहने लगे थे।वर्ष 1984 में उन्होंने अपनी गांव की कृषि भूमि बेच कर परिक्रमा मार्ग रामनगर में आश्रम की जगह खरीदी थी। उसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया था। प्रारंभ में कुछ कमरे बनवायें और कुंआ खुदवाया था बाद में धीरे धीरे विस्तार होता रहा, वर्ष 1998 में वे गोलोकवासी हो गए थे उसके पूर्व ही उन्होंने आश्रम को समाज के लिए समर्पित कर दिया था संत रघुनाथ दास जी भी आश्रम में काफी समय रहे थे और व्यवस्था बनाए रखी। कुछ समय बाद आश्रम में चंदोखर के पटेल स्व. ब्रजमोहन जी ने समर्पण भाव से स्वयं भी आर्थिक सहयोग किया था और अन्य लोगों के सहयोग से काफी कार्य करवाए थे।आश्रम में ही उनका अक्स्मिक निधन भी हो गया था। उसके बाद भी धीरे धीरे विभिन्न लोगों के माध्यम से आश्रम का विस्तार होता रहा है वर्तमान में आश्रम की व्यवस्था श्री तुलसीदास जी (अकोडा वाले) देख रहें हैं।

संत शिरोमणि श्री श्री 1008 बाबा शान्तिदास जी महाराज
ऋषीश्वर आश्रम वृन्दावन धाम गोलोकवास दि. 31/07/1998